रेमंड चांडलर

बड़ी नींद

"रेमंड चैंडलर एक मास्टर है। द न्यूयॉर्क टाइम्स

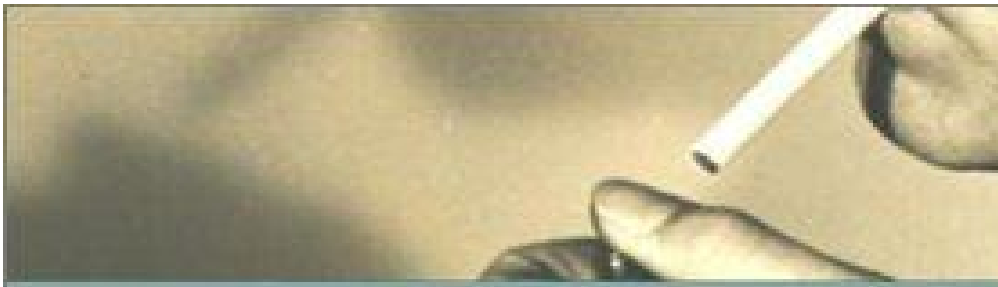

रेमंड चांडलर

बड़ी नींद

"रेमंड चैंडलर एक मास्टर है। दे न्यूयॉर्क टाइम्स

RAYMON
CHANDL

The Big Sle

"Raymond Chandler is a master." —The New York

अक्टूबर के मध्य में, सुबह के लगभग ग्यारह बज रहे थे। सूरज नहीं चमक रहा था और पहाड़ियों की साफ-सुथरी छाया में हल्की बारिश की आहट सुनाई दे रही थी। मैंने हल्के नीले रंग का सूट, गहरे नीले रंग की कमीज, टाई और रुमाल पहना हुआ था, साथ में काले रंग के जूते और गहरे नीले रंग के डिज़ाइन वाले काले ऊनी मोज़े थे। मैं साफ-सुथरा, दाढ़ी बनाया हुआ और होश में था, और मुझे इस बात की परवाह नहीं थी कि कौन इसे जानता है। मैं एक अच्छे कपड़े पहने हुए जासूस की हर ज़रूरत को पूरा कर रहा था। मैं चार मिलियन डॉलर के मामले की सुनवाई कर रहा था।

स्टर्नवुड के घर का मुख्य गलियारा दो मंजिला था। प्रवेश द्वार के ऊपर, जहाँ से भारतीय हाथियों का झुंड भी अंदर आ सकता था, एक चौड़ा रंगीन कांच का पैनल लगा था। उस पैनल में गहरे कवच में लिपटा एक योद्धा एक महिला को पेड़ से बचाते हुए दिखाया गया था, जिसके शरीर पर कपड़े नहीं थे, सिवाय उसके लंबे और सुविधाजनक बालों के। योद्धा ने मिलनसार दिखने के लिए अपने हेलमेट का विज़र पीछे कर लिया था और वह महिला को पेड़ से बांधने वाली रस्सियों की गांठों को खोलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिल रही थी। मैं वहीं खड़ा रहा और सोचने लगा कि अगर मैं उस घर में रहता, तो मुझे भी कभी न कभी ऊपर चढ़कर उसकी मदद करनी पड़ती। ऐसा लग रहा था जैसे वह सच में कोई कोशिश नहीं कर रहा हो।

हॉल के पीछे फ्रेंच दरवाज़े थे, उनके आगे हरे-भरे घास का एक विस्तृत मैदान एक सफेद गैराज तक फैला हुआ था, जिसके सामने चमकदार काली लेगिंग पहने एक दुबला-पतला, सांवला युवा ड्राइवर एक मैरून पैकार्ड कन्वर्टिबल कार की धूल झाड़ रहा था। गैराज के आगे कुछ सजावटी पेड़ थे जिन्हें पूडल कुत्तों की तरह करीने से काटा-छाँटा गया था। उनके आगे गुंबददार छत वाला एक बड़ा हरा घर था। फिर और पेड़ थे और इन सबसे परे पहाड़ियों की ठोस, ऊबड़-खाबड़, आरामदायक रेखा फैली हुई थी।

हॉल के पूर्वी हिस्से में टाइलों से बनी एक खुली सीढ़ी ऊपर एक गैलरी तक जाती थी, जिसमें लोहे की रेलिंग और रंगीन कांच की एक और मनमोहक कलाकृति थी। चारों ओर की दीवार के खाली हिस्सों में लाल मखमली गोल सीटों वाली बड़ी-बड़ी कुर्सियाँ रखी थीं। ऐसा लगता था मानो उन पर कभी कोई बैठा ही न हो। पश्चिमी दीवार के बीचोंबीच एक बड़ा खाली चिमनी था, जिसमें चार कब्ज़ेदार पैनलों वाली पीतल की स्क्रीन लगी थी, और चिमनी के ऊपर कोनों पर कामदेवों की आकृतियाँ वाला संगमरमर का मेंटल था। मेंटल के ऊपर एक बड़ा तेल चित्र था, और चित्र के ऊपर कांच के फ्रेम में दो गोलियों से छलनी या कीड़ों से खाए हुए घुड़सवार सेना के झंडे एक दूसरे को काट रहे थे। चित्र में मैक्सिकन युद्ध के समय के एक अधिकारी को पूरी वर्दी में दिखाया गया था। अधिकारी ने साफ-सुथरा काला इंपीरियल सूट, काली मूंछें, तेज, कठोर, कोयले जैसी काली आँखें बना रखी थीं, और कुल मिलाकर वह ऐसा व्यक्ति लग रहा था जिससे दोस्ती करना फायदेमंद होता। मुझे लगा कि यह जनरल स्टर्नवुड के दादाजी हो सकते हैं। यह स्वयं जनरल तो हो ही नहीं सकते, हालांकि मैंने सुना था कि उनकी उम्र इतनी अधिक हो चुकी थी कि उनकी दो बेटियां अभी भी खतरनाक बीस के दशक में थीं।

मैं अब भी उन गर्म काली आँखों को घूर ही रहा था कि सीढ़ियों के नीचे दूर एक दरवाजा खुला। यह नौकर नहीं था जो वापस आ रहा था। यह एक लड़की थी।

वह लगभग बीस साल की थी, छोटी और नाजुक सी, लेकिन देखने में मजबूत लग रही थी। उसने हल्के नीले रंग की पैंट पहनी थी जो उस पर खूब जंच रही थी। वह ऐसे चल रही थी मानो हवा में तैर रही हो। उसके बाल हल्के भूरे रंग के थे, जो आजकल के फैशन के हिसाब से काफी छोटे कटे हुए थे, जबकि आजकल बालों के निचले हिस्से में कर्ल किए हुए पेज बॉय स्टाइल के बाल बहुत छोटे होते हैं। उसकी आंखें स्लेटी ग्रे रंग की थीं और जब उसने मेरी तरफ देखा तो उनमें कोई भाव नहीं था। वह मेरे पास आई और मुस्कुराई। उसके छोटे-छोटे नुकीले, शिकारी जैसे दांत थे, जो ताजे संतरे की गुठलियों की तरह सफेद और चीनी मिट्टी की तरह चमकदार थे। उसके पतले, कसे हुए होंठों के बीच वे चमक रहे थे। उसके चेहरे पर रौनक नहीं थी और वह स्वस्थ भी नहीं लग रही थी।

"लंबे हो, है ना?" उसने कहा।

मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था।

उसकी आँखें गोल हो गईं। वह उलझन में थी। वह सोच रही थी। उस संक्षिप्त मुलाकात में भी मैं समझ गया था कि सोचना हमेशा उसके लिए एक परेशानी ही रहेगा।

"और तुम सुंदर भी हो," उसने कहा। "और मुझे यकीन है कि तुम यह जानते हो।" मैंने बस हल्की सी आवाज़ निकाली।

"तुम्हारा नाम क्या है?"

मैंने कहा, "रेली। डॉगहाउस रेली।"

"ये तो बड़ा अजीब नाम है।" उसने अपने होंठ दबाए, थोड़ा सा सिर घुमाया और आँखों से मेरी तरफ देखा। फिर उसने अपनी पलकें नीचे झुकाईं, मानो गालों को छू रही हों, और फिर धीरे-धीरे ऊपर उठाईं, जैसे थिएटर का पर्दा। मुझे ये तरकीब सीखनी थी। इससे मुझे पीठ के बल लेटकर चारों पंजे हवा में उठाने पड़ते।

"क्या आप पेशेवर मुक्केबाज हैं?" उसने मुझसे पूछा, जब मैंने जवाब नहीं दिया।

"बिल्कुल नहीं। मैं एक जासूस हूँ।"

"आ—आ—" उसने गुस्से से अपना सिर झटक दिया, और बड़े हॉल की हल्की रोशनी में उसके सिर का गहरा रंग चमक उठा। "तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो।"

"उह उह।"

"क्या?"

मैंने कहा, "तुम जाओ। तुमने मुझे सुना।"

"तुमने कुछ नहीं कहा। तुम तो बस मुझे चिढ़ाती रहती हो।" उसने अंगूठा ऊपर उठाया और उसे दांतों से दबाया। उसका अंगूठा अजीबोगरीब आकार का था, पतला और संकरा, जैसे कोई अतिरिक्त उंगली हो, पहले जोड़ में कोई घुमाव नहीं था। उसने उसे दांतों से दबाया और धीरे-धीरे चूसा, उसे मुंह में ऐसे घुमाया जैसे कोई बच्चा कंबल से खेल रहा हो।

"तुम बहुत लंबे हो," उसने कहा। फिर वह दबी हुई खुशी से खिलखिला उठी। फिर उसने धीरे-धीरे

और फुर्ती से अपना शरीर घुमाया, बिना पैर उठाए। उसके हाथ उसके बगल में लटक गए। वह अपने पंजों पर खड़ी होकर मेरी ओर झुकी। वह सीधे मेरी बाहों में गिर पड़ी। मुझे उसे पकड़ना ही था, नहीं तो उसका सिर टाइलों वाले फर्श पर टकरा जाता। मैंने उसे बाहों के नीचे से पकड़ा और वह तुरंत मेरे ऊपर उछल पड़ी। मुझे उसे कसकर पकड़ना पड़ा ताकि वह खड़ी रह सके। जब उसका सिर मेरी छाती से लगा, तो उसने उसे घुमाया और मेरी ओर देखकर खिलखिला उठी।
"तुम बहुत प्यारी हो," वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। "मैं भी प्यारी हूं।"
मैंने कुछ नहीं कहा। इसलिए बटलर ने ठीक उसी समय फ्रेंच दरवाजों से वापस आकर मुझे उसे पकड़े हुए देख लिया।
उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। वह लंबा, पतला, चांदी जैसा दिखने वाला आदमी था, लगभग साठ साल का या उससे थोड़ा ज़्यादा। उसकी नीली आँखें इतनी गहरी थीं मानो किसी दूसरी दुनिया में खोई हुई हों। उसकी त्वचा चिकनी और चमकदार थी और वह एक तंदुरुस्त आदमी की तरह चलता था। वह धीरे-धीरे फर्श पर हमारी तरफ बढ़ा और लड़की मुझसे दूर हट गई। वह कमरे के उस पार सीढ़ियों के नीचे तक भागी और हिरण की तरह ऊपर चढ़ गई। इससे पहले कि मैं एक गहरी साँस ले पाती, वह गायब हो गई।
बटलर ने भावहीन स्वर में कहा: "जनरल आपसे अभी मिलेंगे, मिस्टर मार्लो।"
मैंने अपने जबड़े को सीने से ऊपर उठाया और उसकी ओर सिर हिलाया। "वह कौन था?"
"श्रीमान, मिस कारमेन स्टर्नवुड।"
"आपको उसका दूध छुड़ा देना चाहिए। वह अब काफी बड़ी हो गई है।"
उन्होंने अत्यंत विनम्रता से मेरी ओर देखा और अपनी कही हुई बात दोहराई।
2
हम फ्रेंच दरवाज़े से बाहर निकले और गैरेज से दूर लॉन के किनारे से गुज़रते हुए एक चिकने, लाल रंग के झंडे वाले रास्ते पर चल पड़े। युवा दिखने वाला ड्राइवर एक बड़ी काली और क्रोमियम रंग की सेडान कार लेकर निकला था और उसे साफ़ कर रहा था। रास्ता हमें ग्रीनहाउस के किनारे ले गया और बटलर ने मेरे लिए एक दरवाज़ा खोला और एक तरफ खड़ा हो गया। वह एक छोटे से गलियारे में खुलता था जो धीमी आंच पर पक रहे ओवन जितना गर्म था। वह मेरे पीछे आया, बाहरी दरवाज़ा बंद किया, अंदर का दरवाज़ा खोला और हम उससे अंदर चले गए। फिर तो सच में बहुत गर्मी थी। हवा घनी, नम, भाप से भरी हुई थी और खिले हुए उष्णकटिबंधीय ऑर्किड की तेज़ गंध से लथपथ थी। कांच की दीवारें और छत धुंध से ढकी हुई थीं और नमी की बड़ी-बड़ी बूंदें पौधों पर गिर रही थीं। रोशनी का रंग अवास्तविक हरा था, जैसे किसी एक्वेरियम टैंक से छनकर आती रोशनी। पौधे पूरे स्थान पर फैले हुए थे, मानो उनका जंगल हो, जिनमें खुरदुरे, मांसल पत्ते और डंठल थे, जैसे मरे हुए लोगों की नई धुली उंगलियां हों। उनकी गंध कंबल के नीचे उबलती शराब जैसी तेज़ थी।
बटलर ने मुझे भीगे पत्तों से चेहरे पर चोट लगने से बचाने की पूरी कोशिश की, और थोड़ी देर बाद हम जंगल के बीचोंबीच, गुंबददार छत के नीचे एक खुली जगह पर पहुँचे। यहाँ, षट्कोणीय पत्थरों से बनी जगह में, एक पुराना लाल तुर्की कालीन बिछा हुआ था और उस पर एक व्हीलचेयर थी।

व्हीलचेयर में एक बूढ़ा और स्पष्ट रूप से मरणासन्न व्यक्ति हमें आते हुए देख रहा था। उसकी काली आँखों में अब कोई चमक नहीं बची थी, लेकिन फिर भी उनमें वही कोयले जैसी काली तीव्रता थी जो ओलों से भीगे हुए मेंटलपीस के ऊपर टंगे चित्र में थी। उसका बाकी चेहरा एक सीसे के मुखौटे जैसा था, जिसमें रक्तहीन होंठ, नुकीली नाक, धँसी हुई कनपटी और बाहर की ओर मुड़े हुए कान थे जो उसके पतन का संकेत दे रहे थे। उसका लंबा पतला शरीर उस गर्मी में एक यात्रा के कालीन और एक फीके लाल बाथरोब में लिपटा हुआ था। उसके पतले पंजे जैसे हाथ कालीन पर ढीले-ढाले ढंग से मुड़े हुए थे, जिन पर बैंगनी रंग के नाखून थे। उसके सिर पर सूखे सफेद बालों की कुछ लटें चिपकी हुई थीं, मानो नंगी चट्टान पर जंगली फूल जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हों।

बटलर उसके सामने खड़ा हुआ और बोला: "यह श्री मार्लो हैं, जनरल।"

बूढ़ा आदमी न हिला, न बोला, न ही उसने सिर हिलाया। वह बस मुझे बेजान निगाहों से देखता रहा। नौकर ने मेरे पैरों के पीछे एक गीली बेंत की कुर्सी सरका दी और मैं बैठ गया। उसने बड़ी फुर्ती से मेरी टोपी उठा ली।

फिर बूढ़े आदमी ने कुएं की तलहटी से अपनी आवाज खींचकर कहा: "ब्रांडी, नॉरिस। आपको अपनी ब्रांडी कैसी पसंद है, महोदय?"

मैंने कहा, "किसी भी तरह से।"

नौकर उन घिनौने पौधों के बीच चला गया। जनरल ने फिर धीरे-धीरे बोलना शुरू किया, अपनी ताकत का इस्तेमाल उतनी ही सावधानी से करते हुए जैसे कोई बेरोजगार शो-गर्ल अपने आखिरी अच्छे मोजों का इस्तेमाल करती है।

"मुझे तो शैम्पेन के साथ पीना पसंद था। शैम्पेन इतनी ठंडी कि वैली फोर्ज जैसी ठंडी हो और उसके नीचे लगभग एक तिहाई गिलास ब्रांडी। आप अपना कोट उतार सकते हैं, महोदय। यहाँ इतनी गर्मी है कि रगों में खून दौड़ रहा है।"

मैं उठा, अपना कोट उतारा, रुमाल निकाला और अपना चेहरा, गर्दन और कलाई के पिछले हिस्से को पोंछा। अगस्त के सेंट लुइस की तुलना में यह जगह कहीं बेहतर थी। मैं फिर से बैठ गया और मुझे अपने आप सिगरेट पीने का मन हुआ, लेकिन मैं रुक गया। बूढ़े आदमी ने मेरी इस हरकत को भांप लिया और हल्की सी मुस्कान दी।

"आप धूम्रपान कर सकते हैं, महोदय। मुझे तंबाकू की गंध पसंद है।"

मैंने सिगरेट जलाई और उस पर एक कश लगाया, और उसने उसे ऐसे सूंघा जैसे कोई टेरियर कुत्ता चूहे के बिल को सूंघता है। उसके होंठों के धुंधले कोनों पर हल्की सी मुस्कान उभर आई।

"जब किसी व्यक्ति को अपनी बुराइयों को दूसरों के ज़रिए पूरा करना पड़ता है, तो यह कितनी अजीब स्थिति होती है," उसने रूखेपन से कहा। "आप एक दिखावटी जीवन के बेहद नीरस अस्तित्व को देख रहे हैं, एक अपाहिज जिसके दोनों पैर लकवाग्रस्त हैं और पेट का निचला हिस्सा आधा ही है। मेरे पास खाने के लिए बहुत कम है और मेरी नींद इतनी मुश्किल से जागने के करीब आती है कि उसे नींद कहना भी बेकार है। मैं नवजात मकड़ी की तरह, लगभग पूरी तरह से गर्मी पर ही जीवित हूँ, और ऑर्किड मेरे लिए गर्मी पाने का एक बहाना मात्र हैं। क्या आपको ऑर्किड

पसंद हैं?"
मैंने कहा, "खास तौर पर नहीं।"
जनरल ने अपनी आँखें आधी बंद कर लीं। "ये घिनौनी चीज़ें हैं। इनका मांस पुरुषों के मांस से बहुत मिलता-जुलता है। और इनकी गंध किसी वेश्या की सड़ी हुई मीठी गंध जैसी है।"
मैं उसे मुँह खुला रखकर देखता रहा। चारों ओर फैली नम गर्मी मानो एक कफ़न की तरह थी। बूढ़े आदमी ने सिर हिलाया, मानो उसकी गर्दन उसके सिर के भार से डर रही हो। तभी नौकर चाय की गाड़ी लेकर जंगल से वापस आया, मेरे लिए ब्रांडी और सोडा मिलाया, तांबे की बर्फ की बाल्टी को एक नम रुमाल से लपेटा और धीरे से ऑर्किड के बीच चला गया। जंगल के पीछे एक दरवाजा खुला और बंद हो गया।
मैंने पेय की एक घूंट ली। बूढ़ा आदमी मुझे देखते हुए बार-बार अपने होंठ चाट रहा था, मानो किसी अंतिम संस्कार करने वाले की तरह अंतिम संस्कार के दौरान अपने हाथ धो रहा हो।
"श्री मार्लो, अपने बारे में कुछ बताइए। मुझे लगता है कि मुझे पूछने का अधिकार है?"
"हाँ, लेकिन बताने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है। मेरी उम्र तैंतीस साल है, मैंने एक बार कॉलेज की पढ़ाई की है और अगर ज़रूरत पड़े तो मैं अब भी अंग्रेज़ी बोल सकता हूँ। मेरे पेशे में ज़्यादा काम नहीं है। मैंने एक बार ज़िला अटॉर्नी श्री वाइल्ड के यहाँ जांचकर्ता के रूप में काम किया था। उनके मुख्य जांचकर्ता, बर्नी ओहल्स नाम के एक व्यक्ति ने मुझे फ़ोन किया और बताया कि आप मुझसे मिलना चाहते हैं। मैं अविवाहित हूँ क्योंकि मुझे पुलिसवालों की पत्नियाँ पसंद नहीं हैं।"
"और थोड़े से संशयवादी भी," बूढ़े आदमी ने मुस्कुराते हुए कहा। "आपको वाइल्ड के लिए काम करना पसंद नहीं था?"
"मुझे बर्खास्त कर दिया गया। अनुशासनहीनता के लिए। जनरल, अनुशासनहीनता के मामले में मेरा स्कोर बहुत खराब है।"
"मैं हमेशा से ऐसा ही करता आया हूँ, महोदय। यह सुनकर मुझे खुशी हुई। आप मेरे परिवार के बारे में क्या जानते हैं?"
"मुझे बताया गया है कि आप विधुर हैं और आपकी दो जवान बेटियाँ हैं, दोनों सुंदर और दोनों ही चंचल। उनमें से एक की तीन बार शादी हो चुकी है, आखिरी बार एक पूर्व शराब तस्कर से, जो रस्टी रेगन के नाम से इस धंधे में था। मैंने बस इतना ही सुना है, जनरल।"
"क्या आपको इसमें से कुछ भी अजीब लगा?"
"शायद रस्टी रेगन वाला हिस्सा। लेकिन मैं खुद शराब तस्करों के साथ हमेशा अच्छे संबंध रखता था।"
उन्होंने अपनी हल्की, संयमित मुस्कान बिखेरी। "लगता है मुझे भी ऐसा ही लगता है। मुझे रस्टी बहुत पसंद है। क्लोनमेल का एक लंबा-चौड़ा, घुंघराले बालों वाला आयरिश आदमी, जिसकी आँखें उदास हैं और मुस्कान विल्शायर बुलेवार्ड जितनी चौड़ी है। जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मुझे लगा कि शायद वह वही है जो आप सोच रहे होंगे, एक साहसी व्यक्ति जो संयोगवश मखमल में लिपट गया हो।"
मैंने कहा, "तुम्हें वो पसंद आया होगा। तुमने उसकी भाषा बोलना सीख लिया।"

उसने अपने पतले, रक्तहीन हाथों को कालीन के किनारे के नीचे रखा। मैंने सिगरेट का टुकड़ा बुझाया और अपना पेय समाप्त किया।

"जब तक वो मेरे साथ रहे, मेरे लिए जीवन की साँस थे। वो घंटों मेरे साथ बिताते थे, पसीने से तरबतर हो जाते थे, खूब ब्रांडी पीते थे और मुझे आयरिश क्रांति की कहानियाँ सुनाते थे। वो भारतीय नौसेना में अधिकारी रह चुके थे। वो कानूनी तौर पर अमेरिका में भी नहीं थे। बेशक, यह एक बेतुकी शादी थी, और शायद एक महीने भी नहीं चली, शादी के तौर पर। मैं आपको परिवार के राज़ बता रही हूँ, मिस्टर मार्लो।"

मैंने कहा, "ये अब भी रहस्य हैं। उसके साथ क्या हुआ?"

बूढ़े आदमी ने मुझे भावहीन निगाहों से देखा। "वह एक महीने पहले चला गया। अचानक, बिना किसी से कुछ कहे। मुझे अलविदा भी नहीं कहा। इससे थोड़ा दुख हुआ, लेकिन उसकी परवरिश एक सख्त माहौल में हुई थी। मुझे उससे किसी दिन खबर मिल जाएगी। इस बीच मुझे फिर से ब्लैकमेल किया जा रहा है।"

मैंने कहा: "फिर से?"

उसने अपने हाथों में एक भूरा लिफाफा लिए कालीन के नीचे से बाहर निकाला। "रस्टी के रहते हुए जिसने भी मुझे ब्लैकमेल करने की कोशिश की, मुझे उसके लिए बहुत खेद हुआ होगा। उसके आने से कुछ महीने पहले—यानी लगभग नौ या दस महीने पहले—मैंने जो ब्रोडी नाम के एक आदमी को पाँच हज़ार डॉलर दिए थे ताकि वह मेरी छोटी बेटी कारमेन को अकेला छोड़ दे।"

"आह," मैंने कहा।

उसने अपनी पतली सफेद भौहें हिलाईं। "इसका मतलब क्या है?"

मैंने कहा, "कुछ नहीं।"

वह मुझे घूरता रहा, उसके चेहरे पर हल्की सी भौंहें थीं। फिर उसने कहा: "यह लिफाफा लो और इसे ध्यान से देखो। और ब्रांडी तुम खुद पी लो।"

मैंने उसके घुटनों से लिफाफा उठाया और उसे लेकर फिर बैठ गया। मैंने अपनी हथेलियों को पोंछा और उसे पलट दिया। उस पर जनरल गाय स्टेमवुड, 3765 अल्टा ब्रेआ क्रिसेंट; वेस्ट हॉलीवुड, कैलिफोर्निया का पता लिखा था। पता स्याही से, इंजीनियरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली तिरछी छपाई में लिखा था। लिफाफा फटा हुआ था। मैंने उसे खोला और उसमें से एक भूरा कार्ड और मोटे कागज की तीन पर्चियां निकालीं। कार्ड पतले भूरे लिनेन का था, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा था: "श्री आर्थर ग्विन गीगर।" कोई पता नहीं था। नीचे बाईं ओर बहुत छोटे अक्षरों में लिखा था: "दुर्लभ पुस्तकें और डी लक्स संस्करण।" मैंने कार्ड को पलट दिया। पीछे की तरफ भी तिरछी छपाई थी। "प्रिय महोदय: हालांकि संलग्न सामग्री कानूनी रूप से वसूली योग्य नहीं है, जो स्पष्ट रूप से जुए के कर्ज को दर्शाती है, मुझे लगता है कि आप इसे चुकाना चाहेंगे। सादर, ए. जी. गीगर।"

मैंने मोटे सफेद कागज की पर्चियों को देखा। ये स्याही से भरे हुए वचन पत्र थे, जिन पर पिछले महीने यानी सितंबर की शुरुआत में कई तारीखें लिखी थीं। "मांग पर मैं आर्थर ग्विन गीगर या उनके आदेश पर एक हजार डॉलर (1000.00 डॉलर) बिना ब्याज के भुगतान करने का वादा

करती हूं। राशि प्राप्त। कारमेन स्टर्नवुड।"
लिखावट बेतरतीब और मूर्खतापूर्ण थी, जिसमें बहुत सारे मोटे घुमावदार निशान और बिंदुओं के लिए गोले बने हुए थे। मैंने अपने लिए एक और पेय बनाया, उसे थोड़ा सा पिया और प्रदर्शनी को एक तरफ रख दिया।
"आपके निष्कर्ष क्या हैं?" जनरल ने पूछा।
"मुझे अभी तक कोई जानकारी नहीं है। यह आर्थर ग्विन गीगर कौन है?"
मुझे इस बारे में जरा भी जानकारी नहीं है।
"कारमेन क्या कहती है?"
"मैंने उससे पूछा नहीं है। मेरा ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। अगर मैंने पूछा भी तो वो अपना अंगूठा चूसने लगेगी और शर्माने लगेगी।"
मैंने कहा: "मैं उससे ओलों के बीच मिला था। उसने मेरे साथ ऐसा किया। फिर उसने मेरी गोद में बैठने की कोशिश की।"
उसके चेहरे के भाव में कोई बदलाव नहीं आया। उसके जुड़े हुए हाथ कालीन के किनारे पर शांति से टिके हुए थे, और गर्मी, जिसने मुझे न्यू इंग्लैंड के उबले हुए खाने जैसा महसूस कराया, उसे जरा भी गर्म नहीं कर रही थी।
मैंने पूछा, "क्या मुझे विनम्र होना पड़ेगा? या मैं बस स्वाभाविक रह सकती हूँ?"
"मुझे नहीं लगता कि आपमें बहुत संकोच है, श्री मार्लो।"
क्या वे दोनों लड़कियां एक साथ घूमती हैं?
मुझे नहीं लगता। मुझे लगता है कि वे दोनों विनाश के अपने-अपने अलग और थोड़े भिन्न रास्तों पर चलेंगे। विवियन बिगड़ी हुई, सख्त, होशियार और काफी निर्दयी है। कारमेन एक बच्ची है जिसे मक्खियों के पंख नोचने में मजा आता है। उनमें से किसी में भी बिल्ली से ज्यादा नैतिक समझ नहीं है। मुझमें भी नहीं है। किसी भी स्टर्नवुड में कभी नहीं थी। आगे बढ़ो।
"मुझे लगता है कि वे अच्छी तरह से शिक्षित हैं। उन्हें पता है कि वे क्या कर रहे हैं।"
"विवियन ने दिखावटी किस्म के अच्छे स्कूलों और कॉलेज में पढ़ाई की। कारमेन ने ज़्यादा से ज़्यादा उदार स्कूलों में आधा दर्जन बार पढ़ाई की और अंत में वहीं पहुँच गई जहाँ से उसने शुरुआत की थी। मेरा मानना है कि उन दोनों में आम तौर पर पाई जाने वाली सभी बुराइयाँ थीं और अभी भी हैं। अगर मेरी बातें एक अभिभावक के तौर पर थोड़ी भयावह लग रही हैं, श्री मार्लो, तो इसका कारण यह है कि जीवन पर मेरी पकड़ इतनी कमज़ोर है कि उसमें विक्टोरियन युग का कोई पाखंड समाहित नहीं है।" उन्होंने अपना सिर पीछे झुकाया और आँखें बंद कर लीं, फिर अचानक उन्हें खोल दिया। "मुझे यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि जो व्यक्ति चौवन वर्ष की आयु में पहली बार माता-पिता बनता है, वह अपने कर्मों का फल भोगने का हकदार है।"
मैंने अपने पेय का एक घूंट लिया और सिर हिलाया। उनके दुबले-पतले, भूरे गले में नब्ज़ स्पष्ट रूप से धड़क रही थी, फिर भी इतनी धीमी कि मानो धड़कन महसूस ही न हो रही हो। एक बूढ़ा आदमी जो लगभग मर चुका था, फिर भी यह मानने को दृढ़ था कि वह इसे सह सकता है।
"तुम्हारे निष्कर्ष क्या हैं?" उसने अचानक गुस्से से कहा।

मैं उसे पैसे दे दूंगा।
"क्यों?"
"यह थोड़े से पैसे और बहुत सारी झुंझलाहट का सवाल है। इसके पीछे कोई न कोई वजह तो होगी ही। लेकिन अगर किसी ने आपका दिल नहीं तोड़ा है, तो कोई और नहीं तोड़ेगा। और आपको इतना लूटने के लिए बहुत सारे धोखेबाजों को बहुत सारा समय और मेहनत करनी पड़ेगी कि आपको इसका एहसास भी हो।"
"मुझे गर्व है, महोदय," उसने ठंडे स्वर में कहा।
"कोई इसी बात का फायदा उठा रहा है। उन्हें बेवकूफ बनाने का यही सबसे आसान तरीका है। या फिर पुलिस। अगर आप धोखाधड़ी साबित नहीं कर सकते, तो गीगर इन नोटों की वसूली कर सकता है। इसके बजाय, वह आपको ये नोट तोहफे में दे देता है और मान लेता है कि ये जुए के कर्ज हैं, जिससे आपको बचाव का मौका मिल जाता है, भले ही उसने नोट अपने पास रखे हों। अगर वह धोखेबाज है, तो उसे अपने काम की पूरी जानकारी होगी, और अगर वह ईमानदार आदमी है जो साइड में थोड़ा-बहुत कर्ज का धंधा करता है, तो उसे अपना पैसा मिल जाना चाहिए। ये जो ब्रोडी कौन था जिसे आपने पाँच हज़ार डॉलर दिए थे?"
"कोई जुआरी था। मुझे ठीक से याद नहीं। नॉरिस को पता होगा। मेरा बटलर।"
"जनरल, क्या आपकी बेटियों के पास भी अपनी कमाई है?"
"विवियन को मिलता तो है, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। कारमेन अभी भी अपनी मां की वसीयत के अनुसार नाबालिग है। मैं उन दोनों को उदारतापूर्वक भत्ता देता हूं।"
मैंने कहा: "जनरल जी, अगर आप यही चाहते हैं तो मैं आपके ऊपर से यह बोझ हटा सकता हूँ। चाहे वो कोई भी हो और उसके पास जो कुछ भी हो। मुझे भुगतान करने के अलावा आपको थोड़ा पैसा देना पड़ सकता है। और बेशक इससे आपको कुछ नहीं मिलेगा। उन्हें खुश करने से कभी कुछ नहीं होता। आपका नाम तो पहले से ही उनकी ज़ुबान पर है।"
"मैं समझ गया।" उसने फीके लाल बाथरोब में अपने चौड़े, नुकीले कंधों को उचकाते हुए कहा। "अभी थोड़ी देर पहले तुमने कहा था कि उसे पैसे दो। अब तुम कह रहे हो कि इससे मुझे कुछ नहीं मिलेगा।"
"मेरा मतलब है कि एक निश्चित मात्रा में दबाव सहन करना शायद सस्ता और आसान हो सकता है। बस इतना ही।"
"मुझे खेद है कि मैं थोड़ा अधीर व्यक्ति हूँ, श्रीमान मार्लो। आपके आरोप क्या हैं?"
"मुझे प्रतिदिन पच्चीस डॉलर और खर्चे मिलते हैं—जब मैं भाग्यशाली होता हूँ।"
"मैं समझ गया। लोगों की पीठ से विकृत गांठें हटाने के लिए यह काफी तर्कसंगत लगता है। यह काफी नाजुक ऑपरेशन है। मुझे उम्मीद है कि आप यह समझते हैं। आप ऑपरेशन को मरीज के लिए जितना हो सके उतना कम कष्टदायक बनाने की कोशिश करेंगे? श्री मार्लो, हो सकता है कि उनमें से कई हों।"
मैंने अपना दूसरा घूंट खत्म किया और अपने होंठ और चेहरा पोंछा। ब्रांडी का असर कम नहीं हुआ था। जनरल ने मेरी तरफ पलकें झपकाईं और अपने कालीन के किनारे को खींचने लगे।

"क्या मैं इस आदमी के साथ कोई सौदा कर सकता हूँ, अगर मुझे लगता है कि वह ईमानदारी के करीब है?"
"जी हां। अब मामला आपके हाथ में है। मैं कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ता।"
मैंने कहा, "मैं उसे बाहर ले जाऊंगा। उसे लगेगा जैसे उस पर पुल गिर गया हो।"
"मुझे यकीन है कि आप समझ जाएँगे। और अब मुझे जाना होगा। मैं थक गया हूँ।" उसने हाथ बढ़ाकर अपनी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर लगी घंटी को छुआ। घंटी का तार एक काले केबल में लगा हुआ था जो गहरे हरे रंग के उन डिब्बों के किनारे लिपटा हुआ था जिनमें ऑर्किड उग रहे थे और सड़ रहे थे। उसने अपनी आँखें बंद कीं, फिर एक पल के लिए चमकदार निगाहों से उन्हें खोला और अपने कुशनों पर वापस लेट गया। पलकें फिर से झुक गईं और उसने मेरी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया।
मैं उठा और गीली बेंत की कुर्सी के पीछे से अपना कोट उठाया और उसे लेकर ऑर्किड के बीच चला गया, दोनों दरवाजे खोले और अक्टूबर की ठंडी हवा में बाहर खड़ा होकर थोड़ी ताज़ी हवा ली। गैराज के पास खड़ा ड्राइवर जा चुका था। बटलर लाल पगडंडी पर हल्के कदमों से, एकदम सीधी कमर के साथ आता हुआ दिखाई दिया। मैंने अपना कोट पहना और उसे आते हुए देखता रहा।
वह मुझसे लगभग दो फीट की दूरी पर रुका और गंभीरता से बोला: "श्रीमान, आपके जाने से पहले श्रीमती रेगन आपसे मिलना चाहती हैं। और पैसों के मामले में जनरल ने मुझे निर्देश दिया है कि मैं आपको आपकी इच्छानुसार किसी भी राशि का चेक दे दूं।"
"मैंने आपको निर्देश दिया था कि कैसे?"
वह पहले तो हैरान दिखे, फिर मुस्कुराए। "आह, मैं समझ गया, महोदय। आप वाकई एक जासूस हैं। वैसे, उन्होंने घंटी बजाई।"
"क्या आप उसके चेक लिखते हैं?"
मुझे यह विशेषाधिकार प्राप्त है।
"इससे आप कंगाल होने से बच जाएँगे। अभी पैसे नहीं चाहिए, धन्यवाद। श्रीमती रेगन मुझसे किसलिए मिलना चाहती हैं?"
उनकी नीली आँखों ने मुझे एक शांत और स्थिर नज़र से देखा। "महाराज, उन्हें आपके आने के उद्देश्य के बारे में गलतफहमी है।"
"मेरी यात्रा के बारे में उसे किसने बताया?"
"उसकी खिड़कियों से ग्रीनहाउस दिखाई देता है। उसने हमें अंदर जाते देखा। मुझे उसे बताना पड़ा कि आप कौन हैं।"
मैंने कहा, "मुझे यह पसंद नहीं है।"
उसकी नीली आँखें जम गईं। "क्या आप मुझे मेरे कर्तव्य बताने की कोशिश कर रहे हैं, महोदय?"
नहीं। लेकिन मुझे यह अनुमान लगाने में बहुत मज़ा आ रहा है कि वे क्या हैं।
हम एक पल के लिए एक-दूसरे को देखते रहे। उसने मुझे गुस्से से घूरा और मुंह फेर लिया।

यह कमरा बहुत बड़ा था, छत बहुत ऊंची थी, दरवाजे बहुत लंबे थे, और दीवार से दीवार तक बिछी सफेद कालीन ऐसी लग रही थी मानो लेक एरोहेड पर अभी-अभी गिरी बर्फ हो। पूरे कमरे में बड़े-बड़े शीशे और क्रिस्टल की सजावटी चीजें लगी हुई थीं। हाथीदांत के फर्नीचर पर क्रोमियम चढ़ा हुआ था, और खिड़कियों से एक गज की दूरी पर सफेद कालीन पर विशाल हाथीदांत के पर्दे बिखरे पड़े थे। सफेद रंग के कारण हाथीदांत गंदा लग रहा था और हाथीदांत के कारण सफेद रंग फीका पड़ गया था। खिड़कियां अंधेरे होते पहाड़ों की ओर देख रही थीं। जल्द ही बारिश होने वाली थी। हवा में पहले से ही दबाव महसूस हो रहा था।

मैं एक गहरी, मुलायम कुर्सी के किनारे पर बैठ गया और श्रीमती रेगन को देखने लगा। उन्हें घूरना दिलचस्प था। वह एक तरह की मुसीबत थीं। वह चप्पलें उतारकर एक आधुनिक सोफे पर लेटी हुई थीं, इसलिए मैं उनकी रेशमी मोजों में लिपटी टांगों को घूरने लगा। ऐसा लग रहा था मानो उन्हें घूरने के लिए ही बनाया गया हो। उनकी टांगें घुटने तक दिखाई दे रही थीं और उनमें से एक तो उससे भी आगे तक। घुटने गड्ढों वाले थे, हड्डीदार और नुकीले नहीं। पिंडली सुंदर थीं, टखने लंबे और पतले थे, और उनमें इतनी लय थी कि किसी कविता में पिरोया जा सके। वह लंबी, दुबली-पतली और मजबूत दिख रही थीं। उनका सिर हाथीदांत रंग के साटन के तकिये पर टिका था। उनके बाल काले, कड़क और बीच से बँधे हुए थे, और उनकी आँखें हॉल में लगी तस्वीर की तरह ही काली और तेज थीं। उनका मुँह और ठोड़ी सुंदर थे। उनके होंठों में थोड़ी उदासी थी और निचला होंठ भरा हुआ था।

उसने एक ड्रिंक ली। उसने उसमें से एक घूंट लिया और गिलास के किनारे से मुझे एक शांत, स्थिर नज़र से देखा।

"तो आप एक निजी जासूस हैं," उसने कहा। "मुझे पता ही नहीं था कि वे सचमुच मौजूद होते हैं, सिवाय किताबों में। या फिर वे होटलों के आसपास ताक-झांक करने वाले छोटे-मोटे बदमाश होते हैं।"

उसमें मेरे लिए कुछ भी नहीं था, इसलिए मैंने उसे बह जाने दिया। उसने अपना गिलास सोफे के सपाट आर्मरेस्ट पर रखा और एक पन्ना चमकाते हुए अपने बालों को छुआ। उसने धीरे से कहा: "आपको पिताजी कैसे लगे?"

मैंने कहा, "मुझे वो पसंद था।"

"उसे रस्टी पसंद था। मुझे लगता है कि आप जानते हैं कि रस्टी कौन है?"

"अहां।"

"रस्टी कभी-कभी बेबाक और अभद्र था, लेकिन वह बहुत सच्चा इंसान था। और पिताजी को उससे बहुत मज़ा आता था। रस्टी को इस तरह नहीं जाना चाहिए था। पिताजी को बहुत बुरा लग रहा है, हालांकि वह यह बात कहते नहीं हैं। या शायद कह रहे हैं?"

"उन्होंने इसके बारे में कुछ कहा था।"

"आप तो ज्यादा भावुक नहीं हैं, है ना, मिस्टर मार्लो? लेकिन वह उसे ढूंढना चाहता है, है ना?"

मैंने कुछ पल रुककर विनम्रतापूर्वक उसकी ओर देखा। "हाँ और ना," मैंने कहा।

"यह तो कोई जवाब नहीं है। क्या आपको लगता है कि आप उसे ढूंढ सकते हैं?"

मैंने यह नहीं कहा कि मैं कोशिश करने जा रहा हूँ। लापता व्यक्तियों के ब्यूरो से क्यों न संपर्क किया जाए? उनके पास संगठन है। यह किसी एक व्यक्ति का काम नहीं है।

"ओह, पिताजी तो पुलिस को इसमें घसीटने की बात ही नहीं सुनेंगे।" उसने फिर से गिलास के ऊपर से मेरी तरफ देखा, गिलास खाली किया और घंटी बजाई। एक नौकरानी बगल के दरवाजे से कमरे में आई। वह अधेड़ उम्र की महिला थी, जिसका चेहरा लंबा, पीला और सौम्य था, लंबी नाक, ठुड्डी नहीं थी और बड़ी-बड़ी नम आँखें थीं। वह किसी ऐसे बूढ़े घोड़े जैसी लग रही थी जिसे लंबे समय तक सेवा करने के बाद आराम करने के लिए छोड़ दिया गया हो। श्रीमती रेगन ने खाली गिलास उसकी तरफ लहराया और एक और पेय मिलाकर उसे दिया और बिना कुछ कहे, बिना मेरी तरफ देखे कमरे से चली गई।

जब दरवाजा बंद हुआ तो श्रीमती रेगन ने कहा: "अच्छा, तो फिर आप इसे कैसे करेंगे?"

"वह कब और कैसे भाग गया?"

"क्या पिताजी ने तुम्हें नहीं बताया?"

मैंने एक तरफ सिर झुकाकर उसकी तरफ मुस्कुराया। वह शर्म से लाल हो गई। उसकी काली, तीखी आँखें गुस्से से भरी हुई थीं। "मुझे समझ नहीं आता कि इसमें छुपाने की क्या बात है," उसने झल्लाकर कहा। "और मुझे तुम्हारा व्यवहार पसंद नहीं आया।"

मैंने कहा, "मुझे तुम्हारी अदाएं पसंद नहीं हैं। मैंने तुम्हें मिलने के लिए नहीं बुलाया था। तुमने मुझे बुलाया था। मुझे तुम्हारे नखरे दिखाने या स्कॉच की बोतल में दोपहर का खाना पीने से कोई आपत्ति नहीं है। मुझे तुम्हारे पैर दिखाने से भी कोई आपत्ति नहीं है। तुम्हारे पैर बहुत खूबसूरत हैं और उन्हें देखकर मुझे खुशी हुई। अगर तुम्हें मेरा व्यवहार पसंद नहीं है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मेरा व्यवहार तो बहुत ही खराब है। लंबी सर्दियों की शामों में मुझे इस बात का बहुत अफसोस होता है। लेकिन मुझसे सवाल-जवाब करने में अपना समय बर्बाद मत करो।"

उसने अपना गिलास इतनी ज़ोर से पटका कि वह एक हाथीदांत के तकिये पर गिर पड़ा। उसने अपने पैर ज़मीन पर पटके और खड़ी हो गई, उसकी आँखें आग की तरह चमक रही थीं और नथुने चौड़े थे। उसका मुँह खुला था और उसके चमकीले दाँत मुझे घूर रहे थे। उसकी उंगलियों के जोड़ सफ़ेद थे।

"लोग मुझसे इस तरह बात नहीं करते," उसने भारी आवाज में कहा।

मैं वहीं बैठा रहा और उसे देखकर मुस्कुराया। उसने धीरे से अपना मुंह बंद किया और नीचे गिरे हुए पेय को देखने लगी। वह सोफे के किनारे पर बैठ गई और एक हाथ से अपनी ठोड़ी को थाम लिया।

"हे भगवान, तुम बड़े काले, सुंदर और क्रूर हो! मुझे तुम पर एक ब्यूक कार फेंक देनी चाहिए।"

मैंने अपने अंगूठे के नाखून पर माचिस की तीली रगड़ी और पहली बार वह जल उठी। मैंने हवा में धुआं उड़ाया और इंतजार किया।

"मुझे अभिमानी पुरुष बिल्कुल पसंद नहीं हैं," उसने कहा। "मैं उनसे नफरत करती हूँ।"

"श्रीमती रेगन, आखिर आपको किस बात का डर है?"

उसकी आँखें पहले सफेद हुईं, फिर धीरे-धीरे काली होती गईं, मानो उनमें सिर्फ पुतलियाँ ही बची

हों। उसकी नाक के नथुने सिकुड़े हुए से लग रहे थे।
"तुम्हारे साथ उसका ऐसा कुछ भी नहीं था," उसने तनाव भरी आवाज़ में कहा, जिसमें अभी भी मेरे प्रति गुस्से के अंश झलक रहे थे। "रस्टी के बारे में। क्या यही बात थी?"
"बेहतर होगा कि आप उनसे ही पूछ लें।"
वह फिर भड़क उठी। "निकल जाओ! धिक्कार है तुम पर, निकल जाओ!"
मैं खड़ा हो गया। "बैठ जाओ!" उसने गुस्से से कहा। मैं बैठ गया। मैंने अपनी हथेली पर उंगली से इशारा किया और इंतजार करने लगा।
"प्लीज़," उसने कहा। "प्लीज़। अगर पापा चाहते हैं तो आप रस्टी को ढूंढ सकते हैं।"
उससे भी कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने सिर हिलाकर पूछा: "वह कब गया?"
"एक महीने पहले एक दोपहर, वह बिना कुछ कहे अपनी कार में बैठकर चला गया। कार कहीं किसी निजी गैरेज में मिली।"
"वे?"
वह चालाक हो गई। उसका पूरा शरीर ढीला पड़ गया। फिर उसने मुझे देखकर मुस्कुराया, मानो कह रही हो, "उसने तुम्हें तब नहीं बताया था।" उसकी आवाज़ में मानो खुशी झलक रही थी, जैसे उसने मुझे मात दे दी हो। शायद उसने दे भी दी थी।
"उन्होंने मुझे मिस्टर रेगन के बारे में बताया, हाँ। वह मुझसे उस बारे में बात करने नहीं आए थे। क्या आप मुझसे यही कहलवाना चाह रहे थे?"
मुझे यकीन है कि मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि आप क्या कहते हैं।
मैं फिर से खड़ा हो गया। "तो मैं चलता हूँ।" उसने कुछ नहीं कहा। मैं उस ऊँचे सफेद दरवाजे की ओर गया जिससे मैं अंदर आया था। जब मैंने पीछे मुड़कर देखा तो उसने अपने होंठ दाँतों के बीच दबा रखे थे और उसे ऐसे कुरेद रही थी जैसे कोई पिल्ला कालीन के किनारे को कुरेद रहा हो।
मैं बाहर निकला, टाइलों वाली सीढ़ियों से होते हुए हॉल में गया, और तभी बटलर कहीं से मेरी टोपी हाथ में लिए हुए आ गया। मैंने टोपी पहन ली, और उसने मेरे लिए दरवाजा खोल दिया।
मैंने कहा, "आपने गलती की है। श्रीमती रेगन मुझसे मिलना नहीं चाहती थीं।"
उन्होंने अपना चांदी जैसा सिर झुकाया और विनम्रता से कहा: "मुझे खेद है, महोदय। मुझसे कई गलतियाँ हो जाती हैं।" उन्होंने मेरे पीछे दरवाजा बंद कर दिया।
मैं सीढ़ी पर खड़ा सिगरेट का धुआँ उड़ाते हुए नीचे फूलों की क्यारियों और छंटे हुए पेड़ों से सजी हुई कई सीढ़ियों को देख रहा था, जो उस ऊँची लोहे की बाड़ तक जाती थीं जिस पर सुनहरे भाले लगे थे और जो उस जागीर को घेरे हुए थी। घुमावदार रास्ता दीवारों के बीच से नीचे उतरकर खुले लोहे के फाटकों तक जाता था। बाड़ के उस पार पहाड़ी कई मील तक ढलान पर फैली हुई थी। इस निचले तल पर, धुंधली और दूर, मुझे मुश्किल से ही उस तेल क्षेत्र के कुछ पुराने लकड़ी के डेरिक दिखाई दे रहे थे, जिनसे स्टर्नवुड परिवार ने धन कमाया था। अब उस क्षेत्र का अधिकांश भाग सार्वजनिक पार्क था, जिसे जनरल स्टर्नवुड ने साफ करके शहर को दान कर दिया था। लेकिन इसका थोड़ा सा हिस्सा अभी भी कुओं के समूहों में प्रतिदिन पाँच या छह बैरल तेल निकाल रहा था। स्टर्नवुड परिवार पहाड़ी पर ऊपर चला गया था, इसलिए उन्हें अब न तो नाले के

पानी की बदबू आती थी और न ही तेल की, लेकिन वे अब भी अपनी सामने की खिड़कियों से बाहर देखकर वह सब देख सकते थे जिसने उन्हें अमीर बनाया था। अगर वे चाहते तो। मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा चाहेंगे।

मैं ईंटों से बने रास्ते पर एक सीढ़ी से दूसरी सीढ़ी तक चलता रहा, बाड़ के अंदर से होते हुए गेट से बाहर निकला और सड़क पर एक मिर्च के पेड़ के नीचे अपनी कार खड़ी की। पहाड़ियों में अब गरज सुनाई दे रही थी और ऊपर आसमान बैंगनी-काला था। ज़ोरदार बारिश होने वाली थी। हवा में बारिश की नमी का एहसास था। शहर की ओर निकलने से पहले मैंने अपनी कन्वर्टिबल कार की छत ऊपर कर ली।

उसके पैर बेहद खूबसूरत थे। मैं तो यही कहूंगा। वो और उसके पिता दोनों काफी शालीन नागरिक थे। शायद वो मुझे परख रहे थे; उन्होंने मुझे जो काम दिया था, एक वकील का काम था। भले ही मिस्टर आर्थर ग्विन गीगर, रेयर बुक्स एंड डी लक्स एडिशन्स, ब्लैकमेलर निकले, फिर भी ये एक वकील का काम ही था। जब तक कि इसमें कुछ और भी न छिपा हो। सरसरी नजर से देखने पर मुझे लगा कि ये सब पता लगाने में मुझे काफी मजा आएगा।

मैं हॉलीवुड पब्लिक लाइब्रेरी गया और 'फेमस फर्स्ट एडिशन्स' नाम की एक उबाऊ किताब में थोड़ा-बहुत सतही शोध किया। आधे घंटे तक उसे पढ़ने के बाद मुझे दोपहर के भोजन की ज़रूरत महसूस हुई।

4

ए. जी. गीगर की दुकान लास पाल्मास के पास बुलेवार्ड के उत्तरी किनारे पर एक छोटी सी दुकान थी। प्रवेश द्वार बीच में काफी पीछे की ओर था और खिड़कियों पर तांबे की नक्काशी थी, जिनके पीछे चीनी जाली लगी थी, इसलिए मैं दुकान के अंदर नहीं देख पा रहा था। खिड़कियों में बहुत सारा पूर्वी सामान रखा था। मैं प्राचीन वस्तुओं का संग्रहकर्ता नहीं था, सिवाय बकाया बिलों के, इसलिए मुझे नहीं पता था कि वह सामान अच्छा था या नहीं। प्रवेश द्वार कांच का था, लेकिन उससे भी मैं ज्यादा कुछ नहीं देख पा रहा था, क्योंकि दुकान में बहुत कम रोशनी थी। एक तरफ एक इमारत का प्रवेश द्वार उससे सटा हुआ था और दूसरी तरफ एक शानदार क्रेडिट ज्वेलरी की दुकान थी। ज्वेलर अपने प्रवेश द्वार पर खड़ा था, एड़ियों पर लड़खड़ा रहा था और ऊबा हुआ लग रहा था। वह दुबले-पतले काले कपड़े पहने एक लंबा, सुंदर, सफेद बालों वाला यहूदी था, जिसके दाहिने हाथ में लगभग नौ कैरेट का हीरा था। जब मैं गीगर की दुकान में मुड़ा, तो उसके होंठों पर एक हल्की सी मुस्कान आ गई। मैंने दरवाज़ा धीरे से बंद होने दिया और दीवार से दीवार तक बिछे मोटे नीले कालीन पर चलने लगा। वहाँ नीले चमड़े की आरामकुर्सियाँ थीं, जिनके बगल में सिगरेट स्टैंड रखे थे। कुछ किताबों के सेट पॉलिश की हुई संकरी मेज़ों पर रखे थे, जिनके बीच में किताबों के लिए बने स्टैंड थे। दीवारों पर लगे काँच के बक्सों में भी कुछ ऐसी ही किताबों के सेट थे। देखने में सुंदर सामान, ऐसा सामान जिसे कोई अमीर प्रमोटर गज के हिसाब से खरीदता और उस पर अपना बुकप्लेट लगवाता। पीछे की तरफ लकड़ी का एक पार्टीशन था, जिसके बीच में एक बंद दरवाज़ा था। पार्टीशन और एक दीवार के कोने में एक महिला एक छोटी सी मेज के पीछे बैठी थी, जिस पर लकड़ी का नक्काशीदार लालटेन रखा था।

वह धीरे-धीरे उठी और एक तंग काली पोशाक में मेरी ओर बढ़ी, जिसमें ज़रा भी रोशनी नहीं चमक रही थी। उसकी जांघें लंबी थीं और उसकी चाल में एक ऐसा आकर्षण था जो मैंने किताबों की दुकानों में अक्सर नहीं देखा था। उसके बाल सुनहरे थे, आँखें हरी थीं, पलकें मोतियों जैसी थीं, बाल कानों से पीछे की ओर लहराते हुए थे जिनमें बड़े-बड़े काले बटन चमक रहे थे। उसके नाखून चांदी जैसे थे। अपने पहनावे के बावजूद, वह ऐसी लग रही थी मानो किसी हॉल के बेडरूम में रहने वाली हो।

वह अपनी मोहकता से मुझे लुभाने के लिए मेरे पास आई और उसने अपना सिर थोड़ा झुकाकर अपने बालों की एक लट को छुआ, जो वैसे तो बिखरी हुई थी लेकिन बहुत ज्यादा बिखरी हुई नहीं थी। उसकी मुस्कान झिझक भरी थी, लेकिन उसे सौम्य बनाने के लिए मनाया जा सकता था।

"क्या कुछ था?" उसने पूछा।

मैंने अपने सींग के फ्रेम वाले धूप के चश्मे पहने हुए थे। मैंने अपनी आवाज़ ऊंची की और उसमें एक चिड़िया की चहचहाहट सुनाई दी। "क्या आपके पास बेन हर 1860 है?"

उसने "हूँ?" तो नहीं कहा, पर कहना तो चाहती थी। उसने फीकी मुस्कान के साथ पूछा, "पहला संस्करण?"

"तीसरा," मैंने कहा। "वह जिसमें पृष्ठ 116 पर त्रुटि सुधार है।"

"फिलहाल तो नहीं।"

"क्या हम शेवेलियर ऑडबोन 1840 का पूरा सेट ले सकते हैं?"

"अह—अभी नहीं," उसने कर्कश स्वर में कहा। उसकी मुस्कान अब दांतों और भौहों के सहारे लटकी हुई थी और सोच रही थी कि गिरने पर किससे टकराएगी।

"क्या आप किताबें बेचते हैं?" मैंने अपनी विनम्र, पतली आवाज़ में कहा।

उसने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा। अब उसके चेहरे पर मुस्कान नहीं थी। आँखें मध्यम से सख्त थीं। उसका शरीर एकदम सीधा और अकड़ा हुआ था। उसने अपने चांदी जैसे नाखूनों से कांच की अलमारियों की ओर इशारा किया। "ये देखने में क्या लग रहे हैं—अंगूर जैसे?" उसने तीखे स्वर में पूछा।

"अरे, मुझे इस तरह की चीज़ों में ज़रा भी दिलचस्पी नहीं है। शायद उनमें स्टील उत्कीर्णन के डुप्लिकेट सेट होंगे, दो पैसे के रंगीन और एक पैसे का सादा। वही घिसी-पिटी घटिया चीज़ें। नहीं। मुझे माफ़ करना। नहीं।"

"मैं समझ गई।" उसने अपने चेहरे पर मुस्कान वापस लाने की कोशिश की। वह इतनी दर्द में थी जैसे किसी पार्षद को गलसुआ हो गया हो। "शायद श्री गाइगर—लेकिन वह अभी यहाँ नहीं हैं।" उसकी आँखें मुझे ध्यान से देख रही थीं। दुर्लभ किताबों के बारे में उसे उतना ही ज्ञान था जितना मुझे पिस्सू सर्कस संभालने के बारे में।

"वह शायद बाद में आएगा?"

मुझे डर है कि देर होने तक ऐसा नहीं हो पाएगा।

"अरे यार," मैंने कहा। "अरे, बहुत बुरा हुआ। मैं इन प्यारी कुर्सियों में से किसी एक पर बैठकर सिगरेट पी लूँगा। आज दोपहर का समय बिल्कुल खाली है। त्रिकोणमिति के पाठ के अलावा मेरे

पास सोचने के लिए कुछ नहीं है।"
"हां," उसने कहा। "जी हां, बिल्कुल।"
मैंने एक अंगड़ाई ली और सिगरेट स्टैंड पर रखे गोल निकेल लाइटर से सिगरेट जलाई। वह अभी भी खड़ी थी, अपने निचले होंठ को दांतों से दबाए हुए, उसकी आँखों में कुछ चिंता झलक रही थी। अंत में उसने सिर हिलाया, धीरे से मुड़ी और कोने में अपनी छोटी सी मेज की ओर वापस चली गई। लैंप के पीछे से वह मुझे घूर रही थी। मैंने अपने टखने मोड़े और जम्हाई ली। उसके चांदी के नाखून मेज पर रखे फोन की ओर बढ़े, उसे छुआ नहीं, बल्कि नीचे गिरा दिया और मेज पर थपथपाने लगे।
लगभग पाँच मिनट तक सन्नाटा छाया रहा। दरवाज़ा खुला और एक लंबा, भूखा-सा दिखने वाला आदमी, जिसके हाथ में छड़ी थी और नाक बड़ी थी, बड़े सलीके से अंदर आया। उसने दरवाज़ा बंद करने की ज़ोरदार आवाज़ के बावजूद दरवाज़ा बंद किया, कोने की ओर बढ़ा और मेज़ पर एक लिपटा हुआ पार्सल रख दिया। उसने अपनी जेब से सोने के कोनों वाला पिनसील बटुआ निकाला और उस गोरी महिला को कुछ दिखाया। उसने मेज़ पर एक बटन दबाया। वह लंबा आदमी पैनल वाले विभाजन में बने दरवाज़े के पास गया और उसे मुश्किल से इतना खोला कि अंदर घुस सके।
मैंने अपनी सिगरेट खत्म की और दूसरी जलाई। मिनट धीरे-धीरे बीत रहे थे। सड़क पर गाड़ियों के हॉर्न बज रहे थे। एक बड़ी लाल रंग की इंटरअर्बन कार धीमी आवाज़ में गुज़री। एक ट्रैफिक लाइट बजी। गोरी महिला ने कोहनी पर सहारा लिया और हाथ से अपनी आँखें ढककर मुझे घूरने लगी। पार्टीशन का दरवाज़ा खुला और छड़ी लिए लंबा आदमी बाहर निकला। उसके पास एक और लिपटा हुआ पार्सल था, जो एक बड़ी किताब के आकार का था। वह काउंटर पर गया और पैसे दिए। वह वैसे ही चला गया जैसे आया था, पंजों के बल चलते हुए, मुँह खोलकर साँस लेते हुए, गुज़रते हुए मुझे एक तीखी नज़र से देखा।
मैं खड़ा हुआ, उस गोरे आदमी को सलाम किया और उसके पीछे चल दिया। वह पश्चिम की ओर चल रहा था, अपनी छड़ी को अपने दाहिने जूते के ठीक ऊपर एक छोटे से चाप में घुमा रहा था। उसका पीछा करना आसान था। उसका कोट घोड़े की खाल के एक भड़कीले टुकड़े से बना था, जिसके कंधे इतने चौड़े थे कि उसकी गर्दन अजवाइन की डंडी की तरह बाहर निकली हुई थी और चलते समय उसका सिर हिल रहा था। हम डेढ़ ब्लॉक चले। हाईलैंड एवेन्यू के ट्रैफिक सिग्नल पर मैं उसके बगल में रुका और उसे मुझे देखने दिया। उसने मुझे एक सामान्य नज़र से देखा, फिर अचानक एक तीखी तिरछी नज़र से देखा और जल्दी से मुड़ गया। हमने हरी बत्ती पर हाईलैंड एवेन्यू पार किया और एक और ब्लॉक आगे बढ़े। उसने अपने लंबे पैर फैलाए और कोने पर मुझसे बीस गज आगे निकल गया। वह दाईं ओर मुड़ा। पहाड़ी पर सौ फीट ऊपर जाकर वह रुका और अपनी छड़ी को अपनी बांह पर टांगकर एक भीतरी जेब से चमड़े का सिगरेट का डिब्बा निकाला। उसने एक सिगरेट मुंह में डाली, माचिस गिरा दी, जब उसने उसे उठाया तो पीछे मुड़कर देखा, मुझे कोने से उसे देखते हुए पाया और सीधा खड़ा हो गया जैसे किसी ने उसे पीछे से लात मार दी हो। वह लगभग धूल उड़ाते हुए गली में आगे बढ़ा, लंबे-लंबे बेढंगे कदमों से चलता रहा

और अपनी छड़ी को फुटपाथ पर मारता रहा। फिर वह बाईं ओर मुड़ा। जब मैं उस जगह पहुँचा जहाँ से वह मुड़ा था, तब तक वह मुझसे कम से कम आधा ब्लॉक आगे निकल चुका था। उसकी वजह से मेरी साँस फूलने लगी थी। यह पेड़ों से घिरी एक संकरी गली थी, जिसके एक तरफ दीवार थी और दूसरी तरफ तीन बंगलों का आंगन था।

वह जा चुका था। मैं गली में इधर-उधर देखते हुए टहल रहा था। दूसरे बंगले के पास मुझे कुछ दिखा। उसका नाम "द ला बाबा" था, एक शांत, धुंधली जगह जहाँ पेड़ों की छाया में दो कतारों में बंगले बने थे। बीच के रास्ते के किनारे छोटे-छोटे छंटे हुए इतालवी सरू के पेड़ लगे थे, जिनका आकार अली बाबा और चालीस चोरों की कहानी में तेल के घड़ों जैसा था। तीसरे घड़े के पीछे एक चटख पैटर्न वाली आस्तीन का किनारा हिल रहा था।

मैं पार्कवे में एक मिर्च के पेड़ से टेक लगाकर खड़ा हो गया और इंतज़ार करने लगा। पहाड़ियों में फिर से गरज सुनाई दे रही थी। दक्षिण की ओर घने काले बादलों पर बिजली की चमक पड़ रही थी। कुछ हल्की-हल्की बारिश की बूँदें फुटपाथ पर गिरीं और उनसे सिक्के जितने बड़े धब्बे बन गए। हवा इतनी शांत थी मानो जनरल स्टर्नवुड के ऑर्किड हाउस में हवा होती है।

पेड़ के पीछे से आस्तीन फिर दिखाई दी, फिर एक बड़ी नाक, एक आँख और बिना टोपी के कुछ सुनहरे बाल। आँख मुझे घूर रही थी। वह गायब हो गई। उसका साथी पेड़ के दूसरी तरफ कठफोड़वा की तरह फिर प्रकट हुआ। पाँच मिनट बीत गए। मैंने उसे पकड़ लिया। उसके जैसे लोग आधे नर्वस होते हैं। मैंने माचिस की तीली जलने की आवाज़ सुनी और फिर सीटी बजने लगी। फिर एक धुंधली परछाई घास पर सरकते हुए अगले पेड़ तक गई। फिर वह टहलने निकला और सीधे मेरी तरफ आने लगा, छड़ी घुमाते हुए और सीटी बजाते हुए। एक कर्कश सीटी जिसमें घबराहट थी। मैंने धुंधले आसमान की ओर देखा। वह मेरे दस फीट के भीतर से गुजरा और उसने मेरी तरफ देखा तक नहीं। अब वह सुरक्षित था। उसने उसे छोड़ दिया था।

मैंने उसे नज़रों से ओझल होते देखा और ला बाबा के बीचोंबीच बने रास्ते पर चलकर तीसरे सरू के पेड़ की शाखाओं को हटाया। मैंने एक लिपटी हुई किताब निकाली, उसे अपनी बगल में दबाया और वहाँ से चला गया। किसी ने मुझ पर चिल्लाया नहीं।

5

वापस बुलेवार्ड पर आकर मैं एक दवा की दुकान के फोन बूथ में गया और श्री आर्थर ग्विन गीगर के पते की जानकारी ली। वे लॉरेल कैन्यन बुलेवार्ड से थोड़ी दूर पहाड़ी पर स्थित लेवर्न टेरेस नामक सड़क पर रहते थे। मैंने अपना एक सिक्का गिराया और मजे के लिए उनका नंबर डायल किया। किसी ने जवाब नहीं दिया। मैंने वर्गीकृत विज्ञापन वाला सेक्शन देखा और पाया कि मेरे आस-पास कुछ ही ब्लॉक की दूरी पर कुछ किताबों की दुकानें थीं।

सबसे पहले मुझे उत्तर दिशा में एक दुकान दिखी, जिसका निचला तल स्टेशनरी और दफ्तर के सामान से भरा था, और मेज़ानाइन पर किताबों का ढेर लगा था। वह जगह ठीक नहीं लग रही थी। मैंने सड़क पार की और दो ब्लॉक पूर्व की ओर चलकर दूसरी दुकान पर गया। वह कुछ बेहतर थी, एक संकरी, अव्यवस्थित छोटी सी दुकान जो फर्श से छत तक किताबों से भरी थी और चार-पाँच लोग आराम से नई किताबों के कवर पर अंगूठे के निशान लगा रहे थे। किसी ने

उन पर ध्यान नहीं दिया। मैं धक्का-मुक्की करते हुए दुकान में वापस घुस गया, एक पार्टीशन से गुजरा और वहाँ एक छोटी, सांवली महिला को डेस्क पर बैठकर कानून की किताब पढ़ते हुए पाया।

मैंने अपना बटुआ उसकी मेज पर खोल दिया और उसे ढक्कन पर लगी घंटी देखने दी। उसने उसे देखा, चश्मा उतारा और कुर्सी पर पीछे झुक गई। मैंने बटुआ वापस रख दिया। उसका चेहरा एक बुद्धिमान यहूदी महिला की तरह सलीके से बना हुआ था। वह मुझे देखती रही और कुछ नहीं बोली।

मैंने कहा: "क्या आप मेरा एक छोटा सा काम कर देंगे?"

"मुझे नहीं पता। क्या बात है?" उसकी आवाज मधुर और थोड़ी भारी थी।

"क्या आपको सड़क के उस पार, दो ब्लॉक पश्चिम में स्थित गाइगर की दुकान के बारे में पता है?"

मुझे लगता है कि मैं परीक्षा पास कर चुका हूँ।

मैंने कहा, "यह एक किताबों की दुकान है। तुम्हारे टाइप की नहीं। तुम अच्छी तरह जानते हो।"

उसने अपने होंठ हल्के से सिकोड़े और कुछ नहीं कहा। "क्या तुम गाइगर को देखते ही पहचान लेती हो?" मैंने पूछा।

मुझे खेद है। मैं श्री गाइगर को नहीं जानता।

"तो फिर आप मुझे यह नहीं बता सकते कि वह कैसा दिखता है?"

उसके होंठ और भी सिकुड़ गए। "मैं ऐसा क्यों करूँ?"

"बिल्कुल कोई कारण नहीं है। अगर आप नहीं चाहते, तो मैं आपको मजबूर नहीं कर सकता।"

उसने पार्टीशन के दरवाजे से बाहर देखा और फिर पीछे झुक गई। "वह शेरिफ का स्टार था, है ना?"

"मानद उप-प्रतिनिधि। इसका कोई मतलब नहीं। इसकी कीमत एक पैसे की सिगार के बराबर है।"

"मैं समझ गई।" उसने सिगरेट का पैकेट उठाया और एक सिगरेट निकालकर उसे होठों से छूने लगी। मैंने उसे माचिस दी। उसने मुझे धन्यवाद दिया, फिर पीछे झुक गई और धुएं के बीच से मुझे देखने लगी। उसने धीरे से कहा:

"आप सिर्फ यह जानना चाहते हैं कि वह कैसा दिखता है और आप उसका इंटरव्यू नहीं लेना चाहते?"

मैंने कहा, "वह वहां नहीं है।"

"मुझे लगता है कि वह ऐसा ही करेगा। आखिरकार, यह उसकी दुकान है।"

मैंने कहा, "मैं अभी उनका इंटरव्यू नहीं लेना चाहता।"

उसने फिर से खुले दरवाजे से बाहर देखा। मैंने कहा: "क्या आपको दुर्लभ किताबों के बारे में कुछ पता है?"

आप मुझे आजमा सकते हैं।

"क्या आपके पास बेन हर, 1860, तीसरा संस्करण है, जिसमें पृष्ठ 116 पर पंक्ति दोहराई गई है?"

उसने अपनी पीली कानून की किताब एक तरफ रख दी और मेज पर रखी एक मोटी किताब उठाई, उसके पन्ने पलटे, अपना पृष्ठ ढूंढा और उसे ध्यान से पढ़ने लगी। "कोई नहीं पढ़ेगा," उसने बिना ऊपर देखे कहा। "ऐसा कोई है ही नहीं।"

"सही।"

आप आखिर कहना क्या चाह रहे हैं?

"गीगर की दुकान में काम करने वाली लड़की को यह बात पता नहीं थी।"

उसने ऊपर देखा। "मैं समझ गई। मुझे आपमें दिलचस्पी है। हालांकि थोड़ी-बहुत ही।"

"मैं एक मामले में निजी जासूस हूं। शायद मैं कुछ ज्यादा ही मांग रहा हूं। मुझे तो यह कुछ खास नहीं लगा।"

उसने हल्के भूरे रंग का धुएं का छल्ला उड़ाया और उसमें उंगली डाली। वह नाजुक रेशों में बिखर गया। उसने सहजता से, उदासीनता से कहा, "मेरी राय में, वह चालीस के आसपास होगा। औसत कद-काठी, थोड़ा मोटा। लगभग एक सौ साठ पाउंड वजन होगा। मोटा चेहरा, चार्ली चैन जैसी मूंछें, मोटी, मुलायम गर्दन। पूरा शरीर मुलायम। अच्छे कपड़े पहनता है, टोपी नहीं पहनता, प्राचीन वस्तुओं का ज्ञान होने का दिखावा करता है जबकि उसके पास ऐसी कोई वस्तु नहीं है। ओह हाँ। उसकी बाईं आंख कांच की है।"

मैंने कहा, "तुम एक अच्छे पुलिस अधिकारी बनोगे।"

उसने संदर्भ पुस्तिका को अपनी मेज के अंत में खुली शेल्फ पर वापस रख दिया और अपने सामने रखी कानून की किताब को फिर से खोल लिया। "उम्मीद है ऐसा न हो," उसने कहा। उसने अपना चश्मा पहन लिया।

मैंने उसे धन्यवाद कहा और चली गई। बारिश शुरू हो गई थी। मैं लिपटी हुई किताब को बगल में दबाकर भागी। मेरी कार एक गली में खड़ी थी जो मुख्य सड़क की ओर जा रही थी, लगभग गीगर की दुकान के सामने। वहाँ पहुँचने से पहले ही मुझ पर खूब पानी की बूँदें पड़ गईं। मैं कार में घुसी, दोनों खिड़कियाँ बंद कीं और अपने रुमाल से पार्सल को पोंछा। फिर मैंने उसे खोला।

मुझे पता था कि यह क्या होगा। एक भारी-भरकम किताब, अच्छी तरह से बंधी हुई, बढ़िया कागज़ पर सुंदर छपाई। पूरे पन्ने पर कलात्मक तस्वीरों से भरी हुई। तस्वीरें और छपाई दोनों ही अवर्णनीय अश्लीलता से भरी थीं। किताब नई नहीं थी। पहले पन्ने पर छपी तारीखें थीं, आने-जाने की तारीखें। किराए पर ली गई किताब। अश्लील सामग्री से भरी एक उधार देने वाली लाइब्रेरी।

मैंने किताब को दोबारा लपेटकर सीट के पीछे बंद कर दिया। खुले मैदान में इस तरह का शोरगुल काफी सुरक्षा का संकेत दे रहा था। मैं वहीं बैठा रहा, सिगरेट के धुएं से खुद को दूषित करता रहा, बारिश की आवाज़ सुनता रहा और इसके बारे में सोचता रहा।

6

बारिश से नालियाँ भर गईं और फुटपाथ पर घुटनों तक पानी उछल रहा था। बंदूक की नली की तरह चमकते रेनकोट पहने बड़े-बड़े पुलिसवाले हँसती-खेलती लड़कियों को सुनसान इलाकों से ले जाने में खूब मज़ा ले रहे थे। बारिश कार की छत पर ज़ोर से पड़ रही थी और बरबैंक की छत से

पानी टपकने लगा। फर्श पर पानी जमा हो गया, जिसमें मुझे अपने पैर रखने पड़े। पतझड़ के मौसम में इस तरह की बारिश के लिए अभी बहुत जल्दी थी। मैंने जैसे-तैसे एक ट्रेंच कोट पहना और पास की दवा की दुकान की ओर भागा और अपने लिए एक पाइंट व्हिस्की खरीदी। कार में वापस आकर मैंने उसे इतना पिया कि खुद को गर्म रख सकूँ और मेरा मन बहला सके। मैंने बहुत देर तक गाड़ी गलत जगह पार्क की थी, लेकिन पुलिसवाले लड़कियों को ले जाने और सीटी बजाने में इतने व्यस्त थे कि उन्हें इस बात की परवाह ही नहीं थी।

बारिश के बावजूद, या शायद बारिश की वजह से ही, गीगर की दुकान पर कारोबार चल रहा था। सामने बहुत अच्छी गाड़ियाँ रुकी हुई थीं और बहुत ही आकर्षक दिखने वाले लोग लिपटे हुए पार्सल लेकर अंदर-बाहर आ-जा रहे थे। उनमें से सभी पुरुष नहीं थे।

वह करीब चार बजे आया। दुकान के सामने एक क्रीम रंग की कार रुकी और जैसे ही वह कार से निकलकर दुकान में घुसा, मुझे उसका मोटा चेहरा और चार्ली चैन जैसी मूंछें दिखाई दीं। उसने टोपी नहीं पहनी थी और कमरबंद वाला हरे रंग का चमड़े का रेनकोट पहना हुआ था। इतनी दूरी से उसकी कांच की आंख दिखाई नहीं दे रही थी। एक लंबा और बेहद आकर्षक लड़का जैकेट पहने दुकान से बाहर आया और कार में बैठकर कोने तक चला गया और फिर पैदल वापस आया, उसके चमकदार काले बाल बारिश से भीगे हुए थे।

एक और घंटा बीत गया। अंधेरा छा गया और बारिश से धुंधली दुकानों की रोशनी काली सड़क में गुम हो गई। रिक्शा की घंटियाँ झनझनाती रहीं। लगभग पाँच बजकर पंद्रह मिनट पर जैकेट पहने लंबा लड़का छाता लेकर गीगर की दुकान से निकला और क्रीम रंग की कार के पीछे चल पड़ा। जब कार उसके सामने आ गई, तो गीगर बाहर आया और उस लंबे लड़के ने गीगर के नंगे सिर पर छाता तान दिया। गीगर ने छाता मोड़ा, झाड़ा और कार में रख दिया। वह दौड़कर वापस दुकान में चला गया। मैंने अपनी गाड़ी स्टार्ट की।

कार बुलेवार्ड पर पश्चिम की ओर चली गई, जिससे मुझे बाएँ मुड़ना पड़ा और कई दुश्मन बन गए, जिनमें एक मोटरमैन भी शामिल था जिसने बारिश में अपना सिर बाहर निकालकर मुझे खूब खरी-खोटी सुनाई। मैं कार से दो ब्लॉक पीछे था, तब जाकर मेरी रफ्तार पकड़ी। मुझे उम्मीद थी कि गीगर अपने घर जा रहा होगा। मैंने उसे दो-तीन बार देखा और फिर उसे लॉरेल कैन्यन ड्राइव में उत्तर की ओर मुड़ते हुए देखा। ढलान के आधे रास्ते में उसने बाएँ मुड़कर गीले कंक्रीट की घुमावदार सड़क पर चलना शुरू किया, जिसे लैवर्न टेरेस कहा जाता था। यह एक संकरी गली थी, जिसके एक तरफ ऊँचा किनारा था और दूसरी तरफ ढलान पर झोपड़ीनुमा घर बने हुए थे, जिनकी छतें सड़क के स्तर से ज़्यादा ऊपर नहीं थीं। उनकी सामने की खिड़कियाँ झाड़ियों और छोटे पौधों से ढकी हुई थीं। भीगे हुए पेड़ों से पानी टपक रहा था।

गीगर की बत्तियाँ जल रही थीं और मेरी नहीं। मैंने रफ्तार बढ़ाई और एक मोड़ पर उसे ओवरटेक किया, गुजरते हुए एक घर का नंबर देखा और ब्लॉक के आखिर में मुड़ गया। वह पहले ही रुक चुका था। उसकी कार की बत्तियाँ एक छोटे से घर के गैरेज की ओर झुकी हुई थीं, जिसके सामने चौकोर आकार की बाड़ लगी थी, जिसने सामने के दरवाजे को पूरी तरह से ढक रखा था। मैंने उसे छाता लिए गैरेज से बाहर आते और बाड़ के रास्ते अंदर जाते देखा। उसने ऐसा व्यवहार नहीं

किया जैसे उसे पता हो कि कोई उसका पीछा कर रहा है। घर में बत्ती जल गई। मैं उसके ऊपर वाले अगले घर की ओर बढ़ा, जो खाली लग रहा था लेकिन उस पर कोई साइनबोर्ड नहीं लगा था। मैंने गाड़ी पार्क की, कन्वर्टिबल कार को हवा दी, अपनी बोतल से एक घूंट पिया और बैठ गया। मुझे नहीं पता था कि मैं किस चीज का इंतजार कर रहा था, लेकिन अंदर से मुझे इंतजार करने को कहा। सुस्त मिनटों का एक और सिलसिला धीरे-धीरे बीत गया।

दो कारें पहाड़ी पर चढ़ीं और चोटी पार कर गईं। वह सड़क बेहद शांत लग रही थी। शाम छह बजे के कुछ देर बाद तेज़ बारिश में कुछ और चमकीली बत्तियाँ टिमटिमाती नज़र आईं। तब तक घना अंधेरा हो चुका था। एक कार गीगर के घर के सामने आकर रुकी। उसकी बत्तियों के तार मंद चमके और बुझ गए। दरवाज़ा खुला और एक महिला बाहर निकली। एक छोटी, दुबली-पतली महिला, जिसने एक आवारा टोपी और एक पारदर्शी रेनकोट पहना हुआ था। वह संकरे दरवाज़ों के बीच बने संकरे रास्ते से अंदर चली गई। एक घंटी की हल्की सी आवाज़ आई, बारिश में हल्की रोशनी, दरवाज़ा बंद होने की आवाज़, सन्नाटा।

मैंने अपनी कार की जेब से एक बोतल निकाली और नीचे झुककर कार को देखा। वह एक पैकार्ड कन्वर्टिबल थी, मैरून या गहरे भूरे रंग की। बाईं खिड़की खुली हुई थी। मैंने लाइसेंस प्लेट को टटोला और उसमें रोशनी डाली। रजिस्ट्रेशन नंबर था: कारमेन स्टर्नवुड, 3765 अल्टा ब्रेआ क्रिसेंट, वेस्ट हॉलीवुड। मैं वापस अपनी कार में गया और बैठा रहा। छत से मेरे घुटनों पर पानी टपक रहा था और व्हिस्की से मेरा पेट जल रहा था। पहाड़ी पर कोई और कार नहीं आई। जिस घर के सामने मैंने कार खड़ी की थी, उसकी कोई बत्ती नहीं जली। ऐसा लग रहा था कि बुरी आदतें अपनाने के लिए यह बढ़िया इलाका है।

सात बजकर बीस मिनट पर, गीगर के घर से तेज़ सफ़ेद रोशनी की एक चमक निकली, मानो गर्मी की बिजली की लहर हो। जैसे ही अंधेरा उसे घेरकर निगलने लगा, एक पतली सी चीख गूंजी और बारिश से भीगे पेड़ों के बीच गुम हो गई। गूंज के शांत होने से पहले ही मैं कार से बाहर निकलकर अपने रास्ते पर चल पड़ा था।

चीख में कोई डर नहीं था। उसमें आधे सुखदायक सदमे की आवाज़ थी, नशे का लहजा था, और सरासर मूर्खता का भाव था। वह एक घिनौनी आवाज़ थी। उसे सुनकर मुझे सफेद कपड़ों में पुरुषों, सलाखों वाली खिड़कियों और चमड़े की कलाई और टखने की पट्टियों से बंधे कठोर, संकरे पलंगों की याद आ गई। जब मैं झाड़ियों में बने गैप से निकला और सामने के दरवाजे को छुपाने वाले कोने से घूमकर आगे बढ़ा, तो गीगर का ठिकाना फिर से एकदम शांत हो गया था। वहाँ एक लोहे का छल्ला था जो शेर के मुँह में लगा था, और वह एक खटखटाहट का काम कर रहा था। मैंने उसे पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, और उसे पकड़ लिया। ठीक उसी क्षण, मानो कोई इशारे का इंतज़ार कर रहा हो, घर में तीन गोलियों की आवाज़ गूंजी। एक आवाज़ आई जो शायद एक लंबी, कर्कश आह थी। फिर एक हल्की, बेतरतीब सी धमक। और फिर घर में तेज़ कदमों की आहट सुनाई दी—जो दूर जा रहे थे।

दरवाजा एक संकरे रास्ते पर खुलता था, जो किसी खाई पर बने पुल की तरह था और घर की दीवार व किनारे के बीच की खाई को भरता था। वहाँ न कोई बरामदा था, न कोई ठोस ज़मीन, न

ही पीछे जाने का कोई रास्ता। पिछला प्रवेश द्वार लकड़ी की सीढ़ियों के एक समूह के ऊपर था, जो नीचे गली जैसी सड़क से ऊपर की ओर जाती थीं। मुझे यह इसलिए पता चला क्योंकि मैंने सीढ़ियों पर नीचे उतरते कदमों की आहट सुनी। फिर मुझे अचानक किसी कार के स्टार्ट होने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। वह आवाज़ तेज़ी से दूर होती चली गई। मुझे लगा कि वह आवाज़ किसी दूसरी कार की गूँज थी, लेकिन मैं निश्चित नहीं था। मेरे सामने वाला घर एकदम शांत था, जैसे कोई तिजोरी हो। कोई जल्दी नहीं थी। जो भी था, सो था।

मैं रनवे के किनारे लगी बाड़ पर चढ़ गया और पर्दे से ढकी, लेकिन बिना जाली वाली फ्रेंच खिड़की की ओर झुककर, पर्दों के मिलने वाली दरार से अंदर झाँकने की कोशिश की। मुझे दीवार पर और किताबों की अलमारी के एक कोने पर लैंप की रोशनी दिखाई दी। मैं वापस रनवे पर आ गया और रनवे और कुछ झाड़ियों को धक्का देकर सामने के दरवाजे को ज़ोर से धकेल दिया। यह बेवकूफी थी। कैलिफ़ोर्निया के घरों में शायद ही कोई ऐसी जगह हो जहाँ आप अपना पैर न मार सकें, और वह है सामने का दरवाजा। इससे बस मेरे कंधे में दर्द हुआ और मुझे गुस्सा आ गया। मैं फिर से रेलिंग के ऊपर से चढ़ गया और फ्रेंच खिड़की को लात मारकर तोड़ दिया, अपनी टोपी को दस्ताने की तरह इस्तेमाल किया और नीचे के छोटे शीशे का ज़्यादातर हिस्सा खींचकर निकाल दिया। अब मैं अंदर हाथ डालकर खिड़की को चौखट से जोड़ने वाले बोल्ट को खींच सकता था। बाकी काम आसान था। ऊपर कोई बोल्ट नहीं था। कुंडी खुल गई। मैं अंदर चढ़ गया और अपने चेहरे से पर्दे हटा दिए।

कमरे में मौजूद दोनों लोगों में से किसी ने भी मेरे अंदर आने के तरीके पर ध्यान नहीं दिया, हालांकि उनमें से केवल एक ही मृत था।

यह एक विशाल कमरा था, पूरे घर की चौड़ाई जितना। इसकी छत नीची थी और दीवारों पर भूरे रंग का प्लास्टर लगा था, जिन पर चीनी कढ़ाई की पट्टियाँ और दानेदार लकड़ी के फ्रेम में चीनी और जापानी प्रिंट लगे थे। वहाँ छोटी-छोटी किताबों की अलमारियाँ थीं, एक मोटा गुलाबी रंग का चीनी कालीन था जिस पर एक गिलहरी भी हफ़्ता आराम से रह सकती थी। फर्श पर गद्दियाँ थीं, रेशम के कुछ टुकड़े इधर-उधर बिखरे हुए थे, मानो वहाँ रहने वाले को हमेशा कोई न कोई टुकड़ा चाहिए होता था जिसे वह छूकर छू सके। वहाँ पुराने गुलाब के डिज़ाइन वाली एक चौड़ी और नीची दीवान थी। उस पर कपड़ों का ढेर लगा था, जिसमें हल्के बैंगनी रंग की रेशमी अंडरवियर भी शामिल थी। एक चबूतरे पर एक बड़ा नक्काशीदार दीपक था, और दो अन्य खड़े दीपक थे जिन पर हरे रंग के शेड और लंबे लटकन लगे थे। एक काली मेज थी जिसके कोनों पर नक्काशीदार गार्गोयल बने थे और उसके पीछे नक्काशीदार बाजूबंद और पीठ वाली पॉलिश की हुई काली कुर्सी पर पीले रंग का साटन का गद्दा रखा था। कमरे में कई तरह की गंधें फैली हुई थीं, जिनमें से इस समय सबसे तीव्र गंध कॉर्डाइट की तीखी गंध और ईथर की अस्वस्थ कर देने वाली गंध प्रतीत हो रही थी।

कमरे के एक कोने में बने एक छोटे से चबूतरे पर सागौन की लकड़ी की ऊँची पीठ वाली कुर्सी थी, जिस पर मिस कारमेन स्टर्नवुड नारंगी रंग की झालरदार शॉल ओढ़े बैठी थीं। वे एकदम सीधी बैठी थीं, उनके हाथ कुर्सी के बाजूबंदों पर थे, घुटने आपस में सटे हुए थे, उनका शरीर किसी मिस्र की देवी की तरह सीधा खड़ा था, ठुड्डी सीधी थी, और उनके छोटे-छोटे चमकीले दाँत होठों के बीच चमक रहे थे। उनकी आँखें चौड़ी खुली हुई थीं। पुतली का गहरा स्लेटी रंग उसे निगल रहा था। उनकी आँखें मानो पागलों जैसी थीं। वे बेहोश लग रही थीं, लेकिन उनकी मुद्रा बेहोशी जैसी नहीं थी। ऐसा लग रहा था मानो वे अपने मन में कोई बहुत महत्वपूर्ण काम कर रही हों और उसे बखूबी निभा रही हों। उनके मुँह से एक हल्की सी हँसी निकली, जिससे उनके चेहरे के भाव में कोई बदलाव नहीं आया और न ही उनके होंठ हिले।

उसने लंबे जेड के झुमके पहन रखे थे। वे सुंदर झुमके थे और शायद उनकी कीमत कुछ सौ डॉलर रही होगी। उसने इसके अलावा कुछ नहीं पहना था।

उसका शरीर बेहद खूबसूरत था; छोटा, लचीला, सुगठित, मजबूत और गोल। लैंप की रोशनी में उसकी त्वचा मोती की तरह चमक रही थी। उसकी टांगें श्रीमती रेगन की टांगों जैसी आकर्षक तो नहीं थीं, लेकिन फिर भी बहुत सुंदर थीं। मैंने उसे बिना किसी शर्म या कामुकता के देखा। नग्न अवस्था में वह उस कमरे में बिल्कुल भी मौजूद नहीं थी। वह बस एक साधारण सी लड़की थी। मेरे लिए वह हमेशा से ही एक साधारण सी लड़की थी।

मैंने उसे देखना बंद किया और गीगर की ओर देखा। वह चीनी कालीन के किनारे से थोड़ा आगे, ज़मीन पर पीठ के बल लेटा हुआ था, एक ऐसी चीज़ के सामने जो किसी खंभे जैसी दिख रही थी। उसका आकार चील जैसा था और उसकी चौड़ी गोल आँख एक कैमरा लेंस थी। लेंस कुर्सी पर बैठी नग्न लड़की की ओर था। खंभे के किनारे पर एक काला पड़ा फ्लैश बल्ब लगा हुआ था। गीगर ने मोटे फेल्ट के तलवों वाली चीनी चप्पलें पहनी हुई थीं, उसके पैरों में काले साटन के

पजामे थे और ऊपरी हिस्से में चीनी कढ़ाई वाला कोट था, जिसका अगला हिस्सा लगभग खून से सना हुआ था। उसकी कांच की आँख मेरी ओर चमक रही थी और वही उसके बारे में सबसे ज़्यादा सजीव लग रही थी। एक नज़र में ही मुझे लगा कि मैंने जो तीन गोलियों की आवाज़ सुनी थी, उनमें से कोई भी चूकी नहीं थी। वह पूरी तरह से मर चुका था।

फ्लैश बल्ब वही तेज बिजली थी जो मैंने देखी थी। वो पागलपन भरी चीख नशे में धुत और नग्न लड़की की उस पर प्रतिक्रिया थी। वो तीन गोलियां किसी और का विचार थीं कि घटनाक्रम को एक नया मोड़ कैसे दिया जा सकता है। उस लड़के का विचार जो पीछे की सीढ़ियों से नीचे उतरा और एक कार से टकराकर भाग गया। मुझे उसके दृष्टिकोण में कुछ सच्चाई नजर आई।

काली मेज के कोने पर रखी लाल रंग की पॉलिश की हुई ट्रे पर सोने की नसों वाले दो नाजुक गिलास रखे थे, उनके बगल में भूरे रंग के तरल पदार्थ से भरा एक फूला हुआ बड़ा सा जग रखा था। मैंने ढक्कन निकालकर उसे सूंघा। उसमें ईथर और किसी और चीज की गंध आ रही थी, शायद लाउडैनम की। मैंने मिक्सटेयर कभी नहीं चखा था, लेकिन यह गाइगर मेनेज के साथ काफी अच्छा लग रहा था।

मैंने छत और उत्तरी खिड़कियों पर बारिश की बूंदों की आवाज़ सुनी। उसके आगे कोई और आवाज़ नहीं थी, न कोई कार, न कोई सायरन, बस बारिश की बूँदें थीं। मैं सोफे के पास गया और अपना ट्रेंच कोट उतारकर लड़की के कपड़ों में हाथ डाला। वहाँ एक हल्के हरे रंग की ऊनी, खींचने वाली, आधी आस्तीन वाली ड्रेस थी। मैंने सोचा कि शायद मैं इसे संभाल सकूँ। मैंने उसके अंदरूनी कपड़े नहीं लिए, संवेदनशीलता के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि मैं खुद को उसकी पैंट पहनाते और ब्रा कसते हुए नहीं देख सकता था। मैं ड्रेस लेकर चबूतरे पर रखी सागौन की कुर्सी पर चला गया। कुछ फीट की दूरी से भी मिस स्टर्नवुड से ईथर की गंध आ रही थी। उनकी हल्की-सी हँसी की आवाज़ अभी भी आ रही थी और ठुड्डी से थोड़ा झाग टपक रहा था। मैंने उनके चेहरे पर एक थप्पड़ मारा। उन्होंने पलकें झपकाईं और हँसना बंद कर दिया। मैंने उन्हें फिर से एक थप्पड़ मारा।

मैंने उत्साह से कहा, "चलो, अच्छे से पेश आते हैं। चलो कपड़े पहनते हैं।"

उसने मेरी ओर टकटकी लगाई, उसकी स्लेटी आँखें मुखौटे में छेद की तरह खाली थीं। "गुगुटोटेरेल," उसने कहा।

मैंने उसे कुछ और थप्पड़ मारे। उसे थप्पड़ों से कोई फर्क नहीं पड़ा। थप्पड़ों से उसका मूड ठीक नहीं हुआ। मैंने उसकी ड्रेस ठीक करने का काम शुरू किया। उसे इससे भी कोई परेशानी नहीं हुई। उसने मुझे अपनी बांहें ऊपर उठाने दीं और अपनी उंगलियां चौड़ी करके फैला दीं, मानो यह बहुत प्यारा लगे। मैंने उसके हाथों को आस्तीनों में डाला, ड्रेस को उसकी पीठ से नीचे खींचा और उसे खड़ा कर दिया। वह खिलखिलाते हुए मेरी बाहों में गिर पड़ी। मैंने उसे वापस कुर्सी पर बिठाया और उसे मोज़े और जूते पहना दिए।

मैंने कहा, "चलो थोड़ी देर टहलते हैं। चलो एक अच्छी सी सैर पर चलते हैं।"

हम थोड़ी देर टहले। कभी उसके झुमके मेरे सीने से टकराते, कभी हम दोनों एक साथ, जैसे नृत्य करते हैं, स्प्लिट्स करते। हम गीगर के शव के पास गए और वापस आ गए। मैंने उसे गीगर को

देखने को कहा। उसे वह प्यारा लगा। वह खिलखिलाकर हंसी और मुझे बताने की कोशिश की, लेकिन बस शरमाती रही। मैं उसे सोफे के पास ले गया और उस पर लिटा दिया। उसे दो बार हिचकी आई, थोड़ी खिलखिलाई और सो गई। मैंने उसका सामान अपनी जेबों में भर लिया और उस खंभे के पीछे चला गया। कैमरा तो वहीं था, उसके अंदर लगा हुआ था, लेकिन कैमरे में प्लेट होल्डर नहीं था। मैंने फर्श पर चारों ओर देखा, सोचा कि शायद गोली लगने से पहले उसने प्लेट होल्डर निकाल लिया हो। प्लेट होल्डर नहीं मिला। मैंने उसका बेजान, ठंडा हाथ पकड़ा और उसे थोड़ा घुमाया। प्लेट होल्डर नहीं मिला। मुझे यह बात अच्छी नहीं लगी।

मैं कमरे के पीछे वाले हॉल में गया और घर का जायज़ा लिया। दाहिनी ओर एक बाथरूम था, जिसका दरवाज़ा बंद था, और पीछे की ओर एक रसोईघर था। रसोईघर की खिड़की टूटी हुई थी। जाली गायब थी और जहाँ से हुक निकला था, वह जगह खिड़की की चौखट पर दिखाई दे रही थी। पीछे का दरवाज़ा खुला था। मैंने उसे खुला ही छोड़ दिया और हॉल के बाईं ओर वाले बेडरूम में झाँका। वह साफ़-सुथरा, व्यवस्थित और स्त्रीत्वपूर्ण था। बिस्तर पर झालरदार चादर थी। तीन शीशों वाली ड्रेसिंग टेबल पर इत्र रखा था, उसके बगल में एक रुमाल, कुछ खुले पैसे, एक आदमी के ब्रश और एक चाबी का गुच्छा था। अलमारी में एक आदमी के कपड़े थे और बिस्तर की झालरदार चादर के नीचे एक आदमी की चप्पलें थीं। यह श्री गीगर का कमरा था। मैं चाबी का गुच्छा लेकर लिविंग रूम में वापस आया और डेस्क की तलाशी ली। गहरे दराज में एक बंद स्टील का डिब्बा था। मैंने उसमें से एक चाबी खोली। उसमें एक नीली चमड़े की किताब के अलावा कुछ नहीं था, जिसमें एक इंडेक्स और कोड में बहुत कुछ लिखा था, उसी तिरछी छपाई में जिससे जनरल स्टर्नवुड को पत्र लिखा गया था। मैंने नोटबुक को अपनी जेब में रखा, स्टील के उस डिब्बे को पोंछा जहाँ मैंने उसे छुआ था, डेस्क को ताला लगाया, चाबियाँ जेब में रखीं, चिमनी में गैस की लकड़ियाँ बुझाईं, खुद को कोट में लपेटा और मिस स्टर्नवुड को जगाने की कोशिश की। यह संभव नहीं हो सका। मैंने उनकी आवारा टोपी उनके सिर पर ठूँसी और उन्हें उनके कोट में लपेटकर उनकी कार तक ले गया। मैं वापस आया और सारी लाइटें बंद कर दीं और सामने का दरवाजा बंद कर दिया, उनके बैग से उनकी चाबियाँ निकालीं और पैकार्ड कार स्टार्ट की। हम बिना लाइट जलाए पहाड़ी से नीचे उतर गए। अल्टा ब्रेआ क्रिसेंट तक दस मिनट से भी कम का रास्ता था। कारमेन ने वह समय खर्राटे लेते हुए और मेरे चेहरे पर ईथर छोड़ते हुए बिताया। मैं उनका सिर अपने कंधे से हटा ही नहीं पा रहा था। मैं बस इतना ही कर पा रहा था कि उनका सिर मेरी गोद में न गिरे।

8

स्टर्नवुड हवेली के बगल वाले दरवाजे के संकरे शीशे के पीछे हल्की रोशनी थी। मैंने अपनी पैकार्ड कार को दरवाजे के नीचे रोका और अपनी जेबें खाली करके सीट पर रख दीं। कोने में बैठी लड़की खर्राटे ले रही थी, उसकी टोपी नाक पर तिरछी थी और उसके हाथ रेनकोट की तहों में लटके हुए थे। मैं बाहर निकला और घंटी बजाई। कदमों की आहट धीमी थी, मानो किसी लंबी और सुनसान दूरी से आ रही हो। दरवाजा खुला और सीधा, चांदी जैसे रंग का बटलर मेरी तरफ देखने लगा। हॉल की रोशनी से उसके बालों का एक घेरा बन गया था।

उन्होंने विनम्रता से कहा: "शुभ संध्या, महोदय," और मेरी ओर देखे बिना पैकार्ड कार की ओर देखने लगे। फिर उनकी निगाहें मेरी ओर मुड़ीं।
"क्या श्रीमती रीगन अंदर हैं?"
"जी नहीं, महोदय।"
"मुझे उम्मीद है कि जनरल सो रहे होंगे?"
"हां। शाम का समय उसके लिए सोने का सबसे अच्छा समय होता है।"
"श्रीमती रीगन की नौकरानी के बारे में क्या ख्याल है?"
"मथिल्डा? वो यहाँ हैं, महोदय।"
"उसे यहाँ बुलाना बेहतर होगा। इस काम के लिए एक महिला की ज़रूरत है। गाड़ी में एक नज़र डालो, तुम्हें पता चल जाएगा क्यों।"
उसने कार में एक नज़र डाली। वह वापस आया। "ठीक है," उसने कहा। "मैं मथिल्डा को बुला लाता हूँ।"
मैंने कहा, "मथिल्डा उसके साथ न्याय करेगी।"
उन्होंने कहा, "हम सभी उसके साथ सही व्यवहार करने की कोशिश करते हैं।"
मैंने कहा, "मुझे लगता है कि तुमने अभ्यास किया है।"
उसने उस बात को जाने दिया। "अच्छा, शुभ रात्रि," मैंने कहा। "मैं इसे आपके हाथों में छोड़ रहा हूँ।"
"बहुत बढ़िया, महोदय। क्या मैं आपके लिए एक टैक्सी बुला सकता हूँ?"
मैंने कहा, "बिल्कुल नहीं। असल में मैं यहाँ हूँ ही नहीं। आपको बस भ्रम हो रहा है।"
फिर वह मुस्कुराया। उसने मुझे अपना सिर झुकाकर इशारा किया और मैं मुड़कर ड्राइववे से होते हुए गेट से बाहर निकल गया।
दस ब्लॉक का वो रास्ता, घुमावदार, बारिश से भीगी सड़कों पर, पेड़ों की लगातार टपकती बूंदों के नीचे, भूतिया विशाल मैदानों में बने बड़े-बड़े घरों की रोशन खिड़कियों के पास से गुज़रते हुए, पहाड़ी की ऊँचाई पर छज्जों और रोशन खिड़कियों के धुंधले समूह, दूर और दुर्गम, जैसे जंगल में चुड़ैलों के घर। मैं एक ऐसे पेट्रोल पंप पर पहुँचा जहाँ मंद रोशनी चकाचौंध कर रही थी, जहाँ एक ऊबा हुआ कर्मचारी सफेद टोपी और गहरे नीले रंग की जैकेट पहने, भाप से भरे शीशे के अंदर एक स्टूल पर झुका बैठा अखबार पढ़ रहा था। मैंने अखबार पढ़ना शुरू किया, फिर आगे बढ़ता रहा। मैं पूरी तरह भीग चुका था। और ऐसी रात में टैक्सी का इंतज़ार करते-करते दाढ़ी बढ़ जाती है। और टैक्सी ड्राइवर याद रखते हैं।
मैं फुर्तीली चाल से चलते हुए आधे घंटे से कुछ ज़्यादा समय में गीगर के घर पहुँच गया। वहाँ कोई नहीं था, सड़क पर मेरी कार के अलावा कोई और कार नहीं थी, मेरी कार अगले घर के सामने खड़ी थी। घर किसी खोए हुए कुत्ते की तरह उदास लग रहा था। मैंने अपनी राई व्हिस्की की बोतल निकाली और उसमें से आधा पीकर अंदर जाकर सिगरेट जलाई। मैंने आधी सिगरेट पी, उसे फेंक दिया, बाहर निकला और गीगर के घर चला गया। मैंने दरवाज़ा खोला और अंदर की हल्की गर्म अंधेरी जगह में कदम रखा और वहीं खड़ा रहा, चुपचाप फर्श पर भीगता हुआ बारिश

की आवाज़ सुनता रहा। मैंने एक लैंप ढूँढा और उसे जलाया।
सबसे पहले मेरी नज़र इस बात पर पड़ी कि दीवार से कढ़ाई वाले रेशम की कुछ पट्टियाँ गायब थीं। मैंने उन्हें गिना तो नहीं था, लेकिन भूरे प्लास्टर की खाली जगहें साफ़ नज़र आ रही थीं। मैं थोड़ा और आगे गया और एक और लैंप जलाया। मैंने टोटेम पोल को देखा। उसके नीचे, चीनी कालीन के किनारे से परे, नंगी ज़मीन पर एक और कालीन बिछी हुई थी। वह पहले वहाँ नहीं थी। गीगर का शरीर वहाँ था। गीगर का शरीर गायब हो चुका था।
यह देखकर मैं जम गया। मैंने अपने होंठ दांतों से दबा लिए और टोटम पोल में लगी कांच की आंख को घूरकर देखा। मैंने फिर से पूरे घर का चक्कर लगाया। सब कुछ वैसा ही था जैसा पहले था। गीगर अपने झालरदार बिस्तर पर, उसके नीचे या अपनी कोठरी में नहीं था। वह रसोई या बाथरूम में भी नहीं था। बस हॉल के दाहिनी ओर का बंद दरवाजा ही बचा था। गीगर की एक चाबी ताले में लग गई। अंदर का कमरा दिलचस्प था, लेकिन गीगर उसमें नहीं था। यह दिलचस्प इसलिए था क्योंकि यह गीगर के कमरे से बिल्कुल अलग था। यह एक सख्त, खाली, मर्दाना बेडरूम था जिसमें पॉलिश किया हुआ लकड़ी का फर्श, भारतीय डिज़ाइन के दो छोटे गलीचे, दो सीधी कुर्सियाँ, गहरे रंग की लकड़ी का एक दराज जिसमें पुरुषों का टॉयलेट सेट और एक फुट ऊंचे पीतल के स्टैंड में दो काली मोमबत्तियाँ रखी थीं। बिस्तर संकरा और सख्त लग रहा था और उस पर मैरून रंग का बाटिक कवर था। कमरा ठंडा लग रहा था। मैंने उसे फिर से बंद कर दिया, अपने रूमाल से नॉब को साफ किया और टोटम पोल के पास वापस चला गया। मैं घुटनों के बल बैठ गया और कालीन की सतह पर तिरछी नज़रों से सामने के दरवाज़े की ओर देखने लगा। मुझे लगा जैसे उस तरफ दो समानांतर निशान बने हों, मानो किसी ने एड़ी घसीटी हो। जिसने भी ये किया था, उसने जानबूझकर किया था। मरे हुए लोग टूटे दिलों से कहीं ज़्यादा भारी होते हैं।
यह कानून नहीं था। वे अभी भी वहीं होते, बस अपने धागे, चाक, कैमरे, धूल झाड़ने वाले पाउडर और सिगार के साथ तैयारी कर रहे होते। वे वहीं होते। यह हत्यारा नहीं था। वह बहुत जल्दी चला गया था। उसने लड़की को ज़रूर देखा होगा। उसे यकीन नहीं था कि वह इतनी पागल थी कि उसे देख ही न पाई हो। वह दूर-दराज के स्थानों की ओर जा रहा होगा। मैं जवाब का अनुमान नहीं लगा सकता था, लेकिन अगर कोई गाइगर की हत्या के बजाय उसे लापता करना चाहता था, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं थी। इससे मुझे यह पता लगाने का मौका मिला कि क्या मैं कारमेन स्टर्नवुड को छोड़कर कहानी बता सकता हूँ। मैंने फिर से ताला लगाया, अपनी कार को स्टार्ट किया और घर की ओर चल दिया, जहाँ मैंने नहाया, सूखे कपड़े पहने और देर रात का खाना खाया। उसके बाद मैं अपार्टमेंट में बैठा रहा और गाइगर की नीली इंडेक्स वाली नोटबुक में लिखे कोड को सुलझाने की कोशिश में बहुत ज़्यादा हॉट टॉडी पीता रहा। मैं बस इतना ही कह सकता था कि यह नामों और पतों की एक सूची थी, शायद ग्राहकों की। उनमें से चार सौ से ज़्यादा थे। इससे यह एक अच्छा-खासा रैकेट बन गया, साथ ही इसमें ब्लैकमेल के कई पहलू भी थे, और शायद ऐसे कई पहलू थे। सूची में शामिल कोई भी नाम हत्यारा हो सकता था। जब पुलिस को यह काम सौंपा गया, तो मुझे उनकी स्थिति पर ज़रा भी दया नहीं आई।
मैं व्हिस्की और निराशा से भरा हुआ बिस्तर पर गया और एक ऐसे आदमी का सपना देखा जिसने

खून से सना हुआ चीनी कोट पहना हुआ था और वह लंबे जेड झुमके पहने एक नग्न लड़की का पीछा कर रहा था, जबकि मैं उनके पीछे भाग रहा था और एक खाली कैमरे से तस्वीर लेने की कोशिश कर रहा था।

9

अगली सुबह मौसम सुहाना, साफ और धूपदार था। मैं मुंह में मोटरमैन का दस्ताना लिए उठा, दो कप कॉफी पी और सुबह के अखबार देखे। मुझे दोनों में से किसी में भी श्री आर्थर ग्विन गीगर का कोई जिक्र नहीं मिला। मैं अपने गीले सूट की सिलवटें झाड़ ही रहा था कि फोन की घंटी बजी। यह बर्नी ओहल्स का फोन था, जो जिला अटॉर्नी के मुख्य जांचकर्ता थे और जिन्होंने मुझे जनरल स्टर्नवुड के बारे में जानकारी दी थी।

"अच्छा, लड़का कैसा है?" उसने पूछना शुरू किया। उसकी आवाज़ से लग रहा था कि वह अच्छी तरह सोया है और उस पर ज़्यादा कर्ज़ नहीं है।

मैंने कहा, "मुझे हैंगओवर है।"

"त्स्क, त्स्क।" वह अनमने ढंग से हँसा और फिर उसकी आवाज़ कुछ ज़्यादा ही अनौपचारिक हो गई, एक सतर्क पुलिसवाले की आवाज़। "जनरल स्टर्नवुड से मिले हो क्या?"

"अहां।"

"क्या तुमने उसके लिए कुछ किया है?"

"बहुत ज्यादा बारिश हो रही थी," मैंने जवाब दिया, अगर इसे जवाब माना जा सकता है।

"ऐसा लगता है कि ये एक ऐसा परिवार है जिसके साथ घटनाएं होती रहती हैं। उनमें से एक की बड़ी सी ब्यूक कार लिडो फिश पियर के पास लहरों में बह रही है।"

मैंने टेलीफोन को इतनी जोर से पकड़ा कि वह टूट गया। मैंने अपनी सांस भी रोक ली।

"हाँ," ओहल्स ने खुशी से कहा। "एक बढ़िया नई ब्यूक सेडान, जो रेत और समुद्री पानी से पूरी तरह से गंदी हो गई है... ओह, मैं लगभग भूल ही गया था। इसके अंदर एक आदमी है।"

मैंने अपनी सांस इतनी धीरे-धीरे छोड़ी कि वो मेरे होंठों पर अटक गई। "रीगन?" मैंने पूछा।

"हूँ? कौन? ओह, तुम्हारा मतलब उस पूर्व सैनिक से है जिसे सबसे बड़ी बेटी ने उठाया और जाकर शादी कर ली। मैंने उसे कभी नहीं देखा। वो वहाँ क्या कर रहा होगा?"

"बहाना बंद करो। वहां नीचे कोई क्या कर रहा होगा?"

मुझे नहीं पता यार। मैं नीचे जाकर देख रहा हूँ। क्या तुम भी चलना चाहोगे?

"हाँ।"

"इसे झटपट ले लो," उसने कहा। "मैं अपने पिंजरे में रहूंगा।"

दाढ़ी बनवाकर, कपड़े पहनकर और हल्का नाश्ता करके मैं एक घंटे से भी कम समय में न्याय भवन पहुँच गया। मैं सातवीं मंज़िल तक गया और वहाँ पहुँचकर उन छोटे-छोटे दफ्तरों में चला गया जिनका इस्तेमाल अभियोजन पक्ष के आदमी करते थे। ओहल्स का दफ्तर बाकियों से बड़ा नहीं था, लेकिन वह वहाँ अकेला ही रहता था। उसकी मेज़ पर एक ब्लॉटिंग पेपर, एक सस्ता पेन सेट, उसकी टोपी और उसका एक पैर के अलावा कुछ नहीं था। वह मध्यम कद का, सुनहरे बालों वाला आदमी था, जिसकी भौंहें सफ़ेद और कड़क थीं, आँखें शांत थीं और दाँत साफ़-सुथरे थे।

वह सड़क पर मिलने वाले किसी भी आम आदमी जैसा दिखता था। मुझे पता था कि उसने नौ लोगों को मारा था—उनमें से तीन को तब जब वह छिपा हुआ था, या किसी को लगा कि वह छिपा हुआ है।

वह खड़ा हुआ और एंट्रैक्टेस नामक खिलौने वाली सिगारों से भरी एक चपटी टिन को अपनी जेब में रख लिया, अपने मुंह में रखी एक सिगार को ऊपर-नीचे हिलाया और अपना सिर पीछे की ओर झुकाकर अपनी नाक के सहारे मुझे ध्यान से देखा।

"यह रीगन नहीं है," उसने कहा। "मैंने जाँच की है। रीगन एक लंबा-चौड़ा आदमी है, तुम्हारी ही तरह लंबा और तुमसे थोड़ा भारी। यह तो एक छोटा बच्चा है।"

मैंने कुछ नहीं कहा।

"रीगन क्यों नहीं गई?" ओहल्स ने पूछा। "क्या आपको इसमें दिलचस्पी है?"

मैंने कहा, "मुझे ऐसा नहीं लगता।"

"जब शराब के धंधे से जुड़ा कोई आदमी किसी अमीर परिवार में शादी कर लेता है और फिर एक खूबसूरत औरत और करोड़ों वैध पैसों को अलविदा कह देता है—तो यह बात मुझे भी सोचने पर मजबूर कर देती है। मुझे लगता है आपने सोचा था कि यह एक रहस्य है।"

"अहां।"

"ठीक है, चुप रहो, बच्चे। कोई बात नहीं।" वह अपनी जेबें थपथपाते हुए और अपनी टोपी की ओर हाथ बढ़ाते हुए डेस्क के चारों ओर आया।

मैंने कहा, "मैं रीगन को नहीं ढूंढ रहा हूँ।"

उसने अपने दरवाजे का ताला ठीक किया और हम आधिकारिक पार्किंग स्थल पर गए और एक छोटी नीली सेडान कार में बैठ गए। हम सनसेट रोड पर निकल पड़े, बीच-बीच में सिग्नल से पहले निकलने के लिए सायरन बजाते रहे। सुबह सुहाना था, हवा में हल्की सी ताजगी थी जिससे जीवन सरल और मधुर लगता था, बशर्ते आपके दिमाग में बहुत कुछ न चल रहा हो। मेरे दिमाग में बहुत कुछ चल रहा था।

तटीय राजमार्ग पर लिडो तक तीस मील की दूरी थी, जिसमें से पहले दस मील तक भारी यातायात था। ओहल्स ने यह दूरी पौने घंटे में तय कर ली। उस समय के अंत में, हम एक फीके प्लास्टर वाले मेहराब के सामने अचानक रुक गए और मैंने अपने पैर फर्श से हटा लिए और हम बाहर निकल गए। मेहराब से समुद्र की ओर सफेद लकड़ी के तख्तों से बनी एक लंबी रेलिंग वाला घाट फैला हुआ था। दूर छोर पर लोगों का एक समूह झुका हुआ था और एक मोटरसाइकिल सवार पुलिसकर्मी मेहराब के नीचे खड़ा होकर लोगों के एक अन्य समूह को घाट पर जाने से रोक रहा था। राजमार्ग के दोनों ओर कारें खड़ी थीं, वही हमेशा की तरह पुरुष और महिलाएं। ओहल्स ने मोटरसाइकिल सवार पुलिसकर्मी को अपना बैज दिखाया और हम घाट पर चले गए, जहाँ मछली की तेज़ गंध फैली हुई थी, जिसे एक रात की भारी बारिश ने भी कम नहीं किया था।

"वो रही वो - पावर बार्ज पर," ओहल्स ने अपने खिलौने वाले सिगार में से एक से इशारा करते हुए कहा।

एक नीची काली नाव, जिसका पहिया टगबोट जैसा था, घाट के अंत में खंभों से सटी खड़ी थी।

सुबह की धूप में उसकी डेक पर कुछ चमक रहा था, जिसके चारों ओर अभी भी उठाने वाली जंजीरें लिपटी हुई थीं - एक बड़ी काली और क्रोमियम रंग की कार। उठाने वाली मशीन की भुजा को वापस अपनी जगह पर घुमाकर डेक के स्तर तक नीचे कर दिया गया था। कार के चारों ओर लोग खड़े थे। हम फिसलन भरी सीढ़ियों से नीचे डेक पर उतरे।

ओहल्स ने हरे रंग की खाकी वर्दी पहने एक डिप्टी और सादे कपड़ों में एक आदमी को नमस्कार किया। नाव के तीन सदस्य पहिए वाले कमरे के आगे झुककर तंबाकू चबा रहे थे। उनमें से एक गंदे तौलिए से अपने गीले बालों को पोंछ रहा था। वही आदमी था जो जंजीरें लगाने के लिए पानी में उतरा था।

हमने गाड़ी की अच्छी तरह से जाँच की। आगे का बम्पर मुड़ा हुआ था, एक हेडलाइट टूटी हुई थी, दूसरी ऊपर की ओर मुड़ी हुई थी लेकिन उसका शीशा अभी भी सही सलामत था। रेडिएटर के खोल में एक बड़ा गड्ढा था, और पूरी गाड़ी पर पेंट और निकल के निशान थे। सीट बेल्ट पूरी तरह से गीली और काली थी। किसी भी टायर में कोई खराबी नहीं दिख रही थी।

ड्राइवर अब भी स्टीयरिंग पोस्ट पर सिर झुकाए बैठा था, उसका सिर कंधों से एक अजीब कोण पर था। वह दुबला-पतला, काले बालों वाला लड़का था, जो कुछ समय पहले तक सुंदर दिखता था। अब उसका चेहरा नीला-सफेद पड़ गया था, झुकी हुई पलकों के नीचे उसकी आँखें धुंधली चमक रही थीं और खुले मुँह में रेत भरी हुई थी। उसके माथे के बाईं ओर एक हल्का सा निशान था जो त्वचा की सफेदी पर साफ दिखाई दे रहा था।

ओहल्स पीछे हट गया, गले से एक अजीब सी आवाज निकाली और अपनी छोटी सी सिगार को माचिस से बुझा दिया। "क्या बात है?"

वर्दीधारी व्यक्ति ने घाट के छोर पर खड़े तमाशबीनों की ओर इशारा किया। उनमें से एक व्यक्ति उस जगह को छू रहा था जहाँ सफेद रंग के लकड़ी के तख्ते चौड़े हिस्से में टूट गए थे। टूटी हुई लकड़ी पीली और साफ दिखाई दे रही थी, मानो ताजी कटी हुई चीड़ की लकड़ी हो।

"वहां से गुजरी। काफी जोर से टकराई होगी। यहां बारिश जल्दी ही रुक गई, रात करीब नौ बजे। टूटी हुई लकड़ी अंदर से सूखी है। इससे पता चलता है कि बारिश रुकने के बाद ही यह घटना हुई। वह काफी पानी में गिरी थी, इसलिए ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। ज्वार आधा भी नहीं था, वरना वह और दूर बह जाती, और ज्वार उतरते समय भी आधा ही था, वरना वह खंभों से टकरा जाती। इसका मतलब है कि यह कल रात करीब दस बजे हुआ होगा। शायद साढ़े नौ बजे, इससे पहले नहीं। आज सुबह जब लड़के मछली पकड़ने आए तो वह पानी के नीचे दिखाई दी, इसलिए हमने नाव से उसे बाहर निकलवाया और हमें वह मरी हुई मिली।"

सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मी ने अपने जूते की नोक से डेक पर खरोंच लगाई। ओहल्स ने तिरछी नज़रों से मेरी ओर देखा और अपनी छोटी सी सिगार को सिगरेट की तरह हिलाया।

"नशे में हो?" उसने किसी से विशेष रूप से पूछे बिना पूछा।

जो आदमी अपने सिर को तौलिए से पोंछ रहा था, वह रेलिंग के पास गया और ज़ोर से खांसते हुए खांसा, जिससे सब लोग उसकी तरफ देखने लगे। "थोड़ी सी रेत लग गई है," उसने कहा और थूक दिया। "मेरे बॉयफ्रेंड जितनी तो नहीं लगी—लेकिन थोड़ी सी तो लगी है।"

वर्दीधारी व्यक्ति ने कहा: "शायद नशे में था। बारिश में अकेले ही दिखावा कर रहा था। नशे में धुत लोग कुछ भी कर सकते हैं।"
"नशे में धुत था, धिक्कार है," सादे कपड़ों वाले पुलिसकर्मी ने कहा। "हैंड थ्रॉटल आधा दबा हुआ था और उस आदमी के सिर के एक तरफ ज़ोर से वार किया गया था। मुझसे पूछो तो मैं इसे हत्या ही कहूंगा।"
ओहल्स ने तौलिया लिए हुए आदमी की तरफ देखा। "क्या सोचते हो, दोस्त?"
तौलिया लिए हुए आदमी खुश लग रहा था। वह मुस्कुराया। "मैं कहता हूँ आत्महत्या, मैक। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन अगर तुम मुझसे पूछ रहे हो, तो मैं आत्महत्या ही कहूँगा। पहली बात तो यह है कि उस आदमी ने घाट पर एक भयानक सीधी लकीर बना दी। उसके पैरों के निशान लगभग पूरी तरह से पढ़े जा सकते हैं। इससे पता चलता है कि यह बारिश के बाद हुआ होगा, जैसा कि शेरिफ ने कहा था। फिर वह घाट से ज़ोर से और साफ टकराया या फिर वह नीचे नहीं गिरा और सीधा खड़ा हो गया। ज़्यादा संभावना है कि वह दो-चार बार पलट गया। तो उसकी गति काफी तेज़ थी और वह रेलिंग से सीधे टकराया। यह आधे से ज़्यादा थ्रॉटल था। वह अपना हाथ नीचे गिराकर भी ऐसा कर सकता था और गिरने से उसके सिर में चोट भी लग सकती थी।"
ओहल्स ने कहा, "तुम्हारी आंखें हैं क्या, दोस्त? उसकी तलाशी ली?" उसने डिप्टी से पूछा। डिप्टी ने मेरी तरफ देखा, फिर व्हीलहाउस के पास खड़े क्रू की तरफ। "ठीक है, रहने दो," ओहल्स ने कहा।
चश्मा पहने, थके हुए चेहरे वाला एक छोटा आदमी, जिसके पास एक काला थैला था, घाट की सीढ़ियों से नीचे उतरा। उसने डेक पर एक साफ-सुथरी जगह चुनी और थैला नीचे रख दिया। फिर उसने अपनी टोपी उतारी, गर्दन के पीछे हाथ फेरा और समुद्र की ओर देखने लगा, मानो उसे पता ही न हो कि वह कहाँ है या किसलिए आया है।
ओहल्स ने कहा: "डॉक्टर साहब, ये रहा आपका ग्राहक। कल रात करीब नौ से दस बजे के बीच घाट से कूद गया। हमें बस इतना ही पता है।"
छोटे कद के उस आदमी ने उदास मन से मृत व्यक्ति को देखा। उसने सिर को छुआ, कनपटी पर लगे निशान को गौर से देखा, दोनों हाथों से सिर को घुमाया और उसकी पसलियों को महसूस किया। उसने एक बेजान मृत हाथ उठाया और नाखूनों को देखा। फिर उसने हाथ को नीचे गिरा दिया और उसे गिरते हुए देखता रहा। वह पीछे हट गया और अपना बैग खोलकर उसमें से मृत्यु सूचना (डीओए) के प्रपत्रों का एक मुद्रित पैड निकाला और एक कार्बन कॉपी पर लिखना शुरू कर दिया।
उन्होंने लिखते हुए कहा, "गर्दन टूटना ही मौत का संभावित कारण है। इसका मतलब है कि उसके शरीर में पानी की कमी होगी। इसका मतलब है कि हवा में होने के कारण उसका शरीर बहुत जल्दी अकड़ना शुरू हो जाएगा। इससे पहले कि ऐसा हो, उसे कार से बाहर निकाल लेना बेहतर होगा। बाद में ऐसा करना मुश्किल होगा।"
ओहल्स ने सिर हिलाया। "डॉक्टर साहब, आपकी मृत्यु को कितना समय हो गया है?"

मुझे नहीं पता।
ओहल्स ने उसे तीखी नज़रों से देखा, अपने मुँह से छोटी सी सिगार निकाली और उसे भी तीखी नज़रों से देखा। "आपसे मिलकर खुशी हुई, डॉक्टर साहब। एक ऐसा फोरेंसिक विशेषज्ञ जो पाँच मिनट के भीतर अनुमान नहीं लगा सकता, वह मुझसे कहीं बेहतर है।"
उस छोटे आदमी ने चिढ़कर मुस्कुराते हुए अपना पैड बैग में रखा और पेंसिल को वापस अपनी बनियान पर लगा लिया। "अगर उसने कल रात खाना खाया था, तो मैं तुम्हें बता दूंगा—अगर मुझे पता हो कि उसने किस समय खाना खाया था। लेकिन पाँच मिनट के अंदर नहीं।"
"उसे ये चोट कैसे लगी होगी—गिरने से?"
उस छोटे आदमी ने फिर से चोट के निशान को देखा। "मुझे ऐसा नहीं लगता। वह चोट किसी ढकी हुई चीज से लगी थी। और उसके जीवित रहते हुए ही त्वचा के नीचे से खून बह रहा था।"
"ब्लैकजैक, है ना?"
"बहुत संभावना है।"
छोटे मेडिकल स्टाफ ने सिर हिलाया, डेक से अपना बैग उठाया और घाट की सीढ़ियों पर वापस चढ़ गया। प्लास्टर के मेहराब के बाहर एक एम्बुलेंस खड़ी हो रही थी। ओहल्स ने मेरी तरफ देखा और कहा: "चलो चलते हैं। वैसे भी, वहाँ जाने का कोई फायदा नहीं था, है ना?"
हम घाट के किनारे-किनारे वापस गए और फिर से ओहल्स की सेडान में बैठ गए। उसने हाईवे पर गाड़ी को बड़ी मुश्किल से संभाला और बारिश से साफ हुई तीन लेन वाली सड़क पर शहर की ओर वापस चला गया, रास्ते में गुलाबी काई से ढकी पीली-सफेद रेत की नीची-सी पहाड़ियाँ दिखाई दीं। समुद्र की ओर कुछ समुद्री पक्षी लहरों में किसी चीज़ के ऊपर चक्कर लगा रहे थे और दूर आसमान में एक सफेद नौका ऐसे लग रही थी मानो आसमान में लटकी हो।
ओहल्स ने मेरी ओर देखकर अपनी ठुड्डी ऊपर उठाई और कहा: "क्या आप उसे जानते हैं?"
"ज़रूर। स्टर्नवुड का ड्राइवर। मैंने उसे कल वहीं उस कार की सफाई करते देखा था।"
"मैं आपको परेशान नहीं करना चाहता, मार्लो। बस मुझे बताइए, क्या उस नौकरी का उससे कोई लेना-देना था?"
"नहीं। मुझे तो उसका नाम भी नहीं पता।"
"ओवेन टेलर। मुझे कैसे पता? अजीब बात है। करीब एक साल पहले हमने उसे मैन एक्ट के तहत जेल में डाला था। लगता है उसने स्टर्नवुड की छोटी बेटी को युमा भेज दिया था। बहन उनके पीछे गई और उन्हें वापस ले आई और ओवेन को जेल में डलवा दिया। फिर अगले दिन वह डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के पास गई और उससे कहा कि वह लड़के को अमेरिकी अभियोजक से छुड़वा दे। उसने कहा कि लड़का उसकी बहन से शादी करना चाहता था, लेकिन बहन को यह मंजूर नहीं था। वह तो बस कुछ लोगों को शराब पिलाकर पार्टी करना चाहती थी। तो हमने लड़के को छोड़ दिया और फिर देखते ही देखते उसे वापस काम पर बुला लिया गया। कुछ समय बाद हमें वाशिंगटन से उसके फिंगरप्रिंट की रूटीन रिपोर्ट मिली, और पता चला कि इंडियाना में उसका एक पुराना मामला है, छह साल पहले डकैती की कोशिश का। उसे काउंटी जेल में छह महीने की सजा मिली थी, वही जेल जहाँ से डिलिंगर भागा था। हमने वह रिपोर्ट स्टर्नवुड्स को दी और

उन्होंने उसे सिर्फ..." वही बात है। आपको इसके बारे में क्या लगता है?
मैंने कहा, "ये लोग थोड़े सनकी लगते हैं। क्या इन्हें कल रात के बारे में पता है?"
नहीं। अब मुझे उनसे मुकाबला करना होगा।
"हो सके तो बूढ़े आदमी को इसमें घसीट कर दूर रखो।"
"क्यों?"
"उसके पास पहले से ही काफी परेशानियां हैं और वह बीमार भी है।"
"आपका मतलब रीगन से है?"
मैंने गुस्से से कहा, "मैं रीगन के बारे में कुछ नहीं जानता, मैंने तुम्हें बताया था। मैं रीगन को नहीं ढूंढ रहा हूँ। जहाँ तक मुझे पता है, रीगन ने किसी को परेशान नहीं किया है।"
ओहल्स ने कहा: "ओह," और सोच में डूबे हुए समुद्र की ओर देखने लगे, और उनकी सेडान कार लगभग सड़क से उतर ही गई। शहर वापस आते समय बाकी रास्ते में उन्होंने लगभग कुछ नहीं कहा। उन्होंने मुझे चाइनीज थिएटर के पास हॉलीवुड में उतारा और फिर पश्चिम की ओर अल्टा ब्रेआ क्रिसेंट की तरफ मुड़ गए। मैंने एक काउंटर पर दोपहर का खाना खाया और दोपहर का अखबार देखा, लेकिन उसमें मुझे गीगर के बारे में कुछ भी नहीं मिला।
दोपहर के भोजन के बाद मैं गाइगर की दुकान को एक बार फिर देखने के लिए बुलेवार्ड पर पूर्व दिशा की ओर चला गया।

10

दुबला-पतला, काली आँखों वाला क्रेडिट ज्वैलर पिछली दोपहर की तरह ही दुकान के प्रवेश द्वार पर खड़ा था। जैसे ही मैं अंदर मुड़ा, उसने मुझे वही जानी-पहचानी नज़र से देखा। दुकान बिलकुल वैसी ही दिख रही थी। कोने में रखी छोटी सी मेज पर वही दीपक जल रहा था और उसी सुनहरे बालों वाली, उसी काले मखमली जैसी पोशाक पहने महिला उसके पीछे से उठी और उसी संकोची मुस्कान के साथ मेरी ओर आई।
"क्या यह...?" उसने कहा और रुक गई। उसके चांदी जैसे नाखून बगल में फड़फड़ाने लगे। उसकी मुस्कान में तनाव झलक रहा था। यह मुस्कान थी ही नहीं। यह एक घुरघुराहट थी। उसे बस लग रहा था कि यह मुस्कान है।
“वापस आ गए,” मैंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा और सिगरेट लहराई। “क्या आज मिस्टर गाइगर आए हैं?”
"मैं—मुझे डर है कि नहीं। नहीं—मुझे डर है कि नहीं। मुझे देखने दीजिए—आप क्या चाहते थे..."
मैंने अपने काले चश्मे उतारे और उन्हें अपनी बाईं कलाई के अंदरूनी हिस्से पर धीरे से थपथपाया। अगर कोई एक सौ नब्बे पाउंड वजन के साथ परी जैसी दिख सकती है, तो मैं अपनी पूरी कोशिश कर रही थी।
"वो तो बस पहले संस्करणों के बारे में एक टालमटोल थी," मैंने फुसफुसाते हुए कहा। "मुझे सावधान रहना होगा। मेरे पास कुछ ऐसा है जो वो चाहेगा। कुछ ऐसा जो वो लंबे समय से चाहता रहा है।"
चांदी के रंग के नाखूनों ने एक छोटे से काले बटन वाले कान के ऊपर सुनहरे बालों को छुआ।

"ओह, एक सेल्समैन," उसने कहा। "अच्छा—आप शायद कल आ सकते हैं। मुझे लगता है कि वह कल यहाँ होगा।"
मैंने कहा, "पर्दा हटाओ। मैं भी इस धंधे में हूँ।"
उसकी आँखें सिकुड़ गईं, मानो उनमें हल्की हरी चमक दिखाई दे रही हो, जैसे पेड़ों की घनी छाया में छिपा कोई छोटा सा तालाब हो। उसकी उंगलियाँ उसकी हथेली को जकड़ रही थीं। उसने मुझे घूरा और गहरी साँस ली।
"क्या वह बीमार है? मैं घर जा सकती हूँ," मैंने अधीरता से कहा, "मेरे पास हमेशा के लिए समय नहीं है।"
"तुम—तुम—तुम—" उसका गला अटक गया। मुझे लगा जैसे वो नाक के बल गिर पड़ेगी। उसका पूरा शरीर कांप उठा और उसका चेहरा दुल्हन की रोटी की तरह बिखर गया। उसने धीरे-धीरे उसे संभाला, मानो कोई भारी बोझ उठा रही हो, सिर्फ़ अपनी इच्छाशक्ति से। मुस्कान लौट आई, लेकिन उसके कुछ कोने बुरी तरह मुड़े हुए थे।
"नहीं," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "नहीं। वह शहर से बाहर हैं। इससे कोई फायदा नहीं होगा। क्या आप कल नहीं आ सकते?"
मैं कुछ कहने ही वाला था कि तभी पार्टीशन का दरवाज़ा एक फुट खुल गया। जैकेट पहने लंबा, सांवला, आकर्षक लड़का बाहर झाँका, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और होंठ कसे हुए थे। उसने मुझे देखा और दरवाज़ा झट से बंद कर दिया, लेकिन इससे पहले कि मैं उसके पीछे ज़मीन पर अखबारों से ढके और किताबों से भरे लकड़ी के कई बक्से देख पाता। एकदम नए ओवरऑल पहने एक आदमी उनमें कुछ कर रहा था। गीगर का कुछ सामान बाहर निकाला जा रहा था।
दरवाजा बंद होते ही मैंने दोबारा अपने काले चश्मे पहन लिए और अपनी टोपी को छुआ। "तो कल मिलते हैं। मैं आपको कार्ड देना चाहता था, लेकिन आप जानते ही हैं कि कैसा होता है।"
"जी हाँ। मुझे पता है कैसा लगता है।" वह थोड़ा और काँपी और अपने चमकीले होठों के बीच से हल्की सी चूसने की आवाज़ निकाली। मैं दुकान से बाहर निकला और बुलेवार्ड पर पश्चिम की ओर कोने तक गया और फिर सड़क पर उत्तर की ओर उस गली में गया जो दुकानों के पीछे जाती थी। तार की साइड वाली और बिना किसी अक्षर वाली एक छोटी काली ट्रक गीगर के घर के सामने खड़ी थी। एकदम नए ओवरऑल पहने आदमी अभी-अभी एक डिब्बा ट्रक के पिछले हिस्से पर रख रहा था। मैं वापस बुलेवार्ड पर गया और गीगर के बगल वाले ब्लॉक में गया और एक फायरप्लग के पास एक टैक्सी खड़ी देखी। एक मासूम सा लड़का गाड़ी चलाते हुए हॉरर पत्रिका पढ़ रहा था। मैंने झुककर उसे एक डॉलर दिखाया: "पीछे से काम?"
उसने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा। "पुलिसवाला?"
"निजी।"
वह मुस्कुराया। "मेरा मांस, जैक।" उसने मैगज़ीन को अपने रियर व्यू मिरर पर रख दिया और मैं टैक्सी में बैठ गया। हम गली का चक्कर लगाकर गाइगर की गली के सामने, एक और फायरप्लग के बगल में रुक गए।
ट्रक पर करीब एक दर्जन बक्से रखे हुए थे जब ओवरऑल पहने हुए व्यक्ति ने जालीदार दरवाजे

बंद किए और टेलबोर्ड को ऊपर उठाया और पहिए के पीछे बैठ गया।
मैंने अपने ड्राइवर से कहा, "उसे ले जाओ।"
ओवरऑल पहने उस आदमी ने अपनी गाड़ी की रफ्तार बढ़ाई, गली में इधर-उधर एक नज़र डाली और तेज़ी से दूसरी दिशा में भाग गया। वह गली से बाईं ओर मुड़ा। हमने भी वैसा ही किया। मैंने ट्रक को फ्रैंकलिन पर पूरब की ओर मुड़ते हुए देखा और अपने ड्राइवर को थोड़ा पास आने को कहा। वह नहीं आया या आ नहीं सका। फ्रैंकलिन पहुँचने पर मैंने ट्रक को दो ब्लॉक दूर देखा। वाइन तक, वाइन के पार और वेस्टर्न तक, ट्रक हमारी नज़र में था। वेस्टर्न के बाद हमने उसे दो बार देखा। बहुत ट्रैफिक था और वह नौजवान लड़का बहुत पीछे से उसका पीछा कर रहा था। मैं उसे इस बारे में बिना लाग-लपेट के बता ही रहा था कि ट्रक, जो अब काफी आगे निकल चुका था, फिर से उत्तर की ओर मुड़ गया। जिस गली में वह मुड़ा, उसका नाम ब्रिटनी प्लेस था। ब्रिटनी प्लेस पहुँचते ही ट्रक गायब हो गया।
उस मासूम से लड़के ने शीशे के पार से मुझे दिलासा भरी आवाज़ें दीं और हम झाड़ियों के पीछे ट्रक को ढूंढते हुए चार मील प्रति घंटे की रफ्तार से पहाड़ी पर चढ़ गए। दो ब्लॉक आगे जाकर, ब्रिटनी प्लेस पूरब की ओर मुड़ती और रैंडल प्लेस से मिलती, जहाँ एक सफेद अपार्टमेंट बिल्डिंग थी जिसका सामने का हिस्सा रैंडल प्लेस की ओर और बेसमेंट गैरेज ब्रिटनी की ओर खुलता था। हम वहाँ से गुज़र रहे थे और वह मासूम सा लड़का मुझे बता रहा था कि ट्रक ज़्यादा दूर नहीं होगा, तभी मैंने गैरेज के मेहराबदार प्रवेश द्वार से देखा और उसे धुंधले अंधेरे में फिर से पीछे के दरवाज़े खुले हुए देखा।
हम अपार्टमेंट के सामने गए और मैं बाहर निकला। लॉबी में कोई नहीं था, न ही कोई स्विचबोर्ड। सुनहरे रंग के मेलबॉक्सों के बगल में एक लकड़ी की मेज दीवार से सटाकर रखी थी। मैंने नामों पर नज़र डाली। अपार्टमेंट नंबर 405 में जोसेफ ब्रोडी नाम का एक आदमी रहता था। जो ब्रोडी नाम के एक आदमी को जनरल स्टर्नवुड से कारमेन के साथ खेलना बंद करने और किसी दूसरी छोटी लड़की के साथ खेलने के लिए पाँच हज़ार डॉलर मिले थे। हो सकता है यह वही जो ब्रोडी हो। मुझे लगा कि इस पर शर्त लगानी चाहिए।
मैं दीवार के एक मोड़ से घूमकर टाइल वाली सीढ़ियों के नीचे पहुंचा और स्वचालित लिफ्ट के शाफ्ट तक गया। लिफ्ट का ऊपरी हिस्सा फर्श के बराबर था। शाफ्ट के बगल में एक दरवाजा था जिस पर "गैरेज" लिखा था। मैंने उसे खोला और संकरी सीढ़ियों से नीचे तहखाने में चला गया। स्वचालित लिफ्ट खुली हुई थी और नए ओवरऑल पहने एक आदमी भारी बक्से उसमें रखते हुए जोर-जोर से कराह रहा था। मैं उसके बगल में खड़ा हो गया, एक सिगरेट जलाई और उसे देखने लगा। उसे मेरा उसे देखना पसंद नहीं था।
कुछ देर बाद मैंने कहा: "वजन का ध्यान रखना, दोस्त। इसका वजन सिर्फ आधा टन ही मापा गया है। सारा वजन कहाँ जा रहा है?"
"ब्रॉडी, चार सौ पाँच," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "मैनेजर?"
"हाँ। लगता है काफी अच्छा माल मिला है।"
उसने फीकी सफेद आंखों से मुझे घूरा। "किताबें," उसने गुर्राते हुए कहा। "एक बक्से की कीमत

सौ पाउंड है, आसानी से, और मेरी पीठ का वजन पचहत्तर पाउंड है।"
"अच्छा, वजन का ध्यान रखना," मैंने कहा।
वह छह बक्से लेकर लिफ्ट में चढ़ा और दरवाज़े बंद कर दिए। मैं सीढ़ियों से वापस लॉबी में गया और सड़क पर आ गया, फिर टैक्सी मुझे वापस मेरे ऑफिस की इमारत तक ले गई। मैंने उस नौजवान लड़के को ज़रूरत से ज़्यादा पैसे दे दिए और उसने मुझे एक पुराना सा बिज़नेस कार्ड दिया, जिसे मैंने लिफ्ट के बगल में रखे रेत से भरे जार में नहीं डाला।
सातवीं मंजिल पर पीछे की तरफ मेरा डेढ़ कमरा था। आधे कमरे को दो हिस्सों में बाँटकर रिसेप्शन रूम बनाए गए थे। मेरे रिसेप्शन रूम पर सिर्फ मेरा नाम लिखा था, और कुछ नहीं। मैं इसे हमेशा खुला छोड़ देता था, ताकि अगर कोई ग्राहक आए और वह बैठकर इंतज़ार करना चाहे तो कर सके।
मेरा एक ग्राहक था।
11
उसने भूरे रंग के धब्बेदार ट्वीड कपड़े, मर्दाना शर्ट और टाई, और हाथ से तराशे हुए चलने वाले जूते पहने थे। उसकी मोज़े कल की तरह ही पारदर्शी थे, लेकिन इस बार उसके पैर उतने नहीं दिख रहे थे। उसके काले बाल भूरे रंग की रॉबिन हुड टोपी के नीचे चमकदार लग रहे थे, जिसकी कीमत शायद पचास डॉलर रही होगी और जो देखने में ऐसी लग रही थी मानो उसे डेस्क ब्लॉटर पेपर से एक हाथ से बनाया गया हो।
"अच्छा, तुम उठते तो हो ही जाते हो," उसने फीके लाल सोफे, दो अजीब सी सेमी-ईज़ी कुर्सियों, धुलाई की ज़रूरत वाले जालीदार पर्दों और उस लड़के के आकार की लाइब्रेरी टेबल को देखकर नाक सिकोड़ते हुए कहा, जिस पर पुरानी पत्रिकाएँ रखी थीं ताकि जगह को एक पेशेवर रूप दिया जा सके। "मुझे तो लगने लगा था कि शायद तुम मार्सेल प्राउस्ट की तरह बिस्तर पर काम करते हो।"
"ये कौन है?" मैंने मुंह में सिगरेट डाली और उसे घूरने लगा। वह थोड़ी पीली और तनावग्रस्त लग रही थी, लेकिन वह ऐसी लड़की लग रही थी जो तनाव में भी काम कर सकती है।
"एक फ्रांसीसी लेखक, पतितों का पारखी। आप उसे पहचान नहीं पाएंगे।"
"अरे नहीं," मैंने कहा। "मेरे कमरे में आ जाओ।"
वह खड़ी हुई और बोली: "कल हमारी आपस में अच्छी बनती नहीं थी। शायद मैं असभ्य थी।"
“हम दोनों बदतमीज़ थे,” मैंने कहा। मैंने संचार द्वार खोला और उसके लिए उसे पकड़े रखा। हम मेरे सुइट के बाकी हिस्से में गए, जिसमें जंग लगे लाल रंग का कालीन था, जो बहुत पुराना नहीं था, पाँच हरे रंग के फाइलिंग केस थे, जिनमें से तीन कैलिफ़ोर्निया की जलवायु से भरे हुए थे, एक विज्ञापन कैलेंडर था जिसमें क्विंट्स गुलाबी पोशाकों में, गहरे भूरे बालों और विशाल आलूबुखारे जैसी तीखी काली आँखों के साथ, आसमानी नीले फर्श पर लोटपोट हो रही थीं। वहाँ अखरोट की लकड़ी जैसी तीन कुर्सियाँ थीं, हमेशा की तरह एक मेज थी जिस पर हमेशा की तरह ब्लॉटर, पेन सेट, ऐशट्रे और टेलीफोन रखा था, और उसके पीछे हमेशा की तरह चरमराती घूमने वाली कुर्सी थी।

"तुम ज्यादा दिखावा नहीं करते," उसने कहा और डेस्क के ग्राहक वाले हिस्से में बैठ गई।
मैं मेल बॉक्स के पास गया और छह लिफाफे, दो पत्र और विज्ञापन से संबंधित चार कागज़ात निकाले। मैंने अपनी टोपी टेलीफोन पर टांग दी और बैठ गया।
मैंने कहा, "पिंकरटन भी ऐसा नहीं करते। ईमानदारी से कहूँ तो इस धंधे में ज़्यादा पैसा नहीं कमाया जा सकता। अगर आपका कोई मुखौटा है, तो आप पैसा कमा रहे हैं—या कमाने की उम्मीद कर रहे हैं।"
"ओह—क्या तुम सच कह रही हो?" उसने पूछा और अपना बैग खोला। उसने एक फ्रेंच एनामेल केस से सिगरेट निकाली, उसे पॉकेट लाइटर से जलाया, केस और लाइटर को वापस बैग में डाला और बैग खुला छोड़ दिया।
"दर्दनाक रूप से।"
"तो फिर तुम इस घिनौने धंधे में कैसे पड़ गए?"
"तुमने एक शराब तस्कर से शादी कैसे कर ली?"
"हे भगवान, चलो फिर से झगड़ा शुरू न करें। मैं सुबह से ही तुमसे फोन पर बात करने की कोशिश कर रहा हूँ। यहाँ भी और तुम्हारे अपार्टमेंट में भी।"
"ओवेन के बारे में?"
उसका चेहरा एकदम सख्त हो गया। उसकी आवाज़ धीमी थी। "बेचारा ओवेन," उसने कहा। "तो तुम्हें इसके बारे में पता है।"
"एक डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी का आदमी मुझे लिडो ले गया। उसे लगा कि शायद मुझे इसके बारे में कुछ पता हो। लेकिन उसे मुझसे कहीं ज्यादा पता था। उसे पता था कि ओवेन एक बार तुम्हारी बहन से शादी करना चाहता था।"
उसने चुपचाप सिगरेट का कश लिया और अपनी काली आँखों से मुझे निहारते हुए धीरे से कहा, "शायद यह बुरा विचार नहीं होता। वह उससे प्यार करता था। हमारे आस-पास ऐसा प्यार बहुत कम देखने को मिलता है।"
उसका पुलिस रिकॉर्ड था।
उसने कंधे उचका दिए। उसने लापरवाही से कहा, "वह सही लोगों को नहीं जानता था। इस भ्रष्ट और अपराधग्रस्त देश में पुलिस रिकॉर्ड का बस यही मतलब होता है।"
मैं इतनी दूर तक नहीं जाऊंगा।
उसने अपना दाहिना दस्ताना उतारा और अपनी तर्जनी उंगली के पहले जोड़ को दांतों से दबाया, स्थिर निगाहों से मेरी ओर देखते हुए बोली, "मैं ओवेन के बारे में आपसे मिलने नहीं आई थी। क्या अब आप मुझे बता सकते हैं कि मेरे पिता आपसे किस बारे में मिलना चाहते थे?"
"उनकी अनुमति के बिना नहीं।"
"क्या यह कारमेन के बारे में था?"
"मैं ये कह भी नहीं सकती।" मैंने पाइप में धुआँ भरकर माचिस जला दी। उसने कुछ देर धुएँ को देखा। फिर उसका हाथ खुले हुए बैग में गया और उसने एक मोटा सफेद लिफाफा निकाला। उसने उसे मेज पर फेंक दिया।

"तुम्हें इसे देख लेना चाहिए," उसने कहा।
मैंने उसे उठाया। पता टाइप किया हुआ था, श्रीमती विवियन रेगन, 3765 अल्टा ब्रेआ क्रिसेंट, वेस्ट हॉलीवुड। डिलीवरी मैसेंजर सेवा द्वारा की गई थी और ऑफिस की मुहर पर सुबह 8:35 बजे का समय लिखा था। मैंने लिफाफा खोला और अंदर से 4¼ x 3¼ इंच की चमकदार तस्वीर निकाली, जो एकमात्र चीज़ थी।
मंच पर गीगर की ऊँची पीठ वाली सागौन की कुर्सी पर कारमेन बैठी थी, उसने कान की बालियाँ पहनी हुई थीं और उसके सारे कपड़े उतर चुके थे। उसकी आँखें मेरी यादों से भी थोड़ी ज़्यादा पागलपन भरी लग रही थीं। तस्वीर के पीछे का हिस्सा खाली था। मैंने उसे वापस लिफाफे में रख दिया।
मैंने पूछा, "वे कितना पैसा चाहते हैं?"
"पांच हजार—नेगेटिव और बाकी प्रिंट्स के लिए। सौदा आज रात ही पूरा करना होगा, वरना वे ये सब किसी सनसनीखेज अखबार को दे देंगे।"
"यह मांग कैसे आई?"
"यह सामान डिलीवर होने के लगभग आधे घंटे बाद एक महिला ने मुझे फोन किया।"
"स्कैंडल पेपर वाले एंगल में कुछ भी नहीं है। आजकल जूरी ऐसे मामलों में बिना विचार किए ही दोषी ठहरा देती है। और क्या हो सकता है?"
क्या इसके अलावा कुछ और होना जरूरी है?
"हाँ।"
वह थोड़ी हैरानी से मेरी तरफ देखने लगी। "हाँ, है। उस महिला ने कहा कि इससे जुड़ा एक पुलिस जाम है और मुझे जल्दी से सब कुछ बता देना चाहिए, वरना मुझे अपनी छोटी बहन से तार की जाली के ज़रिए बात करनी पड़ेगी।"
मैंने कहा, "बेहतर है। किस तरह का जैम?"
"मुझें नहीं पता।"
"कारमेन अब कहाँ है?"
"वह घर पर है। कल रात उसकी तबीयत खराब थी। मुझे लगता है कि वह अभी भी बिस्तर पर है।"
"क्या वह कल रात बाहर गई थी?"
"नहीं। मैं बाहर था, लेकिन नौकरों का कहना है कि वह नहीं थी। मैं लास ओलिनदास में एडी मार्स के साइप्रस क्लब में रूलेट खेल रहा था। मैं सब कुछ हार गया।"
"तो आपको रूलेट पसंद है। आपको पसंद होना ही चाहिए।"
उसने अपने पैर मोड़े और एक और सिगरेट जलाई। "हाँ। मुझे रूलेट पसंद है। सभी स्टर्नवुड्स को हारने वाले खेल पसंद हैं, जैसे रूलेट खेलना, ऐसे पुरुषों से शादी करना जो उन्हें छोड़कर चले जाते हैं, और अठ्ठावन साल की उम्र में स्टीपलचेज़ में भाग लेना, और किसी जम्पर से कुचलकर जीवन भर के लिए अपाहिज हो जाना। स्टर्नवुड्स के पास पैसा है। लेकिन इससे उन्हें बस एक तरह का जुगाड़ मिला है।"

"कल रात ओवेन तुम्हारी कार के साथ क्या कर रहा था?"
"किसी को नहीं पता। उसने बिना अनुमति के गाड़ी ले ली। हम उसे हमेशा छुट्टी की रात गाड़ी ले जाने देते हैं, लेकिन कल रात उसकी छुट्टी नहीं थी।" उसने मुंह बनाया। "क्या आपको लगता है —"
"क्या उसे इस नग्न तस्वीर के बारे में पता था? मैं कैसे कह सकता हूँ? मैं उसे पूरी तरह से खारिज नहीं करता। क्या आप तुरंत पाँच हज़ार नकद दे सकते हैं?"
"नहीं, जब तक मैं पिताजी को न बता दूं—या उनसे उधार न ले लूं। शायद मैं इसे एडी मार्स से उधार ले सकता हूं। भगवान जाने, उन्हें मेरे साथ उदार होना चाहिए।"
"बेहतर होगा कि आप ऐसा करके देखें। आपको इसकी कभी भी जरूरत पड़ सकती है।"
वह पीछे की ओर झुक गई और कुर्सी की पीठ पर एक हाथ रख दिया। "पुलिस को बताने के बारे में क्या ख्याल है?"
"यह अच्छा विचार है। लेकिन आप ऐसा नहीं करेंगे।"
"क्या मैं नहीं करूँगा?"
नहीं। तुम्हें अपने पिता और बहन की रक्षा करनी होगी। तुम्हें नहीं पता कि पुलिस क्या पता लगा लेगी। हो सकता है कि उन्हें कुछ ऐसा मिल जाए जिसे वे दबा न सकें। हालांकि ब्लैकमेल के मामलों में वे आमतौर पर ऐसा करने की कोशिश करते हैं।
"क्या तुम कुछ भी कर सकते हो?"
"मुझे लगता है मैं कर सकता हूँ। लेकिन मैं आपको यह नहीं बता सकता कि क्यों या कैसे।"
"मुझे तुम पसंद हो," उसने अचानक कहा। "तुम चमत्कारों में विश्वास करते हो। क्या तुम ऑफिस में ड्रिंक लेना चाहोगे?"
मैंने अपनी गहरी दराज खोली और अपनी ऑफिस की बोतल और दो छोटे गिलास निकाले। मैंने उन्हें भरा और हम दोनों ने पिया। उसने अपना बैग बंद किया और कुर्सी पीछे धकेल दी।
“मुझे पाँच हज़ार मिल जाएँगे,” उसने कहा। “मैं एडी मार्स की अच्छी ग्राहक रही हूँ। एक और वजह है कि उसे मेरे साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए, जो शायद आपको पता न हो।” उसने मुझे वो मुस्कान दी जो होंठों से आँखों तक पहुँचने से पहले ही गायब हो जाती है। “एडी की गोरी पत्नी वही औरत है जिसके साथ रस्टी भाग गया था।”
मैंने कुछ नहीं कहा। उसने मुझे घूरकर देखा और बोली, "क्या तुम्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है?"
"अगर मैं उसे ढूंढ रहा होता, तो इससे उसे ढूंढना आसान हो जाता। आपको नहीं लगता कि वह इस मुसीबत में फंसा है, है ना?"
उसने अपना खाली गिलास मेरी तरफ बढ़ाते हुए कहा, "मुझे एक और गिलास दो। तुमसे कुछ भी निकलवाना बहुत मुश्किल है। तुम तो अपने कान तक नहीं हिलाते।"
मैंने छोटा गिलास भर दिया। "तुम्हें मुझसे जो चाहिए था, वह सब मिल गया है—यह अच्छी तरह से समझ में आ गया है कि मैं तुम्हारे पति की तलाश नहीं कर रही हूँ।"
उसने झट से पेय नीचे रख दिया। इससे उसकी सांस फूल गई—या उसे सांस फूलने का मौका मिल गया। उसने धीरे से सांस छोड़ी।

"रस्टी कोई बदमाश नहीं था। अगर होता भी तो मामूली रकम के लिए नहीं। उसके पास पंद्रह हज़ार डॉलर के नोट थे। वो उन्हें अपना 'पागलखाना' कहता था। शादी के समय भी उसके पास ये पैसे थे और जब उसने मुझे छोड़ा तब भी उसके पास ये पैसे थे। नहीं—रस्टी किसी घटिया ब्लैकमेल रैकेट में शामिल नहीं है।"

उसने लिफाफा उठाया और खड़ी हो गई। मैंने कहा, "मैं आपसे संपर्क में रहूंगी। अगर आप मुझे कोई संदेश छोड़ना चाहें, तो मेरे अपार्टमेंट में फोन वाली लड़की यह काम कर देगी।"

हम दरवाजे तक गए। सफेद लिफाफे को अपनी उंगलियों पर थपथपाते हुए उसने कहा: "तुम्हें अब भी लगता है कि तुम मुझे यह नहीं बता सकते कि पिताजी ने क्या किया—"

मुझे पहले उनसे मिलना होगा।

उसने तस्वीर निकाली और दरवाजे के ठीक अंदर खड़ी होकर उसे देखने लगी। "उसका शरीर कितना सुंदर है, है ना?"

"अहां।"

वह मेरी तरफ थोड़ा झुकी। "तुम्हें मेरा देखना चाहिए," उसने गंभीरता से कहा।

"क्या इसका इंतजाम हो सकता है?"

वह अचानक और तीखी हंसी हंस पड़ी और दरवाजे से आधा बाहर निकल गई, फिर उसने अपना सिर घुमाकर ठंडे लहजे में कहा: "मार्लो, तुम अब तक मिले सबसे निर्दयी जानवर हो। या क्या मैं तुम्हें फिल कह सकती हूँ?"

"ज़रूर।"

"तुम मुझे विवियन कह सकती हो।"

"धन्यवाद, श्रीमती रेगन।"

"भाड़ में जाओ, मार्लो।" वह बाहर चली गई और पीछे मुड़कर नहीं देखा।

मैंने दरवाजा बंद किया और उस पर हाथ रखकर खड़ा रहा, अपने हाथ को घूरता रहा। मेरा चेहरा थोड़ा गर्म हो गया था। मैं वापस डेस्क पर गया और व्हिस्की को एक तरफ रख दिया, फिर दोनों छोटे गिलास धोकर उन्हें भी एक तरफ रख दिया।

मैंने फोन से अपनी टोपी उतारी और डी.ए. के कार्यालय में फोन करके बर्नी ओहल्स के बारे में पूछा।

वह वापस अपने छोटे से कमरे में चला गया। "खैर, मैंने बूढ़े आदमी को अकेला छोड़ दिया," उसने कहा। "नौकर ने कहा कि वह या कोई लड़की उसे बता देगी। ओवेन टेलर नाम का यह आदमी गैराज के ऊपर रहता था और मैंने उसका सामान खंगाला। उसके माता-पिता डब्यूक, आयोवा में रहते हैं। मैंने वहाँ के पुलिस प्रमुख को तार भेजा है ताकि पता चल सके कि वे क्या चाहते हैं। स्टर्नवुड परिवार इसका खर्च उठाएगा।"

"आत्महत्या?" मैंने पूछा।

कुछ कहा नहीं जा सकता। उसने कोई नोट नहीं छोड़ा। उसके पास कार ले जाने की कोई छुट्टी नहीं थी। कल रात श्रीमती रेगन को छोड़कर सब लोग घर पर थे। वह लैरी कॉब नाम के एक अय्याश के साथ लास ओलिनदास में थीं। मैंने पता किया। मैं वहाँ एक बार में काम करने वाले

एक लड़के को जानता हूँ।
मैंने कहा, "तुम्हें इस तरह के फिजूलखर्ची वाले जुए को बंद कर देना चाहिए।"
"इस काउंटी में जो गिरोह है, उसके साथ? अपनी उम्र के हिसाब से ठीक हो जाओ, मार्लो। लड़के के सिर पर वह बेवकूफी भरा निशान मुझे परेशान कर रहा है। क्या तुम इस मामले में मेरी मदद नहीं कर सकते?"
मुझे उनका यह तरीका पसंद आया। इससे मुझे बिना झूठ बोले मना करने का मौका मिल गया। हमने एक-दूसरे को अलविदा कहा और मैं दफ्तर से निकल गया, दोपहर के तीनों अखबार खरीदे और टैक्सी से न्याय भवन गया ताकि पार्किंग से अपनी कार निकाल सकूँ। किसी भी अखबार में गीगर के बारे में कुछ नहीं था। मैंने उनकी नीली नोटबुक पर एक नज़र डाली, लेकिन कोड उतना ही अड़ियल था जितना पिछली रात था।
12
लैवर्न टेरेस के ऊपरी हिस्से में बारिश के बाद पेड़ों पर ताज़ी हरी पत्तियां थीं। दोपहर की ठंडी धूप में मैं पहाड़ी की गहरी ढलान और उन सीढ़ियों को देख सकता था जिनसे होकर हत्यारा अंधेरे में तीन गोलियां चलाने के बाद भागा था। नीचे सड़क पर दो छोटे घर थे। हो सकता है उन्होंने गोलियों की आवाज़ सुनी हो या न सुनी हो।
गीगर के घर के सामने या पूरे इलाके में कहीं भी कोई हलचल नहीं थी। बॉक्स हेज हरी-भरी और शांत दिख रही थी और छत की टाइलें अभी भी नम थीं। मैं धीरे-धीरे गाड़ी चलाकर आगे बढ़ा, मन में एक विचार चल रहा था। मैंने पिछली रात गैरेज में नहीं देखा था। गीगर का शव गायब हो जाने के बाद, मैं उसे ढूंढना नहीं चाहता था। इससे मुझे मजबूर होना पड़ता। लेकिन उसे गैरेज तक, उसकी अपनी कार तक घसीटकर ले जाना और फिर उसे लॉस एंजिल्स के आसपास की सैकड़ों सुनसान घाटियों में से किसी एक में ले जाना, उसे दिनों या हफ्तों तक के लिए ठिकाने लगाने का एक अच्छा तरीका हो सकता था। इसके लिए दो बातें ज़रूरी थीं: उसकी कार की चाबी और पार्टी में दो लोग। इससे खोज का दायरा काफी कम हो जाता, खासकर इसलिए क्योंकि घटना के समय उसकी निजी चाबियां मेरी जेब में थीं।
मुझे गैराज देखने का मौका ही नहीं मिला। दरवाजे बंद थे और उन पर ताला लगा हुआ था। जैसे ही मैं वहां पहुंचा, झाड़ियों के पीछे कुछ हलचल हुई। हरे और सफेद चेक वाले कोट और सुनहरे बालों पर छोटी सी बटन वाली टोपी पहने एक महिला झाड़ियों के बीच से निकली और मेरी कार को घूरने लगी, मानो उसने पहाड़ी पर कार के आने की आवाज ही न सुनी हो। फिर वह तेजी से मुड़ी और नजरों से ओझल हो गई। वह कारमेन स्टर्नवुड ही थी।
मैं सड़क पर आगे गया, गाड़ी खड़ी की और वापस पैदल आ गया। दिन के उजाले में ऐसा करना असुरक्षित और खतरनाक लग रहा था। मैं झाड़ियों के बीच से अंदर गया। वह बंद दरवाजे के पास सीधी और चुपचाप खड़ी थी। उसका एक हाथ धीरे-धीरे उसके दांतों तक गया और उसके दांत उसके अजीब से अंगूठे को काट रहे थे। उसकी आंखों के नीचे बैंगनी धब्बे थे और उसका चेहरा घबराहट से सफेद पड़ गया था।
उसने मेरी तरफ हल्की सी मुस्कान दी। उसने पतली, कर्कश आवाज में कहा: "हैलो।" "क्या—

क्या—?" उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई और वह वापस अपने अंगूठे को देखने लगी।
"मुझे याद है?" मैंने कहा। "डॉगहाउस रेली, वो आदमी जो बहुत लंबा हो गया था। याद है?"
उसने सिर हिलाया और उसके चेहरे पर एक झटपट सी मुस्कान आ गई।
मैंने कहा, "चलो अंदर चलते हैं। मेरे पास चाबी है। बढ़िया है ना?"
"क्या—क्या—?"
मैंने उसे एक तरफ धकेल दिया, चाबी दरवाजे में डाली, दरवाजा खोला और उसे अंदर धकेल दिया। मैंने दरवाजा फिर से बंद कर दिया और वहीं खड़ा सूंघने लगा। दिन के उजाले में वह जगह भयानक लग रही थी। दीवारों पर लगा चीनी सामान, कालीन, भड़कीले लैंप, सागौन की लकड़ी का सामान, रंगों का चिपचिपा शोर, टोटेम पोल, ईथर और लाउडैनम की बोतल—दिन के उजाले में यह सब एक छिपी हुई घिनौनी गंध लिए हुए था, मानो किसी समलैंगिकों की पार्टी हो।
मैं और वो लड़की एक-दूसरे को देखते खड़े रहे। उसने अपने चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन उसका चेहरा इतना थका हुआ था कि उसे कोई परवाह ही नहीं थी। उसका चेहरा एकदम खाली हो जाता था। उसकी मुस्कान रेत से पानी की तरह धुल जाती थी और उसकी पीली त्वचा उसकी हैरान और बेवकूफी भरी आँखों के नीचे खुरदरी और दानेदार दिखती थी। उसकी सफेद जीभ उसके मुँह के कोनों को चाट रही थी। एक सुंदर, बिगड़ी हुई और बहुत समझदार न होने वाली छोटी लड़की जो बहुत गलत रास्ते पर चली गई थी, और कोई भी इसके बारे में कुछ नहीं कर रहा था। अमीरों का सत्यानाश हो। वे मुझे बीमार कर देते थे।
मैंने अपनी उंगलियों में एक सिगरेट घुमाई और कुछ किताबें हटाकर काली मेज के किनारे पर बैठ गया। मैंने सिगरेट जलाई, धुएँ का एक कश लिया और कुछ देर चुपचाप उसके अंगूठे और दाँत की हरकत को देखता रहा। कारमेन मेरे सामने खड़ी थी, जैसे प्रधानाचार्य के दफ्तर में कोई बिगड़ैल लड़की खड़ी हो।
मैंने अंत में उससे पूछा, "तुम यहाँ क्या कर रही हो?"
वह अपने कोट के कपड़े को कुरेदती रही और उसने कोई जवाब नहीं दिया।
आपको पिछली रात की कितनी बातें याद हैं?
उसने जवाब दिया—उसकी आँखों में एक शरारती चमक आ गई। "क्या याद है? मैं कल रात बीमार थी। मैं घर पर थी।" उसकी आवाज़ संभली हुई और भारी थी, जो मुश्किल से मेरे कानों तक पहुँची।
"बिल्कुल नहीं।"
उसकी आंखें बहुत तेजी से ऊपर-नीचे झपक रही थीं।
"घर जाने से पहले," मैंने कहा। "घर छोड़ने से पहले। यहाँ। उस कुर्सी पर—" मैंने उसकी ओर इशारा किया—"उस नारंगी शॉल पर। तुम्हें अच्छी तरह याद है।"
उसके गले में धीरे-धीरे लाली दौड़ गई। ये तो कुछ खास था। वो शरमा सकती थी। उसकी बंद धूसर पुतलियों के नीचे सफेदी की एक झलक दिखाई दी। उसने अपने अंगूठे को जोर से चबाया।
"तुम ही थे वो?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
"मैं। इसमें से कितना तुम्हारे पास रहता है?"

उसने अस्पष्ट लहजे में कहा: "क्या आप पुलिस हैं?"
"नहीं। मैं तुम्हारे पिता का दोस्त हूँ।"

"आप पुलिस नहीं हैं?"
"नहीं।"
उसने एक लंबी आह भरी। "क्या—क्या चाहते हो तुम?"
"उसे किसने मारा?"
उसके कंधे हिले, लेकिन उसके चेहरे पर और कोई भाव नहीं बदला। "और कौन जानता है?"
"गीगर के बारे में? मुझे नहीं पता। पुलिस तो नहीं, वरना वे यहाँ डेरा डाले होते। शायद जो ब्रोडी हो।"
यह एक अंदाज़ा ही था, लेकिन इससे उसके मुंह से चीख निकल गई। "जो ब्रोडी! वो!"
फिर हम दोनों चुप हो गए। मैंने सिगरेट का कश लिया और वह अपना अंगूठा चबाने लगी।
"भगवान के लिए, ज्यादा होशियारी मत दिखाओ," मैंने उससे आग्रह किया। "यह जगह थोड़ी पुरानी सादगी के लिए है। क्या ब्रॉडी ने उसे मारा था?"
"किसे मारोगे?"
"हे भगवान," मैंने कहा।
वह दुखी लग रही थी। उसकी ठुड्डी थोड़ी नीचे झुक गई। "हाँ," उसने गंभीर स्वर में कहा। "जो ने किया।"
"क्यों?"
"मुझे नहीं पता।" उसने अपना सिर हिलाया, और खुद को यकीन दिलाया कि उसे नहीं पता।
"क्या आपने उसे हाल ही में बहुत देखा है?"
उसने अपने हाथ नीचे किए और छोटे-छोटे सफेद गांठें बना लीं। "बस एक या दो बार। मुझे उससे नफरत है।"
"तो फिर आपको पता चल जाएगा कि वह कहाँ रहता है।"
"हाँ।"
"और अब आप उसे पसंद नहीं करते?"
"मुझे उस से नफरत है!"
"तो फिर आप उसे इस पद के लिए पसंद करेंगे।"
फिर से थोड़ी खामोशी छा गई। मैं उसके हिसाब से बहुत तेज़ चल रहा था। ऐसा न करना मुश्किल था। "क्या तुम पुलिस को यह बताने को तैयार हो कि यह जो ब्रोडी था?" मैंने पूछा।
अचानक उसके चेहरे पर घबराहट के भाव उभर आए। "अगर मैं न्यूड फोटो वाले एंगल को खत्म कर सकूँ, तो," मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा।
वह खिलखिला कर हंस पड़ी। इससे मुझे एक अजीब सी बेचैनी हुई। अगर वह चीखती, रोती या बेहोश होकर ज़मीन पर गिर भी जाती, तो भी कोई बात नहीं थी। लेकिन वह बस खिलखिला कर हंस पड़ी। अचानक सब कुछ बहुत मज़ेदार हो गया। उसकी तस्वीर आइसिस बनकर खींची गई थी, किसी ने उसे चुरा लिया था, किसी ने उसके सामने गाइगर को धक्का दे दिया था, और वह इतनी ज़्यादा नशे में थी कि मानो किसी लीजन कन्वेंशन में हो, और अचानक सब कुछ बहुत ही मज़ेदार और साफ-सुथरा हो गया था। तो वह खिलखिला कर हंस पड़ी। बहुत प्यारी। उसकी

खिलखिलाहट तेज़ होती गई और कमरे के कोनों में ऐसे गूंजने लगी जैसे दीवारों के पीछे चूहे। वह बेकाबू होने लगी। मैं डेस्क से नीचे उतरा और उसके पास जाकर उसके चेहरे पर एक थप्पड़ मार दिया।

"बिल्कुल पिछली रात की तरह," मैंने कहा। "हम दोनों साथ में खूब मस्ती करते हैं। रेली और स्टर्नवुड, दो बेवकूफ जो एक कॉमेडियन की तलाश में हैं।"

हंसी एकदम रुक गई, लेकिन उसे थप्पड़ से कल रात से ज़्यादा कोई फ़र्क नहीं पड़ा। शायद उसके सारे बॉयफ्रेंड्स ने उसे कभी न कभी थप्पड़ मारा ही होगा। मैं समझ सकती थी कि उन्हें क्यों बुरा लगता होगा। मैं फिर से काली मेज के किनारे पर बैठ गई।

"तुम्हारा नाम रेली नहीं है," उसने गंभीरता से कहा। "तुम्हारा नाम फिलिप मार्लो है। तुम एक प्राइवेट जासूस हो। विव ने मुझे बताया। उसने मुझे तुम्हारा कार्ड दिखाया।" उसने मेरे थप्पड़ से मारे गाल को सहलाया। उसने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा, मानो मैं उसके लिए कोई अच्छी बात हो।

"अच्छा, तुम्हें याद है ना," मैंने कहा। "और तुम उस तस्वीर को ढूंढने वापस आए थे, लेकिन घर में घुस नहीं पाए थे। है ना?"

उसकी ठुड्डी ऊपर-नीचे हुई। उसने मुस्कुराने की कला दिखाई। मुझे लग रहा था जैसे सब मुझे घूर रहे हों। मुझे शिविर में लाया जा रहा था। मैं बस एक मिनट में "वाह!" चिल्लाने वाला था और उससे युमा जाने के लिए कहने वाला था।

मैंने कहा, "तस्वीर गायब हो गई है। मैंने कल रात तुम्हें घर छोड़ने से पहले देखा था। शायद ब्रॉडी उसे अपने साथ ले गया होगा। क्या तुम ब्रॉडी के बारे में झूठ बोल रही हो?"

उसने गंभीरता से अपना सिर हिलाया।

मैंने कहा, "ये तो बहुत आसान है। इसके बारे में ज़्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं है। किसी को मत बताना कि तुम कल रात या आज यहाँ थे। विवियन को भी नहीं। बस भूल जाओ कि तुम यहाँ थे। ये सब रेली पर छोड़ दो।"

"आपका नाम नहीं है—" उसने कहना शुरू किया, और फिर रुक गई और मेरी बात या उसके मन में जो विचार आया, उससे सहमति जताते हुए ज़ोर से सिर हिलाया। उसकी आँखें सिकुड़ गईं, लगभग काली और किसी कैफे की ट्रे पर लगे इनेमल की तरह खोखली हो गईं। उसे कुछ सूझा।

"मुझे अब घर जाना है," उसने ऐसे कहा जैसे हम चाय पी रहे हों।

"ज़रूर।"

मैं हिला तक नहीं। उसने मुझे एक और प्यारी सी नज़र से देखा और सामने के दरवाज़े की ओर बढ़ गई। उसका हाथ दरवाज़े की मूठ पर था कि हम दोनों को एक कार के आने की आवाज़ सुनाई दी। उसने सवालिया निगाहों से मेरी तरफ देखा। मैंने कंधे उचका दिए। कार घर के ठीक सामने रुक गई। उसके चेहरे पर डर साफ झलक रहा था। कदमों की आहट सुनाई दी और घंटी बजी। कारमेन ने कंधे के ऊपर से मेरी तरफ देखा, उसका हाथ दरवाज़े की मूठ को कसकर पकड़े हुए था, डर से उसके मुंह से लार टपक रही थी। घंटी बजती रही। फिर घंटी बजना बंद हो गई। एक चाबी से दरवाज़े पर हल्की सी आवाज़ आई और कारमेन उससे दूर हट गई और जम सी गई।

दरवाज़ा खुल गया। एक आदमी तेज़ी से अंदर आया और एकदम रुक गया, पूरी शांति से चुपचाप हमारी तरफ देखता रहा।

13

वह एक सांवला आदमी था, बिल्कुल सांवला, सिवाय उसके चमकीले काले जूतों और उसकी धूसर साटन टाई में जड़े दो लाल हीरों के, जो रूलेट के लेआउट पर लगे हीरों जैसे दिखते थे। उसकी कमीज़ धूसर थी और उसका डबल-ब्रेस्टेड सूट मुलायम, खूबसूरती से सिले हुए फलालैन का था। कारमेन को देखकर उसने अपनी धूसर टोपी उतार दी और उसके नीचे उसके बाल भी धूसर थे, मानो उन्हें जाली से छाना गया हो। उसकी घनी धूसर भौहों में एक अनिश्चित सी स्पोर्टी झलक थी। उसकी ठुड्डी लंबी थी, नाक थोड़ी मुड़ी हुई थी, उसकी विचारशील धूसर आँखें तिरछी थीं क्योंकि उसकी पलक के ऊपर की त्वचा की तह पलक के कोने तक आ जाती थी।

वह वहाँ शालीनता से खड़ा था, एक हाथ पीछे दरवाजे पर था, दूसरे हाथ में उसने अपनी धूसर टोपी पकड़ी हुई थी जिसे वह धीरे से अपनी जांघ पर थपथपा रहा था। वह सख्त दिख रहा था, लेकिन किसी दबंग की तरह नहीं। बल्कि एक अनुभवी घुड़सवार की तरह। पर वह घुड़सवार नहीं था। वह एडी मार्स था।

उसने दरवाजा बंद किया और अपना हाथ कोट की जेब में डाला, अंगूठा कमरे की हल्की रोशनी में चमकने दिया। उसने कारमेन को देखकर मुस्कुराया। उसकी मुस्कान सहज और प्यारी थी। कारमेन ने अपने होंठ चाटे और उसे घूरने लगी। उसके चेहरे से डर गायब हो गया। उसने भी मुस्कुराकर जवाब दिया।

"माफ़ करना, मैं इतनी बेपरवाही से आया हूँ," उसने कहा। "घंटी बजने से कोई जागा नहीं। क्या मिस्टर गाइगर यहाँ हैं?"

मैंने कहा: "नहीं। हमें ठीक से नहीं पता कि वह कहाँ है। हमें दरवाजा थोड़ा खुला मिला। हम अंदर चले गए।"

उसने सिर हिलाया और अपनी लंबी ठुड्डी को अपनी टोपी के किनारे से छुआ। "आप उसके दोस्त हैं, है ना?"

"बस व्यावसायिक जान-पहचान वाले लोग थे। हम किताब लेने के लिए आए थे।"

"एक किताब, है ना?" उसने ये बात जल्दी और जोश से कही, और मुझे लगा कि थोड़ा चालाकी से भी, मानो उसे गीगर की किताबों के बारे में सब कुछ पता हो। फिर उसने दोबारा कारमेन की तरफ देखा और कंधे उचका दिए।

मैं दरवाजे की ओर बढ़ा। "अब हम चलते हैं," मैंने कहा। मैंने उसका हाथ पकड़ लिया। वह एडी मार्स को घूर रही थी। वह उसे पसंद करती थी।

"क्या कोई संदेश है—अगर गाइगर वापस आता है तो?" एडी मार्स ने नरमी से पूछा।

हम आपको परेशान नहीं करेंगे।

"यह तो बहुत बुरा हुआ," उसने गहरे अर्थ में कहा। उसकी धूसर आँखें चमक उठीं और फिर जैसे ही मैं दरवाज़ा खोलने के लिए उसके पास से गुज़रा, वे सख्त हो गईं। उसने सहज लहजे में कहा, "लड़की धूल साफ कर सकती है। मैं तुमसे थोड़ी बात करना चाहता हूँ, सिपाही।"

मैंने उसका हाथ छोड़ दिया। मैंने उसे खाली निगाहों से देखा। "मज़ाक कर रहे हो ना?" उसने नरमी से कहा। "इसे बर्बाद मत करो। मेरे दो लड़के बाहर कार में हैं जो हमेशा वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूँ।"

कारमेन ने मेरे बगल में एक आवाज़ निकाली और दरवाज़े से बाहर भाग गई। उसके कदमों की आहट तेज़ी से ढलान पर धीमी होती चली गई। मैंने उसकी कार नहीं देखी थी, इसलिए उसने उसे नीचे ही छोड़ दिया होगा। मैं कहने ही वाला था: "ये क्या बकवास है--!"

"अरे छोड़ो," एडी मार्स ने आह भरी। "यहाँ कुछ गड़बड़ है। मैं पता लगाऊंगा कि क्या है। अगर तुम अपने पेट से सीसा निकालना चाहते हो, तो मेरे रास्ते में आ जाओ।"

"वाह वाह," मैंने कहा, "एक दमदार आदमी।"

"ज़रूरत पड़ने पर ही, सिपाही।" अब वह मेरी तरफ नहीं देख रहा था। वह कमरे में इधर-उधर घूम रहा था, उसके चेहरे पर शिकन थी, और वह मेरी तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा था। मैंने सामने की खिड़की के टूटे हुए शीशे से बाहर देखा। झाड़ियों के ऊपर से एक कार का ऊपरी हिस्सा दिखाई दे रहा था। उसका इंजन धीमी गति से चल रहा था।

एडी मार्स को मेज पर बैंगनी रंग की बोतल और सोने की नसों वाले दो गिलास मिले। उसने एक गिलास को सूंघा, फिर बोतल को। उसके होंठों पर घृणा भरी मुस्कान फैल गई। "कितना घटिया दलाल है!" उसने भावहीन स्वर में कहा।

उसने कुछ किताबों को देखा, हल्की सी आवाज़ निकाली, मेज के चारों ओर घूमकर कैमरे की आंख वाले छोटे से खंभे के सामने खड़ा हो गया। उसने उसे गौर से देखा, फिर अपनी नज़र उसके सामने ज़मीन पर डाली। उसने अपने पैर से छोटी सी चटाई हटाई, फिर तेज़ी से झुका, उसका शरीर तनाव में था। वह एक घुटने के बल ज़मीन पर बैठ गया। मेज ने उसे मुझसे थोड़ा छिपा लिया था। एक तीखी आवाज़ आई और वह फिर उठ खड़ा हुआ। उसकी बांह कोट के नीचे से निकली और उसके हाथ में एक काली लूगर पिस्तौल दिखाई दी। उसने उसे अपनी लंबी भूरी उंगलियों में पकड़ रखा था, न तो मेरी तरफ, न ही किसी और चीज़ की तरफ।

"खून," उसने कहा। "वहाँ फर्श पर, कालीन के नीचे खून है। काफी सारा खून है।"

"क्या सच में?" मैंने दिलचस्पी दिखाते हुए कहा।

वह डेस्क के पीछे कुर्सी पर बैठ गया और शहतूत के रंग का फोन अपनी ओर खींच लिया तथा लूगर पिस्तौल को अपने बाएं हाथ में ले लिया। उसने फोन पर तीखी नज़र डाली, अपनी घनी भूरी भौहों को सटा लिया और अपनी नुकीली नाक के ऊपरी हिस्से की झुर्रीदार त्वचा पर एक कठोर शिकन बना ली। "मुझे लगता है कि अब कुछ कानून लागू होगा," उसने कहा।

मैं पास गया और उस कालीन को लात मारी जिस पर गाइगर लेटा हुआ था। मैंने कहा, "यह पुराना खून है। सूखा खून।"

"फिर भी, हमारे पास कुछ कानून जरूर होंगे।"

मैंने कहा, "क्यों नहीं?"

उसकी आँखें सिकुड़ गईं। उसका दिखावटीपन उतर चुका था, और अब उसके सामने एक सलीके से कपड़े पहने, लूगर बंदूक लिए एक सख्त मिजाज लड़का खड़ा था। उसे मेरा उससे सहमत

होना पसंद नहीं आया।
"आखिर तुम हो कौन, सिपाही?"
"मेरा नाम मार्लो है। मैं एक जासूस हूँ।"
मैंने तुम्हारे बारे में कभी नहीं सुना। ये लड़की कौन है?
"क्लाइंट। गीगर उसे ब्लैकमेल करके फंसाने की कोशिश कर रहा था। हम इस बारे में बात करने आए थे। वह यहाँ नहीं था। दरवाजा खुला देखकर हम अंदर इंतजार करने लगे। या मैंने आपको यह बताया था?"
"सुविधाजनक," उसने कहा। "दरवाजा खुला होना। जब आपके पास चाबी न हो।"
"हाँ। आपके पास चाबी कैसे आई?"
"क्या इससे तुम्हारा कोई लेना-देना है, सिपाही?"
"मैं इसे अपना व्यवसाय बना सकता हूँ।"
उसने हल्की सी मुस्कान बिखेरी और अपनी टोपी को अपने सफ़ेद बालों पर पीछे सरकाते हुए कहा, "और मैं तुम्हारे कारोबार को अपना कारोबार बना सकता हूँ।"
"आपको यह पसंद नहीं आएगा। वेतन बहुत कम है।"
"ठीक है, होशियार लड़के। यह घर मेरा है। गीगर मेरा किराएदार है। अब इस बारे में तुम्हारा क्या विचार है?"
"आप कितने प्यारे लोगों को जानते हैं।"
"मैं उन्हें वैसे ही स्वीकार करता हूँ जैसे वे आते हैं। वे हर तरह के होते हैं।"
उसने लूगर पर एक नज़र डाली, कंधे उचकाए और उसे वापस अपनी बगल में दबा लिया। "कोई बढ़िया विचार है क्या, सिपाही?"
"कई कहानियां हैं। किसी ने गीगर को गोली मार दी। किसी को गीगर ने गोली मार दी, जो भाग गया। या फिर दो और लोग थे। या गीगर एक पंथ चला रहा था और उस टोटेम पोल के सामने खून की बलि देता था। या उसने रात के खाने में चिकन खाया था और उसे अपने मुर्गों को सामने वाले कमरे में मारना पसंद था।"
उस भूरे रंग के आदमी ने मुझे घूरकर देखा।
मैंने कहा, "मैं हार मानता हूँ। बेहतर होगा कि तुम शहर में अपने दोस्तों को फोन करो।"
"मुझे समझ नहीं आ रहा," उसने झल्लाकर कहा। "मुझे तुम्हारी ये चाल समझ नहीं आ रही।"
"आगे बढ़ो, बटन दबाओ। इससे तुम्हें ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिलेगी।"
वह बिना हिले-डुले इस बारे में सोचने लगा। उसके होंठ वापस उसके दांतों से लग गए। "मुझे भी यह समझ नहीं आया," उसने कड़े स्वर में कहा।
"शायद आज आपका दिन अच्छा नहीं है। मैं आपको जानता हूँ, मिस्टर मार्स। लास ओलिनदास में साइप्रस क्लब। अय्याशों के लिए अय्याशी का अड्डा। स्थानीय कानून आपकी मुट्ठी में है और लॉस एंजिल्स से आपका सीधा संपर्क है। दूसरे शब्दों में, संरक्षण। गीगर भी एक ऐसे ही रैकेट में शामिल था जिसे संरक्षण की ज़रूरत थी। शायद आप उसे कभी-कभार थोड़ी छूट दे देते थे, क्योंकि वह आपका किरायेदार है।"

उसका मुंह सख्त सफेद भाव से भर गया। "गीगर किस तरह के गिरोह में शामिल था?"
अश्लील किताबों का रैकेट।
वह एक मिनट तक मुझे घूरता रहा। "किसी ने उसे कुछ किया है," उसने धीरे से कहा। "तुम्हें इसके बारे में कुछ पता है। वह आज दुकान पर नहीं आया। उन्हें नहीं पता कि वह कहाँ है। उसने यहाँ फोन का जवाब भी नहीं दिया। मैं पता लगाने आया था। मुझे फर्श पर, कालीन के नीचे खून मिला। और तुम और एक लड़की यहाँ।"
मैंने कहा, "थोड़ा कमजोर है। लेकिन शायद आप इस कहानी को किसी इच्छुक खरीदार को बेच सकें। हालांकि, आपने एक छोटी सी बात छोड़ दी है। आज किसी ने उसकी किताबें दुकान से बाहर निकाल दीं - वो अच्छी किताबें जो वह किराए पर देता था।"
उसने तेज़ी से उंगलियां चटकाईं और कहा: "मुझे इसके बारे में पहले ही सोच लेना चाहिए था, सिपाही। लगता है तुम बहुत घूमते-फिरते हो। तुम्हें कैसे पता चलता है?"
"मुझे लगता है कि गीगर को रगड़ा गया था। मुझे लगता है कि यह उसका खून है। और किताबों को बाहर ले जाने से शव को कुछ समय के लिए छिपाने का मकसद मिलता है। कोई इस रैकेट को अपने हाथ में ले रहा है और उसे व्यवस्थित होने के लिए थोड़ा समय चाहिए।"
"वे इससे बच नहीं सकते," एडी मार्स ने गंभीर स्वर में कहा।
"ऐसा कौन कहता है? तुम और तुम्हारी कार में बैठे दो बंदूकधारी? एडी, यह अब एक बड़ा शहर हो गया है। हाल ही में कुछ बहुत ही खतरनाक लोग यहाँ आए हैं। विकास का यही नतीजा है।"
“तुम बहुत ज्यादा बोलते हो,” एडी मार्स ने कहा। उसने अपने दांत दिखाए और दो बार तेज सीटी बजाई। बाहर एक कार का दरवाजा जोर से बंद हुआ और झाड़ियों से भागते हुए कदमों की आहट सुनाई दी। मार्स ने फिर से लूगर पिस्तौल निकाली और मेरी छाती पर तान दी। “दरवाजा खोलो।”
घुंडी हिली और एक आवाज़ आई। मैं टस से मस नहीं हुआ। लूगर का मुंह सेकंड स्ट्रीट सुरंग के मुहाने जैसा लग रहा था, लेकिन मैं हिला नहीं। गोली से सुरक्षित न होना एक ऐसी बात थी जिसे मुझे स्वीकारना पड़ा था।
"इसे खुद खोलो, एडी। मुझे आदेश देने वाले तुम कौन होते हो? अगर तुम अच्छे से पेश आओगे तो शायद मैं तुम्हारी मदद कर दूं।"
वह अकड़कर खड़ा हुआ और डेस्क के किनारे से घूमकर दरवाजे की ओर बढ़ा। उसने मुझसे नज़रें हटाए बिना ही दरवाजा खोल दिया। दो आदमी कमरे में धड़ाम से दाखिल हुए और अपनी बाहों के नीचे कुछ ढूंढने में व्यस्त हो गए। उनमें से एक साफ़ तौर पर पग जैसा था, सुंदर दिखने वाला, पीला चेहरा, नाक थोड़ी टेढ़ी और एक कान किसी मोटे मांस के टुकड़े जैसा। दूसरा आदमी दुबला-पतला, गोरा, भावहीन था, उसकी आँखें पास-पास थीं और उनमें कोई चमक नहीं थी।
एडी मार्स ने कहा: "देखो कि इस पक्षी ने कोई लोहा पहना है या नहीं।"
सुनहरे बालों वाली लड़की ने एक छोटी नली वाली बंदूक निकाली और उसे मेरी ओर तान दिया। मेरा कुत्ता दबे पांव रेंगता हुआ आया और बड़ी सावधानी से मेरी जेबें टटोलने लगा। मैं ऐसे मुड़ा जैसे कोई ऊबी हुई खूबसूरत लड़की शाम के गाउन में पोज दे रही हो।
"कोई बंदूक नहीं," उसने कर्कश आवाज में कहा।

"पता लगाओ कि वह कौन है।"
उस पिल्ले ने चुपके से मेरी जेब में हाथ डाला और मेरा बटुआ निकाल लिया। उसने बटुआ खोलकर उसके अंदर की चीज़ें देखीं। "मेरा नाम फिलिप मार्लो है, एडी। मैं फ्रैंकलिन के होबार्ट आर्म्स में रहता हूँ। मेरे पास प्राइवेट लाइसेंस, डिप्टी का बैज वगैरह सब कुछ है। मैं एक जासूस हूँ।" उसने बटुआ वापस मेरी जेब में रख दिया, मेरे चेहरे पर हल्का सा थप्पड़ मारा और मुँह फेर लिया।
"दफा हो जाओ," एडी मार्स ने कहा।
दोनों बंदूकधारी फिर बाहर निकले और दरवाजा बंद कर दिया। उनके वापस कार में बैठने की आवाज आई। उन्होंने कार का इंजन चालू किया और उसे एक बार फिर धीमी गति से चलने दिया।
"ठीक है। बोलो," एडी मार्स ने झल्लाकर कहा। उसकी भौहें माथे पर तीखे कोण बना रही थीं।
"मैं अभी कुछ बताने को तैयार नहीं हूँ। गीगर को मारकर उसका रैकेट हथियाना एक बेवकूफी भरा काम होगा और मुझे यकीन नहीं है कि ऐसा हुआ होगा, अगर मान भी लें कि उसे मार दिया गया है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि जिसने भी वो किताबें ली हैं, उसे सब पता है, और मुझे यकीन है कि उसकी दुकान पर काम करने वाली गोरी महिला किसी न किसी बात को लेकर बहुत डरी हुई है। और मुझे अंदाज़ा है कि किताबें किसने ली हैं।"
"कौन?"
"यह वो हिस्सा है जिसे मैं अभी बताने के लिए तैयार नहीं हूं। मेरा एक क्लाइंट है, आप जानते ही हैं।"
उसने नाक सिकोड़ी। "वो—" उसने जल्दी से अपनी बात काट दी।
मैंने कहा, "मुझे उम्मीद थी कि आप उस लड़की को जानते होंगे।"
"किताबें किसके पास हैं, सिपाही?"
"मैं बात करने के लिए तैयार नहीं हूँ, एडी। मुझे क्यों बात करनी चाहिए?"
उसने लूगर को मेज पर रख दिया और खुली हथेली से उस पर एक थपकी दी। "यह लो," उसने कहा। "और शायद मैं तुम्हें इसके बदले में कुछ अच्छा इनाम दूं।"
"यही तो जज़्बा है। बंदूक को इसमें शामिल मत करो। मुझे पैसों की आवाज़ हमेशा सुनाई देती है। तुम मुझे कितने पैसे सुना रहे हो?"
"किसलिए?"
आप क्या करवाना चाहते थे?
उसने मेज पर ज़ोर से हाथ पटका। "सुनो, सिपाही। मैं तुमसे एक सवाल पूछता हूँ और तुम मुझसे दूसरा। हम कहीं नहीं पहुँच रहे हैं। मैं अपने निजी कारणों से जानना चाहता हूँ कि गाइगर कहाँ है। मुझे उसका धंधा पसंद नहीं था और मैंने उसकी रक्षा नहीं की। संयोग से यह घर मेरा है। मुझे इस समय इसकी ज़्यादा परवाह नहीं है। मुझे यकीन है कि इस सब के बारे में तुम्हें जो कुछ भी पता है, वह कांच के नीचे छिपा है, वरना यहाँ दलालों की भीड़ लगी होती। तुम्हारे पास बेचने के लिए कुछ नहीं है। मेरा अनुमान है कि तुम्हें खुद थोड़ी सुरक्षा की ज़रूरत है। तो बता दो।"

यह एक अच्छा अनुमान था, लेकिन मैं उसे यह बताना नहीं चाहता था। मैंने एक सिगरेट जलाई, माचिस बुझाई और उसे खंभे की कांच की आंख पर फेंक दिया। "तुम सही कह रहे हो," मैंने कहा। "अगर गीगर को कुछ हुआ है, तो मुझे अपना सब कुछ कानून को सौंपना पड़ेगा। इससे वह सार्वजनिक हो जाएगा और मेरे पास बेचने के लिए कुछ नहीं बचेगा। इसलिए तुम्हारी अनुमति से मैं बस यहीं से चला जाऊंगा।"

धूप में तपे हुए उसके चेहरे का रंग और भी सफेद हो गया। एक पल के लिए वह क्रूर, फुर्तीला और सख्त दिखाई दिया। उसने बंदूक उठाने का इशारा किया। मैंने casually पूछा, "वैसे, आजकल मिसेज मार्स कैसी हैं?"

एक पल के लिए मुझे लगा कि मैंने उससे कुछ ज़्यादा ही मज़ाक कर दिया है। उसका हाथ काँपते हुए बंदूक की तरफ़ झपटा। उसके चेहरे पर सख्त मांसपेशियाँ थीं। "यहाँ से चले जाओ," उसने बड़ी धीमी आवाज़ में कहा। "मुझे ज़रा भी परवाह नहीं कि तुम कहाँ जाओगे या वहाँ पहुँचकर क्या करोगे। बस मेरी एक सलाह मानो, सिपाही। मुझे अपनी योजनाओं से दूर रखो, वरना तुम्हें पछतावा होगा कि काश तुम्हारा नाम मर्फी होता और तुम लिमरिक में रहते।"

मैंने कहा, "खैर, यह क्लोनमेल से ज्यादा दूर नहीं है। मैंने सुना है कि आपका एक दोस्त वहीं से आया था।"

वह डेस्क पर झुक गया, उसकी आँखें जम सी गई थीं, वह हिल नहीं रहा था। मैं दरवाजे के पास गया, उसे खोला और पीछे मुड़कर उसे देखा। उसकी आँखें मेरा पीछा कर रही थीं, लेकिन उसका दुबला-पतला, धूसर शरीर हिला तक नहीं था। उसकी आँखों में नफ़रत थी। मैं बाहर निकला, झाड़ियों के बीच से होते हुए पहाड़ी पर अपनी कार तक गया और उसमें बैठ गया। मैंने कार घुमाई और पहाड़ी की चोटी तक चला गया। किसी ने मुझ पर गोली नहीं चलाई। कुछ ब्लॉक आगे जाकर मैंने कार रोकी, इंजन बंद किया और कुछ देर बैठा रहा। कोई मेरा पीछा भी नहीं कर रहा था। मैं वापस हॉलीवुड चला गया।

14

जब मैंने रैंडल प्लेस स्थित अपार्टमेंट बिल्डिंग के लॉबी प्रवेश द्वार के पास गाड़ी पार्क की, तब पाँच बजने में दस मिनट बाकी थे। कुछ खिड़कियाँ रोशन थीं और शाम के धुंधलके में रेडियो बज रहे थे। मैं स्वचालित लिफ्ट से चौथी मंजिल पर गया और हरे रंग के कालीन और हाथीदांत रंग के पैनल से सजे चौड़े गलियारे में आगे बढ़ा। खुली जालीदार दरवाजे से आग से बचने वाली सीढ़ी की ओर ठंडी हवा गलियारे में बह रही थी।

दरवाजे के बगल में एक छोटा सा हाथीदांत का बटन था जिस पर "405" लिखा था। मैंने उसे दबाया और काफी देर तक इंतज़ार किया। फिर दरवाजा लगभग एक फुट तक बिना आवाज़ किए खुल गया। खुलने के तरीके में एक धीमी, रहस्यमयी सी खामोशी थी। वह आदमी लंबे पैरों और चौड़ी कमर वाला, ऊंचे कंधों वाला था और उसकी गहरी भूरी आंखें थीं, उसका चेहरा भावहीन था, मानो उसने बहुत पहले ही अपने भावों को नियंत्रित करना सीख लिया हो। उसके सिर के पीछे तक घने बाल थे, जो उसे एक गुंबदनुमा भूरा माथा देते थे, जिसे सरसरी नज़र से देखने पर ऐसा लगता था मानो उसमें दिमाग बसा हो। उसकी गंभीर आंखें मुझे भावहीनता से घूर रही थीं।

उसकी लंबी, पतली भूरी उंगलियां दरवाजे के किनारे को पकड़े हुए थीं। उसने कुछ नहीं कहा।
मैंने कहा: "गाइगर?"
मुझे उस आदमी के चेहरे पर कोई बदलाव नहीं दिखा। उसने दरवाजे के पीछे से एक सिगरेट निकाली, उसे अपने होठों के बीच दबाया और थोड़ा सा धुआँ खींचा। धुआँ एक सुस्त, तिरस्कारपूर्ण कश के साथ मेरी ओर आया और उसके पीछे एक शांत, धीमी आवाज़ में शब्द थे, जिसमें किसी ताश के जुआरी की आवाज़ से ज़्यादा कोई उतार-चढ़ाव नहीं था।
"आपने क्या कहा?"
"गीगर। आर्थर ग्विन गीगर। वो आदमी जिसके पास किताबें हैं।"
उस व्यक्ति ने बिना किसी हड़बड़ी के इस पर विचार किया। उसने अपनी सिगरेट के सिरे पर एक नज़र डाली। उसका दूसरा हाथ, जिससे उसने दरवाज़ा पकड़ा हुआ था, नज़र से ओझल हो गया। उसके कंधे पर ऐसा भाव था मानो उसका छिपा हुआ हाथ कुछ इशारा कर रहा हो।
"मैं इस नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानता," उसने कहा। "क्या वह यहीं आसपास रहता है?"
मैंने मुस्कुरा दिया। उसे मेरी मुस्कान पसंद नहीं आई। उसकी आँखों में गुस्सा आ गया। मैंने कहा: "आप जो ब्रोडी हैं?"
भूरे चेहरे पर सख्ती छा गई। "तो क्या हुआ? कोई ठगी कर रहे हो भाई—या बस अपना मनोरंजन कर रहे हो?"
मैंने कहा, "तो आप जो ब्रोडी हैं। और आप गीगर नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते। यह तो बहुत मजेदार बात है।"
"हाँ? शायद तुम्हारा सेंस ऑफ ह्यूमर थोड़ा अजीब है। इसे यहाँ से हटाओ और कहीं और इसका इस्तेमाल करो।"
मैं दरवाजे से टिककर खड़ी हो गई और उसे एक स्वप्निल मुस्कान दी। "किताबें तुम्हारे पास हैं, जो। बेवकूफों की सूची मेरे पास है। हमें इस बारे में बात करनी चाहिए।"
उसने अपनी निगाहें मेरे चेहरे से नहीं हटाईं। उसके पीछे वाले कमरे में हल्की सी आवाज़ आई, मानो किसी धातु के पर्दे का छल्ला किसी छड़ पर हल्के से खटक रहा हो। उसने कमरे में तिरछी नज़र डाली। उसने दरवाज़ा और चौड़ा खोल दिया।
"क्यों नहीं—अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हारे पास कुछ है?" उसने शांत भाव से कहा। वह दरवाजे से थोड़ा हटकर खड़ा हो गया। मैं उसके पास से गुजरकर कमरे में चला गया।
यह एक खुशनुमा कमरा था जिसमें अच्छा फर्नीचर था, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। आखिरी दीवार में बनी फ्रेंच खिड़कियाँ एक पत्थर के बरामदे में खुलती थीं और शाम के धुंधलके में पहाड़ियों का नजारा दिखाती थीं। खिड़कियों के पास पश्चिमी दीवार में एक बंद दरवाजा था और प्रवेश द्वार के पास उसी दीवार में एक और दरवाजा था। इस आखिरी दरवाजे पर चौखट के नीचे एक पतली पीतल की छड़ पर मखमली पर्दा लगा हुआ था।
अब पूर्वी भाग बचा था, जिसमें कोई दरवाजा नहीं था। उसके बीचोंबीच एक सोफा था, इसलिए मैं उस पर बैठ गया। ब्रॉडी ने दरवाजा बंद किया और टेढ़े-मेढ़े कदमों से चलते हुए चौकोर कीलों से जड़ी एक ऊँची ओक की मेज की ओर बढ़ा। मेज के नीचे वाले हिस्से पर सोने के कब्ज़ों वाला

देवदार की लकड़ी का एक बक्सा रखा था। उसने बक्सा उठाकर बाकी दो दरवाजों के बीच में रखी एक आरामकुर्सी पर रख दिया और बैठ गया। मैंने अपनी टोपी सोफे पर रख दी और इंतज़ार करने लगा।

"ठीक है, मैं सुन रहा हूँ," ब्रॉडी ने कहा। उसने सिगार का डिब्बा खोला और सिगरेट का टुकड़ा बगल में रखी प्लेट में डाल दिया। उसने एक लंबा पतला सिगार मुँह में डाला। "सिगार?" उसने एक सिगार हवा में उछालकर मेरी तरफ फेंका।

मैंने उसे पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। ब्रोडी ने सिगार के डिब्बे से बंदूक निकाली और मेरी नाक पर तान दी। मैंने बंदूक देखी। वह एक काली पुलिस की .39 कैलिबर की बंदूक थी। उस समय मेरे पास उसका विरोध करने का कोई कारण नहीं था।

"बढ़िया है ना?" ब्रॉडी ने कहा। "बस एक मिनट के लिए खड़े हो जाओ। लगभग दो गज आगे आओ। ऐसा करते समय शायद थोड़ी हवा भी मिल जाए।" उसकी आवाज़ फिल्मों में दिखने वाले सख्त आदमी की बनावटी सहजता से भरी थी। फिल्मों ने तो सभी को ऐसा ही बना दिया है।

"त्स्क, त्स्क," मैंने बिना हिले-डुले कहा। "शहर में इतनी बंदूकें हैं और अक्ल बहुत कम। तुम दो ऐसे आदमी हो जिनसे मैं कुछ ही घंटों में मिला हूँ और जो सोचते हो कि हाथ में बंदूक होना दुनिया को मुट्ठी में करने जैसा है। इसे नीचे रख दो और बेवकूफी मत करो, जो।"

उसकी भौंहें तन गईं और उसने अपनी ठुड्डी मेरी ओर धकेल दी। उसकी आँखों में क्रूरता थी।

मैंने कहा, "दूसरे आदमी का नाम एडी मार्स है। क्या तुमने उसके बारे में कभी सुना है?"

"नहीं।" ब्रोडी ने बंदूक मेरी ओर ताने रखी।

"अगर उसे कभी पता चल गया कि तुम कल रात बारिश में कहाँ थे, तो वह तुम्हें उसी तरह मिटा देगा जैसे कोई चेक जारी करने वाला चेक को मिटा देता है।"

"एडी मार्स के लिए मैं क्या होऊंगा?" ब्रोडी ने ठंडे स्वर में पूछा। लेकिन उसने बंदूक को अपने घुटने पर रख लिया।

"मुझे इसकी कोई याद भी नहीं है," मैंने कहा।

हम एक-दूसरे को घूरते रहे। मैंने बाईं ओर दरवाजे पर लगे मखमली पर्दे के नीचे से झांक रही नुकीली काली चप्पल की ओर नहीं देखा।

ब्रोडी ने धीमी आवाज़ में कहा: "मुझे गलत मत समझो। मैं कोई दबंग नहीं हूँ—बस सावधान हूँ। मुझे तुम्हारे बारे में कुछ भी पता नहीं। हो सकता है तुम जानलेवा अपराधी हो।"

मैंने कहा, "तुम पर्याप्त सावधान नहीं हो। गीगर की किताबों वाला वो नाटक बहुत ही खराब था।"

उसने एक लंबी, धीमी सांस ली और चुपचाप छोड़ दी। फिर वह पीछे झुक गया, अपने लंबे पैरों को क्रॉस किया और कोल्ट को अपने घुटने पर रख लिया।

"खुद को धोखा मत दो, अगर जरूरत पड़ी तो मैं इस गर्मी का इस्तेमाल नहीं करूंगा," उसने कहा।

"तुम्हारी कहानी क्या है?"

"अपनी उस सहेली को अंदर बुलाओ जिसके पास नुकीली चप्पलें हैं। सांस रोके रखने से वह थक जाती है।"

ब्रॉडी ने मेरी पेट से अपनी निगाहें हटाए बिना ही आवाज़ लगाई, "अंदर आ जाओ, एग्नेस।"

पर्दा हटा और गीगर की दुकान से हरी आँखों वाली, जांघें मटकाती हुई सुनहरे बालों वाली लड़की कमरे में हमारे साथ आ गई। उसने मुझे एक विकृत घृणा भरी निगाहों से देखा। उसकी नाक के नथुने सिकुड़े हुए थे और उसकी आँखें कुछ ज़्यादा गहरी हो गई थीं। वह बहुत दुखी लग रही थी।
"मुझे अच्छी तरह पता था कि तुम मुसीबत खड़ी करोगे," उसने गुस्से से मुझसे कहा। "मैंने जो को संभलकर चलने को कहा था।"
मैंने कहा, "उसे अपने कदम पर नहीं, बल्कि अपनी गोद के पीछे ध्यान देना चाहिए।"
"मुझे लगता है कि यह मजेदार है," गोरी लड़की ने खुशी से चिल्लाते हुए कहा।
मैंने कहा, "ऐसा हुआ करता था। लेकिन शायद अब ऐसा नहीं है।"
"मज़ाक मत करो," ब्रोडी ने मुझे सलाह दी। "जो बहुत संभलकर चल रहा है। थोड़ी रोशनी कर दो ताकि अगर ज़रूरत पड़ी तो मैं इस आदमी को पकड़ सकूँ।"
उस गोरी लड़की ने एक बड़े चौकोर स्टैंडिंग लैंप में बत्ती जलाई। वह लैंप के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गई और अकड़ी हुई सी बैठी रही, मानो उसकी कमरबंद बहुत टाइट हो। मैंने सिगार मुंह में डाला और उसका सिरा काट लिया। जब मैं माचिस निकाल कर सिगार जला रहा था, तब ब्रॉडी का कुत्ता मुझे बड़ी दिलचस्पी से देख रहा था। मैंने धुएँ का स्वाद लिया और कहा:
"जिस 'बेवकूफों की सूची' की मैंने बात की थी, वह कोड में है। मैंने अभी तक उसे सुलझाया नहीं है, लेकिन उसमें लगभग पाँच सौ नाम हैं। जहाँ तक मुझे पता है, आपके पास किताबों के बारह बक्से हैं। आपके पास कम से कम पाँच सौ किताबें होनी चाहिए। और भी बहुत सी किताबें उधार पर होंगी, लेकिन सावधानी के तौर पर मान लीजिए कि कुल संख्या पाँच सौ है। अगर यह एक अच्छी और सक्रिय सूची है और आप इसे पचास प्रतिशत तक भी चला सकते हैं, तो एक लाख पच्चीस हज़ार किराए होंगे। आपकी प्रेमिका को इसके बारे में जानकारी है। मैं बस अनुमान लगा रहा हूँ। औसत किराया जितना चाहें उतना कम रखिए, लेकिन यह एक डॉलर से कम नहीं होगा। उस सामान की कीमत होती है। एक डॉलर प्रति किराए के हिसाब से आप एक लाख पच्चीस हज़ार कमा लेंगे और फिर भी आपके पास आपकी पूंजी बची रहेगी। मेरा मतलब है, आपके पास अभी भी गीगर की पूंजी है। इतने में तो किसी को नौकरी मिल सकती है।"
उस गोरी लड़की ने चीखते हुए कहा: "तुम पागल हो, बिलकुल बेवकूफ हो!"
ब्रॉडी ने अपने दांत उसकी ओर टेढ़े करके गुर्राते हुए कहा: "चुप हो जाओ, भगवान के लिए। चुप हो जाओ!"
वह धीरे-धीरे पीड़ा और दबी हुई क्रोध की मिली-जुली भावना में डूब गई। उसके चांदी जैसे नाखून उसके घुटनों पर रगड़ खा रहे थे।
मैंने ब्रोडी से लगभग स्नेहपूर्वक कहा, "यह आवारा लोगों का धंधा नहीं है। जो, तुम्हारे जैसे कुशल कारीगर ही इसमें माहिर हैं। तुम्हें आत्मविश्वास हासिल करना होगा और उसे बनाए रखना होगा। जो लोग सेकंड-हैंड सेक्स के चक्कर में पैसे बर्बाद करते हैं, वे उतने ही घबराए हुए होते हैं जितनी वो बूढ़ी औरतें जिन्हें शौचालय नहीं मिलता। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि ब्लैकमेल का तरीका अपनाना एक बड़ी गलती है। मैं इन सब झंझटों को छोड़कर वैध बिक्री और किराये पर ध्यान देने के पक्ष में हूँ।"

ब्रॉडी की गहरी भूरी निगाहें मेरे चेहरे पर ऊपर-नीचे घूम रही थीं। उसकी कोल्ट बंदूक मेरे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को भेदने के लिए व्याकुल थी। "तुम बड़े अजीब आदमी हो," उसने भावहीन स्वर में कहा। "किसके पास यह शानदार शोर मचाने वाली बंदूक है?"

मैंने कहा, "तुमने कर लिया है। लगभग।"

उस गोरी लड़की का दम घुटने लगा और उसने अपना कान नोंच लिया। ब्रॉडी ने कुछ नहीं कहा। वह बस मेरी तरफ देखता रहा।

"क्या?" गोरी लड़की चिल्लाई। "तुम वहाँ बैठकर हमें यह बताने की कोशिश कर रहे हो कि मिस्टर गीगर मुख्य सड़क पर इस तरह का कारोबार चलाते थे? तुम पागल हो!"

मैंने विनम्रता से उसकी ओर घूरते हुए कहा, "हाँ, बिल्कुल। सबको पता है कि ये धंधा चलता है। हॉलीवुड तो इसके लिए बिल्कुल सही जगह है। अगर ऐसी कोई चीज़ होनी ही है, तो सभी समझदार पुलिसवाले इसे सड़क पर ही चलाना चाहते हैं। इसी वजह से वे रेड लाइट एरिया को पसंद करते हैं। उन्हें पता है कि जब उन्हें ज़रूरत हो तो कहाँ जाकर अपना धंधा चलाना है।"

"हे भगवान!" गोरी लड़की विलाप करते हुए बोली। "जो, तुमने इस बेवकूफ को वहाँ बैठकर मेरा अपमान करने दिया? तुम्हारे हाथ में बंदूक थी और उसके हाथ में सिर्फ एक सिगार और अंगूठा था?"

"मुझे यह पसंद है," ब्रोडी ने कहा। "इस आदमी के विचार अच्छे हैं। अपना मुंह बंद रखो और चुप रहो, वरना मैं इसे तुम्हारे मुंह पर मार दूंगा।" उसने बंदूक को और भी लापरवाही से घुमाया।

गोरी लड़की हांफने लगी और अपना चेहरा दीवार की ओर कर लिया। ब्रॉडी ने मेरी तरफ देखा और चालाकी से कहा: "मुझे यह शानदार शोर कैसे मिला?"

"तुमने इसे पाने के लिए गाइगर को गोली मार दी। कल रात बारिश में। शूटिंग के लिए मौसम बहुत बढ़िया था। दिक्कत ये है कि जब तुमने उसे निशाना बनाया तो वो अकेला नहीं था। या तो तुमने इस बात पर ध्यान नहीं दिया, जो कि असंभव लगता है, या फिर तुम घबरा गए और गोली चलाने में चूक गए। लेकिन तुमने हिम्मत दिखाई और उसके कैमरे से प्लेट निकाल ली और बाद में आकर उसकी लाश को छिपा दिया, ताकि कानून को पता चलने से पहले तुम अपना हिसाब-किताब ठीक कर सको।"

"हाँ," ब्रॉडी ने तिरस्कारपूर्वक कहा। कोल्ट उसके घुटने पर लड़खड़ा रही थी। उसका भूरा चेहरा नक्काशीदार लकड़ी के टुकड़े की तरह सख्त था। "आप जोखिम उठाते हैं, साहब। यह तो आपकी किस्मत ही है कि मैंने गीगर को नहीं मारा।"

मैंने उसे हंसते हुए कहा, "तुम इसके लिए छुट्टी ले सकते हो। तुम रैप के लिए बिल्कुल सही हो।"

ब्रॉडी की आवाज लड़खड़ा गई। "क्या तुम्हें लगता है कि तुमने मुझे इसमें फंसा दिया है?"

"सकारात्मक।"

"ऐसा कैसे?"

"कोई न कोई तो इसे इसी तरह बताएगा। मैंने तुमसे कहा था कि गवाह है। मुझ पर आसानी से भरोसा मत करो, जो।"

फिर वह भड़क उठा। "वह कमीनी हॉट पैंट वाली!" वह चिल्लाया। "वह ऐसा करेगी, धिक्कार है

उसे! वह ऐसा करेगी—बस यही!"
मैं पीछे झुक गया और उसकी तरफ देखकर मुस्कुराया। "शानदार। मुझे लगा था कि तुम्हारे पास उसकी नग्न तस्वीरें हैं।"
उसने कुछ नहीं कहा। उस गोरी लड़की ने भी कुछ नहीं कहा। मैंने उन्हें आपस में बात करने दिया। ब्रॉडी के चेहरे पर धीरे-धीरे एक तरह की राहत के भाव उभर आए। उसने अपनी कोल्ट (एक तरह की पिस्तौल) कुर्सी के बगल वाली मेज पर रख दी, लेकिन अपना दाहिना हाथ उसके पास ही रखा। उसने अपनी सिगार की राख कालीन पर झाड़ दी और सिकुड़ी हुई पलकों के बीच कसी हुई चमकती आँखों से मुझे घूरने लगा।
"मुझे लगता है कि तुम मुझे बेवकूफ समझते हो," ब्रोडी ने कहा।
"एक ठग के हिसाब से बस औसत दर्जे का है। तस्वीरें ले लो।"
"कौन सी तस्वीरें?"
मैंने सिर हिलाया। "गलत चाल है, जो। बेगुनाही से कुछ हासिल नहीं होगा। या तो तुम कल रात वहाँ थे, या तुमने नग्न तस्वीर किसी ऐसे व्यक्ति से ली जो वहाँ मौजूद था। तुम्हें पता था कि वह वहाँ थी, क्योंकि तुमने अपनी प्रेमिका से श्रीमती रीगन को पुलिस में मामला दर्ज कराने की धमकी दिलवाई थी। ऐसा करने के लिए तुम्हें या तो खुद घटना देखनी चाहिए थी या तस्वीर को हाथ में लेकर यह जानना चाहिए था कि वह कहाँ और कब ली गई थी। सच बताओ और समझदारी से काम लो।"
"मुझे थोड़े पैसे चाहिए होंगे," ब्रोडी ने कहा। उसने अपना सिर थोड़ा घुमाकर हरी आँखों वाली गोरी लड़की को देखा। अब उसकी आँखें हरी नहीं थीं, बल्कि वह नाममात्र की गोरी थी। वह बिल्कुल बेजान थी, जैसे किसी मरे हुए खरगोश की तरह।
मैंने कहा, "मेरे पास पैसे नहीं हैं।"
उसने गुस्से से भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "तुम मुझ तक कैसे पहुँचे?"
मैंने अपना बटुआ निकालकर उसे अपना बजर दिखाया। "मैं एक क्लाइंट के लिए गाइगर पर काम कर रहा था। मैं कल रात बारिश में बाहर था। मैंने गोलियों की आवाज सुनी। मैं अंदर घुस गया। मैंने कातिल को नहीं देखा। मैंने बाकी सब कुछ देखा।"
"और तुमने अपना मुंह बंद रखा," ब्रोडी ने ताना मारा।
मैंने अपना बटुआ एक तरफ रख दिया। "हाँ," मैंने स्वीकार किया। "अभी तक तो। मुझे तस्वीरें मिलेंगी या नहीं?"
"इन किताबों के बारे में," ब्रोडी ने कहा। "मुझे यह समझ नहीं आता।"
"मैंने गीगर की दुकान से उनका पीछा करते हुए यहां तक आया। मेरे पास एक गवाह है।"
"वो बदमाश लड़का?"
"कौन सा बदमाश बच्चा?"
उसने फिर से मुंह बनाया। "दुकान में काम करने वाला लड़का। ट्रक के जाने के बाद वो भाग गया। एग्नेस को तो पता भी नहीं कि वो कहां जाता है।"
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "इससे मदद मिली। उस कोण ने मुझे थोड़ा चिंतित कर दिया था। क्या

आप दोनों में से कोई पिछली रात से पहले कभी गाइगर के घर गया है?"
"कल रात भी नहीं," ब्रोडी ने तीखे स्वर में कहा। "तो वह कहती है कि मैंने उसे गोली मारी, है ना?"
"तस्वीरों के सहारे शायद मैं उसे समझा पाऊं कि वह गलत थी। थोड़ी बहुत शराब भी पी जा रही थी।"
ब्रॉडी ने आह भरी। "वो मुझसे बहुत नफरत करती है। मैंने उसे निकाल दिया। मुझे पैसे तो मिल गए, पर मुझे ये करना ही पड़ता। मेरे जैसे सीधे-सादे आदमी के लिए वो बहुत ही सनकी है।" उसने गला साफ किया। "थोड़े पैसे दे दो? मेरे पास बस कुछ ही बचे हैं। एग्नेस और मुझे अब आगे बढ़ना होगा।"
"मेरे ग्राहक की ओर से नहीं।"
"सुनना-"
"तस्वीरें ले आओ, ब्रोडी।"
"अरे यार," उसने कहा। "तुम जीत गए।" वह खड़ा हुआ और कोल्ट को अपनी बगल वाली जेब में रख लिया। उसका बायाँ हाथ कोट के अंदर चला गया। वह उसे वहीं पकड़े हुए था, उसका चेहरा घृणा से भरा हुआ था, तभी दरवाजे की घंटी बजी और लगातार बजती रही।
15
उसे यह पसंद नहीं आया। उसका निचला होंठ दांतों के नीचे दब गया और भौहें किनारों से तेज़ी से नीचे की ओर सिकुड़ गईं। उसका पूरा चेहरा तीखा, चालाक और क्रूर हो गया।
बजर लगातार बजता रहा। मुझे भी यह पसंद नहीं था। अगर आने वाले एडी मार्स और उसके साथी होते, तो शायद वहाँ मौजूद होने मात्र से ही मुझे डर लग जाता। अगर पुलिस होती, तो मेरे पास उन्हें देने के लिए मुस्कान और वादे के अलावा कुछ नहीं होता। और अगर ब्रॉडी के कुछ दोस्त होते—मान लीजिए कि उसके कोई दोस्त थे—तो वे उससे भी ज़्यादा सख्त साबित हो सकते थे।
उस गोरी लड़की को यह पसंद नहीं आया। वह झट से खड़ी हो गई और एक हाथ से हवा में वार करने लगी। घबराहट के कारण उसका चेहरा बूढ़ा और बदसूरत लग रहा था।
मुझे देखते हुए, ब्रॉडी ने डेस्क की एक छोटी दराज खोली और उसमें से हड्डी के हैंडल वाली एक स्वचालित बंदूक निकाली। उसने उसे गोरी लड़की की ओर बढ़ाया। वह कांपते हुए उसके पास सरक गई और बंदूक ले ली।
"उसके बगल में बैठ जाओ," ब्रैडी ने झल्लाकर कहा। "दरवाजे से दूर, नीचे की तरफ उस पर निशाना साधो। अगर वह कुछ गड़बड़ करे तो अपने विवेक का इस्तेमाल करना। अभी तो हमने उसे हराया नहीं है।"
"ओह, जो," गोरी लड़की रोते हुए बोली। वह मेरे पास आई और सोफे पर मेरे बगल में बैठ गई और बंदूक मेरी टांग की नस पर तान दी। मुझे उसकी आँखों में वो भयानक भाव अच्छा नहीं लगा।
दरवाजे की घंटी बजना बंद हो गई और उसके बाद लकड़ी पर जल्दी-जल्दी और बेसब्री से

खटखटाने की आवाज़ आई। ब्रॉडी ने अपना हाथ जेब में, अपनी बंदूक पर रखा और दरवाजे की ओर चलकर उसे अपने बाएं हाथ से खोल दिया। कारमेन स्टर्नवुड ने एक छोटी सी रिवॉल्वर उसके पतले भूरे होंठों पर रखकर उसे वापस कमरे में धकेल दिया।

ब्रैडी मुंह चलाते हुए और चेहरे पर घबराहट के भाव लिए उससे पीछे हट गया। कारमेन ने अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया और न तो मेरी तरफ देखा और न ही एग्नेस की तरफ। वह ब्रैडी का सावधानीपूर्वक पीछा करती रही, उसकी जीभ दांतों के बीच से थोड़ी बाहर निकली हुई थी। ब्रैडी ने अपने दोनों हाथ जेब से बाहर निकाले और उसे शांत करने का इशारा किया। उसकी भौहें अजीबोगरीब घुमावों और कोणों में मुड़ गईं। एग्नेस ने बंदूक मुझसे दूर घुमाई और कारमेन पर वार किया। मैंने अपना हाथ आगे बढ़ाया और अपनी उंगलियों को उसके हाथ पर कसकर बंद कर दिया और अपने अंगूठे को सेफ्टी कैच पर दबा दिया। सेफ्टी लॉक पहले से ही लगा हुआ था। मैंने उसे लगा रहने दिया। एक छोटी सी खामोश झड़प हुई, जिस पर न तो ब्रैडी और न ही कारमेन ने कोई ध्यान दिया। बंदूक मेरे पास थी। एग्नेस ने गहरी सांस ली और उसका पूरा शरीर कांप उठा। कारमेन का चेहरा हड्डियों से भरा हुआ और खुरदुरा लग रहा था और उसकी सांसों से सरसराहट की आवाज आ रही थी। उसकी आवाज में कोई भाव नहीं था:

"मुझे अपनी तस्वीरें चाहिए, जो।"

ब्रोडी ने घबराकर मुस्कुराने की कोशिश की। "ज़रूर, बच्चे, ज़रूर।" उसने धीमी, सपाट आवाज़ में कहा, जो उससे बिल्कुल अलग थी, जैसे कोई स्कूटर दस टन के ट्रक से अलग हो।

कारमेन ने कहा: "तुमने आर्थर गीगर को गोली मारी। मैंने तुम्हें देखा था। मुझे अपनी तस्वीरें चाहिए।" ब्रॉडी का चेहरा पीला पड़ गया।

"अरे, एक मिनट रुको, कारमेन," मैंने चीख कर कहा।

सुनहरे बालों वाली एग्नेस एकदम से हरकत में आ गई। उसने अपना सिर झुकाया और मेरे दाहिने हाथ में अपने दांत गड़ा दिए। मैंने और आवाजें निकालीं और उसे झटक कर दूर कर दिया।

"सुनो, बच्चे," ब्रॉडी ने गिड़गिड़ाते हुए कहा। "एक मिनट सुनो—"

उस गोरी लड़की ने मुझ पर थूका और मेरे पैर पर गिर पड़ी और उसे काटने की कोशिश की। मैंने बंदूक से उसके सिर पर हल्का सा वार किया और उठने की कोशिश की। वह मेरे पैरों से लुढ़क कर नीचे आ गई और अपनी बाहों को मेरे चारों ओर लपेट लिया। मैं सोफे पर वापस गिर गया। वह गोरी लड़की प्यार या डर के पागलपन से, या दोनों के मिश्रण से, या शायद बस ताकत से भरी हुई थी।

ब्रोडी ने अपने चेहरे के बिल्कुल पास पड़ी छोटी रिवॉल्वर को पकड़ने की कोशिश की। निशाना चूक गया। बंदूक से हल्की सी खटखटाहट की आवाज़ आई। गोली मुड़ी हुई फ्रेंच खिड़की के शीशे को तोड़ गई। ब्रोडी दर्द से कराहते हुए ज़मीन पर गिर पड़ा और कारमेन के पैरों को भी ज़ोर से झटका दिया। कारमेन भी ढेर हो गई और छोटी रिवॉल्वर फिसलकर एक कोने में जा गिरी। ब्रोडी घुटनों के बल उठा और अपनी जेब में हाथ डाला।

मैंने एग्नेस के सिर पर पहले से भी कम नरमी से काटा, उसे लात मारकर गिरा दिया और खड़ा हो गया। ब्रॉडी ने मेरी तरफ तिरछी नज़र से देखा। मैंने उसे ऑटोमैटिक बंदूक दिखाई। उसने

अपनी जेब में हाथ डालने की कोशिश करना बंद कर दिया।
"हे भगवान!" वह गिड़गिड़ाया। "उसे मुझे मारने मत दो!"
मुझे हंसी आ गई। मैं बेकाबू होकर पागलों की तरह हंस रही थी। सुनहरे बालों वाली एग्नेस फर्श पर बैठी थी, उसके हाथ कालीन पर सीधे थे, मुंह खुला हुआ था और सुनहरे बालों की एक लट उसकी दाहिनी आंख पर लटक रही थी। कारमेन अपने हाथों और घुटनों के बल रेंग रही थी, अभी भी फुफकार रही थी। कोने में रखे उसके छोटे से रिवॉल्वर का धातु का हिस्सा बेस बोर्ड पर चमक रहा था। वह बेतहाशा उसकी ओर रेंग रही थी।
मैंने ब्रॉडी की ओर अपनी बंदूकें लहराईं और कहा: "वहीं रहो। तुम ठीक हो।"
मैं रेंगती हुई लड़की के पास से गुज़रा और बंदूक उठा ली। उसने मेरी तरफ देखा और खिलखिलाकर हंसने लगी। मैंने उसकी बंदूक अपनी जेब में रख ली और उसकी पीठ थपथपाई। "उठो, मेरी प्यारी। तुम तो पेकिनीज़ कुत्ते जैसी लग रही हो।"
मैं ब्रॉडी के पास गया और उसकी कमर पर ऑटोमैटिक बंदूक रखकर उसकी जेब से कोल्ट पिस्टल निकाल ली। अब मेरे पास वो सारी बंदूकें थीं जो दिखाई दे रही थीं। मैंने उन्हें अपनी जेबों में भर लिया और उसकी तरफ हाथ बढ़ाया।
"देना।"
उसने होंठों को चाटते हुए सिर हिलाया, उसकी आँखों में अभी भी डर था। उसने अपनी जेब से एक मोटा लिफाफा निकाला और मुझे दे दिया। लिफाफे में एक डेवलप की हुई प्लेट और पाँच चमकदार प्रिंट थे।
"क्या ये सभी हैं?"
उसने फिर सिर हिलाया। मैंने लिफाफा अपनी जेब में रखा और मुँह फेर लिया। एग्नेस सोफे पर वापस आ गई थी और अपने बाल संवार रही थी। उसकी आँखों में नफरत की हरी लकीरें थीं। कारमेन भी खड़ी हो गई थी और हाथ आगे बढ़ाकर मेरी तरफ आ रही थी, अभी भी खिलखिलाती और फुफकारती हुई। उसके मुँह के कोनों पर थोड़ा झाग था। उसके छोटे-छोटे सफेद दाँत उसके होठों के पास चमक रहे थे।
"क्या मैं इन्हें अभी ले सकती हूँ?" उसने शरमाते हुए मुस्कान के साथ मुझसे पूछा।
मैं उनका ख्याल रखूंगा। आप घर जाइए।
"घर?"
मैं दरवाजे तक गया और बाहर देखा। रात की ठंडी हवा गलियारे में शांति से बह रही थी। कोई भी पड़ोसी दरवाजे से बाहर झाँक नहीं रहा था। एक छोटी सी बंदूक चली थी और शीशे का एक टुकड़ा टूट गया था, लेकिन ऐसी आवाज़ों का अब कोई खास मतलब नहीं रह गया था। मैंने दरवाजा खुला रखा और कारमेन की तरफ इशारा किया। वह अनिश्चित मुस्कान के साथ मेरी तरफ आई।
मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा, "घर जाओ और मेरा इंतजार करो।"
उसने अंगूठा ऊपर उठाया। फिर उसने सिर हिलाया और ओलों के बीच से निकल गई। जाते समय उसने अपनी उंगलियों से मेरे गाल को छुआ। "तुम कारमेन का ख्याल रखोगे ना?" उसने

प्यार से कहा।
"जाँच करना।"
"आप सुंदर हो।"
मैंने कहा, "जो तुम देख रहे हो वो कुछ भी नहीं है। मैंने अपनी दाहिनी जांघ पर बाली की नाचती हुई लड़की का टैटू बनवाया है।"
उसकी आँखें गोल हो गईं। उसने कहा: "शरारती," और मेरी तरफ उंगली हिलाई। फिर उसने फुसफुसाते हुए कहा: "क्या मुझे मेरी बंदूक मिल सकती है?"
"अभी नहीं। बाद में। मैं इसे आपके पास ले आऊंगा।"
उसने अचानक मेरी गर्दन पकड़ ली और मेरे होंठों पर चुंबन किया। "मैं तुम्हें पसंद करती हूँ," उसने कहा। "कारमेन तुम्हें बहुत पसंद करती है।" वह खुशी से झूमती हुई गलियारे में दौड़ गई, सीढ़ियों से मुझे हाथ हिलाया और मेरी नज़रों से ओझल हो गई।
मैं वापस ब्रॉडी के अपार्टमेंट में चला गया।

16

मैं पीछे की ओर मुड़ी हुई फ्रेंच खिड़की के पास गया और उसके ऊपरी हिस्से में टूटे हुए छोटे से शीशे को देखा। कारमेन की बंदूक की गोली ने शीशे को ज़ोरदार प्रहार की तरह चकनाचूर कर दिया था। उसमें छेद नहीं हुआ था। प्लास्टर में एक छोटा सा छेद था जिसे ध्यान से देखने वाला व्यक्ति तुरंत पहचान लेता। मैंने टूटे हुए शीशे पर पर्दा डाला और अपनी जेब से कारमेन की बंदूक निकाली। यह बैंकर स्पेशल थी, .22 कैलिबर की, खोखले नोक वाले कारतूसों वाली। इसमें मोती की मूठ थी, और बट में लगी एक छोटी गोल चांदी की प्लेट पर खुदा हुआ था: "ओवेन की कारमेन।" वह उन सभी को बेवकूफ बना देती थी।
मैंने बंदूक वापस अपनी जेब में रख ली और ब्रॉडी के पास बैठ गया और उसकी उदास भूरी आँखों में देखने लगा। एक मिनट बीत गया। उस गोरी लड़की ने जेब में रखे शीशे की मदद से अपना चेहरा ठीक किया। ब्रॉडी ने सिगरेट से खेलते हुए कहा, "संतुष्ट हो?"
"अभी तक तो ठीक है। तुमने बूढ़े आदमी के बजाय श्रीमती रीगन को क्यों काटा?"
"मैंने उस बूढ़े आदमी को एक बार हल्का सा धक्का दिया था। लगभग छह-सात महीने पहले। मुझे लगा कि शायद उसे इतना दर्द होगा कि वह कानूनी कार्रवाई करने की सोचेगा।"
"आपको ऐसा क्यों लगा कि श्रीमती रीगन उन्हें इसके बारे में नहीं बताएंगी?"
उन्होंने सिगरेट पीते हुए और मेरी ओर देखते हुए कुछ देर तक ध्यान से इस बात पर विचार किया। अंत में उन्होंने कहा: "तुम उसे कितना जानती हो?"
"मैं उससे दो बार मिल चुका हूँ। फोटो के साथ उस तरह का जोखिम उठाने के लिए आपको उसे बहुत अच्छी तरह से जानना होगा।"
वह खूब इधर-उधर घूमती रहती है। मुझे लगता है कि शायद उसके कुछ कमजोर पहलू हैं जिनके बारे में वह अपने पिता को नहीं बताना चाहती। मुझे लगता है कि वह आसानी से पाँच हज़ार डॉलर जुटा सकती है।
मैंने कहा, "थोड़ा कमजोर है। लेकिन चलने दो। तुम कंगाल हो, है ना?"

मैं एक महीने से दो सिक्कों को आपस में हिला रहा हूँ, उन्हें मिलाने की कोशिश कर रहा हूँ।
"तुम एक जीने के लिए क्या करते हैं?"
"बीमा। मुझे पुस वालग्रीन्स के कार्यालय में, फुलवाइडर बिल्डिंग, वेस्टर्न और सांता मोनिका में डेस्क रूम मिला है।"
"जब आप खुल कर बात करते हैं, तो आप पूरी तरह खुल कर बात करते हैं। आपके अपार्टमेंट में रखी किताबें?"
उसने दांत किटकिटाए और अपना भूरा हाथ हिलाया। उसके हावभाव में आत्मविश्वास फिर से झलक रहा था। "बिल्कुल नहीं। गोदाम में है।"
"आपने एक आदमी को इन्हें यहाँ लाने के लिए कहा और फिर तुरंत बाद एक भंडारण कंपनी को इन्हें वापस ले जाने के लिए भेज दिया?"
"ज़रूर। मैं नहीं चाहता कि उन्हें सीधे गाइगर के घर से लाया जाए, है ना?"
मैंने प्रशंसा करते हुए कहा, "तुम तो बड़े होशियार हो। क्या अभी यहाँ कुछ ऐसा है जिससे अपराध साबित हो सके?"
वह फिर से चिंतित दिखने लगा। उसने अपना सिर तेज़ी से हिलाया।
"कोई बात नहीं," मैंने उससे कहा। मैंने एग्नेस की तरफ देखा। उसने अपना चेहरा ठीक कर लिया था और खाली आँखों से दीवार को घूर रही थी, मानो मेरी बात सुन ही नहीं रही हो। उसके चेहरे पर वही सुस्ती थी जो तनाव और सदमे के कारण पहली घटना के बाद आ जाती है।
ब्रॉडी ने सतर्कता से अपनी आँखें घुमाईं। "तो?"
"आपको यह तस्वीर कहाँ से मिली?"
उसने गुस्से से कहा, "सुनो, तुम्हें जो चाहिए था वो मिल गया, और बहुत सस्ते में। तुमने बढ़िया काम किया है। अब जाओ और इसे अपने खास आदमी को बेच दो। मैं बेदाग हूँ। मुझे किसी तस्वीर के बारे में कुछ नहीं पता, है ना एग्नेस?"
उस गोरी लड़की ने अपनी आँखें खोलीं और अस्पष्ट लेकिन अपमानजनक अंदाज़ में उसकी ओर देखा। "एक आधा-अधूरा समझदार आदमी," उसने थकी हुई सी आवाज़ में कहा। "मुझे हमेशा ऐसे ही आदमी मिलते हैं। कभी भी ऐसा आदमी नहीं मिला जो हर तरह से समझदार हो। कभी नहीं।"
मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "क्या मैंने तुम्हारे सिर पर ज्यादा चोट पहुंचाई?"
"तुम और हर वो आदमी जिससे मैं कभी मिली हूँ।"
मैंने ब्रोडी की ओर देखा। वह अपनी उंगलियों के बीच सिगरेट को हल्के से दबा रहा था, मानो उसमें एक अजीब सी झनझनाहट हो रही हो। उसका हाथ थोड़ा कांप रहा था। उसका भूरा, भावहीन चेहरा अब भी शांत था।
मैंने कहा, "हमें एक कहानी पर सहमत होना होगा। उदाहरण के लिए, कारमेन यहाँ नहीं थी। यह बहुत महत्वपूर्ण है। वह यहाँ नहीं थी। वह एक दृश्य था जो आपने देखा था।"
"हूँ!" ब्रॉडी ने ताना मारा। "अगर तुम ऐसा कहते हो, दोस्त, और अगर—" उसने हथेली ऊपर की ओर करके हाथ बढ़ाया और उंगलियों को मिलाकर अंगूठे को तर्जनी और मध्यमा उंगलियों पर

धीरे से घुमाया।
मैंने सिर हिलाया। "देखते हैं। शायद थोड़ा-बहुत योगदान हो। लेकिन इसे बड़ी रकम में नहीं गिना जाएगा। वैसे, आपको यह तस्वीर कहाँ से मिली?"
"एक आदमी ने चुपके से मुझे दे दिया।"
"हम्म। एक आदमी जिसे आप अभी सड़क पर मिले थे। आप उसे दोबारा नहीं पहचान पाएंगे। आपने उसे पहले कभी नहीं देखा था।"
ब्रॉडी ने जम्हाई ली। "यह उसकी जेब से गिर गया," उसने चिढ़ाते हुए कहा।
"हम्म। क्या तुम्हारे पास कल रात का कोई पुख्ता सबूत है, पोकर खेलने वाले?"
"ज़रूर। मैं यहीं थी। एग्नेस मेरे साथ थी। ठीक है, एग्नेस?"
मैंने कहा, "मुझे फिर से तुम्हारे लिए दया आने लगी है।"
उसकी आंखें चौड़ी हो गईं और मुंह खुला रह गया, सिगरेट उसके निचले होंठ पर टिकी हुई थी।
मैंने उससे कहा, "तुम खुद को होशियार समझते हो, लेकिन तुम बिलकुल बेवकूफ हो। भले ही तुम क्वेंटिन में नाचने न जाओ, तुम्हारे सामने एक लंबा, अंधकारमय और अकेला समय पड़ा है।"
उसकी सिगरेट झटके से खुली और उसकी बनियान पर राख गिर गई।
मैंने कहा, "तुम्हारी बुद्धिमत्ता के बारे में सोचकर।"
"यहाँ से दफ़ा हो जाओ," वह अचानक गुर्राया। "धूल। तुमसे बहुत बहस हो चुकी है। यहाँ से चले जाओ।"
"ठीक है।" मैं खड़ा हुआ और ऊँची ओक की मेज के पास गया और अपनी जेबों से उसकी दोनों बंदूकें निकालीं, उन्हें ब्लॉटर पर अगल-बगल इस तरह रखा कि उनकी नालें बिल्कुल समानांतर हों। मैंने सोफे के बगल में फर्श पर पड़ी अपनी टोपी उठाई और दरवाजे की ओर चल पड़ा।
ब्रॉडी चिल्लाया: "हे!"
मैं मुड़कर इंतज़ार करने लगा। उसकी सिगरेट किसी स्प्रिंग पर लटकी गुड़िया की तरह हिल रही थी। "सब कुछ ठीक है, है ना?" उसने पूछा।
"क्यों नहीं, बिल्कुल। यह एक स्वतंत्र देश है। अगर आप जेल से बाहर नहीं रहना चाहते, तो आपको ऐसा करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मतलब, अगर आप नागरिक हैं। क्या आप नागरिक हैं?"
वह सिगरेट हिलाते हुए मुझे घूरता रहा। सुनहरे बालों वाली एग्नेस ने धीरे से अपना सिर घुमाया और मेरी ओर देखने लगी। उनकी निगाहों में चालाकी, संदेह और हताशा का लगभग एक जैसा मिश्रण था। एग्नेस ने अचानक अपने चांदी जैसे नाखूनों से अपने सिर का एक बाल खींचा और उसे अपनी उंगलियों के बीच तोड़ दिया, एक कड़वे झटके के साथ।
ब्रोडी ने कड़े लहजे में कहा, "भाई, तुम किसी पुलिस के पास नहीं जाओगे। खासकर अगर तुम स्टर्नवुड्स के लिए काम कर रहे हो। मेरे पास उस परिवार के बारे में बहुत सारी जानकारी है। तुम्हारे पास तस्वीरें हैं और चुप रहने का जुगाड़ है। जाओ और अपने अखबार बेचो।"
मैंने कहा, "अपना मन बना लो। तुमने मुझे जाने को कहा, मैं जाने ही वाला था, तुमने मुझ पर चिल्लाया और मैं रुक गया, और अब मैं फिर से जाने वाला हूँ। क्या तुम यही चाहते हो?"

"तुम मेरे सामने कुछ भी नहीं हो," ब्रोडी ने कहा।
"बस दो-चार हत्याएं। आपके दायरे में मामूली सी बात है।"
वह एक इंच से ज़्यादा नहीं उछला, लेकिन ऐसा लगा जैसे एक फुट उछल गया हो। उसकी आँखों की तंबाकू जैसे रंग की पुतली के चारों ओर सफेद कॉर्निया साफ दिखाई दे रही थी। लैंप की रोशनी में उसके चेहरे की भूरी त्वचा पर हरे रंग की झलक दिखाई दे रही थी।
सुनहरे बालों वाली एग्नेस ने धीमी, जानवर जैसी कराह निकाली और सोफे के किनारे रखे तकिये में अपना सिर छिपा लिया। मैं वहीं खड़ा रहा और उसकी लंबी जांघों की सुंदरता को निहारता रहा।
ब्रॉडी ने धीरे से अपने होंठ गीले किए और कहा: "बैठ जाओ, दोस्त। शायद मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ और है। दो हत्याओं वाली बात का क्या मतलब है?"
मैं दरवाजे से टिक गया। "कल रात साढ़े सात बजे के आसपास तुम कहाँ थे, जो?"
उसका मुंह उदास होकर लटक गया और वह फर्श की ओर देखने लगा। "मैं एक आदमी को देख रहा था, एक ऐसा आदमी जिसका धंधा बढ़िया चल रहा था, मुझे लगा कि उसे एक साथी की ज़रूरत है। गीगर। मैं उसे बीच-बीच में देखता रहता था कि क्या उसके कोई प्रभावशाली संपर्क हैं। मुझे लगता है कि उसके दोस्त हैं या वह धंधा खुलेआम नहीं चलाता। लेकिन वे उसके घर नहीं जाते। सिर्फ़ औरतें।"
मैंने कहा, "तुमने ठीक से नहीं देखा। देखते रहो।"
"मैं कल रात गीगर के घर के नीचे वाली गली में था। ज़ोरदार बारिश हो रही थी और मैं अपनी कार में बैठा था, लेकिन मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। गीगर के घर के सामने एक कार खड़ी थी और एक और कार पहाड़ी पर थोड़ी दूर ऊपर थी। इसीलिए मैं नीचे ही रुका रहा। जहाँ मैं था, वहाँ एक बड़ी सी ब्यूक कार खड़ी थी और थोड़ी देर बाद मैं उसके पास गया और उसमें झाँका। वह कार विवियन रेगन के नाम पर रजिस्टर्ड थी। कुछ नहीं हुआ, तो मैं वहाँ से निकल गया। बस इतना ही।" उसने अपनी सिगरेट लहराई। उसकी नज़रें मेरे चेहरे पर ऊपर से नीचे तक घूम रही थीं।
मैंने कहा, "हो सकता है। क्या आपको पता है कि वो ब्यूक अब कहाँ है?"
"मैं क्यों करूंगा?"
"शेरिफ के गैरेज में। इसे आज सुबह लिडो फिश पियर से बारह फीट गहरे पानी से बाहर निकाला गया। इसमें एक मृत व्यक्ति था। उसे किसी चीज़ से चोट लगी थी और कार ने पियर की ओर मुंह कर लिया था और हैंड थ्रॉटल नीचे खींच लिया गया था।"
ब्रॉडी हांफ रहा था। उसका एक पैर बेचैनी से थिरक रहा था। "हे भगवान, तुम इसका इल्जाम मुझ पर नहीं लगा सकते," उसने भारी आवाज़ में कहा।
"क्यों नहीं? आपके अनुसार यह ब्यूक गीगर के घर के पीछे खड़ी थी। खैर, श्रीमती रेगन ने इसे नहीं निकाला था। उनके ड्राइवर, ओवेन टेलर नाम के एक लड़के ने इसे निकाला था। वह गीगर के घर उससे बात करने गया था, क्योंकि ओवेन टेलर कारमेन को पसंद करता था और गीगर जिस तरह के खेल खेल रहा था, वह उसे पसंद नहीं था। वह एक छुरी और बंदूक लेकर पिछले

दरवाजे से अंदर घुस गया और उसने गीगर को कारमेन की बिना कपड़ों वाली तस्वीर लेते हुए पकड़ लिया। तो उसकी बंदूक चल गई, जैसा कि बंदूकें चलती हैं, और गीगर वहीं गिरकर मर गया और ओवेन भाग गया, लेकिन गीगर द्वारा खींची गई तस्वीर का नेगेटिव अपने साथ ले गया। तो आप उसके पीछे भागे और उससे तस्वीर ले ली। वरना आपको वह तस्वीर कैसे मिलती?"

ब्रोडी ने अपने होंठ चाटे। "हाँ," उसने कहा। "लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं उसे मार गिराता। हाँ, मैंने गोलियों की आवाज़ सुनी और उस कातिल को पिछली सीढ़ियों से नीचे उतरकर ब्यूक में घुसते और भागते देखा। मैं उसके पीछे भागा। वह घाटी के तल पर पहुँचा और सनसेट रोड पर पश्चिम की ओर चला गया। बेवर्ली हिल्स के आगे उसकी गाड़ी सड़क से फिसल गई और उसे रुकना पड़ा। मैं वहाँ पहुँचा और पुलिसवाला बनने का नाटक किया। उसके पास बंदूक थी, लेकिन उसका हौसला पस्त था, इसलिए मैंने उसे काबू में कर लिया। तो मैंने उसके कपड़े खंगाले और पता लगाया कि वह कौन है और मैंने जिज्ञासावश उसकी नंबर प्लेट उठा ली। मैं सोच रहा था कि आखिर क्या हो रहा है और मेरी गर्दन गीली हो रही थी, तभी वह अचानक होश में आया और मुझे गाड़ी से नीचे गिरा दिया। जब मैं उठा, तब तक वह मेरी नज़रों से ओझल हो चुका था। उसके बाद मैंने उसे आखिरी बार देखा था।"

मैंने रूखेपन से पूछा, "तुम्हें कैसे पता चला कि उसने गाइगर को गोली मारी थी?"

ब्रोडी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे लगता है कि ऐसा ही था, लेकिन मैं गलत भी हो सकता हूँ। जब मैंने प्लेट की जाँच करवाई और उस पर जो कुछ भी देखा, तो मुझे पूरा यकीन हो गया। और जब गाइगर आज सुबह दुकान पर नहीं आया और उसने अपना फोन भी नहीं उठाया, तो मेरा यकीन और भी पक्का हो गया। इसलिए मुझे लगता है कि अब उसके खाते हटाने और स्टर्नवुड्स से कुछ पैसे लेकर यात्रा खर्च और कुछ मौज-मस्ती करने का अच्छा मौका है।"

मैंने सिर हिलाया। "यह तर्कसंगत लगता है। शायद आपने उस दौरान किसी की हत्या नहीं की। आपने गीगर का शव कहाँ छिपाया?"

उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। फिर मुस्कुराया। "बिल्कुल नहीं। छोड़ो इसे। तुम्हें क्या लगता है कि मैं वहाँ जाकर उससे निपटूँगा, यह जाने बिना कि कब पुलिस की गाड़ियाँ तेज़ी से कोने से आ जाएँगी? बिलकुल नहीं।"

मैंने कहा, "किसी ने शव को छिपा दिया है।"

ब्रोडी ने कंधे उचका दिए। उसके चेहरे पर मुस्कान बनी रही। उसे मेरी बात पर यकीन नहीं हो रहा था। जब तक उसे मेरी बात पर यकीन नहीं हुआ, तभी दरवाजे की घंटी फिर बजने लगी। ब्रोडी एकदम से उठ खड़ा हुआ, उसकी निगाहें सख्त थीं। उसने मेज पर रखी अपनी बंदूकों पर एक नज़र डाली।

"तो वह फिर से लौट आई है," उसने गुर्राते हुए कहा।

"अगर वो है भी, तो उसके पास बंदूकें नहीं होंगी!" मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा। "क्या तुम्हारे कोई और दोस्त नहीं हैं?"

“बस एक,” वह गुर्राया। “मुझे इस कोने में बिल्ली की तरह खेलने से तंग आ गया हूँ।” वह डेस्क की ओर बढ़ा और कोल्ट उठा ली। उसने उसे अपनी बगल में दबा लिया और दरवाजे की ओर

चल दिया। उसने अपना बायाँ हाथ दरवाजे के हैंडल पर रखा और उसे घुमाकर दरवाजा एक फुट खोल दिया और बंदूक को अपनी जांघ से सटाकर अंदर झुक गया।

एक आवाज आई: "ब्रोडी?"

ब्रोडी ने कुछ कहा जो मुझे सुनाई नहीं दिया। दो तेज़ आवाज़ें दबी हुई थीं। बंदूक ब्रोडी के शरीर से कसकर चिपकी हुई थी। वह दरवाज़े पर आगे की ओर झुका और उसके शरीर के भार से दरवाज़ा ज़ोर से बंद हो गया। वह लकड़ी के फर्श पर फिसल गया। उसके पैरों ने कालीन को पीछे धकेल दिया। उसका बायाँ हाथ दरवाज़े के हैंडल से छूट गया और उसकी बांह ज़मीन पर ज़ोर से टकराई। उसका सिर दरवाज़े से सटा हुआ था। वह हिला तक नहीं। कोल्ट बंदूक उसके दाहिने हाथ में थी।

मैं कमरे के उस पार कूदा और उसे इतना लुढ़काया कि दरवाजा खुल गया और मैं अंदर घुस गया। लगभग सामने वाले दरवाजे से एक महिला झाँक रही थी। उसका चेहरा डर से भरा हुआ था और उसने अपने पंजे जैसे हाथ से गलियारे की ओर इशारा किया।

मैं दौड़ते हुए गलियारे से नीचे उतरा और टाइल वाली सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए कदमों की धमक सुनी, मैं भी उस आवाज़ की तरफ नीचे गया। लॉबी के पास, सामने का दरवाज़ा धीरे से बंद हो रहा था और बाहर फुटपाथ पर दौड़ते हुए पैरों की आवाज़ गूंज रही थी। दरवाज़ा बंद होने से पहले ही मैं वहाँ पहुँच गया, उसे फिर से खोलकर बाहर भागा। चमड़े की जैकेट पहने एक लंबा, बिना टोपी वाला व्यक्ति खड़ी कारों के बीच से सड़क के उस पार तिरछे दौड़ रहा था। वह व्यक्ति मुड़ा और उसमें से आग की लपटें निकलीं। मेरे बगल में प्लास्टर की दीवार पर दो भारी हथौड़े लगे। वह व्यक्ति दौड़ता रहा, दो कारों के बीच से निकला और गायब हो गया।

एक आदमी मेरे पास आकर चिल्लाया: "क्या हुआ?"

मैंने कहा, "गोलीबारी चल रही है।"

"हे भगवान!" वह झट से अपार्टमेंट में घुस गया।

मैं तेज़ी से फुटपाथ पर चलकर अपनी कार तक पहुँचा, उसमें बैठा और उसे स्टार्ट किया। मैंने कार को किनारे से निकाला और धीरे-धीरे पहाड़ी से नीचे की ओर चला। सड़क के दूसरी तरफ कोई और कार स्टार्ट नहीं हुई। मुझे लगा जैसे कदमों की आहट सुनाई दी, लेकिन मैं इस बारे में निश्चित नहीं था। मैं डेढ़ ब्लॉक नीचे पहाड़ी से नीचे गया, चौराहे पर मुड़ा और फिर से ऊपर की ओर चलने लगा। फुटपाथ पर मुझे धीमी सी सीटी की आवाज़ सुनाई दी। फिर कदमों की आहट। मैंने कार को दो कारों के बीच पार्क किया और नीचे झुककर कारमेन की छोटी रिवॉल्वर अपनी जेब से निकाली।

कदमों की आवाज तेज होती गई और सीटी की आवाज लगातार गूंजती रही। थोड़ी देर में जैकेट दिखाई दी। मैं दोनों कारों के बीच से बाहर निकला और बोला: "माचिस मिल गई, दोस्त?"

लड़का मेरी ओर घूमा और उसका दाहिना हाथ जैकेट के अंदर चला गया। गोल इलेक्ट्रोलियर की रोशनी में उसकी आँखें नम चमक रही थीं। बादाम के आकार की नम गहरी आँखें, और एक पीला, सुंदर चेहरा जिस पर माथे पर दो नुकीले काले लहराते बाल उगे हुए थे। वाकई बहुत सुंदर लड़का था, गीगर की दुकान वाला लड़का।

वह चुपचाप मेरी ओर देखता हुआ खड़ा था, उसका दाहिना हाथ जैकेट के किनारे पर था, लेकिन अभी तक उसके अंदर नहीं था। मैंने छोटी रिवॉल्वर को अपनी बगल में दबाए रखा।
मैंने कहा, "तुम उस रानी के बारे में बहुत अच्छा सोचते होगे।"
"खुद जाओ," लड़के ने धीरे से कहा, वह खड़ी कारों और फुटपाथ के अंदर की ओर बनी पांच फुट ऊंची दीवार के बीच बिना हिले-डुले खड़ा था।
दूर पहाड़ी से सायरन की तेज़ आवाज़ आती सुनाई दी। लड़के का सिर आवाज़ की तरफ़ घूम गया। मैं पास गया और अपनी बंदूक उसकी जैकेट में डाल दी।
मैंने उससे पूछा, "मैं या पुलिस?"
उसका सिर थोड़ा एक तरफ लुढ़क गया, मानो मैंने उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा हो। "तुम कौन हो?" उसने गुर्राते हुए कहा।
"गीगर का दोस्त।"
"मुझसे दूर हो जाओ, कमीने।"
"ये तो छोटी सी बंदूक है, बच्चे। मैं इसे तुम्हारी नाभि में मारूंगा और तुम्हें चलने-फिरने लायक होने में तीन महीने लगेंगे। लेकिन तुम ठीक हो जाओगे। फिर तुम चलकर क्वेंटिन में बने उस नए गैस चैंबर तक जा पाओगे।"
उसने कहा: "जाओ----खुद।" उसका हाथ जैकेट के अंदर चला गया। मैंने उसके पेट पर और ज़ोर से दबाया। उसने एक लंबी, कोमल आह भरी, अपना हाथ जैकेट से बाहर निकाला और उसे बगल में ढीला छोड़ दिया। उसके चौड़े कंधे लटक गए। "क्या चाहते हो?" उसने फुसफुसाते हुए पूछा।
मैंने जैकेट के अंदर हाथ डालकर ऑटोमैटिक बंदूक निकाल ली। "मेरी कार में बैठो, बच्चे।"
वह मेरे पास से गुजरा और मैंने पीछे से उसे धक्का दिया। वह कार में बैठ गया।
"गाड़ी के पहिए के नीचे बैठो, बच्चे। तुम गाड़ी चलाओ।"
वह स्टीयरिंग व्हील के नीचे खिसक गया और मैं उसके बगल में कार में बैठ गई। मैंने कहा: "पुलिस वाली गाड़ी को पहाड़ी पर चढ़ने दो। उन्हें लगेगा कि सायरन की आवाज़ सुनकर हम साइड में हट गए। फिर गाड़ी को ढलान पर मोड़ दो और हम घर चल देंगे।"
मैंने कारमेन की बंदूक एक तरफ रख दी और ऑटोमैटिक बंदूक को लड़के की पसलियों से टिका दिया। मैंने खिड़की से पीछे मुड़कर देखा। सायरन की आवाज़ अब बहुत तेज़ हो गई थी। सड़क के बीचोंबीच दो लाल बत्तियाँ उभर आईं। वे बड़ी होती गईं और एक में मिल गईं और कार शोरगुल मचाते हुए तेज़ी से निकल गई।
मैंने कहा, "चलो चलते हैं।"
लड़के ने गाड़ी को घुमाया और पहाड़ी से नीचे की ओर चलने लगा।
मैंने कहा, "चलो घर चलते हैं। लेवर्न टेरेस।"
उसके चिकने होंठ फड़क उठे। उसने कार को फ्रैंकलिन की ओर पश्चिम दिशा में मोड़ दिया। "तुम तो सीधे-सादे लड़के हो। तुम्हारा नाम क्या है?"
"कैरोल लुंडग्रेन," उसने बेजान स्वर में कहा।

"तुमने गलत आदमी को गोली मार दी, कैरल। जो ब्रोडी ने तुम्हारी रानी को नहीं मारा।"
उसने मुझसे तीन शब्द कहे और गाड़ी चलाता रहा।

17

लैवर्न टेरेस पर यूकेलिप्टस के ऊंचे पेड़ों की शाखाओं के बीच धुंध के घेरे से आधा चांद चमक रहा था। पहाड़ी के नीचे एक घर से रेडियो की तेज़ आवाज़ आ रही थी। लड़के ने कार को गीगर के घर के सामने लगी बाड़ के पास मोड़ा, इंजन बंद किया और दोनों हाथ स्टीयरिंग व्हील पर रखकर सीधे सामने देखने लगा। गीगर की बाड़ से कोई रोशनी नहीं आ रही थी।
मैंने कहा: "बेटा, घर पर कोई है क्या?"
"तुम्हें जानना चाहिए।"
"मुझे कैसे पता होगा।"
"अपने आप जाएं।"
"इसी तरह लोग नकली दांत लगवाते हैं।"
उसने मुझे अपनी उंगली दिखाते हुए हल्की सी मुस्कान दी। फिर उसने लात मारकर दरवाजा खोला और बाहर निकल गया। मैं भी उसके पीछे-पीछे निकल गया। वह कमर पर मुट्ठियाँ रखे खड़ा था और झाड़ियों के ऊपर बने घर को चुपचाप देख रहा था।
"ठीक है," मैंने कहा। "तुम्हारे पास चाबी है। चलो अंदर चलते हैं।"
"किसने कहा कि मेरे पास चाबी है?"
"मुझे बेवकूफ मत बनाओ, बेटे। उस समलैंगिक ने तुझे एक कमरा दिया है। तेरे पास वहाँ एक बढ़िया, साफ-सुथरा, मर्दाना कमरा है। जब उसके घर में महिला मेहमान आती थीं, तो वह तुझे बाहर निकाल देता था और कमरा बंद कर देता था। वह सीज़र की तरह था, औरतों का पति और मर्दों की पत्नी। क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारे और उसके जैसे लोगों को समझ नहीं सकता?"
मैंने उसकी स्वचालित बंदूक लगभग उसी की ओर ताने रखी थी, लेकिन फिर भी उसने मुझ पर वार किया। वह सीधे मेरी ठोड़ी पर लगा। मैं गिरने से बचने के लिए तेज़ी से पीछे हट गया, लेकिन मुझे काफी चोट लगी। यह एक ज़ोरदार वार था, लेकिन एक डरपोक इंसान में हिम्मत नहीं होती, चाहे वह कैसा भी दिखता हो।
मैंने बंदूक बच्चे के पैरों के पास फेंक दी और कहा: "शायद तुम्हें इसकी जरूरत है।"
वह पलक झपकते ही बंदूक लेने के लिए झुक गया। उसकी हरकतों में जरा भी सुस्ती नहीं थी। मैंने उसकी गर्दन पर मुक्का मारा। वह एक तरफ लुढ़क गया, बंदूक पकड़ने की कोशिश करता रहा लेकिन उस तक नहीं पहुँच पाया। मैंने बंदूक फिर से उठाई और कार में फेंक दी। लड़का चारों हाथों-पैरों के बल खड़ा हुआ, आँखें चौड़ी करके घूर रहा था। उसने खाँसा और सिर हिलाया।
मैंने उससे कहा, "तुम लड़ना नहीं चाहते। तुम बहुत ज्यादा वजन दे रहे हो।"
वह लड़ना चाहता था। वह मुझ पर गुलेल से छोड़े गए विमान की तरह झपटा, गोता लगाकर मेरे घुटनों को पकड़ने की कोशिश की। मैं एक तरफ हट गया और उसकी गर्दन पकड़कर उसे ज़ोर से धक्का दिया। वह ज़मीन पर बुरी तरह घिसटा और अपने पैरों पर इतना काबू पाया कि मुझे वहीं मार सके जहाँ मुझे सबसे ज़्यादा दर्द होता था। मैंने उसे घुमाया और थोड़ा ऊपर उठा लिया। मैंने

अपने दाहिने हाथ की कलाई को अपने बाएं हाथ से पकड़ा और अपनी दाहिनी कूल्हे की हड्डी को उसकी ओर मोड़ दिया, एक पल के लिए ऐसा लगा जैसे दो वज़न आपस में टकरा रहे हों। धुंधली चाँदनी में हम दोनों वहीं लटके रह गए, दो अजीबोगरीब जीव जिनके पैर सड़क पर घिसट रहे थे और जिनकी साँसें मुश्किल से फूल रही थीं।

अब मेरी दाहिनी बांह उसकी श्वास नली पर थी और दोनों बांहों की पूरी ताकत उसमें लगी हुई थी। उसके पैर बेतहाशा चलने लगे और उसकी सांसें रुक गईं। वह लोहे की तरह जकड़ा हुआ था। उसका बायां पैर एक तरफ फैल गया और घुटना ढीला पड़ गया। मैंने आधे मिनट तक उसे थामे रखा। वह मेरी बांह पर लटक गया, एक भारी वजन जिसे मैं मुश्किल से संभाल पा रहा था। फिर मैंने उसे छोड़ दिया। वह मेरे पैरों के पास गिर पड़ा, बेसुध। मैं कार के पास गया और ग्लव कंपार्टमेंट से हथकड़ी निकाली और उसकी कलाई पीछे की ओर मोड़कर हथकड़ी लगा दी। मैंने उसे बगल से उठाया और किसी तरह उसे झाड़ी के पीछे घसीटकर ले गया, ताकि सड़क से कोई उसे देख न सके। मैं वापस कार के पास गया और उसे पहाड़ी पर सौ फीट ऊपर ले जाकर लॉक कर दिया।

जब मैं वापस लौटी तो वह अभी भी बाहर ही था। मैंने दरवाजा खोला, उसे घसीटकर घर के अंदर ले आई और दरवाजा बंद कर दिया। अब वह हांफने लगा था। मैंने एक लैंप जलाया। उसकी आंखें धीरे-धीरे खुलीं और मेरी तरफ देखने लगीं।

मैं झुक गया, उसके घुटनों से बचते हुए, और बोला: "चुप रहो वरना तुम्हें वही और उससे भी ज़्यादा भुगतना पड़ेगा। बस चुपचाप लेटे रहो और अपनी साँस रोक लो। तब तक रोके रखो जब तक तुम रोक न सको, और फिर खुद से कहो कि तुम्हें साँस लेनी ही है, तुम्हारा चेहरा काला पड़ गया है, तुम्हारी आँखें बाहर निकल रही हैं, और तुम अभी साँस लेने वाले हो, लेकिन तुम सैन क्वेंटिन में उस साफ़-सुथरे छोटे से गैस चैंबर में कुर्सी पर बंधे बैठे हो और जब तुम साँस लोगे तो अपनी पूरी आत्मा से उसे रोकने की कोशिश करोगे, तुम्हें हवा नहीं मिलेगी, साइनाइड की गैस मिलेगी। और हमारे राज्य में अब इसे ही मानवीय मृत्युदंड कहते हैं।"

"खुद ही जाइए," उसने एक दयनीय आह भरते हुए कहा।

"भाई, तुम अपना जुर्म कबूल कर लोगे, ऐसा कभी मत सोचना कि तुम ऐसा नहीं करोगे। और तुम वही कहोगे जो हम तुमसे सुनना चाहते हैं, कुछ भी ऐसा नहीं कहोगे जो हम नहीं सुनना चाहते।"

"अपने आप जाएं।"

"अगर तुमने दोबारा ऐसा कहा तो मैं तुम्हारे सिर के नीचे तकिया रख दूंगा।"

उसके होंठ फड़फड़ाए। मैंने उसे फर्श पर पड़ा छोड़ दिया, उसकी कलाइयाँ पीछे की ओर हथकड़ी से बंधी थीं, उसका गाल कालीन पर दबा हुआ था और उसकी दिखाई देने वाली आँख में एक अजीब सी चमक थी। मैंने एक और लैंप जलाया और बैठक के पीछे वाले गलियारे में चला गया। गीगर के शयनकक्ष को छुआ तक नहीं गया था। मैंने उसके सामने वाले शयनकक्ष का दरवाजा खोला, जो अब बंद नहीं था। कमरे में हल्की टिमटिमाती रोशनी थी और चंदन की खुशबू आ रही थी। दराज पर रखी एक छोटी पीतल की ट्रे पर अगरबत्ती की राख के दो शंकु अगल-बगल रखे

थे। रोशनी दो लंबी काली मोमबत्तियों से आ रही थी जो एक फुट ऊँचे मोमबत्ती स्टैंड में रखी थीं। वे सीधी पीठ वाली कुर्सियों पर रखी थीं, एक बिस्तर के दोनों ओर।

गीगर बिस्तर पर लेटा हुआ था। चीनी टेपेस्ट्री की दो गायब पट्टियाँ उसके शरीर के मध्य में सेंट एंड्रयू का क्रॉस बना रही थीं, जिससे उसके खून से सना हुआ चीनी कोट का अगला हिस्सा छिपा हुआ था। क्रॉस के नीचे उसके काले पजामे में लिपटे पैर अकड़े और सीधे थे। उसके पैरों में मोटे सफेद फेल्ट के तलवों वाली चप्पलें थीं। क्रॉस के ऊपर उसकी कलाइयाँ आपस में जुड़ी हुई थीं और हाथ कंधों पर सपाट रखे थे, हथेलियाँ नीचे की ओर, उंगलियाँ पास-पास और समान रूप से फैली हुई थीं। उसका मुँह बंद था और उसकी चार्ली चैन जैसी मूंछें किसी नकली विग की तरह लग रही थीं। उसकी चौड़ी नाक पिचकी हुई और सफेद थी। उसकी आँखें लगभग बंद थीं, लेकिन पूरी तरह नहीं। उसकी कांच की आँख की हल्की सी चमक रोशनी में चमक रही थी और मेरी ओर पलक झपका रही थी।

मैंने उसे छुआ तक नहीं। मैं उसके बहुत पास भी नहीं गया। वह बर्फ की तरह ठंडा और तख्ते की तरह अकड़ा हुआ होगा।

खुले दरवाजे से आती ठंडी हवा से काली मोमबत्तियाँ सुलग रही थीं। मोम की बूँदें उनके किनारों से नीचे टपक रही थीं। कमरे की हवा जहरीली और अवास्तविक थी। मैं बाहर गया और दरवाजा बंद करके वापस बैठक में आ गया। लड़का हिला तक नहीं था। मैं वहीं खड़ा रहा, सायरन की आवाज़ सुनने के लिए। सब कुछ इस बात पर निर्भर था कि एग्नेस कितनी जल्दी और क्या बोलेगी। अगर उसने गाइगर के बारे में बताया, तो पुलिस किसी भी पल वहाँ पहुँच जाएगी। लेकिन हो सकता है वह घंटों तक चुप रहे। हो सकता है वह बच भी गई हो।

मैंने लड़के की ओर देखा। "बेटा, बैठना चाहते हो?"

उसने आंखें बंद कर लीं और सोने का नाटक किया। मैं डेस्क के पास गई और शहतूत के रंग का फोन उठाकर बर्नी ओहल्स के दफ्तर में डायल किया। वह शाम छह बजे घर के लिए निकल चुके थे। मैंने उनके घर का नंबर डायल किया। वह वहीं थे।

मैंने कहा, "मैं मार्लो हूँ। क्या आज सुबह तुम्हारे लड़कों को ओवेन टेलर के पास से रिवॉल्वर मिली?"

मैंने उसे गला साफ करते सुना और फिर मैंने उसे अपनी आवाज में हैरानी छिपाने की कोशिश करते सुना। "यह पुलिस का मामला है," उसने कहा।

"अगर उन्होंने ऐसा किया भी, तो उसमें तीन खाली गोले थे।"

"तुम्हें यह कैसे पता चला?" ओहल्स ने धीमी आवाज़ में पूछा।

"लॉरेल कैन्यन बुलेवार्ड के पास, 7244 लेवर्न टेरेस पर आ जाओ। मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि घोंघे कहाँ गए।"

"बस यूं ही, है ना?"

"ऐसे ही।"

ओहल्स ने कहा: "खिड़की से बाहर देखो और तुम मुझे कोने से आते हुए देखोगे। मुझे लगा कि तुमने उस समय कुछ ज्यादा ही सतर्क रवैया अपनाया था।"

मैंने कहा, "इसे चालाक कहना तो उचित नहीं होगा।"

18

ओहल्स लड़के को नीचे देखते हुए खड़ा था। लड़का सोफे पर दीवार से टेक लगाकर बैठा था। ओहल्स चुपचाप उसे देखता रहा, उसकी पीली भौहें नुकीली और सख्त थीं, ठीक वैसे ही जैसे फुलर ब्रश वाला आदमी मुफ्त में देता है।

उसने लड़के से पूछा: "क्या तुम ब्रॉडी को गोली मारने की बात स्वीकार करते हो?"

लड़के ने दबी हुई आवाज में अपने पसंदीदा तीन शब्द कहे।

ओहल्स ने आह भरी और मेरी तरफ देखा। मैंने कहा, "उसे यह स्वीकार करने की ज़रूरत नहीं है। मेरे पास उसकी बंदूक है।"

ओहल्स ने कहा: "काश, मुझे हर बार ऐसा कहे जाने पर एक डॉलर मिलता। इसमें मज़ाक की क्या बात है?"

मैंने कहा, "इसका मकसद मज़ाक करना नहीं है।"

"वाह, ये तो कमाल है," ओहल्स ने कहा। वह मुँह फेरकर बोला, "मैंने वाइल्ड को फोन किया है। हम उससे मिलने जाएंगे और इस बदमाश को पकड़ लेंगे। वो मेरे साथ चल सकता है और तुम पीछे-पीछे आ सकते हो, अगर वो मुझे मुक्का मारने की कोशिश करे तो।"

"बेडरूम में जो कुछ है, वह आपको कैसा लग रहा है?"

"मुझे यह ठीक लगा," ओहल्स ने कहा। "मुझे खुशी है कि टेलर नाम का लड़का घाट से गिर गया। मुझे उसे उस बदबूदार जानवर को छूने के लिए मौत की सजा दिलाने में मदद करनी पड़ती तो मुझे बहुत बुरा लगता।"

मैं छोटे से बेडरूम में वापस गया और काली मोमबत्तियों को बुझाकर उन्हें धुंआ छोड़ने दिया। जब मैं लिविंग रूम में लौटा तो ओहल्स ने लड़के को खड़ा कर दिया था। लड़का ठंडी मटन की चर्बी की तरह सख्त और सफेद चेहरे पर तीखी काली आँखों से उसे घूर रहा था।

"चलो चलते हैं," ओहल्स ने कहा और उसका हाथ पकड़ लिया, मानो उसे छूना पसंद न हो। मैंने बत्तियाँ बुझाईं और उनके पीछे-पीछे घर से बाहर निकल गया। हम अपनी कारों में बैठ गए और ओहल्स की कार की दो टेल-लाइट्स का पीछा करते हुए लंबी घुमावदार पहाड़ी से नीचे उतर गया। मुझे उम्मीद थी कि लावेर्न टेरेस की यह मेरी आखिरी यात्रा होगी।

जिला अटॉर्नी टैगार्ट वाइल्ड, फोर्थ और लाफायेट पार्क के कोने पर एक बड़े सफेद लकड़ी के फ्रेम वाले घर में रहते थे, जिसके एक तरफ लाल बलुआ पत्थर का बरामदा बना था और सामने दो एकड़ में फैला मुलायम, ढलानदार लॉन था। यह उन पुराने जमाने के मजबूत घरों में से एक था जिन्हें शहर के पश्चिम की ओर विस्तार के साथ-साथ नए स्थानों पर ले जाया जाता था। वाइल्ड एक पुराने लॉस एंजिल्स परिवार से थे और संभवतः उनका जन्म इसी घर में हुआ था जब यह वेस्ट एडम्स, फिगुएरो या सेंट जेम्स पार्क में स्थित था।

ड्राइववे में पहले से ही दो कारें खड़ी थीं, एक बड़ी निजी सेडान और एक पुलिस कार, जिसमें वर्दीधारी ड्राइवर बैठा था जो पीछे के फेंडर से टेक लगाकर सिगरेट पी रहा था और चांद को निहार रहा था। ओहल्स उसके पास गया और उससे बात की, और ड्राइवर ने ओहल्स की कार में बैठे

लड़के की ओर देखा।
हम घर तक गए और घंटी बजाई। चिकने बालों वाले एक गोरे आदमी ने दरवाजा खोला और हमें गलियारे से होते हुए एक विशाल, धंसे हुए बैठक कक्ष से ले गया, जो भारी-भरकम गहरे रंग के फर्नीचर से भरा हुआ था, और फिर उसके दूसरी तरफ एक और गलियारे में ले गया। उसने एक दरवाजे पर दस्तक दी और अंदर चला गया, फिर दरवाजा चौड़ा करके हमें एक लकड़ी के पैनल वाली अध्ययनशाला में ले गया, जिसके अंत में एक खुला फ्रेंच दरवाजा था और सामने एक अंधेरा बगीचा और रहस्यमयी पेड़ दिखाई दे रहे थे। खिड़की से गीली मिट्टी और फूलों की खुशबू आ रही थी। दीवारों पर बड़े-बड़े धुंधले तेल चित्र थे, आरामदेह कुर्सियाँ थीं, किताबें थीं, और अच्छी सिगार के धुएँ की खुशबू गीली मिट्टी और फूलों की खुशबू के साथ घुलमिल रही थी।
टैगार्ट वाइल्ड एक डेस्क के पीछे बैठे थे, एक अधेड़ उम्र के मोटे आदमी जिनकी नीली आँखें बिना किसी भाव के ही दोस्ताना भाव लिए हुए थीं। उनके सामने एक कप काली कॉफ़ी रखी थी और उन्होंने अपने बाएँ हाथ की सलीके से संवारी उंगलियों के बीच एक पतली सी सिगार पकड़ी हुई थी। डेस्क के कोने पर एक और आदमी नीली चमड़े की कुर्सी पर बैठा था, ठंडी आँखों वाला, कठोर चेहरे वाला, दुबला-पतला और किसी ऋण कार्यालय के प्रबंधक की तरह सख्त। उनका साफ-सुथरा चेहरा ऐसा लग रहा था मानो एक घंटे पहले ही शेव किया गया हो। उन्होंने एक इस्त्री किया हुआ भूरा सूट पहना था और उनकी टाई में एक काला मोती लगा था। उनकी उंगलियाँ लंबी और चुस्त थीं, जो किसी तेज दिमाग वाले आदमी की निशानी थीं। वे लड़ाई के लिए तैयार लग रहे थे।
ओहल्स ने एक कुर्सी खींची और बैठ गया और बोला: "शुभ संध्या, क्रोनजैगर। मिलिए फिल मार्लो से, एक जासूस जो मुश्किल में फंसा हुआ है।" ओहल्स मुस्कुराया।
क्रोनजैगर ने बिना सिर हिलाए मेरी ओर देखा। उसने मुझे ऐसे देखा जैसे किसी तस्वीर को देख रहा हो। फिर उसने अपनी ठुड्डी को लगभग एक इंच हिलाया। वाइल्ड ने कहा: "बैठ जाओ, मार्लो। मैं कैप्टन क्रोनजैगर को संभालने की कोशिश करूंगा, लेकिन तुम जानते हो कि यहाँ क्या चल रहा है। यह अब एक बड़ा शहर है।"
मैं बैठ गया और सिगरेट जला ली। ओहल्स ने क्रोनजैगर की ओर देखा और पूछा: "रैंडल प्लेस हत्याकांड के बारे में आपको क्या जानकारी मिली?"
उस कठोर चेहरे वाले आदमी ने अपनी एक उंगली को तब तक खींचा जब तक कि जोड़ चटक नहीं गया। उसने बिना ऊपर देखे कहा, "एक लाश, उसके शरीर में दो गोलियां लगीं। दो बंदूकें, जिनसे गोली नहीं चली थी। सड़क पर हमें एक गोरी लड़की मिली जो एक ऐसी कार को स्टार्ट करने की कोशिश कर रही थी जो उसकी नहीं थी। उसकी कार ठीक उसके बगल में खड़ी थी, उसी मॉडल की। वह घबराई हुई लग रही थी, इसलिए पुलिस उसे अंदर ले आई और उसने सब कुछ बता दिया। वह वहीं थी जब ब्रॉडी नाम के उस आदमी ने उसे मारा। उसका दावा है कि उसने हत्यारे को नहीं देखा।"
"बस इतना ही?" ओहल्स ने पूछा।
क्रोनजैगर ने अपनी भौंहें थोड़ी ऊपर उठाईं। "यह घटना अभी करीब एक घंटे पहले ही हुई है।

आप क्या उम्मीद कर रहे थे—हत्या के वीडियो देखने की?"
"शायद हत्यारे का विवरण," ओहल्स ने कहा।
"चमड़े की जैकेट पहने एक लंबा आदमी—अगर आप इसे वर्णन कह सकते हैं तो।"
"वो मेरे गोदाम के बाहर है," ओहल्स ने कहा। "हथकड़ी लगी हुई है। मार्लो ने तुम्हारे लिए उसकी हथकड़ी लगाई है। ये रही उसकी बंदूक।" ओहल्स ने लड़के की स्वचालित बंदूक उसकी जेब से निकाली और वाइल्ड की मेज के एक कोने पर रख दी। क्रोनजैगर ने बंदूक को देखा लेकिन उसे उठाने की कोशिश नहीं की।
वाइल्ड मुस्कुराया। वह पीछे की ओर झुककर अपनी सिगार को पकड़े हुए कश ले रहा था। उसने कॉफी का घूंट लेने के लिए आगे की ओर झुका। उसने अपने पहने हुए डिनर जैकेट की जेब से एक रेशमी रूमाल निकाला, उसे अपने होठों से छुआ और फिर वापस जेब में रख लिया।
"इसमें कुछ और मौतें भी शामिल हैं," ओहल्स ने अपनी ठुड्डी के अंत में नरम मांस को चुटकी से दबाते हुए कहा।
क्रोनजैगर का चेहरा एकदम सख्त हो गया। उसकी चिड़चिड़ी आँखें लोहे की तरह चमक उठीं।
ओहल्स ने कहा: "क्या आपने आज सुबह लिडो घाट के पास प्रशांत महासागर से एक कार को निकाले जाने के बारे में सुना है, जिसमें एक मृत व्यक्ति था?"
क्रोनजैगर ने कहा: "नहीं," और गुस्से भरी नजरों से देखता रहा।
"कार में मृत व्यक्ति एक धनी परिवार का ड्राइवर था," ओहल्स ने कहा। "परिवार को उनकी एक बेटी की वजह से ब्लैकमेल किया जा रहा था। श्री वाइल्ड ने मेरे माध्यम से मार्लो को उस परिवार से मिलवाया था। मार्लो ने इस मामले को काफी गुप्त रखा।"
"मुझे वो जासूस बहुत पसंद हैं जो हत्याओं को गुप्त रखते हैं," क्रोनजैगर गुस्से से बोला। "इतना नखरे दिखाने की कोई ज़रूरत नहीं है।"
"हाँ," ओहल्स ने कहा। "मुझे इतना संकोच करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे शहर के पुलिसवाले के साथ संकोच करने का मौका बहुत कम मिलता है। मैं अपना ज़्यादातर समय उन्हें यह बताने में बिताता हूँ कि वे अपने पैर कहाँ रखें ताकि उनका टखना न टूट जाए।"
क्रोनजैगर की नुकीली नाक के किनारे पीले पड़ गए। शांत कमरे में उसकी सांसों से हल्की फुसफुसाहट की आवाज आई। उसने बहुत धीमी आवाज में कहा: "तुम्हें मेरे किसी भी आदमी को यह बताने की जरूरत नहीं पड़ी कि उन्हें कहाँ पैर रखना है, होशियार आदमी।"
"देखते हैं," ओहल्स ने कहा। "जिस ड्राइवर की मैंने बात की थी, जो लिडो के पास डूब गया, उसने कल रात आपके इलाके में एक आदमी को गोली मार दी। उसका नाम गीगर था, जो हॉलीवुड बुलेवार्ड पर एक दुकान में अवैध किताबों का रैकेट चलाता था। गीगर उस बदमाश के साथ रह रहा था जिसे मैंने अपनी कार में बाहर देखा था। मतलब, उसके साथ रह रहा था, अगर आप समझ रहे हैं तो।"
क्रोनजैगर अब उसे घूर रहा था। उसने कहा, "ऐसा लगता है कि यह एक गंदी कहानी बन सकती है।"
"मेरे अनुभव में तो ज़्यादातर पुलिस कहानियाँ ऐसी ही होती हैं," ओहल्स गुर्राया और मेरी तरफ

मुड़ा, उसकी भौंहें तन गईं। "तुम टीवी पर हो, मार्लो। उसे सबक सिखाओ।"
मैने उसे दिया।
मैंने दो बातें छोड़ दीं, मुझे ठीक से पता नहीं था कि मैंने उनमें से एक क्यों छोड़ दी। मैंने कारमेन के ब्रॉडी के अपार्टमेंट में जाने और दोपहर में एडी मार्स के गीगर के घर जाने का जिक्र नहीं किया। बाकी की कहानी मैंने वैसे ही बताई जैसे घटी थी।
क्रोनजैगर ने अपनी निगाहें मेरे चेहरे से नहीं हटाईं और मेरी बातों के दौरान उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं आया। अंत में, वह एक मिनट तक बिल्कुल चुप रहे। वाइल्ड भी चुप थे, अपनी कॉफी की चुस्की ले रहे थे और अपनी सिगार का हल्का सा कश खींच रहे थे। ओहल्स अपने अंगूठे को घूर रहे थे।
क्रोनजैगर धीरे से अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया और अपने एक टखने को घुटने पर रखकर अपने पतले, घबराए हुए हाथ से टखने की हड्डी को सहलाने लगा। उसके दुबले-पतले चेहरे पर कठोर शिकन थी। उसने जानलेवा विनम्रता से कहा:
"तो तुमने बस इतना किया कि कल रात हुई हत्या की सूचना नहीं दी और फिर आज का दिन इधर-उधर घूमने में बिताया ताकि गीगर का यह बच्चा आज शाम दूसरी हत्या कर सके।"
मैंने कहा, "बस इतना ही। मैं काफी मुश्किल स्थिति में था। मुझे लगता है मैंने गलती की, लेकिन मैं अपने मुवक्किल की रक्षा करना चाहता था और मेरे पास यह सोचने का कोई कारण नहीं था कि लड़का ब्रॉडी पर हमला करेगा।"
"इस तरह की सोच पुलिस का काम है, मार्लो। अगर गाइगर की मौत की खबर कल रात ही छप गई होती, तो किताबें दुकान से ब्रॉडी के अपार्टमेंट तक कभी नहीं पहुंच पातीं। वह लड़का ब्रॉडी तक नहीं पहुंच पाता और उसे मार नहीं पाता। मान लो ब्रॉडी की जिंदगी खत्म होने वाली थी। उसके जैसे लोगों की जिंदगी अक्सर ऐसी ही होती है। लेकिन जिंदगी तो जिंदगी होती है।"
"ठीक है," मैंने कहा। "अगली बार जब आपके पुलिसवाले किसी डरे हुए छोटे-मोटे चोर को चोरी का स्पेयर पार्ट लेकर गली में भागते हुए पकड़ें, तो उन्हें यही बात बताना।"
वाइल्ड ने अपने दोनों हाथ ज़ोर से मेज पर पटके। "बस करो!" उसने गुस्से से कहा। "मार्लो, तुम्हें इतना यकीन कैसे है कि इस टेलर नाम के लड़के ने ही गीगर को गोली मारी है? भले ही गीगर को मारने वाली बंदूक टेलर के शरीर पर या कार में मिली हो, इसका यह मतलब नहीं है कि वही हत्यारा था। हो सकता है बंदूक वहाँ रखी गई हो—जैसे कि ब्रोडी ने, जो असली हत्यारा है।"
मैंने कहा, "शारीरिक रूप से तो यह संभव है, लेकिन नैतिक रूप से असंभव है। इसमें बहुत ज़्यादा संयोग की बात है और बहुत कुछ ऐसा है जो ब्रॉडी और उसकी प्रेमिका के स्वभाव के विपरीत है, और जो वह करने की कोशिश कर रहा था उसके भी विपरीत है। मैंने ब्रॉडी से काफ़ी देर बात की। वह एक बदमाश था, लेकिन हत्यारा नहीं। उसके पास दो बंदूकें थीं, लेकिन उसने उनमें से कोई भी नहीं पहनी थी। वह गीगर के धंधे में घुसपैठ करने का रास्ता खोज रहा था, जिसके बारे में उसे लड़की से सब कुछ पता था। वह कहता है कि वह गीगर पर नज़र रख रहा था कि कहीं उसके कोई बड़े समर्थक तो नहीं हैं। मुझे उस पर विश्वास है। यह मानना कि उसने गीगर को उसकी किताबें पाने के लिए मार डाला, फिर गीगर द्वारा कारमेन स्टर्नवुड की ली गई नग्न तस्वीर लेकर

भाग गया, फिर ओवेन टेलर पर बंदूक रख दी और टेलर को लिडो के पास समुद्र में धकेल दिया, यह बहुत ज़्यादा अनुमान लगाना है। टेलर के पास गीगर को मारने का मकसद, ईर्ष्या और अवसर था। वह परिवार की एक कार में बिना अनुमति के बाहर था। उसने गीगर को लड़की के सामने ही मार डाला।" ब्रॉडी ऐसा कभी नहीं करता, चाहे वो हत्यारा ही क्यों न होता। मुझे नहीं लगता कि कोई भी व्यक्ति, जिसका गीगर में सिर्फ व्यावसायिक हित हो, ऐसा करेगा। लेकिन टेलर ऐसा कर सकता था। नग्न तस्वीरों का धंधा ही वो वजह थी जिसने उसे ऐसा करने पर मजबूर किया।

वाइल्ड हँसा और क्रोनजैगर की ओर घूरने लगा। क्रोनजैगर ने खाँसी भरी आवाज़ के साथ अपना गला साफ़ किया। वाइल्ड ने पूछा, "लाश को छिपाने का ये क्या मतलब है? मुझे तो इसमें कोई ध्येय नहीं दिखता।"

मैंने कहा: "उस लड़के ने हमें बताया नहीं है, लेकिन उसने ही किया होगा। गीगर को गोली लगने के बाद ब्रॉडी घर में नहीं गया होगा। लड़का तब घर आया होगा जब मैं कारमेन को उसके घर छोड़ने गया हुआ था। ज़ाहिर है, वह पुलिस से डरता था, और शायद उसने सोचा होगा कि घर से अपना सामान हटाने तक लाश को छिपा देना ही सही रहेगा। कालीन पर निशान देखकर लगता है कि उसने लाश को सामने के दरवाजे से बाहर घसीटा होगा और शायद उसे गैरेज में रख दिया होगा। फिर उसने वहाँ जो भी सामान था, उसे समेटा और ले गया। और बाद में, रात में किसी समय, और लाश के अकड़ने से पहले, उसे अचानक बहुत बुरा लगा और उसने सोचा कि उसने अपने मरे हुए दोस्त के साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया। इसलिए वह वापस गया और उसे बिस्तर पर लिटा दिया। यह सब तो बस अंदाज़ा है।"

वाइल्ड ने सिर हिलाया। "फिर आज सुबह वह ऐसे दुकान पर गया जैसे कुछ हुआ ही न हो और उसकी आँखें खुली हुई थीं। और जब ब्रॉडी ने किताबें बाहर निकालीं तो उसे पता चल गया कि वे कहाँ जा रही हैं और उसने मान लिया कि जिसने भी उन्हें लिया है उसने गीगर को सिर्फ इसी मकसद से मारा है। हो सकता है कि वह ब्रॉडी और उस लड़की के बारे में उनकी आशंका से भी ज़्यादा जानता हो। ओहल्स, तुम्हारा क्या ख्याल है?"

ओहल्स ने कहा: "हमें पता चल जाएगा—लेकिन इससे क्रोनजैगर की मुश्किलें कम नहीं होंगी। उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि कल रात जो कुछ हुआ, उसके बारे में उन्हें अभी-अभी सूचना मिली है।"

क्रोनजैगर ने चिढ़कर कहा, "मुझे लगता है कि मैं उस पहलू से भी निपटने का कोई न कोई तरीका ढूंढ लूंगा।" उसने मेरी तरफ तीखी नज़र से देखा और तुरंत नज़रें हटा लीं।

वाइल्ड ने अपनी सिगार लहराते हुए कहा: "चलिए, मार्लो, प्रदर्शनी देखते हैं।" मैंने अपनी जेबें खाली कीं और सारा सामान उसकी मेज पर रख दिया: तीन नोट और जनरल स्टर्नवुड के लिए गाइगर का कार्ड, कारमेन की तस्वीरें, और नामों और पतों की कोड सूची वाली नीली नोटबुक। मैंने गाइगर की चाबियां पहले ही ओहल्स को दे दी थीं।

वाइल्ड ने सिगार का हल्का सा कश लेते हुए मेरे दिए हुए सामान को देखा। ओहल्स ने अपने खिलौने वाले सिगार में से एक को जलाया और शांति से छत की ओर धुआं उड़ाया। क्रोनजैगर मेज पर झुककर वाइल्ड को दिए गए मेरे सामान को देखने लगा।

वाइल्ड ने कारमेन द्वारा हस्ताक्षरित तीनों नोटों को थपथपाते हुए कहा: "मुझे लगता है ये महज़ एक झांसा था। अगर जनरल स्टर्नवुड ने इन्हें चुकाया होता, तो किसी और बुरी बात के डर से ही चुकाया होता। तब गाइगर ने शिकंजा और कस दिया होता। क्या आप जानते हैं कि उसे किस बात का डर था?" वह मेरी ओर देख रहा था।

मैंने अपना सिर हिलाया।

"क्या आपने अपनी कहानी सभी प्रासंगिक विवरणों सहित पूरी तरह से बता दी है?"

"मैंने कुछ निजी मामलों को छोड़ दिया है। मेरा इरादा आगे भी उन्हें छोड़ने का है, श्रीमान वाइल्ड।"

क्रोनजैगर ने कहा: "हा!" और गहरी भावना के साथ नाक से आवाज़ निकाली।

"क्यों?" वाइल्ड ने धीमी आवाज़ में पूछा।

"क्योंकि मेरे मुवक्किल को ग्रैंड जूरी के अलावा किसी भी अन्य विकल्प के बिना वह सुरक्षा पाने का अधिकार है। मेरे पास निजी जासूस के रूप में काम करने का लाइसेंस है। मुझे लगता है कि 'निजी' शब्द का कुछ अर्थ तो है ही। हॉलीवुड डिवीजन के पास दो हत्याओं के मामले हैं, दोनों सुलझा लिए गए हैं। उनके पास दोनों हत्यारे हैं। उनके पास हर मामले में मकसद और हथियार दोनों मौजूद हैं। जहां तक संबंधित पक्षों के नामों का सवाल है, ब्लैकमेल के पहलू को दबाना होगा।"

"क्यों?" वाइल्ड ने फिर पूछा।

"कोई बात नहीं," क्रोनजैगर ने रूखेपन से कहा। "हमें उनके जैसे प्रतिष्ठित जासूस के लिए कठपुतली बनकर खुशी होगी।"

मैंने कहा: "मैं तुम्हें दिखाता हूँ।" मैं उठा और घर से बाहर अपनी कार की ओर गया और उसमें से गीगर की दुकान से लाई हुई किताब निकाली। वर्दीधारी पुलिस चालक ओहल्स की कार के बगल में खड़ा था। लड़का कार के अंदर कोने में एक तरफ पीछे की ओर झुका हुआ था।

मैंने पूछा, "क्या उसने कुछ कहा है?"

"उसने एक सुझाव दिया था," पुलिसवाले ने कहा और थूक दिया। "मैं इसे नज़रअंदाज़ कर रहा हूँ।"

मैं वापस घर में गया, किताब को वाइल्ड की मेज पर रखा और जिल्द खोली। क्रोनजैगर मेज के कोने पर रखे टेलीफोन का इस्तेमाल कर रहा था। मेरे आते ही उसने फोन रखा और बैठ गया।

वाइल्ड ने भावहीन चेहरे के साथ किताब के पन्ने पलटे, उसे बंद किया और क्रोनजैगर की ओर बढ़ा दिया। क्रोनजैगर ने उसे खोला, एक-दो पन्ने देखे और झट से बंद कर दिया। उसकी गाल की हड्डियों पर आधे डॉलर के आकार के कुछ लाल धब्बे दिखाई दिए।

मैंने कहा: "पृष्ठ के पहले पृष्ठ पर छपी तारीखों को देखो।"

क्रोनजैगर ने किताब दोबारा खोली और उनकी तरफ देखा। "तो?"

मैंने कहा, "अगर ज़रूरी हुआ तो मैं शपथ लेकर गवाही दूंगा कि वह किताब गीगर की दुकान से आई थी। गोरी एग्नेस मान लेगी कि वह दुकान किस तरह का धंधा करती थी। जिसकी भी आंखें हैं, उसे साफ दिख रहा है कि वह दुकान किसी और चीज़ के लिए सिर्फ एक दिखावा है। लेकिन

हॉलीवुड पुलिस ने अपने निजी कारणों से उसे चलने दिया। मुझे पूरा यकीन है कि ग्रैंड जूरी उन कारणों को जानना चाहेगी।"

वाइल्ड मुस्कुराया। उसने कहा: "ग्रैंड जूरी कभी-कभी ऐसे शर्मनाक सवाल पूछती हैं - शहरों को जिस तरह से चलाया जाता है, उसके पीछे के कारणों का पता लगाने के व्यर्थ प्रयास में।"

क्रोनजैगर अचानक खड़ा हो गया और अपनी टोपी पहन ली। "यहाँ मैं अकेला हूँ और तीन लोग हैं," उसने तीखे स्वर में कहा। "मैं हत्या के मामलों का विशेषज्ञ हूँ। अगर यह गीगर अश्लील साहित्य बेच रहा होता, तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन मैं यह मानने को तैयार हूँ कि अखबारों में इस मामले को दबाने से मेरे विभाग को कोई फायदा नहीं होगा। तुम लोग क्या चाहते हो?"

वाइल्ड ने ओहल्स की ओर देखा। ओहल्स ने शांत भाव से कहा, "मैं एक कैदी को आपके हवाले करना चाहता हूँ। चलिए चलते हैं।"

वह खड़ा हो गया। क्रोनजैगर ने उसे गुस्से से देखा और कमरे से बाहर निकल गया। ओहल्स उसके पीछे गया। दरवाजा फिर बंद हो गया। वाइल्ड ने अपनी मेज पर थपथपाया और अपनी नीली आँखों से मुझे घूरने लगा।

"तुम्हें समझना चाहिए कि इस तरह के लीपापोती के बारे में किसी भी पुलिसवाले को कैसा लगेगा," उसने कहा। "तुम्हें इन सब बातों के बयान देने होंगे—कम से कम फाइलों के लिए। मुझे लगता है कि दोनों हत्याओं को अलग-अलग रखना और जनरल स्टर्नवुड का नाम दोनों से दूर रखना संभव हो सकता है। क्या तुम जानते हो कि मैं तुम्हारा कान क्यों नहीं नोच रहा हूँ?"

"नहीं। मुझे तो दोनों कान नोच लिए जाने की उम्मीद थी।"

"इसके बदले में आपको क्या मिलेगा?"

"पच्चीस डॉलर प्रतिदिन और खर्चे।"

"इससे अब तक पचास डॉलर और थोड़ा सा पेट्रोल खर्च हो जाएगा।"

"उसके बारे में।"

उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया और अपनी बाईं छोटी उंगली के पिछले हिस्से को अपनी ठोड़ी के निचले किनारे पर रगड़ा।

"और इतनी रकम के लिए आप इस काउंटी के आधे कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ उलझने को तैयार हैं?"

मैंने कहा, "मुझे ये पसंद नहीं है। लेकिन मैं क्या करूँ? मैं एक केस पर काम कर रहा हूँ। मुझे गुज़ारा करने के लिए जो कुछ भी करना पड़ता है, मैं वही कर रहा हूँ। भगवान ने मुझे जो थोड़ी-बहुत हिम्मत और अक्ल दी है, और अपने मुवक्किल की रक्षा के लिए धक्के खाने की जो हिम्मत है, उसी पर मैं टिका हूँ। जनरल से सलाह लिए बिना आज रात मैंने जो कुछ भी कहा है, वो मेरे सिद्धांतों के खिलाफ है। जहाँ तक लीपापोती की बात है, जैसा कि आप जानते हैं, मैं खुद पुलिस में रह चुका हूँ। किसी भी बड़े शहर में ऐसे लोग बहुत मिल जाते हैं। जब कोई बाहरी व्यक्ति कुछ छिपाने की कोशिश करता है, तो पुलिसवाले बहुत अकड़ दिखाते हैं और ज़बरदस्ती करते हैं, लेकिन वे खुद भी रोज़ाना ऐसा ही करते हैं, अपने दोस्तों या किसी भी रसूखदार को खुश करने

के लिए। और मेरा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। मैं अभी भी इस केस पर काम कर रहा हूँ। अगर ज़रूरत पड़ी तो मैं फिर से वही करूँगा।"

"बशर्ते क्रोनजैगर को आपका लाइसेंस न मिल जाए," वाइल्ड मुस्कुराया। "आपने कहा था कि आपने कुछ निजी मामलों को छुपाया था। उनका क्या महत्व है?"

मैंने कहा, "मैं अब भी इस मामले पर काम कर रहा हूं," और सीधे उसकी आंखों में देखा।

वाइल्ड ने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया। उनके चेहरे पर एक आयरिश व्यक्ति की बेबाक और साहसी मुस्कान थी। "बेटा, मैं तुम्हें एक बात बताता हूँ। मेरे पिता पुराने स्टर्नवुड के घनिष्ठ मित्र थे। मैंने अपने सारे सरकारी परमिट—और शायद इससे भी कहीं ज़्यादा—उस बूढ़े आदमी को दुख से बचाने के लिए किए हैं। लेकिन अंततः यह संभव नहीं है। उसकी वो लड़कियाँ किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध बना लेंगी जिसे दबाया नहीं जा सकता, खासकर वो छोटी गोरी लड़की। उन्हें खुलेआम घूमना नहीं चाहिए। इसके लिए मैं उस बूढ़े आदमी को दोषी मानता हूँ। मुझे लगता है कि उसे आज की दुनिया का एहसास नहीं है। और एक और बात है जो मैं तुमसे बिना गुर्राए, आमने-सामने की बातचीत में बताना चाहूँगा। मैं शर्त लगाता हूँ कि जनरल को डर है कि उसका दामाद, जो पहले शराब तस्कर था, कहीं न कहीं इसमें शामिल है, और वह वास्तव में चाहता है कि तुम्हें पता चले कि वह इसमें शामिल नहीं है। इस बारे में तुम्हारा क्या विचार है?"

"रीगन के बारे में मैंने जो सुना, उससे वह ब्लैकमेलर जैसा नहीं लगा। उसके दिल में एक नरम कोना था और उसने उसे छोड़ दिया।"

वाइल्ड ने नाक सिकोड़ी। "उस जगह की कोमलता का अंदाजा न तो तुम लगा सकते हो और न ही मैं। अगर वह किसी खास तरह का आदमी होता, तो वह जगह इतनी कोमल नहीं होती। क्या जनरल ने तुम्हें बताया कि वह रीगन को ढूंढ रहा था?"

"उसने मुझसे कहा कि काश उसे पता होता कि वह कहाँ है और वह ठीक है। वह रीगन को पसंद करता था और इस बात से दुखी था कि वह बूढ़े आदमी को अलविदा कहे बिना ही चला गया।"

वाइल्ड पीछे झुक गए और भौंहें चढ़ा लीं। "मैं समझ गया," उन्होंने बदले हुए स्वर में कहा। उन्होंने अपने डेस्क पर रखी चीज़ों को इधर-उधर किया, गीगर की नीली नोटबुक एक तरफ रख दी और बाकी प्रदर्शन सामग्री मेरी ओर बढ़ा दी। "आप इन्हें ले जा सकते हैं," उन्होंने कहा। "मुझे अब इनकी कोई ज़रूरत नहीं है।"

19

लगभग ग्यारह बज रहे थे जब मैंने अपनी कार खड़ी की और होबार्ट आर्म्स के सामने की तरफ चला गया। कांच का दरवाज़ा दस बजे ताला लगा दिया गया था, इसलिए मुझे अपनी चाबियाँ निकालनी पड़ीं। अंदर, चौकोर, सुनसान लॉबी में, एक आदमी ने गमले में लगे ताड़ के पेड़ के पास एक हरा शाम का अखबार रखा और सिगरेट का टुकड़ा उस टब में फेंक दिया जिसमें ताड़ का पेड़ लगा था। वह खड़ा हुआ और मेरी तरफ टोपी हिलाते हुए बोला: "बॉस आपसे बात करना चाहते हैं। यार, तुम अपने दोस्तों को खूब इंतज़ार करवाते हो।"

मैं वहीं खड़ा रहा और उसकी चपटी नाक और क्लब स्टेक जैसे कान को देखता रहा।

"किस बारे में?"

"तुम्हें क्या फर्क पड़ता है? बस अपना काम ईमानदारी से करो, सब ठीक हो जाएगा।" उसका हाथ उसके खुले हुए कोट के ऊपरी बटनहोल के पास मंडरा रहा था।
मैंने कहा, "मुझसे पुलिसवालों की गंध आ रही है। मैं बात करने के लिए बहुत थका हुआ हूँ, खाने के लिए बहुत थका हुआ हूँ, सोचने के लिए बहुत थका हुआ हूँ। लेकिन अगर तुम्हें लगता है कि मैं एडी मार्स से आदेश लेने के लिए बहुत थका हुआ नहीं हूँ, तो अपनी बंदूक निकालो, नहीं तो मैं तुम्हारा कान उड़ा दूँगा।"
"पागलपन। तुम्हारे पास कोई बंदूक नहीं है।" उसने मुझे घूरकर देखा। उसकी घनी, काली भौहें सिकुड़ गईं और उसके होंठ नीचे की ओर मुड़ गए।
मैंने उससे कहा, "वो तो तब की बात थी। मैं हमेशा नग्न नहीं रहती।"
उसने अपना बायां हाथ हिलाया। "ठीक है। तुम जीत गए। मुझे किसी को गोली मारने का आदेश नहीं दिया गया था। तुम्हें उससे जवाब मिलेगा।"
“देर हो जाए तो भी जल्दी हो जाएगी,” मैंने कहा और धीरे से मुड़कर देखा जब वह दरवाजे की ओर बढ़ा। उसने दरवाजा खोला और पीछे मुड़े बिना बाहर चला गया। मैं अपनी मूर्खता पर मुस्कुराया, लिफ्ट की ओर बढ़ा और ऊपर अपार्टमेंट में चला गया। मैंने कारमेन की छोटी बंदूक अपनी जेब से निकाली और उस पर हँसा। फिर मैंने उसे अच्छी तरह साफ किया, तेल लगाया, कैंटन फलालैन के एक टुकड़े में लपेटा और ताला लगा दिया। मैंने अपने लिए एक पेय बनाया और पी ही रहा था कि फोन बज उठा। मैं उस मेज के पास बैठ गया जिस पर फोन रखा था।
"तो आज रात तुम काफी सख्त हो," एडी मार्स की आवाज सुनाई दी।
"बड़ा, तेज़, मज़बूत और कांटों से भरा हुआ। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?"
"वहाँ पुलिस वाले हैं—तुम्हें पता है कहाँ। मुझे इससे दूर रखो?"
"मैं क्यों?"
"मेरे साथ अच्छा व्यवहार करना अच्छा लगता है, सैनिक। मेरे साथ बुरा व्यवहार करना अच्छा नहीं लगता।"
"ध्यान से सुनो, तुम्हें मेरे दांत किटकिटाने की आवाज सुनाई देगी।"
वह बेजान हंसी हंसा। "क्या तुमने किया—या नहीं?"
"मैंने किया। मुझे खुद नहीं पता क्यों। शायद तुम्हारे बिना भी यह काफी जटिल था।"
"धन्यवाद, सिपाही। उसे गोली किसने मारी?"
"शायद कल अखबार में पढ़ लूँ।"
मुझे अभी जानना है।
क्या आपको वो सब कुछ मिल जाता है जो आप चाहते हैं?
"नहीं। क्या यह कोई जवाब है, सिपाही?"
"किसी ऐसे व्यक्ति ने उसे गोली मारी जिसका नाम आपने कभी नहीं सुना। बस इतना ही काफी है।"
"अगर यह बात सच है, तो शायद किसी दिन मैं आपकी मदद कर सकूं।"
"फोन रख दो और मुझे सोने दो।"

वह फिर हँसा। "आप रस्टी रेगन को ढूंढ रहे हैं, है ना?"
"बहुत से लोगों को लगता है कि मैं ऐसा हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं हूं।"
"अगर आप इच्छुक हों, तो मैं आपको एक सुझाव दे सकता हूँ। बीच पर आकर मुझसे मिलें। कभी भी आ सकते हैं। आपसे मिलकर खुशी होगी।"
"शायद।"
"फिर मिलेंगे।" फ़ोन की घंटी बजी और मैं बड़ी बेसब्री से उसे पकड़े बैठा रहा। फिर मैंने स्टर्नवुड्स का नंबर डायल किया और चार-पाँच बार घंटी बजी, फिर बटलर की मधुर आवाज़ सुनाई दी: "जनरल स्टर्नवुड का निवास।"
"यह मार्लो है। मुझे याद है? मैं तुमसे लगभग सौ साल पहले मिला था—या शायद कल ही?"

"जी हां, श्री मार्लो। मुझे याद है, बिल्कुल।"
"क्या श्रीमती रेगन घर पर हैं?"
"हां, मुझे ऐसा ही लगता है। क्या आप—"
मैंने अचानक अपना मन बदलते हुए उसे टोकते हुए कहा, "नहीं। तुम उसे संदेश दे दो। उसे बता दो कि मेरे पास सारी तस्वीरें हैं, और सब कुछ ठीक है।"
"जी हाँ... जी हाँ..." आवाज़ थोड़ी काँपती हुई सी लग रही थी। "आपके पास सारी तस्वीरें हैं और सब ठीक है... जी हाँ। मैं कहना चाहूँगा - आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, महोदय।"
पांच मिनट बाद फोन की घंटी बजी। मैंने अपना पेय खत्म कर लिया था और मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं वो रात का खाना खा सकता हूँ जो मैं पूरी तरह भूल गया था; मैं फोन बजता छोड़कर बाहर चला गया। जब मैं लौटा तो भी फोन बज रहा था; साढ़े बारह बजे तक रुक-रुक कर बजता रहा। उस समय मैंने बत्ती बंद कर दी, खिड़कियाँ खोल दीं, फोन की घंटी को कागज के टुकड़े से ढक दिया और सोने चला गया। स्टर्नवुड परिवार से मेरा मन भर चुका था।
अगली सुबह मैंने अंडे और बेकन खाते हुए तीनों अखबार पढ़े। उनमें छपी खबरें सच्चाई के उतने ही करीब थीं जितनी अखबारों में आमतौर पर होती हैं—जैसे मंगल और शनि। तीनों में से किसी ने भी लिडो पियर सुसाइड कार के ड्राइवर ओवेन टेलर को लॉरेल कैन्यन एक्ज़ॉटिक बंगलो हत्याकांड से नहीं जोड़ा। किसी ने भी स्टर्नवुड्स, बर्नी ओहल्स या मेरा ज़िक्र नहीं किया। ओवेन टेलर को "एक अमीर परिवार का ड्राइवर" बताया गया था। हॉलीवुड डिवीजन के कैप्टन क्रोनजैगर को अपने ज़िले में हुई दो हत्याओं को सुलझाने का पूरा श्रेय मिला, जो हॉलीवुड बुलेवार्ड पर किताबों की दुकान के पीछे गीगर द्वारा चलाई जा रही वायर सर्विस से होने वाली कमाई को लेकर हुए विवाद के कारण हुई थीं। ब्रोडी ने गीगर को गोली मारी थी और कैरोल लुंडग्रेन ने बदला लेने के लिए ब्रोडी को गोली मार दी थी। पुलिस ने कैरोल लुंडग्रेन को हिरासत में रखा था। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसका आपराधिक रिकॉर्ड खराब था—शायद हाई स्कूल के दौरान। पुलिस ने गीगर की सेक्रेटरी एग्नेस लोज़ेल को भी एक अहम गवाह के तौर पर हिरासत में रखा था।
यह एक अच्छा लेख था। इससे ऐसा प्रतीत हुआ कि गीगर की हत्या पिछली रात हुई थी, ब्रोडी की हत्या लगभग एक घंटे बाद हुई थी, और कैप्टन क्रोनजैगर ने सिगरेट जलाते हुए दोनों हत्याओं को सुलझा लिया था। टेलर की आत्महत्या खंड II के पहले पृष्ठ पर छपी थी। पावर लाइटर के डेक पर खड़ी सेडान कार की एक तस्वीर थी, जिसकी नंबर प्लेट को धुंधला कर दिया गया था, और रनिंग बोर्ड के बगल में डेक पर कपड़े से ढकी कोई चीज़ पड़ी थी। ओवेन टेलर निराश और अस्वस्थ थे। उनका परिवार डब्यूक में रहता था, और उनके शव को वहीं भेजा जाएगा। कोई जांच नहीं होगी।

20

लापता व्यक्तियों के ब्यूरो के कैप्टन ग्रेगरी ने मेरा कार्ड अपनी चौड़ी सपाट मेज पर रखा और उसे इस तरह व्यवस्थित किया कि उसके किनारे मेज के किनारों के ठीक समानांतर हों। उन्होंने एक तरफ सिर झुकाकर उसे ध्यान से देखा, हल्की सी आवाज़ निकाली, अपनी घूमने वाली कुर्सी पर

घूमे और खिड़की से बाहर आधे ब्लॉक दूर स्थित हॉल ऑफ जस्टिस की सलाखों से घिरी ऊपरी मंजिल को देखा। वे थकी हुई आँखों वाले और रात के चौकीदार की तरह धीमी और सधी हुई चाल वाले हट्टे-कट्टे आदमी थे। उनकी आवाज़ भावहीन, सपाट और उदासीन थी।

"निजी जासूस, है ना?" उसने मेरी तरफ देखे बिना, खिड़की से बाहर देखते हुए कहा। उसके दांत पर लटकी हुई काली सिगरेट के कटोरे से धुआं निकल रहा था। "मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?"

"मैं जनरल गाय स्टर्नवुड के लिए काम कर रहा हूं, पता है 3765 अल्टा ब्रेआ क्रिसेंट, वेस्ट हॉलीवुड।"

कैप्टन ग्रेगरी ने पाइप को हटाए बिना ही अपने मुंह के कोने से थोड़ा धुआं उड़ाया। "किस बात का?"

"ठीक उसी विषय पर नहीं जिस पर आप काम कर रहे हैं, लेकिन मुझे इसमें दिलचस्पी है। मुझे लगा कि आप मेरी मदद कर सकते हैं।"

"किस काम में आपकी मदद करूं?"

मैंने कहा, "जनरल स्टर्नवुड एक अमीर आदमी हैं। वे डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के पिता के पुराने दोस्त हैं। अगर वे अपने कामों के लिए किसी को पूरे समय के लिए रखना चाहते हैं, तो इससे पुलिस पर कोई असर नहीं पड़ता। यह तो बस उनकी अपनी विलासिता है।"

"आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं उसके लिए कुछ कर रहा हूँ?"

मैंने इसका जवाब नहीं दिया। वह अपनी घूमने वाली कुर्सी पर धीरे-धीरे और भारीपन से घूमा और अपने बड़े-बड़े पैर फर्श पर बिछे नंगे लिनोलियम पर रख दिए। उसके दफ्तर में सालों की दिनचर्या की बासी गंध थी। उसने मुझे उदास निगाहों से देखा।

"मैं आपका समय बर्बाद नहीं करना चाहता, कैप्टन," मैंने कहा और अपनी कुर्सी को लगभग चार इंच पीछे धकेल दिया।

वह हिला तक नहीं। वह अपनी थकी-हारी, बेजान आँखों से मुझे घूरता रहा। "क्या तुम डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी को जानते हो?"

"मैं उनसे मिल चुका हूं। मैंने एक बार उनके लिए काम किया था। मैं उनके मुख्य जांचकर्ता बर्नी ओहल्स को अच्छी तरह जानता हूं।"

कैप्टन ग्रेगरी ने फोन उठाया और उसमें बुदबुदाते हुए कहा: "मुझे डी.ए. के कार्यालय में ओहल्स से बात करवाओ।"

वह फोन को स्टैंड पर पकड़े बैठा रहा। कुछ पल बीत गए। उसकी पाइप से धुआँ निकल रहा था। उसकी आँखें उसके हाथ की तरह भारी और स्थिर थीं। घंटी बजी और उसने अपने बाएं हाथ से मेरा कार्ड उठाया। "ओहल्स?... मुख्यालय में अल ग्रेगरी। फिलिप मार्लो नाम का एक आदमी मेरे ऑफिस में है। उसके कार्ड पर लिखा है कि वह एक प्राइवेट जासूस है। उसे मुझसे जानकारी चाहिए... हाँ? वह कैसा दिखता है?... ठीक है, धन्यवाद।"

उसने फोन नीचे रख दिया, मुंह से पाइप निकाला और एक भारी पेंसिल के पीतल के ढक्कन से तंबाकू को दबाया। उसने यह काम बड़ी सावधानी और गंभीरता से किया, मानो यह उस दिन के

उसके सभी कामों से ज़्यादा ज़रूरी हो। वह पीछे झुक गया और कुछ देर तक मुझे देखता रहा।
"आपको क्या चाहिए?"
"आप जो प्रगति कर रहे हैं, यदि कोई हो, तो उसके बारे में एक विचार।"
उसने इस बारे में सोचा। अंत में उसने पूछा, "रीगन?"
"ज़रूर।"
"क्या आप उसे जानते हैं?"
"मैंने उसे कभी नहीं देखा। मैंने सुना है कि वह तीस के दशक के अंत में एक आकर्षक आयरिश व्यक्ति है, जो कभी शराब के धंधे में शामिल था, उसने जनरल स्टर्नवुड की बड़ी बेटी से शादी की थी और उनका रिश्ता नहीं बन पाया। मुझे बताया गया है कि वह लगभग एक महीने पहले गायब हो गया।"
"स्टर्नवुड को निजी प्रतिभाओं को काम पर रखकर लंबे-लंबे घास में इधर-उधर भटकने के बजाय खुद को भाग्यशाली समझना चाहिए।"
"जनरल को वह बहुत पसंद आ गया था। ऐसी बातें होती रहती हैं। बूढ़ा आदमी अपाहिज और अकेला है। रीगन उसके साथ बैठा करता था और उसका साथ देता था।"
"तुम्हें क्या लगता है कि तुम ऐसा क्या कर सकते हो जो हम नहीं कर सकते?"
"रीगन को ढूंढने के मामले में तो कुछ भी नहीं मिला है। लेकिन इसमें ब्लैकमेल का एक रहस्यमय पहलू है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि रीगन इसमें शामिल न हो। यह जानना कि वह कहां है या कहां नहीं है, शायद मददगार साबित हो।"
"भाई, मैं तुम्हारी मदद करना चाहता हूँ, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कहाँ है। उसने पर्दा गिरा दिया और बस बात खत्म।"
"आपकी संस्था के खिलाफ ऐसा करना काफी मुश्किल है, है ना, कैप्टन?"
"हाँ—लेकिन कुछ समय के लिए तो यह किया जा सकता है।" उन्होंने अपनी डेस्क के किनारे लगे घंटी के बटन को छुआ। एक अधेड़ उम्र की महिला ने बगल के दरवाजे से अंदर झाँका। "मुझे टेरेंस रेगन की फाइल ला दो, अब्बा।"
दरवाजा बंद हो गया। कैप्टन ग्रेगरी और मैंने कुछ देर तक गहरी खामोशी में एक-दूसरे को देखा। दरवाजा फिर खुला और उस महिला ने एक हरे रंग की फाइल उनके डेस्क पर रख दी। कैप्टन ग्रेगरी ने उसे बाहर जाने का इशारा किया, अपनी नसों से भरी नाक पर भारी सींग के फ्रेम वाला चश्मा लगाया और फाइल के कागजों को धीरे-धीरे पलटा। मैंने अपनी उंगलियों में सिगरेट घुमाई।
“उसने 16 सितंबर को गाड़ी चुराई,” उसने कहा। “उस दिन ड्राइवर की छुट्टी थी और किसी ने भी रीगन को गाड़ी निकालते नहीं देखा। हालांकि, यह देर दोपहर का समय था। हमें गाड़ी चार दिन बाद सनसेट टावर्स के पास एक आलीशान बंगले के गैरेज में मिली। गैरेज के एक कर्मचारी ने चोरी की गाड़ियों की जांच करने वाली टीम को इसकी सूचना दी और कहा कि गाड़ी वहां की नहीं है। उस जगह का नाम कासा डे ओरो है। इसमें एक और बात है जो मैं अभी बताऊंगा। हमें यह पता नहीं चल पाया कि गाड़ी वहां किसने रखी थी। हमने गाड़ी के फिंगरप्रिंट लिए, लेकिन कहीं भी कोई फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड में नहीं मिले। उस गैरेज में गाड़ी का मिलना किसी साजिश की ओर

इशारा नहीं करता, हालांकि साजिश का शक करने का एक कारण है। यह किसी और बात से मेल खाता है जो मैं अभी बताऊंगा।"

मैंने कहा: "यह बात एडी मार्स की पत्नी के लापता होने की सूची में होने से मेल खाती है।"

वह झुंझलाया हुआ लग रहा था। "हाँ। हमने किराएदारों से पूछताछ की और पता चला कि वह वहाँ रह रही है। रीगन के जाने के लगभग दो दिन के अंदर ही वह भी चली गई थी। एक आदमी, जिसकी आवाज़ रीगन से मिलती-जुलती थी, उसे उसके साथ देखा गया था, लेकिन हम उसकी पहचान पक्के तौर पर नहीं कर पाए। इस पुलिस के चक्कर में यह कितना अजीब है कि एक बूढ़ी औरत खिड़की से बाहर देखकर एक आदमी को भागते हुए देख सकती है और छह महीने बाद भी उसे पहचान सकती है, लेकिन हम होटल के कर्मचारियों को एक साफ़ तस्वीर दिखा दें, फिर भी वे यकीन नहीं कर पाते।"

मैंने कहा, "यह अच्छे होटल कर्मचारी बनने की योग्यताओं में से एक है।"

"हाँ। एडी मार्स और उसकी पत्नी साथ नहीं रहते थे, लेकिन उनके बीच अच्छे संबंध थे," एडी कहता है। कुछ संभावनाएँ ये हैं। सबसे पहले, रीगन पंद्रह हज़ार डॉलर अपने पास रखता था, हमेशा अपने कपड़ों में छुपाकर। मुझे बताया गया है कि ये असली पैसा था। सिर्फ़ एक पत्ता और कुछ भूसा नहीं। ये बहुत सारा पैसा है, लेकिन हो सकता है कि रीगन ही वो लड़का हो जो इसे अपने पास रखता हो ताकि जब कोई उसे देखे तो वो इसे निकालकर देख सके। फिर शायद उसे कोई फ़र्क ही न पड़ता हो। उसकी पत्नी कहती है कि उसने बूढ़े स्टर्नवुड से कभी एक पैसा भी नहीं कमाया, सिवाय रहने-खाने और एक पैकार्ड 120 के जो उसकी पत्नी ने उसे दी थी। ज़रा सोचिए, ये तो अमीरी की निशानी है।"

मैंने कहा, "मुझे समझ नहीं आ रहा।"

"देखो, यहाँ एक ऐसा आदमी है जो चुपके से भाग जाता है और उसकी पैंट में पंद्रह हज़ार डॉलर होते हैं, और लोग यह जानते हैं। खैर, यह तो बड़ी रकम है। अगर मेरे पास पंद्रह हज़ार डॉलर होते और मेरे दो बच्चे हाई स्कूल में पढ़ते होते, तो शायद मैं भी चुपके से भाग जाता। तो पहला ख्याल यही आता है कि कोई उसे पकड़ ले और इतनी बुरी तरह पकड़ ले कि उसे रेगिस्तान में ले जाकर कैक्टस के बीच दफना दे। लेकिन मुझे यह बात अच्छी नहीं लगती। रीगन बंदूक रखता था और उसे चलाने का उसे खूब अनुभव था, और सिर्फ़ शराब के गिरोह में ही नहीं। मुझे पता चला है कि उसने 1922 में या जब भी आयरिश संकट था, तब एक पूरी ब्रिगेड की कमान संभाली थी। ऐसा आदमी किसी लुटेरे के लिए आसान शिकार नहीं होता। फिर, उसकी कार उस गैरेज में होने से जिसने भी उसे पकड़ा है, उसे पता चल जाता है कि वह एडी मार्स की पत्नी पर फिदा था, जो शायद था भी, लेकिन यह बात हर आवारा को पता नहीं होती।"

मैंने पूछा, "क्या तुम्हारे पास कोई फोटो है?"

"वो, वो नहीं। ये भी अजीब है। इस मामले में कई अजीब पहलू हैं। ये लो।" उसने एक चमकदार प्रिंट डेस्क पर सरका दिया और मैंने एक आयरिश चेहरे को देखा जो खुशमिजाज से ज्यादा उदास और उग्र से ज्यादा संयमित था। किसी सख्त आदमी का चेहरा नहीं, न ही ऐसे आदमी का जिसे कोई आसानी से दबा सके। सीधी, गहरी भौहें, जिनके नीचे मजबूत हड्डियां थीं। ऊंचा नहीं, चौड़ा

माथा, घने काले बालों का गुच्छा, पतली छोटी नाक, चौड़ा मुंह। ठुड्डी पर मजबूत रेखाएं थीं, लेकिन मुंह के हिसाब से छोटी थी। एक ऐसा चेहरा जो थोड़ा तनावग्रस्त लग रहा था, एक ऐसे आदमी का चेहरा जो तेजी से आगे बढ़ेगा और जीतने के लिए खेलेगा। मैंने प्रिंट वापस कर दिया। अगर मैं उस चेहरे को देखूं तो पहचान लूंगा।

कैप्टन ग्रेगरी ने अपनी पाइप बुझाई, फिर उसमें तंबाकू भरी और अंगूठे से उसे दबाकर सेट किया। फिर उन्होंने पाइप जलाई, धुआं उड़ाया और दोबारा बात करने लगे।

"खैर, हो सकता है कुछ लोग जानते हों कि वो एडी मार्स की प्रेमिका पर फिदा था। एडी खुद भी। हैरानी की बात है कि उसे ये पता था। लेकिन लगता है उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमने उस समय उसकी अच्छी तरह से जाँच-पड़ताल की थी। ज़ाहिर है एडी ने जलन की वजह से उसे नहीं मारा होगा। सारी परिस्थितियाँ साफ तौर पर उसकी ओर इशारा कर रही थीं।"

मैंने कहा, "यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह कितना चालाक है। वह दोहरा झांसा देने की कोशिश कर सकता है।"

कैप्टन ग्रेगरी ने सिर हिलाया। "अगर वो अपने धंधे में कामयाब होने जितना चालाक है, तो वो इसके लिए बहुत ज़्यादा चालाक है। मैं तुम्हारी बात समझ गया। वो बेवकूफी भरी चाल इसलिए चलता है क्योंकि उसे लगता है कि हम उससे ऐसी उम्मीद नहीं करेंगे। पुलिस के नज़रिए से ये गलत है। क्योंकि इससे हम उसके पीछे इतने पड़ जाएँगे कि उसके धंधे में दखल होगा। तुम्हें शायद बेवकूफी भरी चाल चालाकी लगे। मुझे भी लग सकता है। लेकिन आम पुलिस वालों को ऐसा नहीं लगेगा। वे उसकी ज़िंदगी मुश्किल बना देंगे। मैंने इसे खारिज कर दिया है। अगर मैं गलत हूँ, तो तुम इसे मेरे खिलाफ साबित कर सकते हो और मैं अपनी कुर्सी का तकिया खा जाऊँगा। तब तक मैं एडी को बरी कर रहा हूँ। ईर्ष्या उसके जैसे लोगों के लिए बुरी मंशा है। बड़े-बड़े रैकेट चलाने वालों के पास कारोबारी दिमाग होता है। वे अच्छी नीति के हिसाब से काम करना सीखते हैं और अपनी निजी भावनाओं को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। मैं इसे छोड़ रहा हूँ।"

आप किस कपड़े में रह रहे हैं?

"वह महिला और खुद रेगन। और कोई नहीं। तब वह गोरी थी, लेकिन अब नहीं होगी। हमें उसकी कार नहीं मिली, इसलिए शायद वे उसी में चले गए। उन्हें हमसे काफी पहले बढ़त मिल गई थी—चौदह दिन। रेगन की उस कार के बिना मुझे नहीं लगता कि हम यह मामला सुलझा पाते। बेशक, मैं ऐसे मामलों का आदी हूं, खासकर अच्छे परिवारों में। और बेशक, मैंने जो कुछ भी किया है, वह सब गुप्त रूप से ही किया है।"

वह पीछे की ओर झुक गया और अपने बड़े-बड़े भारी हाथों की एड़ियों से कुर्सी के आर्मरेस्ट पर जोर से थपथपाया।

उन्होंने कहा, "मुझे इंतज़ार करने के अलावा और कोई चारा नहीं दिख रहा। हमने पाठकों को भेजा है, लेकिन अभी नतीजों की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी। हमें पता है कि रीगन के पास पंद्रह हज़ार डॉलर थे। उस लड़की के पास भी कुछ, शायद काफी सारा पैसा था। लेकिन एक दिन उनका पैसा खत्म हो जाएगा। रीगन एक चेक भुनाएगा, एक मार्कर से कुछ लिखेगा, एक चिट्ठी लिखेगा। वे एक अनजान कस्बे में हैं और उनके नए नाम हैं, लेकिन उनकी ज़रूरतें वही पुरानी हैं।

उन्हें फिर से वित्तीय व्यवस्था में आना होगा।"
"एडी मार्स से शादी करने से पहले वह लड़की क्या करती थी?"
"Torcher."
"क्या आपको कोई पुरानी पेशेवर तस्वीरें नहीं मिल सकतीं?"
"नहीं। एडी ने ज़रूर कुछ लिया होगा, लेकिन वो ढील नहीं देगा। वो उसे चाहता है, चाहे कुछ भी हो जाए। मैं उसे मजबूर नहीं कर सकता। शहर में उसके दोस्त हैं, वरना वो ऐसा नहीं होता।" उसने धीमी आवाज़ में कहा। "क्या इससे तुम्हें कोई फ़ायदा हुआ?"
मैंने कहा: "तुम उनमें से किसी को भी कभी नहीं ढूंढ पाओगे। प्रशांत महासागर बहुत करीब है।"
"मैंने कुर्सी के कुशन के बारे में जो कहा था, वह अभी भी सही है। हम उसे ढूंढ लेंगे। इसमें समय लग सकता है। एक या दो साल भी लग सकते हैं।"
मैंने कहा, "जनरल स्टर्नवुड शायद इतने लंबे समय तक जीवित न रहें।"
"हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है, भाई। अगर वो इनाम घोषित करे और कुछ पैसे खर्च करे, तो शायद कुछ नतीजा निकले। शहर से मुझे उतने पैसे नहीं मिलते जितने चाहिए।" उसकी बड़ी-बड़ी आँखें मुझे घूर रही थीं और उसकी खुरदरी भौहें हिल रही थीं। "क्या तुम सच में सोचते हो कि एडी ने उन दोनों को मार डाला?"
मैं हँस पड़ा। "नहीं। मैं तो बस मज़ाक कर रहा था। मुझे भी वही लगता है जो आपको लगता है, कैप्टन। कि रीगन उस औरत के साथ भाग गया जो उसके लिए उस अमीर पत्नी से ज़्यादा मायने रखती थी जिससे उसकी बनती नहीं थी। और वैसे भी, वह अभी अमीर नहीं है।"
"मुझे लगता है कि आप उससे मिले थे?"
"हाँ। वह एक शानदार सप्ताहांत बिता सकती है, लेकिन उसे नियमित आहार के लिए कपड़े पहनने पड़ेंगे।"
उसने हल्की सी आवाज़ निकाली और मैंने उसके समय और जानकारी के लिए धन्यवाद दिया और चला गया। सिटी हॉल से निकलते ही एक ग्रे रंग की प्लाईमाउथ सेडान मेरा पीछा करने लगी। मैंने उसे एक सुनसान सड़क पर मेरे साथ आने का मौका दिया। उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया, इसलिए मैंने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया और अपने काम में लग गया।

21

मैं स्टर्नवुड परिवार के पास नहीं गया। मैं वापस दफ्तर गया और अपनी घूमने वाली कुर्सी पर बैठ गया और अपने पैरों को आराम देने की कोशिश करने लगा। खिड़कियों से तेज़ हवा आ रही थी और बगल वाले होटल के तेल बर्नर से धुआँ कमरे में उड़कर मेज पर ऐसे लुढ़क रहा था जैसे कोई सूखी घास किसी खाली जगह पर उड़ रही हो। मैं दोपहर के भोजन के लिए बाहर जाने के बारे में सोच रहा था और मुझे लग रहा था कि जीवन काफी नीरस है और अगर मैं शराब पी लूँ तो शायद उतना ही नीरस हो जाएगा और वैसे भी दिन के उस समय अकेले शराब पीना कोई मज़ेदार बात नहीं होगी। मैं यही सोच रहा था कि तभी नॉरिस का फोन आया। उसने बड़ी विनम्रता से कहा कि जनरल स्टर्नवुड की तबीयत ठीक नहीं है और अखबार में छपी कुछ खबरें उन्हें पढ़कर सुनाई गई हैं और उनका मानना है कि मेरी जांच अब पूरी हो चुकी है।

"हां, जहां तक गीगर का सवाल है," मैंने कहा। "मैंने उसे गोली नहीं मारी थी, तुम्हें पता है।"
"जनरल को ऐसा नहीं लगता था कि आप ऐसा करते हैं, मिस्टर मार्लो।"
"क्या जनरल को उन तस्वीरों के बारे में कुछ पता है जिनके बारे में श्रीमती रीगन चिंतित थीं?"
"नहीं, महोदय। बिलकुल नहीं।"
"क्या आपको पता है कि जनरल ने मुझे क्या दिया?"
"जी हाँ, महोदय। मुझे लगता है तीन नोट और एक कार्ड।"
"ठीक है। मैं इन्हें लौटा दूंगा। तस्वीरों की बात करें तो मुझे लगता है कि इन्हें नष्ट कर देना ही बेहतर होगा।"
"बहुत बढ़िया, महोदय। श्रीमती रेगन ने कल रात आपसे कई बार संपर्क करने की कोशिश की थी —"
मैंने कहा, "मैं शराब पीने बाहर गया था।"
"जी हां। बहुत जरूरी है, महोदय, मुझे पूरा यकीन है। जनरल ने मुझे आपको पांच सौ डॉलर का चेक भेजने का निर्देश दिया है। क्या यह पर्याप्त होगा?"
मैंने कहा, "बहुत ही उदार।"
"और मेरा मानना है कि अब हम इस घटना को समाप्त मान सकते हैं?"
"हाँ, बिल्कुल। एकदम तंग, जैसे कोई तिजोरी जिसका टाइम लॉक खराब हो गया हो।"
"धन्यवाद महोदय। मुझे यकीन है कि हम सभी इसकी सराहना करते हैं। जब जनरल थोड़ा बेहतर महसूस करेंगे—संभवतः कल—तो वे व्यक्तिगत रूप से आपको धन्यवाद देना चाहेंगे।"
"ठीक है," मैंने कहा। "मैं बाहर आकर उसकी थोड़ी और ब्रांडी पी लूँगा, शायद शैंपेन के साथ।"
"मैं देखूंगा कि कुछ ठीक से बर्फ में रखा जाए," बूढ़े आदमी ने लगभग मुस्कुराते हुए स्वर में कहा।
बस, बात खत्म। हमने अलविदा कहा और फोन काट दिया। बगल वाली दुकान से कॉफी की महक खिड़कियों से धुएं के साथ अंदर आ रही थी, लेकिन मुझे भूख नहीं लगी। इसलिए मैंने अपनी ऑफिस की बोतल निकाली, एक घूंट पिया और अपने आत्मसम्मान को अपने हाल पर छोड़ दिया।
मैंने उंगलियों पर गिनती की। रस्टी रेगन ढेर सारे पैसे और एक खूबसूरत पत्नी को छोड़कर एक अनजान गोरी औरत के साथ घूमने निकल गया था, जो एडी मार्स नाम के एक कुख्यात अपराधी से लगभग शादीशुदा थी। वह अचानक बिना अलविदा कहे चला गया था और इसके कई कारण हो सकते थे। जनरल शायद बहुत घमंडी थे, या पहले इंटरव्यू में उन्होंने मुझसे कहा था कि वे बहुत सावधान थे, इसलिए उन्होंने मुझे यह नहीं बताया कि गुमशुदा व्यक्तियों के ब्यूरो ने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है। गुमशुदा व्यक्तियों के ब्यूरो के लोग इस मामले में पूरी तरह से व्यस्त थे और जाहिर तौर पर उन्हें लगा कि इस पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है। रेगन ने जो किया सो किया, और यह उसका निजी मामला था। मैं कैप्टन ग्रेगरी से सहमत था कि एडी मार्स के लिए सिर्फ इसलिए दोहरे हत्याकांड में शामिल होना बहुत मुश्किल था क्योंकि कोई दूसरा आदमी उस गोरी औरत के साथ घूम रहा था जिसके साथ वह रहता भी नहीं था। हो सकता है उसे बुरा लगा हो, लेकिन धंधा तो धंधा है, और हॉलीवुड में अपनी पकड़ मजबूत रखनी पड़ती

है ताकि इधर-उधर भटकती गोरी औरतों के चक्कर में न पड़ें। अगर इसमें बहुत सारा पैसा शामिल होता, तो बात अलग होती। लेकिन एडी मार्स के लिए पंद्रह हजार डॉलर कोई बड़ी रकम नहीं थी। वह ब्रॉडी की तरह कोई मामूली ठग नहीं था।

गीगर मर चुका था और कारमेन को शराब के अजीबोगरीब मिश्रण पीने के लिए कोई और संदिग्ध व्यक्ति ढूंढना पड़ेगा। मुझे नहीं लगता था कि उसे कोई परेशानी होगी। उसे बस पांच मिनट के लिए कोने पर खड़े होकर शर्माना होगा। मुझे उम्मीद थी कि अगला ठग जो उसे अपने जाल में फंसाएगा, वह उससे थोड़ा और नरमी से पेश आएगा, थोड़े समय के लिए ही नहीं बल्कि लंबे समय तक साथ निभाने की कोशिश करेगा।

श्रीमती रीगन एडी मार्स को अच्छी तरह जानती थीं और उनसे पैसे उधार ले सकती थीं। यह स्वाभाविक था, क्योंकि वह रूलेट खेलती थीं और हारने पर भी अच्छा प्रदर्शन करती थीं। कोई भी जुआघर मालिक मुश्किल समय में अपने अच्छे ग्राहक को पैसे उधार दे ही देता है। इसके अलावा, रीगन में उनका एक और स्वार्थ भी था। वह उनके पति थे और एडी मार्स की पत्नी के साथ उनका संबंध था।

कैरोल लुंडग्रेन, सीमित शब्दावली वाला वह लड़का हत्यारा, लंबे समय तक गायब रहा, भले ही उसे एसिड से भरी बाल्टी के ऊपर कुर्सी से न बांधा गया हो। वे ऐसा नहीं करते, क्योंकि वह अपना जुर्म कबूल कर लेता और काउंटी का पैसा बच जाता। जब उनके पास बड़े वकील का खर्च नहीं होता, तो वे सभी ऐसा ही करते हैं। एग्नेस लोजेल एक महत्वपूर्ण गवाह के रूप में हिरासत में थी। अगर कैरोल अपना जुर्म कबूल कर लेता, तो उन्हें उसकी ज़रूरत नहीं पड़ती, और अगर वह पेशी में अपना जुर्म कबूल कर लेता, तो वे उसे रिहा कर देते। वे गीगर के कारोबार के बारे में कोई और पहलू उजागर नहीं करना चाहते थे, सिवाय इसके कि उनके पास उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं था।

बस, मैं ही बचा था। मैंने चौबीस घंटे तक हत्या को छुपाया और सबूतों को दबाया, लेकिन मैं अभी भी फरार था और मुझे पाँच सौ डॉलर का चेक मिलने वाला था। मेरे लिए सबसे समझदारी की बात यही थी कि मैं एक और ड्रिंक पी लूँ और इस सारी गड़बड़ को भूल जाऊँ।

यह करना ही समझदारी भरा कदम था, इसलिए मैंने एडी मार्स को फोन किया और उन्हें बताया कि मैं उनसे बात करने के लिए उसी शाम लास ओलिनदास आ रहा हूँ। मैं इतना समझदार था।

मैं लगभग नौ बजे वहाँ पहुँचा, अक्टूबर की तेज़ धूप में, जो समुद्र तट के घने कोहरे में छिप गई थी। साइप्रस क्लब कस्बे के बिल्कुल आखिरी छोर पर था, एक विशाल लकड़ी का बना मकान जो कभी डी कैज़ेन्स नाम के एक अमीर आदमी का ग्रीष्मकालीन निवास हुआ करता था और बाद में एक होटल बन गया था। अब यह हवा से मुड़े हुए मोंटेरे साइप्रस के घने झुरमुट में स्थित एक बड़ा, अंधेरा और बाहर से जर्जर सा दिखने वाला भवन था, जिसके कारण इसका नाम पड़ा था। इसमें विशाल घुमावदार बरामदे, जगह-जगह बुर्ज, बड़ी खिड़कियों के चारों ओर रंगीन कांच की नक्काशी, पीछे बड़े-बड़े खाली अस्तबल और एक पुरानी यादों से भरी जर्जरता का माहौल था। एडी मार्स ने इसे एमजीएम सेट जैसा बनाने के बजाय, बाहर से लगभग वैसा ही छोड़ दिया था जैसा उसने पाया था। मैंने अपनी कार टिमटिमाती हुई आर्क लाइटों वाली एक सड़क पर खड़ी की

और गीले बजरी वाले रास्ते से होते हुए मुख्य द्वार तक पैदल चलकर परिसर में प्रवेश किया। दोहरी छाती वाली गार्ड की वर्दी पहने एक दरबान ने मुझे एक विशाल, धुंधली, शांत लॉबी में प्रवेश कराया, जहाँ से एक सफेद ओक की सीढ़ी भव्यता से ऊपर की मंजिल के अंधेरे में मुड़ती हुई जा रही थी। मैंने अपनी टोपी और कोट वहीं रख दिए और भारी दोहरे दरवाजों के पीछे से आ रहे संगीत और उलझी हुई आवाज़ों को सुनते हुए इंतज़ार करने लगा। वे आवाज़ें बहुत दूर से आती हुई प्रतीत हो रही थीं, मानो इमारत की दुनिया से बिल्कुल अलग हों। तभी, एडी मार्स और पिल्ले के साथ गीगर के यहाँ रहे दुबले-पतले, गोरे बालों वाले आदमी ने सीढ़ी के नीचे वाले दरवाजे से अंदर आकर मुझे फीकी मुस्कान दी और मुझे अपने साथ कालीन बिछे गलियारे से होते हुए बॉस के दफ्तर ले गया।

यह एक चौकोर कमरा था जिसमें एक गहरी पुरानी खाड़ी खिड़की और एक पत्थर की चिमनी थी जिसमें जुनिपर की लकड़ियों की आग धीमी गति से जल रही थी। इसकी दीवारों पर अखरोट की लकड़ी की नक्काशी थी और पैनलिंग के ऊपर फीकी दमिश्क की झालर लगी हुई थी। छत ऊंची और दूर स्थित थी। कमरे में ठंडे समुद्र की गंध थी।

एडी मार्स की गहरे रंग की, बिना चमक वाली मेज कमरे में जंच नहीं रही थी, वैसे ही 1900 के बाद बनी कोई भी चीज़ भी वहाँ ठीक नहीं लग रही थी। उनके कालीन पर फ्लोरिडा की धूप की वजह से हल्का पीलापन था। कोने में एक बारटॉप रेडियो रखा था और एक समोवर के बगल में तांबे की ट्रे पर सेवरेस चाइना का चाय सेट रखा था। मुझे हैरानी हो रही थी कि ये सब किसके लिए होगा। कोने में एक दरवाजा था जिस पर टाइम लॉक लगा हुआ था।

एडी मार्स ने दोस्ताना अंदाज़ में मेरी तरफ मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया और तिजोरी की तरफ इशारा करते हुए अपनी ठुड्डी हिलाई। "मैं यहाँ डकैती करने वाले गिरोहों के सामने आसानी से झुक जाता हूँ, सिवाय उस तिजोरी के," उसने खुशी से कहा। "स्थानीय ग्राहक हर सुबह आते हैं और मुझे इसे खोलते हुए देखते हैं। मेरा उनसे एक समझौता है।"

मैंने कहा, "तुमने इशारा किया था कि तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ है। वो क्या है?"

"इतनी जल्दी क्या है? एक घूंट पीजिए और बैठ जाइए।"

"कोई जल्दी नहीं है। हमें सिर्फ व्यापार के बारे में बात करनी है, और कुछ नहीं।"

“तुम्हें ये ड्रिंक पसंद आएगी,” उसने कहा। उसने दो गिलास बनाए और मेरा गिलास लाल चमड़े की कुर्सी के पास रख दिया। फिर वह खुद पालथी मारकर मेज के सहारे खड़ा हो गया, एक हाथ अपनी गहरे नीले रंग की डिनर जैकेट की जेब में डाले, अंगूठा बाहर निकला हुआ था और नाखून चमक रहा था। डिनर के कपड़ों में वह ग्रे फलालैन की तुलना में थोड़ा सख्त लग रहा था, लेकिन फिर भी किसी घुड़सवार जैसा दिख रहा था। हमने ड्रिंक पी और एक-दूसरे को देखकर सिर हिलाया।

"क्या तुम पहले कभी यहाँ आए हो?" उसने पूछा।

"प्रतिबंध के दौरान, मुझे जुए से कोई आनंद नहीं मिलता।"

"पैसों से नहीं," वह मुस्कुराया। "तुम्हें आज रात जाकर देखना चाहिए। तुम्हारी एक दोस्त बाहर घुड़दौड़ में सट्टा लगा रही है। मैंने सुना है कि वह अच्छा खासा पैसा कमा रही है। विवियन रेगन।"

मैंने अपने पेय की एक घूंट ली और उसकी मोनोग्राम वाली सिगरेट में से एक उठा ली।
"कल तुमने जिस तरह से उस मामले को संभाला, मुझे वो अच्छा लगा," उसने कहा। "उस समय तो तुमने मुझे नाराज़ कर दिया था, लेकिन बाद में मुझे समझ आ गया कि तुम सही थे। हम दोनों की आपस में अच्छी बनती है। मुझे तुम्हें कितना देना है?"
"किसलिए?"
"अब भी सावधान हो, है ना? मुख्यालय से मेरा सीधा संपर्क है, वरना मैं यहाँ नहीं होता। मुझे खबरें सीधे-सीधे मिलती हैं, न कि अखबारों में छपी खबरों के अनुसार।" उसने मुझे अपने बड़े-बड़े सफेद दांत दिखाए।
मैंने पूछा, "तुम्हारे पास कितने पैसे हैं?"
"आप पैसों की बात नहीं कर रहे हैं?"
"जानकारी वही थी जिस तरह से मैंने इसे समझा।"
"किस बारे में जानकारी?"
"तुम्हारी याददाश्त कमजोर है, रीगन।"
"ओह, वो बात।" उसने छत पर रोशनी बिखेरने वाले उन कांसे के लैंपों में से एक की हल्की रोशनी में अपने चमकदार नाखूनों को लहराया। "मैंने सुना है कि आपको जानकारी मिल गई है। मुझे लगा कि मुझे आपको कुछ फीस देनी चाहिए। मुझे अच्छे व्यवहार के लिए भुगतान करने की आदत है।"
"मैं यहाँ सिर्फ़ पैसे कमाने के लिए नहीं आया था। मुझे अपने काम के लिए पैसे मिलते हैं। आपके हिसाब से ज़्यादा नहीं, लेकिन गुज़ारा हो जाता है। एक बार में एक ही ग्राहक, यही सही नियम है। आपने रीगन को मारा तो नहीं ना?"
"नहीं। क्या आपको लगा कि मैंने ऐसा किया?"
"मुझे आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी।"
वह हँस पड़ा। "तुम मज़ाक कर रहे हो।"
मैं हँस पड़ा। "हाँ, मैं मज़ाक कर रहा था। मैंने रीगन को कभी नहीं देखा, लेकिन उसकी तस्वीर ज़रूर देखी है। तुम्हारे पास इस काम के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं। और हाँ, इस विषय पर बात करते हुए, मुझे और कोई गुंडे-बंदूकबंदियों के आदेश मत देना। मैं आपा खो सकता हूँ और उनमें से किसी एक को उड़ा सकता हूँ।"
उसने अपने गिलास से आग को देखा, उसे मेज के किनारे पर रख दिया और एक पतले रुमाल से अपने होंठ पोंछे।
"तुम बातें तो बड़ी-बड़ी करते हो," उसने कहा। "लेकिन मुझे यकीन है कि तुम एक सौ दस का आंकड़ा पार कर सकते हो। तुम्हें रीगन में सचमुच कोई दिलचस्पी नहीं है, है ना?"
"नहीं, पेशेवर तौर पर नहीं। मुझसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा गया है। लेकिन मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूं जो यह जानना चाहेगा कि वह कहां है।"
"उसे ज़रा भी परवाह नहीं है," उसने कहा।
"मेरा मतलब उसके पिता से है।"

उसने अपने होंठ फिर से पोंछे और रूमाल को ऐसे देखा मानो उसे उस पर खून मिलने की उम्मीद हो। उसने अपनी घनी भूरी भौहें सटा लीं और अपनी धूप से झुलसी नाक के किनारे को उंगलियों से छुआ।

मैंने कहा, "गीगर जनरल को ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा था। जनरल ने सीधे तौर पर ऐसा नहीं कहा, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें कम से कम आधा डर तो जरूर था कि कहीं इसके पीछे रीगन का हाथ न हो।"

एडी मार्स हँसे। "नहीं-नहीं। गीगर ने यह चाल सब पर चली थी। यह पूरी तरह से उसका अपना विचार था। वह लोगों से ऐसे नोट लेता था जो कानूनी लगते थे—शायद कानूनी ही थे, सिवाय इसके कि वह उन पर मुकदमा करने की हिम्मत नहीं करता था। वह उन नोटों को बड़े ही सलीके से पेश करता था, और खुद को खाली हाथ छोड़ देता था। अगर उसे इक्का मिल जाता, तो उसे लगता कि कोई बड़ा मौका है और वह काम पर लग जाता। अगर उसे इक्का नहीं मिलता, तो वह सब कुछ छोड़ देता था।"

"बड़ा होशियार आदमी है," मैंने कहा। "उसने उसे गिरा दिया। गिराया और उस पर गिर गया। तुम्हें ये सब कैसे पता है?"

उसने अधीरता से कंधे उचकाए। "काश मुझे उन आधी बातों का भी पता न होता जो मेरे पास लाई जाती हैं। मेरे जैसे लोगों के बीच दूसरों के मामलों में दखल देना सबसे बुरा निवेश है। और अगर आप सिर्फ गाइगर के बारे में ही जानना चाहते थे, तो इस मामले में तो आपका काम ही खत्म हो चुका है।"

"काम खत्म हो गया और भुगतान कर दिया गया।"

मुझे इसके लिए खेद है। काश बूढ़ा स्टर्नवुड तुम्हारे जैसे किसी सिपाही को नियमित वेतन पर रख लेता, ताकि वह उन लड़कियों को हफ्ते में कम से कम कुछ रातें अपने घर पर रख सके।

"क्यों?"

उसका चेहरा उदास लग रहा था। "ये तो बस मुसीबत हैं। जैसे कि वो सांवली वाली। यहाँ वो सिरदर्द है। अगर वो हार गई, तो सब कुछ दांव पर लग जाएगा और मेरे हाथ में बस कुछ नोट रह जाएंगे जिन्हें कोई किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगा। उसके पास भत्ते के अलावा अपना कोई पैसा नहीं है और बूढ़े आदमी की वसीयत में क्या लिखा है, वो भी गुप्त है। अगर वो जीत गई, तो मेरा सारा पैसा अपने साथ घर ले जाएगी।"

मैंने कहा, "तुम्हें यह अगली रात वापस मिल जाएगा।"

"मुझे कुछ हद तक इसकी भरपाई हो जाती है। लेकिन समय बीतने के साथ मैं नुकसान में रहता हूँ।"

उसने मेरी तरफ बड़ी गंभीरता से देखा, मानो यह बात मेरे लिए बहुत मायने रखती हो। मुझे समझ नहीं आया कि उसे मुझे यह बताना ज़रूरी क्यों लगा। मैंने जम्हाई ली और अपना पेय समाप्त किया।

मैंने कहा, "मैं बाहर जाकर जगह का जायजा लेता हूँ।"

"जी हां, खोलिए।" उन्होंने तिजोरी के दरवाजे के पास एक दरवाजे की ओर इशारा किया। "यह

मेजों के पीछे वाले दरवाजे की ओर जाता है।"
"मैं तो उसी रास्ते से जाना पसंद करूंगा जिस रास्ते से बेवकूफ लोग अंदर आते हैं।"
"ठीक है। जैसी आपकी मर्जी। हम दोस्त हैं ना, सिपाही?"
"ज़रूर।" मैं खड़ा हुआ और हमने हाथ मिलाया।
"शायद किसी दिन मैं तुम्हारा कोई बड़ा काम कर सकूँ," उसने कहा। "इस बार तुमने ग्रेगरी से सब कुछ ले लिया है।"
"तो आप भी उसके एक हिस्से के मालिक हैं।"
"अरे, इतना भी बुरा नहीं है। हम तो बस दोस्त हैं।"
मैंने कुछ पल उसे घूरा, फिर उस दरवाजे की ओर गया जिससे मैं अंदर आया था। दरवाजा खोलकर मैंने पीछे मुड़कर उसे देखा।
"क्या कोई ग्रे रंग की प्लाईमाउथ सेडान में मेरा पीछा तो नहीं कर रहा है?"
उसकी आँखें एकदम चौड़ी हो गईं। वह स्तब्ध रह गया। "बिल्कुल नहीं। मैं ऐसा क्यों करूँ?"
मैंने कहा, "मैं कल्पना भी नहीं कर सकती थी," और बाहर चली गई। मुझे लगा कि उसका आश्चर्य इतना वास्तविक था कि उस पर विश्वास किया जा सकता था। मुझे लगा कि वह थोड़ा चिंतित भी लग रहा था। मुझे इसकी कोई वजह समझ नहीं आ रही थी।

22

लगभग साढ़े दस बजे थे जब पीले रंग की कमरबंद पहने छोटे से मैक्सिकन ऑर्केस्ट्रा के सदस्य धीमी आवाज़ में, बनावटी ढंग से सजाए गए रुम्बा संगीत को बजाते-बजाते थक गए, जिस पर कोई नाच नहीं रहा था। लौकी बजाने वाले ने अपनी उंगलियों को ऐसे रगड़ा जैसे उनमें दर्द हो रहा हो और लगभग उसी क्षण एक सिगरेट मुंह में डाल ली। बाकी चार लोग एक साथ झुके और अपनी कुर्सियों के नीचे से गिलास निकाले, जिनसे उन्होंने घूंट ली, होंठों को चटकाया और आंखों से इशारा किया। उनके हाव-भाव से लग रहा था जैसे वे टकीला पी रहे हों। शायद वह मिनरल वाटर था। उनका दिखावा संगीत की तरह ही व्यर्थ था। कोई उनकी तरफ देख भी नहीं रहा था।
यह कमरा कभी एक बॉलरूम हुआ करता था और एडी मार्स ने इसे केवल उतना ही बदला था जितना उनके व्यवसाय ने उन्हें मजबूर किया था। न तो क्रोमियम की चमक थी, न कोणीय कॉर्निस के पीछे से अप्रत्यक्ष प्रकाश, न ही फ्यूज़्ड ग्लास की तस्वीरें, न ही भड़कीले चमड़े और पॉलिश किए हुए धातु के पाइप से बनी कुर्सियाँ, न ही हॉलीवुड के आम नाइट क्लबों का दिखावटी आधुनिक तमाशा। रोशनी भारी क्रिस्टल झूमरों से आ रही थी और दीवार के गुलाबी दमास्क पैनल अभी भी वैसे ही गुलाबी दमास्क थे, जो समय के साथ थोड़े फीके और धूल से काले पड़ गए थे, जिन्हें बहुत पहले लकड़ी के फर्श के साथ मिलाया गया था, जिसका केवल एक छोटा सा चिकना हिस्सा, छोटे मैक्सिकन ऑर्केस्ट्रा के सामने, दिखाई दे रहा था। बाकी हिस्सा भारी पुराने गुलाबी रंग के कालीन से ढका हुआ था, जिसकी कीमत काफी अधिक रही होगी। लकड़ी का फर्श एक दर्जन प्रकार की कठोर लकड़ियों से बना था, बर्मा टीक से लेकर ओक और महोगनी जैसी दिखने वाली लाल लकड़ी के छह रंगों तक, और अंत में कैलिफोर्निया की पहाड़ियों के कठोर हल्के जंगली बकाइन तक, सभी को जटिल पैटर्न में, एक सटीक तरीके से बिछाया गया

था।
कमरा अब भी खूबसूरत था, और अब उसमें पारंपरिक, सधे हुए नृत्य की जगह रूलेट खेला जा रहा था। दूर वाली दीवार के पास तीन मेजें थीं। एक नीची पीतल की रेलिंग उन्हें जोड़ती थी और क्रुपियरों के चारों ओर एक घेरा बनाती थी। तीनों मेजों पर काम चल रहा था, लेकिन भीड़ बीच वाली मेज पर थी। मैं कमरे के दूसरी तरफ बार से टेक लगाकर खड़ा था और महोगनी की लकड़ी पर बैकार्डी का एक छोटा गिलास घुमा रहा था, वहाँ से मुझे विवियन रेगन का काला सिर दिखाई दे रहा था।
बारटेंडर मेरे बगल में झुककर बीच वाली मेज पर बैठे सजे-धजे लोगों के समूह को देखने लगा। उसने कहा, "आज रात वो कमाल कर रही है, एकदम सटीक निशाना लगा रही है। वो लंबी, दुबली-पतली, काले बालों वाली औरत।"
"वह कॉन हे?"
मुझे उसका नाम नहीं पता। हालांकि वह यहां अक्सर आती है।
"तुम्हें उसका नाम कैसे पता नहीं होगा?"
"मैं तो बस यहाँ काम करता हूँ, महोदय," उसने बिना किसी द्वेष भाव के कहा। "वह भी बिल्कुल अकेली है। उसके साथ जो आदमी था, वह बेहोश पड़ा था। उसे निकालकर उसकी कार में बिठा दिया गया।"
मैंने कहा, "मैं उसे घर ले जाऊंगा।"
"बिल्कुल नहीं। खैर, फिर भी मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। क्या मैं उस बैकार्डी को थोड़ा नरम कर दूं या आपको यह जैसा है वैसा ही पसंद है?"
मैंने कहा, "मुझे यह जैसा है वैसा ही पसंद है,"
"मैं तो खांसी की दवा पीना ज्यादा पसंद करूंगा," उसने कहा।
भीड़ हटी और शाम के कपड़ों में सजे दो आदमी धक्का-मुक्की करते हुए बाहर निकले। मैंने उस खुले हिस्से से उसकी गर्दन का पिछला हिस्सा और नंगे कंधे देखे। उसने हल्के हरे मखमल की एक नीची-गर्दन वाली पोशाक पहनी हुई थी। वह इस मौके के लिए कुछ ज़्यादा ही सजी-धजी लग रही थी। भीड़ इतनी घनी हो गई कि उसका काला सिर छोड़कर बाकी सब छिप गया। दोनों आदमी कमरे के उस पार आए और बार से टिककर खड़े हो गए और स्कॉच और सोडा माँगा। उनमें से एक का चेहरा लाल और उत्तेजित था। वह काले किनारे वाले रूमाल से अपना चेहरा पोंछ रहा था। उसकी पतलून के किनारे पर बनी दोहरी साटन की धारियाँ इतनी चौड़ी थीं कि उन पर टायरों के निशान बन सकते थे।
"अरे यार, मैंने ऐसा प्रदर्शन पहले कभी नहीं देखा," उसने कांपती हुई आवाज़ में कहा। "लगातार आठ जीत और उस लाल गेंद पर दो बराबरी का मुकाबला। ये तो जुआ है, यार, ये तो जुआ है।"
"मुझे तो खुजली होने लगी है," दूसरे ने कहा। "वो एक ही झटके में एक हज़ार डॉलर का दांव लगा रही है। वो हार ही नहीं सकती।" उन्होंने अपनी चोंचें पेय में डालीं, जल्दी से गड़गड़ाहट की और वापस चले गए।
“ये छोटे आदमी कितने समझदार होते हैं,” बारटेंडर ने धीमी आवाज़ में कहा। “एक चुटकी पर

एक बड़ा धमाका, है ना। मैंने एक बार हवाना में एक बूढ़े घोड़े जैसे चेहरे वाले आदमी को देखा था —"

बीच वाली मेज पर शोर बढ़ गया और एक तीखी विदेशी आवाज उसके ऊपर से सुनाई दी: "कृपया एक पल धैर्य रखें, महोदया। मेज आपकी शर्त को पूरा नहीं कर सकती। श्री मार्स अभी एक पल में यहाँ आ रहे हैं।"

मैंने अपनी बैकार्डी वहीं छोड़ दी और कालीन पर धीरे-धीरे चलने लगा। छोटा सा ऑर्केस्ट्रा तेज़ आवाज़ में टैंगो बजाने लगा। कोई नाच नहीं रहा था और न ही नाचने का इरादा था। मैं डिनर के कपड़ों में, शाम की पोशाक में, स्पोर्ट्स के कपड़ों में और बिज़नेस सूट पहने हुए लोगों के बीच से होते हुए बाईं ओर की आखिरी मेज़ तक पहुँचा। वहाँ सन्नाटा पसरा हुआ था। दो क्रुपियर उसके पीछे सिर मिलाकर और आँखें तिरछी करके खड़े थे। उनमें से एक खाली मेज़ पर बेतरतीब ढंग से रेक को आगे-पीछे कर रहा था। वे दोनों विवियन रेगन को घूर रहे थे।

उसकी लंबी पलकें फड़क रही थीं और उसका चेहरा असामान्य रूप से पीला पड़ गया था। वह बीच वाली मेज पर, ठीक व्हील के सामने बैठी थी। उसके सामने पैसों और चिप्स का एक अव्यवस्थित ढेर लगा था। देखने में तो बहुत सारा पैसा लग रहा था। उसने क्रुपियर से ठंडे, उद्दंड और चिड़चिड़े लहजे में बात की।

"ये किस तरह का घटिया पहनावा है, मैं जानना चाहता हूँ। जल्दी करो और पहिया घुमाओ, अमीरों। मुझे एक और मौका चाहिए और मैं टेबल स्टेक्स खेल रहा हूँ। मैंने देखा है कि तुम मुझसे जल्दी छीन लेते हो, लेकिन जब देने की बारी आती है तो तुम शिकायत करने लगते हो।"

उस जुआरी ने ठंडी, विनम्र मुस्कान बिखेरी, जो उसने हजारों असभ्यों और लाखों मूर्खों को देखकर बनाई थी। उसका लंबा, सांवला, उदासीन व्यवहार त्रुटिहीन था। उसने गंभीरता से कहा: "मेज, टेबल आपकी शर्त पूरी नहीं कर सकती। आपके पास सोलह हजार डॉलर से अधिक हैं।"

"ये तुम्हारा पैसा है," लड़की ने ताना मारते हुए कहा। "क्या तुम इसे वापस नहीं लेना चाहते?"

उसके बगल में खड़ा एक आदमी उसे कुछ कहने की कोशिश कर रहा था। वह तेज़ी से मुड़ी और उस पर कुछ थूक दिया, जिससे वह शर्म से लाल होकर भीड़ में गायब हो गया। पीतल की रेलिंग से घिरे उस स्थान के दूसरे छोर पर पैनलिंग में एक दरवाज़ा खुला। एडी मार्स एक बनावटी, उदासीन मुस्कान लिए हुए दरवाज़े से अंदर आया, उसके हाथ डिनर जैकेट की जेबों में थे, दोनों अंगुलियों के नाखून बाहर चमक रहे थे। उसे यह अंदाज़ पसंद आ रहा था। वह क्रुपियरों के पीछे टहलते हुए बीच वाली मेज के कोने पर रुक गया। उसने सुस्ती भरी शांति से बात की, क्रुपियर की तुलना में कम विनम्रता से।

"क्या कोई बात है, श्रीमती रेगन?"

उसने झपट्टा मारते हुए अपना चेहरा उसकी ओर घुमाया। मैंने देखा कि उसके गालों की गोलाई अकड़ गई, मानो किसी असहनीय आंतरिक तनाव से। उसने उसे कोई जवाब नहीं दिया।

एडी मार्स ने गंभीरता से कहा: "अगर आप अब और नहीं खेल रहे हैं, तो आपको मुझे किसी को अपने साथ घर भेजने की अनुमति देनी होगी।"

लड़की का चेहरा लाल हो गया। उसके गालों की हड्डियाँ सफ़ेद पड़ गईं। फिर वह बेसुरी हंसी हंस

पड़ी। उसने कड़वाहट से कहा:
"एक और मौका, एडी। मैं लाल रंग पर अपना सब कुछ दांव पर लगा रहा हूँ। मुझे लाल रंग पसंद है। यह खून का रंग है।"
एडी मार्स ने हल्की सी मुस्कान दी, फिर सिर हिलाया और अपनी भीतरी जेब में हाथ डाला। उन्होंने सोने के कोनों वाला एक बड़ा पिनसील बटुआ निकाला और लापरवाही से उसे मेज पर बैठे क्रुपियर की ओर फेंक दिया। उन्होंने कहा, "अगर किसी को इस बात पर आपत्ति न हो कि यह पासा सिर्फ महिला के लिए है, तो उसकी शर्त की पूरी रकम हज़ारों में दे दीजिए।"
किसी ने आपत्ति नहीं जताई, विवियन रेगन नीचे झुकी और अपने सारे जीते हुए पैसे दोनों हाथों से बेरहमी से लेआउट पर बने बड़े लाल हीरे पर रख दिए।
क्रुपियर ने बिना किसी हड़बड़ी के मेज पर झुककर उसके पैसे और चिप्स गिने और उन्हें एक के ऊपर एक रखा, कुछ चिप्स और नोटों को छोड़कर बाकी सभी को एक साफ-सुथरे ढेर में रखा और बाकी बचे नोटों को अपने रेक से मेज से हटा दिया। उसने एडी मार्स का बटुआ खोला और उसमें से हज़ार-हज़ार डॉलर के नोटों के दो चपटे पैकेट निकाले। उसने एक पैकेट तोड़ा, उसमें से छह नोट गिने, उन्हें साबुत पैकेट में मिला दिया, चार खुले नोट बटुए में रख दिए और उसे माचिस की डिब्बी की तरह लापरवाही से एक तरफ रख दिया। एडी मार्स ने बटुए को छुआ तक नहीं। क्रुपियर के अलावा कोई नहीं हिला। उसने बाएं हाथ से पहिया घुमाया और अपनी कलाई को हल्के से हिलाते हुए हाथीदांत की गेंद को ऊपरी किनारे पर सरका दिया। फिर उसने अपने हाथ पीछे खींच लिए और बाहें मोड़ लीं।
विवियन के होंठ धीरे-धीरे खुले, जब तक कि उसके दांत रोशनी में चमकने लगे और चाकू की तरह जगमगा उठे। गेंद पहिये की ढलान पर धीरे-धीरे लुढ़कती हुई संख्याओं के ऊपर क्रोमियम की उभरी हुई पट्टियों पर उछली। काफी देर बाद, अचानक एक सूखी सी क्लिक की आवाज़ के साथ गेंद रुक गई। पहिया धीमा हो गया, और गेंद को अपने साथ घुमाता रहा। जब तक पहिया पूरी तरह घूमना बंद नहीं कर दिया, तब तक क्रुपियर ने अपनी बाहें नहीं खोलीं।
"लाल रंग जीत गया," उसने औपचारिक ढंग से, बिना किसी रुचि के कहा। छोटी सी हाथीदांत की गेंद डबल ज़ीरो से तीसरे नंबर, रेड 25 पर पड़ी थी। विवियन रेगन ने अपना सिर पीछे किया और विजयी भाव से हंस पड़ी।
क्रुपियर ने अपना रेक उठाया और धीरे-धीरे हजार-हजार डॉलर के नोटों के ढेर को लेआउट के पार धकेला, उन्हें स्टेक में जोड़ा, और धीरे-धीरे सब कुछ खेल के मैदान से बाहर धकेल दिया।
एडी मार्स मुस्कुराया, अपना बटुआ वापस अपनी जेब में रखा, मुड़ा और पैनलिंग में बने दरवाजे से कमरे से बाहर निकल गया।
एक दर्जन लोगों ने एक साथ राहत की सांस ली और बार की ओर दौड़ पड़े। मैं भी उनके साथ चल पड़ा और विवियन के अपनी जीती हुई रकम समेटकर मेज से मुड़ने से पहले ही कमरे के दूसरे छोर पर पहुँच गया। मैं बड़े शांत लॉबी में गया, चेक गर्ल से अपनी टोपी और कोट लिया, उसकी ट्रे में एक चौथाई सिक्का डाला और बरामदे में चला गया। चौकीदार मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया और बोला: "क्या मैं आपकी कार ला सकता हूँ, महोदय?"

मैंने कहा: "मैं बस टहलने जा रहा हूँ।"
पोर्च के किनारे की नक्काशी कोहरे से भीगी हुई थी। कोहरा मोंटेरे सरू के पेड़ों से टपक रहा था, जो समुद्र के ऊपर चट्टान की ओर दूर तक फैले हुए थे। किसी भी दिशा में मुश्किल से कुछ ही फीट दिखाई दे रहा था। मैं पोर्च की सीढ़ियों से नीचे उतरा और पेड़ों के बीच से होते हुए एक अस्पष्ट रास्ते पर चलता रहा, जब तक कि मुझे चट्टान के तल पर लहरों की आवाज़ सुनाई नहीं दी, जो कोहरे को छू रही थीं। कहीं भी रोशनी की एक किरण भी नहीं थी। एक समय में मुझे एक दर्जन पेड़ साफ दिखाई दे रहे थे, फिर कुछ धुंधले, और फिर कोहरे के सिवा कुछ भी नहीं। मैं बाईं ओर मुड़ा और वापस उस बजरी वाले रास्ते की ओर चल पड़ा जो अस्तबल की ओर जाता था जहाँ गाड़ियाँ खड़ी होती थीं। जब मुझे घर की रूपरेखा दिखाई दी तो मैं रुक गया। मेरे ठीक सामने मैंने एक आदमी को खांसते हुए सुना था।
नरम, नम घास पर मेरे कदमों की कोई आवाज़ नहीं हुई। उस आदमी ने फिर खांसा, फिर रूमाल या आस्तीन से अपनी खांसी दबा ली। जब वह ऐसा कर ही रहा था, मैं उसके करीब आगे बढ़ा। मैंने उसे देखा, रास्ते के पास एक धुंधली सी परछाई। किसी वजह से मैं एक पेड़ के पीछे छिप गया और नीचे झुक गया। उस आदमी ने अपना सिर घुमाया। ऐसा करते समय उसका चेहरा एकदम सफेद धुंधला दिखना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह अंधेरा ही रहा। मानो उसके चेहरे पर कोई मुखौटा लगा हो।
मैं पेड़ के पीछे इंतजार करता रहा।
23
अदृश्य रास्ते पर एक स्त्री के हल्के कदमों की आहट सुनाई दी और मेरे सामने खड़ा आदमी आगे बढ़ा और मानो कोहरे में सहारा लेकर खड़ा हो गया हो। मैं स्त्री को देख नहीं पा रहा था, फिर धुंधला-सा दिखाई देने लगा। उसके सिर का घमंडी अंदाज़ जाना-पहचाना सा लगा। वह आदमी बहुत तेज़ी से आगे बढ़ा। दोनों आकृतियाँ कोहरे में घुलमिल गईं, मानो कोहरे का ही हिस्सा हों। एक पल के लिए सन्नाटा छा गया। फिर उस आदमी ने कहा:
"यह एक बंदूक है, महोदया। ज़रा धीरे से। कोहरे में आवाज़ धीमी हो जाती है। बस मुझे थैली पकड़ा दीजिए।"
लड़की ने कोई आवाज़ नहीं की। मैं एक कदम आगे बढ़ा। अचानक ही मुझे उस आदमी की टोपी के किनारे पर धुंधली सी रुई दिखाई दी। लड़की एकदम स्थिर खड़ी थी। फिर उसकी साँसों से एक कर्कश आवाज़ आने लगी, जैसे किसी नरम लकड़ी पर छोटी सी सैंडल रगड़ी जा रही हो।
उस आदमी ने कहा, "चिल्लाओगे तो मैं तुम्हें बीच से काट दूंगा।"
वह चिल्लाई नहीं। वह हिली भी नहीं। उसकी ओर से एक हलचल हुई और एक सूखी हंसी सुनाई दी। "यह यहीं होना चाहिए," उसने कहा। एक कुंडी की आवाज आई और कुछ अटकने की आवाज सुनाई दी। वह आदमी मुड़ा और मेरे पेड़ की ओर बढ़ा। तीन-चार कदम चलने के बाद वह फिर हंसा। वह हंसी मुझे जानी-पहचानी सी लगी। मैंने अपनी जेब से एक पाइप निकाला और उसे बंदूक की तरह पकड़ लिया।
मैंने धीरे से आवाज़ लगाई: "हाय, लैनी।"

वह आदमी एकदम रुक गया और अपना हाथ ऊपर उठाने लगा। मैंने कहा: "नहीं। मैंने तुमसे कहा था कि ऐसा कभी मत करना, लैनी। तुम सुरक्षित हो।"
कुछ भी नहीं हिला। रास्ते पर खड़ी लड़की नहीं हिली। मैं नहीं हिला। लैनी नहीं हिली।
मैंने उससे कहा, "बच्चे, थैला अपने पैरों के बीच में रखो। धीरे-धीरे और आराम से।"
वह नीचे झुका। मैं उछलकर उसके पास पहुँचा, वह अभी भी झुका हुआ था। वह मेरे सहारे सीधा खड़ा हो गया और ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रहा था। उसके हाथ खाली थे।
"मुझे बताओ कि मैं बच नहीं सकता," मैंने कहा। मैं उसके कंधे से टिक गया और उसकी ओवरकोट की जेब से बंदूक निकाल ली। "कोई न कोई मुझे हमेशा बंदूकें देता रहता है," मैंने उससे कहा। "इनसे मेरा वजन इतना बढ़ गया है कि मैं टेढ़ा चलने लगा हूँ। दफ़ा हो जाओ।"
हमारी सांसें मिलीं और आपस में घुलमिल गईं, हमारी आंखें दीवार पर बैठे दो नर बिल्लियों की आंखों जैसी थीं। मैं पीछे हट गया।
"जाओ, लैनी। कोई बात नहीं। तुम भी चुप रहो और मैं भी चुप रहूंगा। ठीक है?"
"ठीक है," उसने भारी स्वर में कहा।
कोहरे ने उसे निगल लिया। उसके कदमों की हल्की सी आहट सुनाई दी और फिर सन्नाटा छा गया। मैंने थैला उठाया, उसमें टटोला और रास्ते की ओर चल पड़ा। वह अभी भी वहीं खड़ी थी, बिना दस्ताने वाले हाथ से उसने अपने गले में एक धूसर फर का कोट कसकर पकड़ रखा था, जिस पर पहनी अंगूठी हल्की सी चमक रही थी। उसने टोपी नहीं पहनी थी। उसके काले, बीच से बँटे बाल रात के अंधेरे में समा गए थे। उसकी आँखें भी।
"बहुत बढ़िया काम किया, मार्लो। क्या अब तुम मेरे अंगरक्षक हो?" उसकी आवाज़ में एक कठोरता थी।
"लगता तो यही है। ये रहा बैग।"
उसने उसे ले लिया। मैंने कहा: "क्या आपके पास कार है?"
वह हंस पड़ी। "मैं एक आदमी के साथ आई हूं। तुम यहां क्या कर रहे हो?"
"एडी मार्स मुझसे मिलना चाहते थे।"
मुझे नहीं पता था कि आप उसे जानते हैं। क्यों?
"मुझे आपको बताने में कोई आपत्ति नहीं है। उसे लगा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढ रहा हूँ जो उसकी पत्नी के साथ भाग गया हो।"
"तुम थे?"
"नहीं।"
"तो फिर आप किसलिए आए थे?"
"यह पता लगाने के लिए कि उसे ऐसा क्यों लगा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहा हूँ जो उसकी पत्नी के साथ भाग गया हो।"
"क्या तुम्हें पता चला?"
"नहीं।"
"तुम रेडियो उद्घोषक की तरह जानकारी लीक करते हो," उसने कहा। "मुझे लगता है कि इससे

मेरा कोई लेना-देना नहीं है—भले ही वह आदमी मेरा पति ही क्यों न हो। मुझे लगा था कि तुम्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।"

"लोग इसे मुझ पर फेंकते रहते हैं।"

उसने झुंझलाहट में दांत किटकिटाए। नकाबपोश बंदूकधारी व्यक्ति की घटना का उस पर कोई असर नहीं हुआ था। "ठीक है, मुझे गैराज ले चलो," उसने कहा। "मुझे अपने साथ आए व्यक्ति से मिलना है।"

हम पगडंडी पर चलते हुए इमारत के एक कोने से मुड़े और आगे रोशनी दिखाई दी, फिर दूसरे कोने से मुड़े और दो फ्लडलाइटों से जगमगाते एक चमकदार, बंद अस्तबल के आंगन में पहुँचे। यह अब भी ईंटों से बना था और बीच में एक जाली की ओर ढलान वाला था। गाड़ियाँ चमक रही थीं और भूरे रंग का एप्रन पहने एक आदमी स्टूल से उठा और आगे बढ़ा।

"क्या मेरा बॉयफ्रेंड अभी भी नशे में है?" विवियन ने लापरवाही से उससे पूछा।

"मुझे डर है कि वह ठीक है, महोदया। मैंने उसके ऊपर एक कंबल डाल दिया है और खिड़कियाँ बंद कर दी हैं। मुझे लगता है कि वह ठीक है। बस आराम कर रहा है।"

हम एक बड़ी कैडिलैक कार के पास गए और कोट पहने हुए आदमी ने पीछे का दरवाज़ा खोला। चौड़ी पिछली सीट पर, बेतरतीब ढंग से रखी हुई, चेकदार चोगे से ठुड्डी तक ढकी हुई, एक आदमी मुँह खोले खर्राटे ले रहा था। वह एक लंबा-चौड़ा गोरा आदमी लग रहा था जो काफी शराब पी सकता था।

"मिलिए श्री लैरी कॉब से," विवियन ने कहा। "श्री कॉब—श्री मार्लो।"

"श्री कॉब मेरे साथ थे," उसने कहा। "श्री कॉब कितने अच्छे साथी थे! कितने ध्यान देने वाले। आपको उन्हें होश में देखना चाहिए था। मुझे उन्हें होश में देखना चाहिए था। किसी को तो उन्हें होश में देखना चाहिए था। मेरा मतलब है, बस रिकॉर्ड के लिए। ताकि यह इतिहास का हिस्सा बन सके, वह संक्षिप्त क्षण, जो समय के साथ गुम हो जाएगा, लेकिन कभी भुलाया नहीं जाएगा - जब लैरी कॉब होश में थे।"

"हां," मैंने कहा।

"मैंने तो उससे शादी करने के बारे में भी सोचा है," उसने ऊँची, तनाव भरी आवाज़ में कहा, मानो उस झटके का असर उस पर अभी-अभी पड़ना शुरू हुआ हो। "कभी-कभी जब मेरे मन में कुछ भी अच्छा नहीं आता। हम सभी के साथ ऐसा होता है। ढेर सारा पैसा, आप जानते हैं। एक नौका, लॉन्ग आइलैंड पर एक घर, न्यूपोर्ट में एक घर, बरमूडा में एक घर, दुनिया भर में जगह-जगह घर—बस एक अच्छी स्कॉच की बोतल की दूरी पर। और मिस्टर कॉब के लिए स्कॉच की एक बोतल बहुत दूर नहीं है।"

"हां," मैंने कहा। "क्या उसे घर ले जाने के लिए कोई ड्राइवर है?"

"हाँ मत कहो। यह आम बात है।" उसने भौंहें चढ़ाकर मेरी तरफ देखा। अशकुन पहने आदमी अपने निचले होंठ को ज़ोर से चबा रहा था। "ओह, निस्संदेह ड्राइवरों की पूरी पलटन होगी। वे शायद हर सुबह गैराज के ठीक सामने अभ्यास करते होंगे, बटन चमक रहे होंगे, लगाम दमक रही होगी, सफेद दस्ताने एकदम साफ होंगे—उनमें एक तरह की वेस्ट प्वाइंट वाली शान होगी।"

मैंने पूछा, "आखिर वो ड्राइवर गया कहाँ?"
"आज रात वो खुद गाड़ी चलाकर आया है," स्मोक पहने उस आदमी ने लगभग माफी मांगते हुए कहा। "मैं उसके घर फोन करके किसी को उसके लिए भेज सकता हूँ।"
विवियन मुड़ी और उसकी ओर ऐसे मुस्कुराई जैसे उसने उसे हीरे का मुकुट भेंट किया हो। "यह बहुत अच्छा होगा," उसने कहा। "क्या आप ऐसा करेंगे? मैं सच में नहीं चाहती कि मिस्टर कॉब की मृत्यु इस तरह हो - मुँह खुला हुआ। कोई सोच सकता है कि उनकी मृत्यु प्यास से हुई है।"
उस कमीज़ पहने हुए आदमी ने कहा: "अगर उन्होंने उसे सूंघा तो नहीं, मैडम।"
उसने अपना बैग खोला और मुट्ठी भर नोट निकालकर उसे देते हुए कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि तुम उसका ख्याल रखोगे।"
"अरे बाप रे!" उस आदमी ने आँखें फाड़कर कहा। "ज़रूर जाऊँगा, मैडम।"
"मेरा नाम रीगन है," उसने मीठी आवाज़ में कहा। "श्रीमती रीगन। आप शायद मुझे फिर से देखेंगी। आप यहाँ ज़्यादा दिन से नहीं हैं, है ना?"
"नहीं, मैं।" उसके हाथ मुट्ठी भर पैसों को लेकर बेतहाशा हरकतें कर रहे थे।
"तुम्हें यहाँ बहुत अच्छा लगेगा," उसने कहा। उसने मेरा हाथ पकड़ लिया। "चलो, मार्लो, तुम्हारी कार में चलते हैं।"
"यह सड़क पर बाहर है।"
"मुझे कोई आपत्ति नहीं है, मार्लो। मुझे कोहरे में टहलना बहुत पसंद है। इस दौरान आपको बहुत ही दिलचस्प लोग मिलते हैं।"
"अरे यार, ये तो पागलपन है," मैंने कहा।
उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और कांपने लगी। कार तक पूरे रास्ते उसने मुझे कसकर पकड़े रखा। कार तक पहुँचते-पहुँचते उसका कांपना बंद हो गया था। मैंने घर के दूसरी तरफ पेड़ों से घिरी एक घुमावदार गली में गाड़ी चलाई। वह गली लास ओलिनदास की मुख्य सड़क, डी कैज़ेन्स बुलेवार्ड पर खुलती थी। हम पुरानी टिमटिमाती आर्क लाइटों के नीचे से गुज़रे और थोड़ी देर बाद एक कस्बा, इमारतें, वीरान सी दिखने वाली दुकानें, रात की घंटी के ऊपर बत्ती वाला एक सर्विस स्टेशन और आखिर में एक दवा की दुकान दिखाई दी जो अभी भी खुली थी।
मैंने कहा, "तुम्हें एक ड्रिंक ले लेनी चाहिए।"
उसने अपनी ठुड्डी हिलाई, सीट के कोने में एक हल्का पीलापन सा दिखाई दिया। मैंने गाड़ी को तिरछे मोड़कर फुटपाथ पर खड़ी कर दी। "थोड़ी सी ब्लैक कॉफ़ी और थोड़ी सी राई ब्रेड अच्छी लगेगी," मैंने कहा।
"मैं दो नाविकों जितना नशे में धुत हो सकता हूं और मुझे इसमें मजा आएगा।"
मैंने उसके लिए दरवाज़ा खोला और वह मेरे करीब आकर खड़ी हो गई, उसके बाल मेरे गाल को छू गए। हम दवा की दुकान में गए। मैंने शराब के काउंटर से एक पाइंट राई व्हिस्की खरीदी और उसे उठाकर स्टूल पर रख दिया, जो टूटे हुए संगमरमर के काउंटर पर टिका हुआ था।
मैंने कहा, "दो कॉफी। काली, कड़क और इसी साल बनी हुई।"
"यहाँ शराब पीना मना है," क्लर्क ने कहा। उसने फीकी नीली वर्दी पहनी हुई थी, सिर पर बाल

कम थे, आँखें काफी सीधी-सादी थीं और दीवार से टकराने से पहले उसकी ठोड़ी कभी दीवार से नहीं टकराती थी।

विवियन रेगन ने अपने बैग से सिगरेट का पैकेट निकाला और पुरुषों की तरह उसमें से कुछ सिगरेटें निकालकर मेरी ओर बढ़ा दीं।

क्लर्क ने कहा, "यहां शराब पीना गैरकानूनी है।"

मैंने सिगरेट जलाई और उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। उसने एक पुराने, फीके निकेल के बर्तन से दो कप कॉफी निकाली और हमारे सामने रख दी। उसने राई की बोतल की तरफ देखा, कुछ बुदबुदाया और थके हुए स्वर में बोला, "ठीक है, जब तक तुम कॉफी डालो, मैं सड़क देखता रहूंगा।"

वह जाकर डिस्प्ले विंडो के पास हमारी तरफ पीठ करके खड़ा हो गया और उसके कान बाहर लटक रहे थे।

"इसे करते हुए मेरी जान निकल रही है," मैंने कहा और व्हिस्की की बोतल का ढक्कन खोलकर उसमें कॉफी डाली। "इस शहर में पुलिस बहुत बढ़िया है। शराबबंदी के पूरे दौर में एडी मार्स का अड्डा एक नाइट क्लब था और हर रात लॉबी में दो वर्दीधारी पुलिसकर्मी तैनात रहते थे—ताकि मेहमान अपनी शराब खुद न लाएं और वहीं से खरीदें।"

क्लर्क अचानक मुड़ा और काउंटर के पीछे वापस चला गया और प्रिस्क्रिप्शन रूम की छोटी सी कांच की खिड़की के पीछे चला गया।

हमने अपनी भरपूर कॉफी की चुस्कियां लीं। मैंने कॉफी के बर्तन के पीछे लगे दर्पण में विवियन का चेहरा देखा। वह तनी हुई, पीली, खूबसूरत और बेबाक थी। उसके होंठ लाल और रूखे थे।

मैंने कहा, "तुम्हारी आँखें बहुत ही तीखी हैं। एडी मार्स ने तुम्हारे बारे में क्या कह दिया है?"

उसने शीशे में मेरी तरफ देखा। "आज रात मैंने रूलेट में उससे काफी कुछ जीत लिया—शुरुआत उन पांच हजार डॉलर से हुई जो मैंने उससे कल उधार लिए थे और मुझे उनका इस्तेमाल नहीं करना पड़ा।"

"इससे उसे गुस्सा आ सकता है। तुम्हें क्या लगता है कि उसने उस लूगन को तुम्हारे पीछे भेजा है?"

"लूगन क्या होता है?"

"एक आदमी जिसके पास बंदूक है।"

"क्या तुम लोगन हो?"

"ज़रूर," मैं हँसा। "लेकिन कड़ाई से कहें तो, लूगन बाड़ के गलत तरफ है।"

मैं अक्सर सोचता हूं कि क्या कोई गलत पक्ष भी होता है।

हम विषय से भटक रहे हैं। एडी मार्स के पास तुम्हारे बारे में क्या जानकारी है?

"क्या आपका मतलब मुझ पर किसी तरह की पकड़ से है?"

"हाँ।"

उसके होंठ सिकुड़ गए। "और भी हास्यपूर्ण बोलो, मार्लो। बहुत ज्यादा हास्यपूर्ण।"

"जनरल कैसे हैं? मैं मजाकिया होने का दिखावा नहीं करता।"

"उनकी तबीयत कुछ ठीक नहीं है। वे आज उठे ही नहीं। कम से कम आप मुझसे सवाल करना तो बंद कर दें।"
"मुझे याद है एक समय था जब मैं भी आपके बारे में ऐसा ही सोचता था। जनरल को कितना पता है?"
"शायद उसे सब कुछ पता है।"
"नॉरिस उसे बताएगा?"
नहीं। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी वाइल्ड उनसे मिलने आए थे। क्या आपने वो तस्वीरें जला दीं?
"ज़रूर। आप अपनी छोटी बहन के बारे में कभी-कभी चिंता करते हैं, है ना?"
"मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उसी के बारे में चिंतित रहती हूं। मैं एक तरह से पिताजी के बारे में भी चिंतित रहती हूं, ताकि उनसे कुछ बातें छिपा सकूं।"
मैंने कहा, "उसे ज्यादा भ्रम नहीं हैं, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें अभी भी स्वाभिमान बाकी है।"
"हम उसके खून के रिश्तेदार हैं। यही तो असली सच्चाई है।" उसने गहरी, बेपरवाह आँखों से आईने में मेरी तरफ देखा। "मैं नहीं चाहती कि वह अपने ही खून से नफरत करते हुए मरे। यह हमेशा से जंगली खून था, लेकिन हमेशा से सड़ा हुआ खून नहीं था।"
"क्या अब?"
"मुझे लगता है कि आप ऐसा ही सोचते हैं।"
"तुम्हारा नहीं। तुम तो बस एक किरदार निभा रहे हो।"
उसने नज़रें नीचे कर लीं। मैंने थोड़ी और कॉफ़ी पी और हम दोनों के लिए एक और सिगरेट जलाई। "तो तुम लोगों को गोली मारते हो," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "तुम एक हत्यारे हो।"
"मैं कैसे?"
"अखबारों और पुलिस ने मामले को अच्छे से सुलझा दिया। लेकिन मैं हर पढ़ी हुई बात पर विश्वास नहीं करता।"
"ओह, आपको लगता है कि मैंने गीगर—या ब्रॉडी—या उन दोनों का हिसाब लगा लिया था।"
उसने कुछ नहीं कहा। मैंने कहा, "मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी। शायद मैं कर भी सकती थी और बच भी जाती। उनमें से कोई भी मुझ पर गोली चलाने में ज़रा भी नहीं हिचकिचाता।"
"इसका मतलब है कि तुम भी बाकी पुलिसवालों की तरह दिल से कातिल हो।"
"अरे यार, ये तो पागलपन है।"
"तुम उन अंधेरे, निर्मम और शांत पुरुषों में से एक हो, जिनके मन में कसाई की तरह ही कटे हुए मांस के लिए कोई भावना नहीं होती। तुम्हें पहली बार देखते ही मुझे यह बात समझ आ गई थी।"
"तुम्हारे पास इतने संदिग्ध दोस्त हैं कि तुम्हें फर्क पता होना चाहिए।"
"वे सब तुम्हारे मुकाबले नरम दिल हैं।"
"धन्यवाद, महोदया। आप भी कोई साधारण अंग्रेज़ मफिन नहीं हैं।"
"चलो इस सड़े हुए छोटे से शहर से निकल चलते हैं।"
मैंने बिल चुकाया, राई व्हिस्की की बोतल जेब में रखी और हम चले गए। क्लर्क को अब भी मैं

पसंद नहीं आया।

हम लास ओलिनदास से निकलकर कई छोटे-छोटे, नमी से भरे समुद्रतटीय कस्बों से गुज़रे, जहाँ रेत पर बने झोपड़ीनुमा घर लहरों की गड़गड़ाहट के पास थे और ढलानों पर बड़े-बड़े घर बने हुए थे। कहीं-कहीं पीली खिड़कियाँ चमक रही थीं, लेकिन ज़्यादातर घर अँधेरे थे। पानी से समुद्री शैवाल की गंध आ रही थी और कोहरे में फैली हुई थी। सड़क के गीले कंक्रीट पर टायरों की आवाज़ गूंज रही थी। दुनिया एक गीली वीरानगी थी।

जब हम दवा की दुकान से निकले थे, तब डेल रे ने मुझसे पहली बार बात की, और हम उसके काफी करीब पहुँच चुके थे। उसकी आवाज़ दबी हुई सी थी, मानो उसके अंदर कहीं गहरी गड़गड़ाहट हो रही हो।

"डेल रे बीच क्लब के पास से गाड़ी चलाकर जाओ। मैं पानी देखना चाहता हूँ। यह बाईं ओर अगली गली है।"

चौराहे पर पीली बत्ती टिमटिमा रही थी। मैंने गाड़ी मोड़ी और ढलान से नीचे उतर गया। एक तरफ ऊँची चट्टान थी, दाईं ओर शहरी पगडंडियाँ थीं, पटरियों के पार दूर हल्की रोशनी की एक लकीर थी, और फिर बहुत दूर घाट की जगमगाती बत्तियाँ और शहर के ऊपर आसमान में धुंध छाई हुई थी। उस तरफ कोहरा लगभग छंट गया था। सड़क पटरियों को पार करती थी जहाँ वे चट्टान के नीचे से गुजरने लगती थीं, फिर एक पक्की समुद्री सड़क पर पहुँचती थी जो एक खुले और साफ-सुथरे समुद्र तट के किनारे थी। गाड़ियाँ फुटपाथ के किनारे समुद्र की ओर मुँह करके खड़ी थीं, अंधेरी। बीच क्लब की बत्तियाँ कुछ सौ गज दूर थीं।

मैंने गाड़ी को फुटपाथ के किनारे रोककर ब्रेक लगाया, हेडलाइट बंद कीं और स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखकर बैठ गया। छंटते कोहरे में लहरें लगभग बिना किसी आवाज़ के, मानो चेतना के किनारे पर कोई विचार आकार लेने की कोशिश कर रहा हो, लहरों को घुमाती और झाग बनाती हुई आगे बढ़ रही थीं।

"और करीब आओ," उसने लगभग भारी आवाज़ में कहा।

मैं स्टीयरिंग व्हील के नीचे से हटकर सीट के बीच में आ गया। उसने अपना शरीर मुझसे थोड़ा दूर घुमाया, मानो खिड़की से बाहर झाँक रही हो। फिर वह बिना कोई आवाज़ किए पीछे की ओर मेरी बाहों में गिर पड़ी। उसका सिर लगभग स्टीयरिंग व्हील से टकरा गया। उसकी आँखें बंद थीं, चेहरा धुंधला था। तभी मैंने देखा कि उसकी आँखें खुलीं और झपकीं, उनकी चमक अँधेरे में भी दिखाई दे रही थी।

"मुझे कसकर पकड़ लो, तुम दरिंदे," उसने कहा।

मैंने पहले तो उसे हल्के से बाहों में भर लिया। उसके बाल मेरे चेहरे पर चुभ रहे थे। मैंने अपनी बाहों को कसकर उसे ऊपर उठा लिया। धीरे-धीरे उसका चेहरा अपने चेहरे के पास लाया। उसकी पलकें पतंगे के पंखों की तरह तेज़ी से फड़फड़ा रही थीं।

मैंने उसे कसकर और जल्दी से चूमा। फिर एक लंबा, धीमा, लिपटा हुआ चुंबन। उसके होंठ मेरे होंठों के नीचे खुल गए। उसका शरीर मेरी बाहों में कांपने लगा।

"हत्यारा," उसने धीमी आवाज़ में कहा, उसकी सांसें मेरे मुंह में समा गईं।

मैंने उसे तब तक अपने करीब खींचे रखा जब तक कि उसके शरीर की कंपकंपी से मेरा शरीर भी कांपने लगा। मैं उसे लगातार चूमता रहा। काफी देर बाद उसने अपना सिर थोड़ा अलग किया और बोली: "आप कहाँ रहते हैं?"
होबार्ट आर्म्स। फ्रैंकलिन, केनमोर के पास।
"मैंने यह कभी नहीं देखा।"
"चाहना?"
"हां," उसने धीमी आवाज़ में कहा।
"एडी मार्स के पास तुम्हारे बारे में क्या जानकारी है?"
मेरी बाहों में उसका शरीर अकड़ गया और उसकी साँसें कर्कश हो गईं। उसका सिर पीछे की ओर खिंच गया, यहाँ तक कि उसकी आँखें, जो पूरी तरह खुली हुई थीं और जिनके चारों ओर सफ़ेद घेरा था, मुझे घूरने लगीं।
"तो बात कुछ ऐसी है," उसने धीमी और नीरस आवाज में कहा।
"बात यही है। चुंबन अच्छा लगता है, लेकिन तुम्हारे पिता ने मुझे तुम्हारे साथ सोने के लिए काम पर नहीं रखा था।"
"तू कमीना है," उसने बिना हिले-डुले शांत भाव से कहा।
मैंने उसके चेहरे पर हंसते हुए कहा, "यह मत सोचो कि मैं बर्फ की तरह कठोर हूँ। मैं अंधा या बेवकूफ नहीं हूँ। मेरे अंदर भी बाकी लोगों की तरह गर्म खून है। तुम बहुत आसानी से बहक जाती हो—बहुत ही आसानी से। एडी मार्स के पास तुम्हारे बारे में क्या जानकारी है?"
"अगर तुमने दोबारा ऐसा कहा तो मैं चिल्ला उठूंगी।"
"जो मन करे, चिल्लाओ।"
वह झटके से पीछे हट गई और कार के कोने में काफी पीछे की ओर खुद को सीधा कर लिया।
"मार्लो, ऐसी छोटी-छोटी बातों के लिए भी लोगों को गोली मार दी जाती है।"
"लोगों को लगभग बेवजह गोली मार दी गई है। जब हम पहली बार मिले थे, मैंने आपको बताया था कि मैं एक जासूस हूँ। इस बात को अपने दिमाग में बिठा लो। मैं इस काम में मेहनत करता हूँ, मैडम। मैं इसमें कोई खेल नहीं खेलता।"
उसने अपने बैग में हाथ डाला और एक रुमाल निकालकर उसे दांतों से चबाने लगी, उसका सिर मुझसे दूसरी तरफ मुड़ा हुआ था। रुमाल के फटने की आवाज़ मुझे सुनाई दी। वह उसे अपने दांतों से धीरे-धीरे, बार-बार फाड़ रही थी।
"तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि उसके पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है?" उसने रूमाल से दबी हुई आवाज में फुसफुसाते हुए कहा।
"वह आपको बहुत सारा पैसा जीतने देता है और फिर उसे वापस लेने के लिए किसी गुंडे को भेज देता है। आपको बस हल्की सी हैरानी होती है। आपने मेरे लिए पैसे बचाने के लिए धन्यवाद तक नहीं दिया। मुझे लगता है कि यह सब एक तरह का नाटक था। अगर मैं अपनी तारीफ करना चाहूँ तो कहूँगा कि यह कम से कम आंशिक रूप से मेरे फायदे के लिए था।"
"आपको लगता है कि वह अपनी मर्जी से जीत या हार सकता है।"

"बिल्कुल। बराबर रकम वाले दांव पर, पांच में से चार बार।"
"क्या मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत है कि मैं आपसे कितनी नफरत करता हूँ, मिस्टर डिटेक्टिव?"
"तुम पर मेरा कोई एहसान नहीं है। मेरा बकाया चुका दिया गया है।"
उसने फटे हुए रूमाल को कार की खिड़की से बाहर फेंक दिया। "महिलाओं को प्रभावित करने का तुम्हारा तरीका बहुत ही प्यारा है।"
मुझे तुम्हें चूमना अच्छा लगा।
"आपने बहुत ही शानदार तरीके से अपना संयम बनाए रखा। यह बहुत ही प्रशंसा की बात है। क्या मुझे आपको बधाई देनी चाहिए या अपने पिता को?"
मुझे तुम्हें चूमना अच्छा लगा।
उसकी आवाज़ एकदम ठंडी और कर्कश हो गई। "कृपा करके मुझे यहाँ से ले चलो। मुझे पूरा यकीन है कि मैं घर जाना चाहती हूँ।"
"तुम मेरी बहन नहीं बनोगी?"
"अगर मेरे पास रेजर होता, तो मैं तुम्हारा गला काट देता—सिर्फ यह देखने के लिए कि उसमें से क्या निकलता है।"
मैंने कहा, "कीड़े का खून।"
मैंने कार स्टार्ट की, मोड़ा और इंटरअर्बन ट्रैक पार करके वापस हाईवे पर आ गया, फिर शहर की ओर और वेस्ट हॉलीवुड की तरफ चल पड़ा। उसने मुझसे बात नहीं की। पूरे रास्ते वह लगभग हिली भी नहीं। मैं गेट से होते हुए बड़े घर के बरामदे तक बने नीचे बने रास्ते से गया। उसने झटके से कार का दरवाजा खोला और कार पूरी तरह रुकने से पहले ही बाहर निकल गई। तब भी उसने कुछ नहीं कहा। घंटी बजाने के बाद जब वह दरवाजे के पास खड़ी हुई तो मैं उसकी पीठ देखता रहा। दरवाजा खुला और नॉरिस बाहर झाँका। वह जल्दी से उसे धक्का देकर निकल गई और गायब हो गई। दरवाजा ज़ोर से बंद हो गया और मैं वहीं बैठा उसे देखता रहा।
मैं वापस ड्राइववे से होते हुए घर की ओर मुड़ गया।

24

इस बार अपार्टमेंट की लॉबी खाली थी। कोई बंदूकधारी मुझे आदेश देने के लिए गमले के नीचे इंतज़ार नहीं कर रहा था। मैं ऑटोमैटिक लिफ्ट से अपने फ्लोर पर गया और एक दरवाजे के पीछे धीमी आवाज़ में बज रहे रेडियो की धुन सुनते हुए गलियारे में चलने लगा। मुझे पानी चाहिए था और मैं जल्दी में था। मैंने दरवाजे के अंदर की लाइट नहीं जलाई। मैं सीधे किचन की ओर बढ़ा और तीन-चार कदम चलते ही रुक गया। कुछ गड़बड़ थी। हवा में कुछ अजीब सा था, एक गंध। खिड़कियों पर पर्दे गिरे हुए थे और किनारों से आती स्ट्रीट लाइट से कमरे में हल्की रोशनी थी। मैं वहीं खड़ा रहा और सुनने लगा। हवा में फैली गंध किसी परफ्यूम की थी, एक तेज़, चिपचिपी खुशबू।
कोई आवाज़ नहीं थी, बिलकुल कोई आवाज़ नहीं। फिर मेरी आँखें अंधेरे में थोड़ी अभ्यस्त हुईं और मैंने देखा कि मेरे सामने ज़मीन पर कुछ ऐसा था जो वहाँ नहीं होना चाहिए था। मैं पीछे हटा,

अंगूठे से दीवार पर लगे स्विच तक पहुँचा और लाइट जला दी।
बिस्तर नीचे था। उसमें से कोई खिलखिला रहा था। एक सुनहरे बालों वाला सिर मेरे तकिए पर दबा हुआ था। दो नंगी बाहें ऊपर की ओर मुड़ी हुई थीं और उनके हाथ सुनहरे बालों वाले सिर पर टिके हुए थे। कारमेन स्टर्नवुड मेरी बिस्तर पर पीठ के बल लेटी हुई थी और मुझ पर खिलखिला रही थी। उसके भूरे बालों की लहरें तकिए पर इस तरह फैली हुई थीं मानो किसी ने बड़ी सावधानी से उन्हें फैलाया हो। उसकी स्लेटी आँखें मुझे घूर रही थीं और हमेशा की तरह ऐसा लग रहा था जैसे किसी बैरल के पीछे से झाँक रही हों। वह मुस्कुराई। उसके छोटे नुकीले दाँत चमक उठे।
"मैं प्यारी हूं, है ना?" उसने कहा।
मैंने कड़े शब्दों में कहा: "शनिवार रात को फिलीपीनो की तरह प्यारी।"
मैं एक फ्लोर लैंप के पास गया और स्विच दबाया, फिर वापस आकर छत की लाइट बंद की और कमरे के दूसरी तरफ जाकर लैंप के नीचे कार्ड टेबल पर रखे शतरंज के बोर्ड के पास पहुँचा। बोर्ड पर एक पहेली थी, छह चालों वाली। मैं उसे हल नहीं कर पा रहा था, मेरी कई समस्याओं की तरह। मैंने नीचे झुककर एक घोड़ा हिलाया, फिर अपनी टोपी और कोट उतारकर कहीं फेंक दिए। इस पूरे समय बिस्तर से हल्की-हल्की हँसी की आवाज़ आ रही थी, वो आवाज़ जो मुझे किसी पुराने घर की दीवारों के पीछे छिपे चूहों की याद दिलाती थी।
"मुझे यकीन है कि आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते कि मैं अंदर कैसे आया।"
मैंने एक सिगरेट निकाली और उदास आँखों से उसकी ओर देखा। "मुझे यकीन है मैं कर सकता हूँ। तुम चाबी के छेद से आई थी, बिल्कुल पीटर पैन की तरह।"
"वह कौन है?"
"ओह, एक ऐसा आदमी जिसे मैं पूल रूम में जानता था।"
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। उसने कहा, "तुम बहुत प्यारे हो, है ना?"
मैंने कहना शुरू किया, "उस अंगूठे के बारे में—" लेकिन वह मुझसे आगे थी। मुझे उसे याद दिलाने की ज़रूरत नहीं पड़ी। उसने अपना दाहिना हाथ सिर के पीछे से निकाला और अंगूठा चूसने लगी, साथ ही बड़ी-बड़ी गोल-गोल शरारती आँखों से मुझे घूरने लगी।
"मैंने सारे कपड़े उतार दिए हैं," उसने कहा, जब मैंने सिगरेट पी ली और एक मिनट तक उसे घूरता रहा।
मैंने कहा, "भगवान कसम, ये तो मेरे दिमाग में चल ही रहा था। मैं इसे ढूंढने की कोशिश कर रहा था। लगभग मिल ही गया था कि तुमने बोल दिया। एक मिनट और बीत जाता तो मैं कह देता, 'पक्का तुम बिना कपड़ों के हो।' मैं खुद भी बिस्तर पर कंडोम पहनता हूँ, कहीं ऐसा न हो कि सुबह उठने पर मुझे पछतावा हो और मुझे चुपके से भागना पड़े।"
"तुम बहुत प्यारी हो।" उसने नज़ाकत से अपना सिर थोड़ा सा घुमाया। फिर उसने अपना बायाँ हाथ सिर के नीचे से निकालकर चादर पकड़ी, एक नाटकीय अंदाज़ में रुकी और चादर को एक तरफ़ हटा दिया। वह पूरी तरह से नग्न थी। वह लैंप की रोशनी में बिस्तर पर लेटी हुई थी, बिल्कुल नग्न और मोती की तरह चमक रही थी। उस रात स्टर्नवुड की लड़कियाँ मुझ पर पूरी

तरह से हावी थीं।
मैंने अपने निचले होंठ के किनारे से तंबाकू का एक छोटा सा टुकड़ा निकाला।
"यह तो अच्छा है," मैंने कहा। "लेकिन मैं यह सब पहले ही देख चुका हूँ। याद है? मैं वही आदमी हूँ जो तुम्हें अक्सर बिना कपड़ों के पाता है।"
वह थोड़ा और खिलखिलाकर हंसी और फिर से खुद को ढक लिया। मैंने उससे पूछा, "अच्छा, तुम अंदर कैसे आई?"
"मैनेजर ने मुझे अंदर आने दिया। मैंने उसे आपका कार्ड दिखाया। मैंने उसे विवियन से चुराया था। मैंने उसे बताया कि आपने मुझे यहाँ आकर आपका इंतज़ार करने को कहा था। मैं—मैं रहस्यमयी थी।" वह खुशी से चमक उठी।
"वाह!" मैंने कहा। "मैनेजर ऐसे ही होते हैं। अब मुझे पता चल गया कि तुम अंदर कैसे आए, अब बताओ तुम बाहर कैसे जाओगे।"
वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। "कहीं नहीं जा रही—काफी समय तक नहीं... मुझे यहीं अच्छा लगता है। तुम प्यारे हो।"
"सुनो," मैंने सिगरेट उसकी तरफ़ करते हुए कहा। "मुझे तुम्हें दोबारा कपड़े पहनाने के लिए मजबूर मत करो। मैं थक गया हूँ। तुम जो कुछ भी कर रही हो, मैं उसकी सराहना करता हूँ। बस यह मेरी सहनशक्ति से ज़्यादा है। डॉगहाउस रेली कभी किसी दोस्त को इस तरह निराश नहीं करता। मैं तुम्हारा दोस्त हूँ। मैं तुम्हें निराश नहीं करूँगा—चाहे तुम खुद ही क्यों न चाहो। हम दोनों को दोस्त बने रहना है, और यह तरीका सही नहीं है। अब क्या तुम एक प्यारी सी बच्ची की तरह कपड़े पहनोगी?"
उसने अपना सिर अगल-बगल हिलाया।
"सुनो," मैंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, "तुम्हें मेरी ज़रा भी परवाह नहीं है। तुम बस अपनी शरारतें दिखा रही हो। लेकिन मुझे दिखाने की ज़रूरत नहीं है। मुझे पहले से ही पता था। मैं वही आदमी हूँ जिसने तुम्हें ढूँढा था—"
"लाइट बंद कर दो," वह हंसते हुए बोली।
मैंने सिगरेट को ज़मीन पर फेंक दिया और उस पर पैर से कुचल दिया। मैंने एक रुमाल निकाला और अपनी हथेलियों को पोंछा। मैंने एक बार फिर कोशिश की।
मैंने उससे कहा, "पड़ोसियों की वजह से तो नहीं है। उन्हें ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ता। किसी भी अपार्टमेंट में ऐसी कई आवारा औरतें होती ही हैं, एक और के आने से कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। बात तो पेशेवर इज़्ज़त की है। तुम्हें पता है ना—पेशेवर इज़्ज़त की। मैं तुम्हारे पिता के लिए काम कर रहा हूँ। वो बीमार हैं, बहुत कमज़ोर और बेबस। उन्हें मुझ पर भरोसा है कि मैं कोई शरारत नहीं करूँगा। कारमेन, ज़रा कपड़े पहन लो ना?"
"तुम्हारा नाम डॉगहाउस रेली नहीं है," उसने कहा। "तुम्हारा नाम फिलिप मार्लो है। तुम मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते।"
मैंने शतरंज के बोर्ड पर नज़र डाली। नाइट की चाल गलत थी। मैंने उसे वापस वहीं रख दिया जहाँ से उठाया था। इस खेल में नाइट का कोई महत्व नहीं था। यह नाइट का खेल नहीं था।

मैंने उसे फिर से देखा। वह अब भी शांत लेटी थी, उसका चेहरा तकिये पर पीला पड़ा था, उसकी आँखें बड़ी, गहरी और सूखी थीं, जैसे सूखे में पानी के घड़े। उसकी पाँच उंगलियों वाली छोटी सी हथेली, जिसमें अंगूठा नहीं था, बेचैनी से कंबल को कुरेद रही थी। उसके भीतर कहीं न कहीं संदेह की एक धुंधली सी झलक जन्म लेने लगी थी। उसे अभी इसका एहसास नहीं था। महिलाओं के लिए—यहाँ तक कि अच्छी महिलाओं के लिए भी—यह समझना कितना मुश्किल होता है कि उनका शरीर मोहक नहीं है।

मैंने कहा: "मैं रसोई में जाकर एक पेय बनाता हूँ। क्या आप भी एक लेना चाहेंगे?"

"हम्म।" गहरी, खामोश, रहस्यमयी आँखें गंभीरता से मेरी ओर घूर रही थीं, उनमें संदेह बढ़ता जा रहा था, चुपचाप उनमें समा रहा था, जैसे लंबी घास में कोई बिल्ली किसी नन्हे काले पक्षी का पीछा कर रही हो।

"अगर मेरे लौटने तक तुम तैयार होकर आओगे, तो तुम्हें ड्रिंक मिल जाएगी। ठीक है?"

उसके दांत खुले और मुंह से हल्की फुफकार जैसी आवाज निकली। उसने मुझे कोई जवाब नहीं दिया। मैं रसोई में गया और थोड़ी सी स्कॉच और फ़िज़वॉटर लेकर दो हाईबॉल बनाए। मेरे पास पीने के लिए नाइट्रोग्लिसरीन या डिस्टिल्ड टाइगर्स ब्रेथ जैसी कोई खास चीज़ नहीं थी। जब मैं गिलास लेकर लौटा तो वह हिली भी नहीं थी। फुफकार बंद हो गई थी। उसकी आंखें फिर से बेजान हो गई थीं। उसके होंठ मेरी तरफ मुस्कुराने लगे। फिर वह अचानक उठ बैठी और अपने शरीर से सारे कंबल हटाकर हाथ बढ़ाया। "मुझे दो।"

"जब आप तैयार हो जाएं। जब तक आप तैयार नहीं हो जाते, तब तक नहीं।"

मैंने दोनों गिलास कार्ड टेबल पर रख दिए और खुद भी बैठ गया और एक और सिगरेट जला ली। "जिए, मैं आपको नहीं देखूंगा।"

मैंने नज़रें फेर लीं। तभी अचानक मुझे एक तेज़ और तीखी फुफकार सुनाई दी। इससे मैं चौंककर उसकी तरफ देखने के लिए मजबूर हो गया। वह नग्न अवस्था में हाथों के बल बैठी थी, उसका मुँह थोड़ा खुला था, चेहरा खुरदरी हड्डी जैसा था। फुफकार की आवाज़ उसके मुँह से ऐसे निकली मानो उसका उससे कोई लेना-देना ही न हो। उसकी आँखों में, जो बिल्कुल खाली थीं, कुछ ऐसा था जो मैंने किसी स्त्री की आँखों में पहले कभी नहीं देखा था।

फिर उसके होंठ बहुत धीरे और सावधानी से हिले, मानो वे कृत्रिम होंठ हों और उन्हें स्प्रिंग की मदद से नियंत्रित किया जाता हो।

उसने मुझे गंदी गालियां दीं।

मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता था कि वह मुझे क्या कहती थी, या कोई और मुझे क्या कहता था। लेकिन यही वह कमरा था जिसमें मुझे रहना पड़ता था। यही मेरा एकमात्र घर था। इसमें मेरा सब कुछ था, जो मुझसे जुड़ा हुआ था, मेरा अतीत था, कुछ भी जो मेरे परिवार की जगह ले सकता था। ज्यादा कुछ नहीं; कुछ किताबें, तस्वीरें, रेडियो, शतरंज के मोहरे, पुराने पत्र, ऐसी ही चीजें। कुछ नहीं। जैसी भी ये चीजें थीं, उनमें मेरी सारी यादें समाई हुई थीं।

मैं उस कमरे में उसे और बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। उसने मुझे जो कहा, उससे मुझे वही बात

याद आ गई।
मैंने संभलकर कहा: "मैं तुम्हें कपड़े पहनने और यहाँ से निकलने के लिए तीन मिनट का समय देता हूँ। अगर तुम तब तक नहीं निकले, तो मैं तुम्हें ज़बरदस्ती बाहर फेंक दूँगा। जैसे हो वैसे ही, नंगा। और तुम्हारे कपड़े भी तुम्हारे पीछे हॉल में फेंक दूँगा। अब—शुरू हो जाओ।"
उसके दांत किटकिटा रहे थे और फुफकारने की आवाज़ तीखी और जानवरों जैसी थी। उसने अपने पैर ज़मीन पर पटके और बिस्तर के बगल में रखी कुर्सी पर रखे अपने कपड़े उठाए। उसने कपड़े पहने। मैं उसे देखता रहा। उसने एक औरत के हिसाब से अकड़ी हुई, बेढंगी उंगलियों से कपड़े पहने, लेकिन बहुत जल्दी। उसने दो मिनट से कुछ ज़्यादा समय में कपड़े पहन लिए। मैंने समय नोट किया।
वह बिस्तर के बगल में खड़ी थी, फर से सजे कोट के साथ एक हरा बैग कसकर पकड़े हुए। उसके सिर पर एक टेढ़ी-मेढ़ी हरी टोपी थी। वह एक पल के लिए वहीं खड़ी रही और मुझ पर फुफकारा, उसका चेहरा अभी भी खुरदरी हड्डी जैसा था, उसकी आँखें अभी भी खाली थीं फिर भी किसी जंगली भावना से भरी हुई थीं। फिर वह तेज़ी से दरवाजे की ओर चली, उसे खोला और बिना कुछ बोले, बिना पीछे देखे बाहर चली गई। मैंने लिफ्ट के चलने की आवाज़ सुनी।
मैं खिड़कियों तक गया, पर्दे ऊपर खींचे और खिड़कियाँ पूरी तरह खोल दीं। रात की हवा एक अजीब सी बासी मिठास लिए अंदर आई, जिसमें अभी भी गाड़ियों के धुएँ और शहर की गलियों की महक थी। मैंने अपना पेय उठाया और धीरे-धीरे पी लिया। मेरे नीचे अपार्टमेंट का दरवाजा अपने आप बंद हो गया। शांत फुटपाथ पर कदमों की हल्की सी आहट सुनाई दी। थोड़ी दूर पर एक कार स्टार्ट हुई। वह गियर की तेज़ आवाज़ के साथ रात के अंधेरे में तेज़ी से निकल गई। मैं वापस बिस्तर पर गया और उसे देखा। उसके सिर का निशान अभी भी चादर पर था, उसके छोटे से बेजान शरीर के निशान अभी भी चादर पर थे।
मैंने अपना खाली गिलास नीचे रख दिया और बेरहमी से बिस्तर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए।
25
अगली सुबह फिर से बारिश हो रही थी, तिरछी, धूसर बारिश मानो क्रिस्टल मोतियों का झूलता पर्दा हो। मैं सुस्त और थका हुआ उठा और खिड़की से बाहर देखने लगा, मेरे मुँह में अभी भी स्टर्नवुड्स का कड़वा स्वाद था। मैं जीवन से इतना खाली था जैसे किसी पुतले की जेबें। मैं रसोई में गया और दो कप काली कॉफ़ी पी। शराब के अलावा भी कई चीज़ों से हैंगओवर हो सकता है। मुझे औरतों से हैंगओवर हुआ था। औरतें मुझे बीमार कर देती थीं।
मैंने दाढ़ी बनाई, नहाया, कपड़े पहने, अपना रेनकोट निकाला, नीचे गया और सामने के दरवाजे से बाहर देखा। सड़क के उस पार, सौ फीट ऊपर, एक ग्रे रंग की प्लाईमाउथ सेडान खड़ी थी। यह वही कार थी जिसने परसों मेरा पीछा करने की कोशिश की थी, वही जिसके बारे में मैंने एडी मार्स से पूछा था। हो सकता है उसमें कोई पुलिसवाला हो, अगर किसी पुलिसवाले के पास इतना खाली समय हो और वह मेरा पीछा करने में अपना समय बर्बाद करना चाहे। या हो सकता है कोई चालाक जासूस हो जो किसी और के मामले में दखल देकर उसमें अपना रास्ता बनाना चाहता हो। या हो सकता है बरमूडा का बिशप हो जिसे मेरी रात की जिंदगी पसंद न हो।

मैं पीछे गैरेज से अपनी कन्वर्टिबल कार लेकर आया और उसे सामने से घुमाते हुए ग्रे रंग की प्लाईमाउथ के पास से गुजरा। उसमें एक छोटा सा आदमी अकेला बैठा था। वह मेरे पीछे-पीछे चलने लगा। बारिश में वह बेहतर चल रहा था। वह मेरे काफी करीब था, ताकि मैं एक छोटा सा ब्लॉक भी पार करके उसके कार में बैठने से पहले निकल न सकूँ, और वह इतनी दूरी पर भी था कि ज्यादातर समय हमारे बीच दूसरी कारें ही थीं। मैं बुलेवार्ड तक गया और अपनी बिल्डिंग के बगल वाली पार्किंग में गाड़ी खड़ी कर दी। फिर मैं रेनकोट का कॉलर ऊपर करके और टोपी का किनारा नीचे करके बाहर निकला, बारिश की बूँदें मेरे चेहरे पर ठंडी-ठंडी लग रही थीं। प्लाईमाउथ सामने एक चिमनी के पास खड़ी थी। मैं चौराहे तक गया और हरी बत्ती पर सड़क पार की और फुटपाथ के किनारे और खड़ी कारों के पास से वापस आया। प्लाईमाउथ हिली भी नहीं थी। कोई भी उससे बाहर नहीं निकला। मैं उसके पास पहुँचा और फुटपाथ की तरफ वाला दरवाजा झटके से खोल दिया।

एक छोटा, चमकीली आँखों वाला आदमी स्टीयरिंग व्हील के पीछे कोने में दुबका हुआ था। मैं खड़ा होकर उसे देख रहा था, बारिश की बूँदें मेरी पीठ पर पड़ रही थीं। सिगरेट के धुएँ के गुबार में उसकी आँखें झपकीं। उसके हाथ पतले स्टीयरिंग व्हील पर बेचैनी से थपथपा रहे थे।

मैंने कहा: "क्या तुम अपना मन नहीं बना सकते?"

उसने घूंट भरा और सिगरेट उसके होठों के बीच हिलती रही। "मुझे नहीं लगता कि मैं तुम्हें जानता हूँ," उसने दबी हुई, दबी हुई आवाज़ में कहा।

"मेरा नाम मार्लो है। वही आदमी जिसका तुम पिछले कुछ दिनों से पीछा करने की कोशिश कर रहे हो।"

"मैं किसी का पीछा नहीं कर रहा हूँ, डॉक्टर।"

"यह खटारा गाड़ी है। शायद आप इसे संभाल नहीं सकते। जैसा आपको ठीक लगे। मैं अब सड़क के उस पार कॉफी शॉप में नाश्ता करने जा रहा हूँ, संतरे का जूस, बेकन और अंडे, टोस्ट, शहद, तीन-चार कप कॉफी और एक टूथपिक। फिर मैं अपने ऑफिस जा रहा हूँ, जो आपके ठीक सामने वाली इमारत की सातवीं मंजिल पर है। अगर कोई बात आपको असहनीय रूप से परेशान कर रही है, तो ऊपर आकर उस पर विचार करें। मैं तो बस अपनी मशीन गन में तेल डाल रहा हूँ।"

मैंने उसे पलकें झपकाते हुए छोड़ दिया और चला गया। बीस मिनट बाद मैं अपने दफ्तर में सफाईकर्मी की प्रेम-प्रसंग की महफ़िल को हवा दे रहा था और एक मोटा, खुरदुरा लिफाफा खोल रहा था जिस पर एक सुंदर, पुराने ज़माने की, नुकीली लिखावट में पता लिखा था। लिफाफे में एक संक्षिप्त औपचारिक नोट और पाँच डॉलर का एक बड़ा बैंगनी चेक था, जो फिलिप मार्लो को देय था और जिस पर विंसेंट नॉरिस द्वारा 'गाइ बी ब्रिसे स्टर्नवुड' के हस्ताक्षर थे। इससे सुबह अच्छी हो गई। मैं बैंक स्लिप बना ही रहा था कि घंटी बजी और मुझे पता चला कि कोई मेरे दो गुणा चार के रिसेप्शन रूम में दाखिल हुआ है। वह प्लायमाउथ वाला छोटा आदमी था।

"ठीक है," मैंने कहा। "अंदर आओ और अपना कोट उतार दो।"

जब मैं दरवाज़ा पकड़े खड़ी थी, वह बड़ी सावधानी से मेरे पास से गुज़रा, मानो उसे डर हो कि

कहीं मैं उसके छोटे से नितंबों पर लात न मार दूं। हम बैठ गए और मेज के उस पार आमने-सामने हो गए। वह बहुत छोटा कद का आदमी था, पाँच फुट तीन इंच से ज़्यादा लंबा नहीं और उसका वज़न किसी कसाई के अंगूठे जितना भी नहीं होगा। उसकी चमकदार, कसी हुई आँखें थीं जो कठोर दिखना चाहती थीं, और वे आधी खोल में बंद सीपियों की तरह कठोर दिख रही थीं। उसने गहरे भूरे रंग का डबल-ब्रेस्टेड सूट पहना था जो कंधों पर बहुत चौड़ा था और उसके लैपल भी बहुत लंबे थे। इसके ऊपर, खुला हुआ, एक आयरिश ट्वीड कोट था जिस पर जगह-जगह से घिसे हुए धब्बे थे। उसकी टाई का बड़ा सा फाउलार्ड उसके क्रॉस किए हुए लैपल के ऊपर उभरा हुआ था और बारिश के धब्बों से भीगा हुआ था।

"शायद आप मुझे जानते हों," उसने कहा। "मैं हैरी जोन्स हूं।"

मैंने कहा कि मैं उसे नहीं जानता। मैंने सिगरेट का एक चपटा डिब्बा उसकी ओर बढ़ाया। उसकी छोटी-छोटी उंगलियों ने एक सिगरेट को ऐसे पकड़ा जैसे कोई मछली चारा पकड़ती है। उसने डेस्क लाइटर से सिगरेट जलाई और हाथ हिलाया।

“मैं सब जानता हूँ,” उसने कहा। “लड़कों को जानता हूँ। पहले ह्युनेमे पॉइंट से थोड़ी-बहुत शराब की तस्करी करता था। बड़ा धंधा था, भाई। स्काउट गाड़ी में गोद में बंदूक और कमर पर इतना बड़ा गट्ठा रखकर घूमते थे कि कोयले की नाली भी बंद हो जाए। कई बार तो बेवर्ली हिल्स पहुँचने से पहले ही चार पुलिसवालों को रिश्वत दे देते थे। बड़ा धंधा था।”

"भयानक," मैंने कहा।

वह पीछे की ओर झुक गया और अपने छोटे से मुंह के कोने से छत की ओर धुआं उड़ाया।

"शायद आपको मुझ पर विश्वास न हो," उसने कहा।

मैंने कहा, "शायद मैं नहीं सोचता। और शायद सोचता भी हूँ। और फिर शायद मैंने अभी तक अपना मन ही नहीं बनाया है। आखिर इस सब के कारण मुझ पर क्या असर पड़ेगा?"

"कुछ नहीं," उसने तीखे स्वर में कहा।

मैंने कहा, "तुम पिछले कुछ दिनों से मेरा पीछा कर रहे हो। बिल्कुल वैसे ही जैसे कोई लड़का किसी लड़की को पटाने की कोशिश कर रहा हो और उसमें हिम्मत की कमी हो। शायद तुम बीमा बेचते हो। शायद तुम जो ब्रोडी नाम के किसी आदमी को जानते हो। ये तो बहुत सारी संभावनाएं हैं, लेकिन मेरे धंधे में बहुत कुछ है।"

उसकी आंखें फटी रह गईं और उसका निचला होंठ लगभग उसकी गोद में गिर गया। "हे भगवान, तुम्हें यह कैसे पता चला?" उसने गुस्से से कहा।

"मैं भविष्य देख सकता हूँ। अपने कारोबार में हलचल मचाओ और उसे बिखेर दो। मेरे पास पूरा दिन नहीं है।"

अचानक सिकुड़ी पलकों के बीच उसकी आँखों की चमक लगभग गायब हो गई। सन्नाटा छा गया। मेरी खिड़कियों के नीचे हवेली की लॉबी के ऊपर सपाट तारकोल की छत पर बारिश की बूँदें तेज़ बरस रही थीं। उसकी आँखें थोड़ी खुलीं, फिर से चमक उठीं, और उसकी आवाज़ विचारों से भरी हुई थी।

"मैं तुम्हारे बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहा था, ज़रूर," उसने कहा। "मेरे पास बेचने

के लिए कुछ है—सस्ता, कुछ सौ डॉलर में। तुमने मुझे जो से कैसे जोड़ा?"
मैंने एक पत्र खोला और उसे पढ़ा। उसमें मुझे उंगलियों के निशान पहचानने के छह महीने के पत्राचार पाठ्यक्रम में विशेष पेशेवर छूट का प्रस्ताव दिया गया था। मैंने उसे कूड़ेदान में फेंक दिया और उस छोटे आदमी की ओर फिर देखा। "मुझे कुछ मत कहना। मैं बस अंदाज़ा लगा रहा था। तुम पुलिसवाले नहीं हो। तुम एडी मार्स के गिरोह से जुड़े नहीं हो। मैंने उससे कल रात पूछा था। मुझे जो ब्रोडी के दोस्तों के अलावा कोई और नहीं सूझा जो मुझमें इतनी दिलचस्पी रखता हो।"
"हे भगवान!" उसने कहा और अपने निचले होंठ को चाटा। एडी मार्स का नाम लेते ही उसका चेहरा कागज़ की तरह सफ़ेद पड़ गया था। उसका मुंह खुला रह गया और सिगरेट मानो जादू से उसके मुंह के कोने पर लटक गई, मानो वहीं उग आई हो। "अरे, तुम मज़ाक कर रहे हो," उसने अंत में कहा, वैसी ही मुस्कान के साथ जैसी ऑपरेशन रूम में देखने को मिलती है।
"ठीक है। मैं मज़ाक कर रही थी।" मैंने एक और पत्र खोला। इस पत्र में वाशिंगटन से मुझे रोज़ाना एक न्यूज़लेटर भेजने की बात कही गई थी, जिसमें रसोई से सीधे अंदर की सारी खबरें होती थीं।
"लगता है एग्नेस थोड़ी सनकी है," मैंने कहा।
"हाँ। उसने मुझे भेजा है। क्या तुम दिलचस्पी रखते हो?"
"खैर—वह गोरी है।"
"पागलपन। तुमने उस रात ऊपर जाकर एक मज़ाक किया था - जिस रात जो को गोली मार दी गई थी। ब्रॉडी को स्टर्नवुड्स के बारे में कुछ तो पता होगा, वरना वह उन्हें भेजी गई उस तस्वीर पर जोखिम नहीं लेता।"
"हम्म। तो क्या उसके पास था? वह क्या था?"
"ये दो सौ डॉलर इसी के लिए तो दिए जाते हैं।"
मैंने कुछ और प्रशंसक पत्र टोकरी में डाले और अपने लिए एक नई सिगरेट जलाई।
"हमें शहर से निकलना होगा," उसने कहा। "एग्नेस एक अच्छी लड़की है। तुम उस पर ये सब बातें थोप नहीं सकते। आजकल महिलाओं के लिए गुज़ारा करना इतना आसान नहीं है।"
मैंने कहा, "वह तुम्हारे लिए बहुत बड़ी है। वह तुम पर लुढ़क जाएगी और तुम्हारा दम घोंट देगी।"
"ये तो एक घटिया मजाक है, भाई," उसने कुछ इस तरह कहा जो लगभग गरिमापूर्ण था कि मैं उसे घूरने लगा।
मैंने कहा: "आप सही कह रहे हैं। आजकल मेरी मुलाकात गलत तरह के लोगों से हो रही है। चलिए फालतू की बातें छोड़ते हैं और मुद्दे की बात करते हैं। इस पैसे के बदले आपके पास क्या है?"
"क्या आप इसके लिए भुगतान करेंगे?"
"अगर यह क्या करता है?"
"अगर इससे आपको रस्टी रेगन को ढूंढने में मदद मिलती है।"
मैं रस्टी रेगन की तलाश नहीं कर रहा हूँ।
"तुम कह रहे हो। सुनना चाहते हो या नहीं?"
"जो मन करे बोलो। मैं जो भी इस्तेमाल करूंगा, उसके लिए भुगतान करूंगा। मेरे जान-पहचान में

दो सौ डॉलर में बहुत सारी जानकारी मिल जाती है।"
"एडी मार्स ने रीगन की हत्या करवा दी थी," उसने शांत भाव से कहा और ऐसे पीछे झुक गया जैसे उसे अभी-अभी उपराष्ट्रपति बनाया गया हो।
मैंने दरवाजे की ओर हाथ हिलाया। "मैं तुमसे बहस भी नहीं करूँगा," मैंने कहा। "मैं ऑक्सीजन बर्बाद नहीं करूँगा। जाओ, छोटे कद वाले।"
वह डेस्क पर झुक गया, उसके होंठों के कोनों पर सफ़ेद लकीरें थीं। उसने सिगरेट को बार-बार, बिना देखे, बड़ी सावधानी से बुझाया। एक संचार द्वार के पीछे से टाइपराइटर की एकरस खटखटाहट की आवाज़ आ रही थी, घंटी बजने पर, शिफ्ट के साथ, एक के बाद एक लाइन टाइप होती जा रही थी।
उन्होंने कहा, "मैं मजाक नहीं कर रहा हूं।"
"चले जाओ। मुझे परेशान मत करो। मुझे काम करना है।"
"नहीं, तुम्हें इसकी ज़रूरत नहीं है," उसने तीखे स्वर में कहा। मैं इतना आसान नहीं हूँ। मैं यहाँ अपनी बात कहने आया हूँ और कह रहा हूँ। मैं रस्टी को खुद जानता था। बहुत अच्छी तरह नहीं, बस इतना कि 'कैसा है?' कह सकूँ और वो जवाब देता या नहीं देता, ये उसके मूड पर निर्भर करता था। वैसे वो अच्छा आदमी था। मुझे वो हमेशा पसंद था। वो मोना ग्रांट नाम की एक गायिका को पसंद करता था। फिर उसने अपना नाम बदलकर मार्स रख लिया। रस्टी को गुस्सा आया और उसने एक अमीर औरत से शादी कर ली जो घर पर चैन से सो नहीं पाती थी, जैसे कि वह बार में घूमती रहती हो। आप उसके बारे में सब जानते हैं, लंबी, सांवली, दिखने में किसी डर्बी विजेता जैसी, लेकिन उस तरह की औरत किसी भी आदमी पर बहुत दबाव डालती थी। बहुत चिड़चिड़ी। रस्टी की उससे बनती नहीं थी। लेकिन हे भगवान, वो उसके बाप के पैसों से तो खुश हो जाता, है ना? यही तो आप सोचते हैं। ये रीगन एक सनकी किस्म का आदमी था। उसकी नज़रें दूर तक जाती थीं। वो हर समय अगली घाटी की तरफ देखता रहता था। वो जहाँ होता था वहाँ मुश्किल से ही नज़र रखता था। मुझे नहीं लगता कि उसे ज़रा भी परवाह थी। और भाई, अगर ये बात मेरे मुंह से निकले तो ये एक तारीफ है।
वह छोटा आदमी उतना भी बेवकूफ नहीं था जितना सोचा था। एक चौथाई डॉलर में तीन चीज़ें बेचने वाला ठग ऐसे विचार सोच भी नहीं सकता, उन्हें व्यक्त करना तो दूर की बात है।
मैंने कहा: "तो वह भाग गया।"
"शायद वो भागने लगा था। मोना नाम की लड़की के साथ। मोना एडी मार्स के साथ नहीं रहती थी, उसके धंधे उसे पसंद नहीं थे। खासकर उसके दूसरे धंधे, जैसे ब्लैकमेल, चोरी की गाड़ियाँ, पूरब के आवारा लड़कों के लिए छुपने की जगहें वगैरह। बात ये थी कि एक रात रीगन ने एडी से सबके सामने कह दिया था कि अगर उसने मोना को किसी भी आपराधिक मामले में फंसाया, तो वो उससे मिलने आएगा।"
"हैरी, इनमें से अधिकांश बातें रिकॉर्ड पर हैं," मैंने कहा। "इसके बदले में आप पैसे की उम्मीद नहीं कर सकते।"
"मैं उस चीज़ की ओर बढ़ रहा हूँ जो है ही नहीं। तो रीगन टूट गया। मैं उसे हर दोपहर वर्डी के यहाँ

आयरिश व्हिस्की पीते और दीवार को घूरते हुए देखता था। अब वह ज़्यादा बात नहीं करता। वह कभी-कभार मुझसे शर्त लगाता था, और मैं वहाँ पुस वालग्रीन के लिए शर्त लगाने का काम करता था।"

मुझे लगा कि वह बीमा व्यवसाय में है।

"दरवाजे पर यही लिखा है। मुझे लगता है कि अगर आप उसे कुचल दें तो वो आपको इस कीमत पर बीमा भी बेच देगा। खैर, सितंबर के मध्य के आसपास मुझे रीगन दिखना बंद हो गया। मुझे तुरंत पता नहीं चला। आप जानते ही हैं कि ऐसा कैसे होता है। कोई आदमी दिखता है, आप उसे देखते हैं, फिर वो गायब हो जाता है और आपको तब तक पता नहीं चलता कि वो नहीं दिख रहा है जब तक कोई बात आपको याद न दिला दे। मुझे याद तब आया जब मैंने एक आदमी को हंसते हुए कहते सुना कि एडी मार्स की औरत रस्टी रीगन के साथ भाग गई और मार्स ऐसे बर्ताव कर रहा है जैसे वो दूल्हे का दोस्त हो, नाराज़ होने की बजाय। तो मैंने ये बात जो ब्रोडी को बताई और जो समझदार निकला।"

मैंने कहा, "बिल्कुल नहीं।"

"वह पुलिस के चक्कर में तो नहीं पड़ता, लेकिन फिर भी होशियार है। उसका सारा ध्यान पैसों पर है। वह सोचने लगता है कि क्या वह किसी तरह उन दो प्रेमियों के बारे में जानकारी जुटा सकता है जिनसे वह दो बार पैसे वसूल सके—एक बार एडी मार्स से और एक बार रीगन की पत्नी से। जो उस परिवार को थोड़ा-बहुत जानता था।"

मैंने कहा, "पांच हजार डॉलर के।" "उसने कुछ समय पहले उनसे ये चीजें चुराई थीं।"

"हाँ?" हैरी जोन्स थोड़ा हैरान दिखे। "एग्नेस को मुझे यह बताना चाहिए था। ये तो बड़ी कमज़ोरी है। हमेशा बहाने बनाती रहती है। खैर, मैं और जो अखबार देखते हैं और हमें कुछ नहीं दिखता, तो हम जानते हैं कि स्टर्नवुड पर किसी ने पर्दा डाल रखा है। फिर एक दिन मैंने वर्डी के यहाँ लैश कैनिनो को देखा। क्या आप उसे जानते हैं?"

मैंने अपना सिर हिलाया।

एक लड़का है जो कुछ लोगों की तरह खुद को बहुत बहादुर समझता है। जब एडी मार्स को उसकी ज़रूरत होती है, तो वह उसके लिए काम करता है—समस्या सुलझाने का। वह शराब पीते-पीते किसी को मार भी सकता है। जब मार्स को उसकी ज़रूरत नहीं होती, तो वह उसके पास नहीं जाता। और वह लॉस एंजिल्स में भी नहीं रहता। खैर, कुछ तो हो सकता है और कुछ नहीं भी। शायद उन्हें रीगन के बारे में कोई सुराग मिल गया हो और मार्स चुपचाप मुस्कुराते हुए मौके का इंतज़ार कर रहा हो। या फिर कुछ और भी हो सकता है। खैर, मैंने जो को बताया और जो कैसिनो के पीछे पड़ गया। वह मेरा पीछा कर सकता है, मैं इसमें अच्छा नहीं हूँ। मैं यह बात बता रहा हूँ। कोई शुल्क नहीं। और जो, कैनिनो का पीछा करते हुए स्टर्नवुड के घर तक गया और कैनिनो ने एस्टेट के बाहर गाड़ी पार्क की और उसके बगल में एक कार आकर रुकी जिसमें एक लड़की थी। उन्होंने थोड़ी देर बात की और जो को लगा कि लड़की ने उसे कुछ दिया है, जैसे शायद पैसे। लड़की वहाँ से भाग गई। वह रीगन की पत्नी थी। ठीक है, वह कैनिनो को जानती है और कैनिनो मार्स को जानता है। तो जो ने सोचा कि कैनिनो को पता है रीगन के बारे में कुछ बातें

पता चलने पर, कैनिनो खुद भी थोड़ा-बहुत फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। कैनिनो को झटका लगता है और जो उसे खो देता है। पहले अंक का अंत।

"यह कैनिनो कैसा दिखता है?"

"छोटा कद, भारी-भरकम शरीर, भूरे बाल, भूरी आँखें, और हमेशा भूरे कपड़े और भूरी टोपी पहनता है। यहाँ तक कि भूरे रंग का साबर का रेनकोट भी पहनता है। भूरे रंग की कूप कार चलाता है। मिस्टर कैनिनो के लिए सब कुछ भूरा है।"

मैंने कहा, "चलिए दूसरा भाग शुरू करते हैं।"

"कुछ पैसों के बिना बस इतना ही।"

"मुझे इसमें दो सौ डॉलर का कोई मतलब नहीं दिखता। श्रीमती रीगन ने एक ऐसे व्यक्ति से शादी की है जो पहले शराब की तस्करी करता था और जेलों में रहता था। वह उसके जैसे और लोगों को जानती होंगी। वह एडी मार्स को अच्छी तरह जानती हैं। अगर उन्हें लगा कि रीगन को कुछ हो गया है, तो वह सीधे एडी के पास जाएंगी, और हो सकता है कि एडी इस काम के लिए कैनिनो को ही चुने। क्या बस इतना ही है आपके पास?"

"क्या आप एडी की पत्नी का पता बताने के लिए दो सौ रुपये देंगे?" उस छोटे आदमी ने शांत भाव से पूछा।

अब मेरा सारा ध्यान उसी पर था। मैं कुर्सी के बाजूबंदों पर इतना झुक गया कि लगभग उन्हें तोड़ ही देता।

"भले ही वो अकेली हो?" हैरी जोन्स ने धीमी, कुछ हद तक रहस्यमयी आवाज़ में पूछा। "भले ही वो रीगन के साथ भागी ही न हो, और अब उसे लॉस एंजिल्स से लगभग चालीस मील दूर किसी गुप्त ठिकाने में रखा गया हो—ताकि कानून यही सोचता रहे कि उसने रीगन के साथ संबंध बनाए थे? क्या तुम इसके लिए दो सौ डॉलर दोगे, जासूस?"

मैंने अपने होंठ चाटे। वे सूखे और नमकीन लग रहे थे। "मुझे लगता है मैं जाऊँगी," मैंने कहा। "कहाँ?"

"एग्नेस ने उसे ढूंढ लिया," उसने गंभीर स्वर में कहा। "बस संयोग से। उसे घुड़सवारी करते देखा और किसी तरह उसका पीछा करते हुए उसके घर तक पहुँच गया। एग्नेस तुम्हें बताएगी कि वह कहाँ है—जब उसके हाथ में पैसे होंगे।"

मैंने उसे घूरकर देखा और कहा, "हैरी, तुम पुलिस को कुछ भी बता सकते हो। आजकल सेंट्रल स्टेशन पर उनके पास कुछ माहिर पुलिसवाले हैं। अगर वे तुम्हें बताने की कोशिश में मार भी दें, तो भी उनके पास एग्नेस तो है ही।"

"उन्हें कोशिश करने दो," उसने कहा। "मैं इतना कमजोर नहीं हूँ।"

"एग्नेस के पास कुछ ऐसा जरूर होगा जो मैंने नहीं देखा।"

"वो धोखेबाज़ है, जासूस। मैं भी धोखेबाज़ हूँ। हम सब धोखेबाज़ हैं। इसलिए हम एक-दूसरे को पाँच सेंट के लिए बेच देते हैं। ठीक है। देखो, क्या तुम मुझे ऐसा करने पर मजबूर कर सकते हो?" उसने मेरी एक और सिगरेट उठाई, उसे अपने होठों के बीच करीने से रखा और माचिस से वैसे ही जलाया जैसे मैं जलाता हूँ, दो बार अपने अंगूठे के नाखून पर चूक गया और फिर अपने पैर का

इस्तेमाल किया। उसने एक समान कश लिया और मुझे घूरता रहा, एक मज़ेदार छोटा सा सख्त आदमी जिसे मैं होम प्लेट से सेकंड बेस तक फेंक सकता था। बड़े आदमियों की दुनिया में एक छोटा आदमी। मुझे उसमें कुछ तो अच्छा लगा।

"मैंने यहाँ कुछ भी नहीं किया है," उसने शांत स्वर में कहा। "मैं दो-चार बातें करते हुए आया था। यही मेरी कीमत है। मैं इसलिए आया था क्योंकि मुझे लगा था कि मुझे 'ले लो या छोड़ दो' वाली स्थिति मिलेगी, एक के बाद एक सही बात। अब तुम मेरे सामने पुलिस का इशारा कर रहे हो। तुम्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए।"

मैंने कहा: "तुम्हें उस जानकारी के लिए दो सौ रुपये मिलेंगे। मुझे पहले खुद पैसे का इंतजाम करना होगा।"

वह खड़ा हुआ, सिर हिलाया और अपने पुराने छोटे आयरिश ट्वीड कोट को सीने पर कसकर लपेट लिया, "कोई बात नहीं। वैसे भी अंधेरा होने के बाद बेहतर होता है। एडी मार्स जैसे लोगों से निपटना एक जोखिम भरा काम है। लेकिन पेट तो भरना ही पड़ता है। आजकल किताब कुछ खास अच्छी नहीं चल रही है। मुझे लगता है बड़े लोगों ने पुस वालग्रीन को कहीं और जाने के लिए कह दिया है। मान लो तुम वहाँ ऑफिस आ जाओ, फुलवाइडर बिल्डिंग, वेस्टर्न और सांता मोनिका, पीछे की तरफ चार बजकर अट्ठाईस मिनट वाली बिल्डिंग। तुम पैसे ले आना, मैं तुम्हें एग्नेस के पास ले चलूँगा।"

"क्या तुम मुझे खुद नहीं बता सकते? मैंने एग्नेस को देखा है।"

“मैंने उससे वादा किया था,” उसने सरल शब्दों में कहा। उसने अपना ओवरकोट बंद किया, टोपी को शान से ठीक किया, फिर सिर हिलाया और दरवाजे की ओर चल पड़ा। वह बाहर चला गया। गलियारे में उसके कदमों की आहट धीमी पड़ गई।

मैं बैंक गया और अपना पाँच सौ डॉलर का चेक जमा कराया और दो सौ डॉलर नकद निकाले। मैं फिर ऊपर आया और अपनी कुर्सी पर बैठकर हैरी जोन्स और उसकी कहानी के बारे में सोचने लगा। यह कुछ ज़्यादा ही बनावटी लग रही थी। इसमें तथ्यों की पेचीदगी के बजाय कल्पना की सादगी थी। अगर मोना मार्स उसके इलाके के इतने करीब होती, तो कैप्टन ग्रेगरी उसे ढूंढ सकता था। मान लीजिए, उसने कोशिश की होती।

मैंने दिन भर इसके बारे में सोचा। ऑफिस में कोई नहीं आया। किसी ने मुझे फोन नहीं किया। बारिश लगातार होती रही।

26

सात बजते ही बारिश कुछ पल के लिए रुक गई थी, लेकिन नालियाँ अभी भी पानी से भरी हुई थीं। सांता मोनिका पर पानी फुटपाथ तक आ गया था और उसकी एक पतली परत फुटपाथ के किनारे पर बह रही थी। चमकदार काले रबर के बूट और टोपी पहने एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी भीगे हुए शामियाने की शरण से निकलकर बाढ़ के पानी में से होते हुए आ रहा था। फुलवाइडर बिल्डिंग की संकरी लॉबी में मुड़ते ही मेरी रबर की एड़ियाँ फुटपाथ पर फिसल गईं। एक खुली, कभी सुनहरी रही लिफ्ट के पीछे, दूर एक छोटी सी बत्ती जल रही थी। एक कुतरे हुए रबर के मैट पर एक पुराना और बेहद याद किया जाने वाला थूकदान रखा था। मस्टर्ड रंग की दीवार पर

नकली दाँतों का एक डिब्बा ऐसे लटका था जैसे किसी स्क्रीन पोर्च में फ्यूज बॉक्स हो। मैंने अपनी टोपी से बारिश की बूँदें झाड़ीं और नकली दाँतों के डिब्बे के बगल में रखी बिल्डिंग डायरेक्टरी को देखा। नामों वाले नंबर और बिना नामों वाले नंबर। बहुत सारी खाली जगहें या बहुत सारे ऐसे किराएदार जो गुमनाम रहना चाहते थे। दर्द रहित दंत चिकित्सक, धोखेबाज़ जासूस एजेंसियां, छोटे-मोटे बीमार व्यवसाय जो किसी तरह वहाँ दम तोड़ देने के लिए रेंगते हुए पहुँचे थे, डाक से दवाइयाँ मंगवाने वाले स्कूल जो आपको रेलवे क्लर्क, रेडियो तकनीशियन या पटकथा लेखक बनना सिखाते थे—बशर्ते डाक निरीक्षक उन्हें पहले ही न पकड़ लें। एक घिनौनी इमारत। एक ऐसी इमारत जिसमें बासी सिगार के टुकड़ों की गंध ही सबसे स्वच्छ गंध होती।

एक बूढ़ा आदमी लिफ्ट में एक जर्जर स्टूल पर ऊंघ रहा था, जिसके नीचे एक फटा हुआ तकिया था। उसका मुंह खुला था, उसकी नसदार कनपटी हल्की रोशनी में चमक रही थी। उसने नीले रंग का कोट पहना हुआ था जो उस पर ऐसे फिट हो रहा था जैसे घोड़े पर अस्तबल। उसके नीचे फटी हुई आस्तीन वाली धूसर पतलून, सफेद सूती मोजे और काले चमड़े के जूते थे, जिनमें से एक उसके पैर के अंगूठे के जोड़ पर फटा हुआ था। स्टूल पर वह दयनीय हालत में सो रहा था, किसी ग्राहक का इंतजार कर रहा था। मैं इमारत के गुप्त माहौल के चलते दबे पांव उसके पास से गुजरा, आग से बचाव का दरवाजा ढूंढा और उसे खोल दिया। आग से बचाव वाली सीढ़ियों की सफाई एक महीने से नहीं हुई थी। आवारा लोग उन पर सोए थे, खाना खाया था, रोटी के टुकड़े, चिकने अखबार के टुकड़े, माचिस और एक फटा हुआ नकली चमड़े का पर्स छोड़ गए थे। खरोंची हुई दीवार के एक कोने में, हल्के रंग के रबर की एक थैली गिरी हुई थी और उसे किसी ने नहीं छेड़ा था। वाकई एक शानदार इमारत।

मैं चौथी मंज़िल पर ताज़ी हवा सूंघते हुए बाहर निकला। गलियारे में वही गंदा थूकदान और घिसा-पिटा गद्दा था, वही सरसों के रंग की दीवारें, वही उदासी भरे माहौल की यादें। मैं आगे बढ़ा और एक कोने पर मुड़ा। एक गहरे रंग के कंकड़दार कांच के दरवाज़े पर, फिर दूसरे गहरे रंग के दरवाज़े पर, और तीसरे के पीछे एक रोशनी थी, "एल. डी. वालग्रीन—इंश्योरेंस" लिखा हुआ था। एक गहरे रंग के दरवाज़े पर लिखा था: "प्रवेश द्वार।"

रोशन दरवाजे के ऊपर एक कांच का पर्दा खुला हुआ था। उसी से हैरी जोन्स की तीखी, चिड़िया जैसी आवाज सुनाई दी, जिसमें उसने कहा:

"कैनिनो?...हाँ, मैंने तुम्हें कहीं देखा है। ज़रूर।"

मैं जम गया। दूसरी आवाज़ सुनाई दी। उसकी आवाज़ भारी और धीमी थी, मानो किसी ईंट की दीवार के पीछे कोई छोटा सा डायनेमो चल रहा हो। उसने कहा: "मुझे पता था तुम यही करोगे।" उस आवाज़ में एक अस्पष्ट सी भयावहता थी।

लिनोलियम पर एक कुर्सी घिसटी, कदमों की आहट सुनाई दी, मेरे ऊपर की खिड़की चरमराते हुए बंद हो गई। कंकड़दार कांच के पीछे से एक परछाई गायब हो गई।

मैं वालग्रीन नाम से चिह्नित तीन दरवाजों में से पहले दरवाजे पर वापस गया। मैंने सावधानी से उसे खोलने की कोशिश की। वह बंद था। वह एक ढीले फ्रेम में हिल रहा था, एक पुराना दरवाजा जो कई साल पहले लगाया गया था, अधपकी लकड़ी का बना हुआ और अब सिकुड़ा हुआ था।

मैंने अपना बटुआ निकाला और अपने ड्राइविंग लाइसेंस के ऊपर से सेल्युलाइड की मोटी, सख्त खिड़की को सरका दिया। चोरों का एक औजार जिसे कानून ने प्रतिबंधित करना भूल गया था। मैंने अपने दस्ताने पहने, धीरे से और प्यार से दरवाजे पर झुककर हैंडल को फ्रेम से दूर धकेल दिया। मैंने सेल्युलाइड प्लेट को चौड़ी दरार में धकेला और स्प्रिंग लॉक के ढलान को महसूस किया। एक सूखी क्लिक की आवाज आई, जैसे कोई छोटी बर्फ की डंडी टूट गई हो। मैं वहाँ पानी में सुस्त मछली की तरह स्थिर लटका रहा। अंदर कुछ नहीं हुआ। मैंने हैंडल घुमाया और दरवाजे को वापस अंधेरे में धकेल दिया। मैंने उसे उतनी ही सावधानी से बंद किया जितनी सावधानी से खोला था।

बिना पर्दे वाली एक रोशन आयताकार खिड़की मेरे सामने थी, जो एक डेस्क के कोण से कटी हुई थी। डेस्क पर एक ढका हुआ टाइपराइटर दिखाई दिया, फिर एक जुड़े हुए दरवाजे का धातु का हैंडल। यह खुला हुआ था। मैं तीन कार्यालयों में से दूसरे में दाखिल हुआ। अचानक बंद खिड़की पर बारिश की बूँदें पड़ने लगीं। उस आवाज़ के बीच मैं कमरे को पार कर गया। दरवाजे के एक इंच के छेद से रोशन कार्यालय में रोशनी की एक पतली किरण फैल रही थी। सब कुछ बहुत सुविधाजनक था। मैं किसी चप्पू पर बिल्ली की तरह धीरे-धीरे चला और दरवाजे के कब्जेदार हिस्से तक पहुँचा, दरार से झाँका और लकड़ी के कोण पर पड़ती रोशनी के अलावा कुछ नहीं देखा।

अब वह म्याऊं जैसी आवाज़ बड़े ही सुखद अंदाज़ में कह रही थी: "हाँ, अगर किसी को सब पता हो तो वो आराम से बैठकर दूसरे की करतूतों पर नज़र रख सकता है। तो तुम उस ताक-झांक करने वाले से मिलने गए। खैर, यही तुम्हारी गलती थी। एडी को ये पसंद नहीं आया। उस ताक-झांक करने वाले ने एडी को बताया कि एक ग्रे रंग की प्लाईमाउथ कार में कोई उसका पीछा कर रहा है। एडी तो ज़ाहिर सी बात है जानना चाहता है कि कौन और क्यों।"

हैरी जोन्स हल्के से हँसे। "इसमें उनका क्या लेना-देना है?"

"इससे आपको कुछ हासिल नहीं होगा।"

"तुम जानते हो मैं उस ताक-झांक करने वाले के पास क्यों गया था। मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है। जो ब्रोडी की गर्लफ्रेंड की कहानी है। उसे वेश्यावृत्ति करनी है और वो नशे में चूर है। उसे लगता है कि ताक-झांक करने वाला उसे कुछ पैसे दिलवा सकता है। मेरे पास तो कुछ भी नहीं है।"

उस मधुर आवाज ने धीरे से कहा: "किसलिए पैसे? पुलिस वाले गुंडों को ये सब नहीं देते।"

"वह पैसे जुटा सकता है। वह अमीर लोगों को जानता है।" हैरी जोन्स हँसा, एक छोटी सी, साहसी हँसी।

"मुझसे झंझट मत करो, नन्हे से।" उसकी म्याऊं जैसी आवाज़ में एक तीखापन था, जैसे किसी बेयरिंग में फंसी रेत।

"ठीक है, ठीक है। तुम्हें ब्रॉडी की हत्या के बारे में सारी जानकारी है। उस सनकी लड़के ने ही यह सब किया था, लेकिन जिस रात यह घटना हुई, मार्लो वहीं कमरे में मौजूद था।"

"यह तो सबको पता है, छोटे आदमी। उसने यह बात कानून को बता दी है।"

"हाँ—लेकिन बात ये नहीं है। ब्रॉडी स्टर्नवुड की उस युवती की नग्न तस्वीर बेचने की कोशिश कर

रहा था। मार्लो को उसकी भनक लग गई। जब वे इस बारे में बहस कर रहे थे, तभी स्टर्नवुड की युवती बंदूक लेकर वहाँ आ गई। उसने ब्रॉडी पर गोली चलाई। गोली लगने से खिड़की टूट गई। लेकिन ताक-झांक करने वाले ने पुलिस को इसके बारे में नहीं बताया। और एग्नेस ने भी नहीं बताया। उसे लगा कि चुप रहना ही उसके लिए सज़ा है।"

"इसका एडी से कोई लेना-देना नहीं है?"

"कैसे मुझे दिखाओ।"

"एग्नेस कहाँ है?"

"नहीं चलेगा।"

"तुम ही बताओ, छोटे आदमी। यहाँ, या उस पीछे वाले कमरे में जहाँ लड़के दीवार पर सिक्के उछालते हैं।"

"अब वो मेरी गर्लफ्रेंड है, कैसिनो। मैं अपनी गर्लफ्रेंड को किसी के लिए भी बीच में नहीं डालता।"

सन्नाटा छा गया। मैं खिड़कियों पर बारिश की तेज़ आवाज़ सुन रहा था। दरवाज़े की दरार से सिगरेट के धुएँ की गंध आ रही थी। मुझे खांसी आने लगी। मैंने रुमाल को ज़ोर से दबाया।

धीमी, कोमल आवाज़ में कहा गया, "मैंने सुना है कि ये गोरी लड़की गाइगर के लिए दलाली कर रही थी। मैं एडी से इस बारे में बात करूँगा। उस ताक-झांक करने वाली को तुमने कितने पैसे दिए?"

"दो शताब्दियाँ।"

"उसे ले लो?"

हैरी जोन्स फिर हँस पड़ा। "मैं उससे कल मिल रहा हूँ। मुझे उम्मीद है।"

एग्नेस कहाँ है?

"सुनना-"

एग्नेस कहाँ है?

मौन।

"इसे देखो, छोटे आदमी।"

मैं हिला तक नहीं। मेरे पास बंदूक नहीं थी। मुझे दरवाजे की दरार से देखने की ज़रूरत नहीं थी, मैं जानता था कि वह मटमैली आवाज़ हैरी जोन्स को बंदूक दिखाने का इशारा कर रही थी। लेकिन मुझे नहीं लगता था कि मिस्टर कैनिनो अपनी बंदूक दिखाने के अलावा कुछ और करेंगे। मैं इंतज़ार करता रहा।

"मैं इसे देख रहा हूँ," हैरी जोन्स ने दबी हुई आवाज़ में कहा, मानो उसकी आवाज़ उसके दाँतों से मुश्किल से निकल पा रही हो। "और मुझे इसमें कुछ भी ऐसा नहीं दिख रहा जो मैंने पहले न देखा हो। तुम भी कोशिश करो और देखो तुम्हें क्या मिलता है।"

"तुम्हें इससे शिकागो का एक ओवरकोट ही मिलेगा, छोटे आदमी।"

मौन।

एग्नेस कहाँ है?
हैरी जोन्स ने आह भरी। "ठीक है," उसने थके हुए स्वर में कहा। "वह बंकर हिल पर 28 कोर्ट स्ट्रीट के एक अपार्टमेंट में है। अपार्टमेंट नंबर 301। मुझे लगता है मैं वाकई डरपोक हूँ। इस पेचीदगी में मुझे क्यों फँसना चाहिए?"
"कोई बात नहीं। तुम समझदार हो। हम दोनों बाहर जाकर उससे बात करेंगे। मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि क्या वो तुमसे झूठ बोल रही है, बेटा। अगर बात वही है जो तुम कह रहे हो, तो सब गड़बड़ है। तुम ताक-झांक बंद करो और चले जाओ। कोई बुरा मत मानना?"
"नहीं," हैरी जोन्स ने कहा। "कोई बात नहीं, कैनिनो।"
ठीक है। चलो बिल चुकाते हैं। एक गिलास चाहिए?" वह मटकाती आवाज़ अब किसी दरबान की पलकों की तरह बनावटी और तरबूज़ के बीज की तरह फिसलन भरी थी। एक दराज खोला गया। लकड़ी पर कुछ खटकने की आवाज़ आई। एक कुर्सी चरमराई। फर्श पर घिसने की आवाज़ आई।
“ये तो बॉन्ड फिल्मों का सामान है,” उस मटकाती आवाज़ ने कहा।
एक गड़गड़ाहट की आवाज़ आई। "महिलाओं के शब्दों में कहें तो, तुम्हारे फर में पतंगे घुस गए हैं।"
हैरी जोन्स ने धीमी आवाज़ में कहा: "सफलता।"
मुझे एक तेज़ खांसी सुनाई दी। फिर उल्टी की तेज़ आवाज़ आई। ज़मीन पर हल्की सी आवाज़ हुई, जैसे कोई मोटा गिलास गिर गया हो। मेरी उंगलियाँ रेनकोट पर कस गईं।
मधुर आवाज ने धीरे से कहा: "सिर्फ एक घूंट पीने से तुम बीमार तो नहीं हो गए, दोस्त?"
हैरी जोन्स ने कोई जवाब नहीं दिया। कुछ क्षणों के लिए सांस लेने में कठिनाई की आवाज़ सुनाई दी। फिर गहरी खामोशी छा गई। फिर एक कुर्सी के खिसकने की आवाज़ आई।
"अलविदा, नन्हे आदमी," श्री कैनिनो ने कहा। कदमों की आहट, एक क्लिक, मेरे पैरों के पास रोशनी की किरण थम गई, एक दरवाजा खुला और धीरे से बंद हो गया। कदमों की आहट धीमी और आश्वस्त करने वाली थी।
मैं दरवाजे के किनारे पर सरका और उसे पूरी तरह खोलकर अंदर देखा, जहाँ खिड़की की हल्की रोशनी से थोड़ी राहत मिली थी। मेज का कोना हल्का सा चमक रहा था। उसके पीछे कुर्सी पर एक झुकी हुई आकृति दिखाई दी। घुटन भरी हवा में एक भारी, घुटन भरी गंध थी, लगभग इत्र जैसी। मैं गलियारे के दरवाजे के पास गया और ध्यान से सुनने लगा। मुझे दूर से लिफ्ट की खटखटाहट सुनाई दी।
मुझे लाइट स्विच मिल गया और छत से तीन पीतल की जंजीरों से लटके एक धूल भरे कांच के कटोरे में रोशनी जगमगा रही थी। हैरी जोन्स डेस्क के उस पार से मेरी ओर देख रहा था, उसकी आँखें चौड़ी खुली थीं, चेहरा जकड़ा हुआ था, त्वचा नीली पड़ गई थी। उसका छोटा सा काला सिर एक तरफ झुका हुआ था। वह कुर्सी की पीठ के सहारे सीधा बैठा था।
लगभग अनंत दूरी से आती हुई एक स्ट्रीट-कार की घंटी की आवाज अनगिनत दीवारों से टकराती हुई सुनाई दी। मेज पर ढक्कन खुला हुआ व्हिस्की का एक आधा पाइंट रखा था। हैरी जोन्स का गिलास मेज के एक पहिये से टकराकर चमक रहा था। दूसरा गिलास गायब हो चुका था।

मैंने गहरी साँस ली, पूरी ताकत से, और बोतल के ऊपर झुक गया। बर्बन की जली हुई गंध के पीछे एक और हल्की सी गंध छिपी थी, कड़वे बादाम की गंध। मरते हुए हैरी जोन्स ने अपने कोट पर उल्टी की थी। इससे यह साइनाइड साबित हुआ।

मैं सावधानी से उसके चारों ओर घूमी और खिड़की के लकड़ी के फ्रेम पर लगे हुक से एक टेलीफोन बुक उठाई। मैंने उसे वापस नीचे गिरने दिया और टेलीफोन को उस छोटे से मृत व्यक्ति से जितनी दूर हो सकता था, उतनी दूर ले गई। मैंने सूचना केंद्र पर डायल किया। आवाज ने जवाब दिया।

"क्या आप मुझे अपार्टमेंट नंबर 301, 28 कोर्ट स्ट्रीट का फोन नंबर दे सकते हैं?"

"एक पल रुकिए।" कड़वे बादामों की गंध के बीच से आती हुई आवाज़ मुझ तक पहुँची। सन्नाटा छा गया। "नंबर वेंटवर्थ 2528 है। यह ग्लेनडॉवर अपार्टमेंट्स के अंतर्गत सूचीबद्ध है।"

मैंने उस आवाज़ को धन्यवाद दिया और नंबर डायल किया। घंटी तीन बार बजी, फिर लाइन खुल गई। तार पर रेडियो की तेज़ आवाज़ आ रही थी, जिसे म्यूट कर दिया गया। एक भारी-भरकम पुरुष की आवाज़ आई: "हैलो।"

"क्या एग्नेस वहां है?"

"यहाँ एग्नेस नहीं है, दोस्त। तुम्हें कौन सा नंबर चाहिए?"

"वेंटवर्थ दो-पांच-दो-आठ।"

"सही नंबर, गलत लड़की। ये कितनी शर्म की बात है ना?" आवाज खिलखिला उठी।

मैंने फोन काट दिया और दोबारा फोन बुक उठाई और वेंटवर्थ अपार्टमेंट्स का पता लगाया। मैंने मैनेजर का नंबर डायल किया। मुझे धुंधली सी छवि दिखाई दी जिसमें मिस्टर कैनिनो बारिश में तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए मौत के एक और दौरे पर जा रहे थे।

"ग्लेन्डोवर अपार्टमेंट्स। श्री शिफ बोल रहे हैं।"

"यह वालिस है, पुलिस पहचान ब्यूरो। क्या आपके यहाँ एग्नेस लोजेल नाम की कोई लड़की पंजीकृत है?"

"तुमने खुद को क्या बताया था?"

मैंने उसे फिर से बताया।

"अगर तुम मुझे अपना नंबर दोगे, तो मैं—"

मैंने तीखे स्वर में कहा, "कॉमेडी बंद करो, मुझे जल्दी है। है या नहीं है?"

"नहीं। ऐसा नहीं है।" आवाज़ एकदम सख्त थी।

क्या उस फ्लॉप फिल्म में हरी आंखों वाली एक लंबी गोरी लड़की का नाम दर्ज है?

"कहिए, यह कोई फ्लॉप नहीं है—"

"अरे, चुप रहो, चुप रहो!" मैंने पुलिस वाले लहजे में उस पर चिल्लाते हुए कहा। "क्या तुम चाहते हो कि मैं पुलिस दस्ते को वहाँ भेजकर सब कुछ तलाशी लूँ? मुझे बंकर हिल के अपार्टमेंट हाउस के बारे में सब पता है, साहब। खासकर उन अपार्टमेंट हाउस के बारे में जिनमें हर एक के लिए फ़ोन नंबर लिखे होते हैं।"

"अरे, शांत हो जाइए, अधिकारी जी। मैं सहयोग करूंगा। यहाँ दो गोरी लड़कियाँ हैं, ज़रूर। कहाँ

नहीं हैं? मैंने उनकी आँखों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया था। क्या आपकी आँखें अकेली होंगी?"
"अकेला, या फिर एक छोटे कद के आदमी के साथ, जिसकी लंबाई लगभग पाँच फुट तीन इंच, वज़न एक सौ दस पाउंड, काली तेज़ आँखें हैं, जो गहरे भूरे रंग का डबल-ब्रेस्टेड सूट और आयरिश ट्वीड ओवरकोट, और भूरे रंग की टोपी पहने हुए है। मुझे पता है कि उसका पता अपार्टमेंट नंबर 301 है, लेकिन वहाँ मुझे बस शोर-शराबा ही सुनने को मिलता है।"
"ओह, वह वहां नहीं है। तीन-बहुवचन में दो कार विक्रेता रहते हैं।"
"धन्यवाद, मैं आऊंगा।"
"शांति बनाए रखिएगा ना? सीधे मेरे घर आ जाइए?"
"बहुत-बहुत धन्यवाद, श्रीमान शिफ।" मैंने फोन काट दिया।
मैंने अपने चेहरे से पसीना पोंछा। मैं दफ्तर के दूर वाले कोने में गया और दीवार की ओर मुंह करके खड़ा हो गया, फिर हाथ से दीवार को थपथपाया। धीरे से मुड़ा और सामने कुर्सी पर बैठे छोटे हैरी जोन्स को देखा जो मुंह फुलाए बैठा था।
"अच्छा, तुमने उसे बेवकूफ बना दिया, हैरी," मैंने ज़ोर से कहा, मेरी आवाज़ मुझे भी अजीब लग रही थी। "तुमने उससे झूठ बोला और एक सज्जन की तरह अपना साइनाइड पी लिया। तुम ज़हर से मरे चूहे की तरह मरे, हैरी, लेकिन मेरे लिए तुम चूहे नहीं हो।"
मुझे उसकी तलाशी लेनी पड़ी। यह एक घिनौना काम था। उसकी जेबों से एग्नेस के बारे में कुछ भी नहीं मिला, ऐसा कुछ भी नहीं जो मुझे चाहिए था। मुझे लगा नहीं था कि कुछ मिलेगा, लेकिन मुझे पक्का करना था। श्री कैनिनो वापस आ सकते थे। श्री कैनिनो उस तरह के आत्मविश्वासी सज्जन थे जिन्हें अपने अपराध स्थल पर लौटने में कोई आपत्ति नहीं होती।
मैंने बत्ती बुझाई और दरवाज़ा खोलने लगा। तभी बेस बोर्ड पर लगी फ़ोन की घंटी कर्कश आवाज़ में बजी। मैंने उसे सुना, मेरे जबड़े की मांसपेशियां अकड़ गईं और दर्द होने लगा। फिर मैंने दरवाज़ा बंद किया, बत्ती दोबारा जलाई और उसके पास गया।
"हाँ?"
एक महिला की आवाज़। उसकी आवाज़। "क्या हैरी आस-पास है?"
"बिल्कुल नहीं, एग्नेस।"
वह कुछ देर तक रुकी रही। फिर उसने धीरे से कहा: "कौन बोल रहा है?"
"मार्लो, वो आदमी जो तुम्हारे लिए मुसीबत है।"
"वह कहाँ है?" उसने तीखे स्वर में पूछा।
मैं उसे कुछ जानकारी के बदले में दो सौ डॉलर देने आया था। मेरा प्रस्ताव अभी भी कायम है। मेरे पास पैसे हैं। तुम कहाँ हो?
"क्या उसने तुम्हें नहीं बताया?"
"नहीं।"
"शायद बेहतर होगा कि आप उससे पूछें। वह कहाँ है?"
मैं उससे नहीं पूछ सकता। क्या आप कैनिनो नाम के किसी आदमी को जानते हैं?
उसकी सिसकी इतनी स्पष्ट रूप से सुनाई दी मानो वह मेरे बगल में ही खड़ी हो।

मैंने पूछा, "क्या आपको दोनों 'सी' चाहिए या नहीं?"
"मुझे—मुझे यह बहुत बुरी तरह चाहिए, महोदय।"
"ठीक है, तो बताओ इसे कहाँ लाना है।"
"मैं—मैं..." उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई और फिर घबराहट के साथ वापस आई। "हैरी कहाँ है?"
डर गया और सब गड़बड़ कर दिया। मुझसे कहीं भी मिलो—कहीं भी—मेरे पास पैसे हैं।
"मुझे हैरी के बारे में आपकी बात पर विश्वास नहीं है। यह एक जाल है।"
"अरे यार! मैं हैरी को बहुत पहले ही पकड़वा सकता था। जाल बिछाने की कोई ज़रूरत ही नहीं थी। कैनिनो को किसी तरह हैरी के बारे में पता चल गया और उसने भेद खोल दिया। मुझे शांति चाहिए, तुम्हें शांति चाहिए, हैरी को शांति चाहिए।" हैरी को पहले से ही शांति मिल चुकी थी। कोई उससे यह छीन नहीं सकता था। "तुम्हें नहीं लगता कि मैं एडी मार्स के लिए कठपुतली बनूँगा, है ना, एंजेल?"
"नहीं, मुझे नहीं लगता। वो नहीं। मैं आपसे आधे घंटे में मिलूंगा। बुलॉक्स विल्शायर के बगल में, पार्किंग स्थल के पूर्वी प्रवेश द्वार पर।"
"ठीक है," मैंने कहा।
मैंने फोन को उसके स्टैंड में रख दिया। बादाम की खुशबू की लहर फिर से मुझ पर छा गई, और उल्टी की खट्टी गंध भी। वह छोटा सा मृत व्यक्ति अपनी कुर्सी पर चुपचाप बैठा था, भय से परे, परिवर्तन से परे।
मैं दफ्तर से बाहर निकला। उस अंधेरे गलियारे में कोई हलचल नहीं थी। किसी भी कंकड़दार कांच के दरवाजे के पीछे रोशनी नहीं थी। मैं आग से बचाव वाली सीढ़ियों से दूसरी मंजिल पर गया और वहाँ से लिफ्ट के रोशन छत को देखा। मैंने बटन दबाया। लिफ्ट धीरे-धीरे चलने लगी। मैं फिर से सीढ़ियों से नीचे भागा। जब मैं इमारत से बाहर निकला, तब लिफ्ट मेरे ऊपर थी।
फिर से तेज़ बारिश हो रही थी। मैं बारिश में चलने लगा और भारी बूँदें मेरे चेहरे पर पड़ रही थीं। जब एक बूँद मेरी जीभ पर पड़ी तो मुझे एहसास हुआ कि मेरा मुँह खुला हुआ है और जबड़े के किनारे का दर्द बता रहा था कि वह पूरी तरह से खुला हुआ है और पीछे की ओर खिंचा हुआ है, मानो हैरी जोन्स के चेहरे पर मृत्यु की पीड़ा की आकृति बनी हो।
27
मुझे पैसे दे दो।
उसकी आवाज़ से ग्रे रंग की प्लाईमाउथ कार का इंजन कंपकंपा रहा था और ऊपर बारिश ज़ोरों से बरस रही थी। बुलॉक के हरे रंग के टावर की बैंगनी रोशनी हमसे बहुत ऊपर थी, शांत और अंधेरे, भीगे शहर से अलग-थलग। उसके काले दस्ताने वाले हाथ ने आगे बढ़कर मुझे नोट दिए। वह डैशबोर्ड की हल्की रोशनी में उन्हें गिनने के लिए झुकी। एक थैला खट से खुला और फिर खट से बंद हो गया। उसने एक गहरी साँस ली। वह मेरी ओर झुकी।
"मैं जा रहा हूँ, पुलिसवाले। मैं रास्ते में हूँ। ये भागने के लिए एक हथियार है और भगवान कसम, मुझे इसकी बहुत ज़रूरत है। हैरी का क्या हुआ?"
मैंने तुमसे कहा था कि वह भाग गया। कैनिनो को किसी तरह उसकी भनक लग गई। हैरी को

भूल जाओ। मैंने भुगतान कर दिया है और मुझे अपनी जानकारी चाहिए।
"तुम्हें समझ आ जाएगा। परसों रविवार को मैं और जो फुटहिल बुलेवार्ड पर गाड़ी चला रहे थे। रात हो चुकी थी, ट्रैफिक लाइटें जल रही थीं और गाड़ियों की हमेशा की तरह भीड़भाड़ थी। हम एक भूरे रंग की कूप कार के पास से गुजरे और मैंने उसे चला रही लड़की को देखा। उसके बगल में एक आदमी था, एक सांवला, छोटा आदमी। लड़की गोरी थी। मैंने उसे पहले भी देखा था। वह एडी मार्स की पत्नी थी। वह आदमी कैनिनो था। अगर आप उन्हें कभी देखते, तो आप उनमें से किसी को भी नहीं भूलते। जो आगे से कूप कार का पीछा कर रहा था। वह इसमें माहिर था। कैनिनो, जो हमारा रखवाला था, उसे थोड़ी देर के लिए बाहर ले गया। रियलिटो से लगभग एक मील पूर्व में एक सड़क पहाड़ियों की ओर मुड़ती है। दक्षिण की ओर तो संतरे का इलाका है, लेकिन उत्तर की ओर बिल्कुल बंजर ज़मीन है और पहाड़ियों से सटा हुआ एक साइनाइड का कारखाना है जहाँ धूमन के लिए सामग्री बनाई जाती है। हाईवे से थोड़ी दूर पर एक छोटा सा गैरेज और पेंटशॉप है जिसे आर्ट हक नाम का एक आदमी चलाता है। शायद चोरी की गाड़ियाँ वहीं उतारी जाती होंगी। इसके आगे एक लकड़ी का घर है, और..." घर के आगे सिर्फ़ पहाड़ियाँ, नंगी पथरीली चट्टानें और कुछ मील आगे साइनाइड का कारखाना था। वहीं वो छिपी हुई थी। वे इस सड़क पर मुड़े और जो वापस मुड़ा और हमने देखा कि कार उस सड़क से मुड़ गई जहाँ लकड़ी का घर था। हम आधे घंटे तक वहाँ बैठे आने-जाने वाली कारों को देखते रहे। कोई वापस नहीं आया। जब काफ़ी अंधेरा हो गया तो जो चुपके से वहाँ गया और देखा। उसने बताया कि घर में बत्तियाँ जल रही थीं, रेडियो चल रहा था और सामने सिर्फ़ एक कार थी, कूपे। तो हम वहाँ से निकल गए।
वह चुप हो गई और मैं विल्शायर पर टायरों की सरसराहट सुनने लगा। मैंने कहा: "हो सकता है कि तब से उनका ठिकाना बदल गया हो, लेकिन आपको यही बेचना है—यही बेचना है। क्या आप उसे जानती थीं?"
"अगर तुम उसे कभी देखो, तो दोबारा गलती मत करना। अलविदा, पुलिसवाले, और मुझे शुभकामनाएँ देना। मेरे साथ नाइंसाफी हुई।"
"बिल्कुल नहीं," मैंने कहा और सड़क पार करके अपनी कार की ओर चल दिया।
ग्रे रंग की प्लाईमाउथ गाड़ी आगे बढ़ी, रफ्तार पकड़ी और सनसेट प्लेस के मोड़ पर तेज़ी से मुड़ गई। इंजन की आवाज़ थम गई, और उसके साथ ही सुनहरे बालों वाली एग्नेस मेरे लिए हमेशा के लिए गायब हो गई। तीन आदमी मर चुके थे - गीगर, ब्रॉडी और हैरी जोन्स - और वो औरत बारिश में मेरे दो सौ डॉलर अपने बैग में लेकर बिना किसी चोट के चली गई। मैंने स्टार्टर दबाया और खाना खाने के लिए शहर की ओर चल दिया। मैंने अच्छा खाना खाया। बारिश में चालीस मील चलना एक लंबी यात्रा होती है, और मैं इसे पूरा करने की उम्मीद कर रहा था।
मैं नदी पार करके उत्तर की ओर पासाडेना की तरफ बढ़ा, पासाडेना से गुज़रते ही मैं लगभग तुरंत ही संतरे के बागों में पहुँच गया। तेज़ बारिश की बूँदें हेडलाइट्स में सफ़ेद फुहार की तरह चमक रही थीं। विंडशील्ड वाइपर मुश्किल से ही शीशे को इतना साफ़ रख पा रहा था कि आर-पार देखा जा सके। लेकिन भीगे हुए अंधेरे में भी संतरे के पेड़ों की बेदाग कतारें, जो रात के अंधेरे में

अंतहीन पहियों की तरह फैली हुई थीं, छिप नहीं पा रही थीं।

गाड़ियाँ तेज़ सरसराहट और धूल के छींटे उड़ाती हुई गुज़र रही थीं। राजमार्ग एक छोटे से कस्बे से होकर गुज़र रहा था, जहाँ चारों ओर माल गोदाम और शेड थे, और रेलवे साइडिंग उनसे सटी हुई थीं। दक्षिण की ओर पेड़ों के झुरमुट कम होते गए और सड़क ऊपर चढ़ने लगी, ठंड बढ़ गई और उत्तर की ओर काली पहाड़ियाँ और करीब आ गईं, और उनकी ढलानों से ठंडी हवा ज़ोर से बह रही थी। तभी अंधेरे में से धुंधली सी दो पीली रोशनी आसमान में चमक उठीं और उनके बीच एक नियॉन साइन पर लिखा था: "रियलिटो में आपका स्वागत है।"

चौड़ी मुख्य सड़क से कुछ दूरी पर लकड़ी के बने मकान थे, फिर अचानक दुकानों का एक समूह दिखाई दिया, धुंधले शीशे के पीछे एक दवा की दुकान की रोशनी, सिनेमाघर के सामने कारों का झुंड, एक कोने पर एक अंधेरा बैंक जिसकी घड़ी फुटपाथ के ऊपर निकली हुई थी और बारिश में खड़े लोगों का एक समूह उसकी खिड़कियों को ऐसे देख रहा था मानो वे कोई शो देख रहे हों। मैं आगे बढ़ता गया। फिर से खाली खेत सामने आ गए।

किस्मत ने ही सारा खेल रचा था। रियलिटो से आगे, लगभग एक मील दूर, राजमार्ग पर एक मोड़ आया और बारिश ने मुझे धोखा दिया और मैं सड़क के किनारे के बहुत करीब चला गया। मेरे दाहिने आगे के टायर से एक तेज़ आवाज़ के साथ हवा निकल गई। इससे पहले कि मैं रुक पाता, दाहिना पीछे का टायर भी फट गया। मैंने गाड़ी को ज़ोर से रोका, आधा फुटपाथ पर, आधा किनारे पर, बाहर निकला और चारों ओर टॉर्च की रोशनी डाली। मेरे पास दो पंचर टायर थे और एक स्पेयर टायर था। आगे के टायर से एक भारी गैल्वनाइज्ड कील का चपटा सिरा मुझे घूर रहा था।

फुटपाथ के किनारे पर वे बिखरे पड़े थे। उन्हें झाड़कर हटाया तो गया था, लेकिन पूरी तरह से नहीं।

मैंने फ्लैश बंद किया और वहीं बारिश में भीगते हुए खड़ा रहा, एक गली में जलती पीली बत्ती को देखता रहा। ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी रोशनदान से आ रही हो। रोशनदान किसी गैराज का हो सकता था, गैराज आर्ट हक नाम के किसी आदमी का हो सकता था, और उसके बगल में लकड़ी का मकान भी हो सकता था। मैंने अपनी ठुड्डी कॉलर में दबा ली और उसकी तरफ बढ़ने लगा, फिर वापस आकर स्टीयरिंग पोस्ट से लाइसेंस होल्डर खोला और उसे अपनी जेब में रख लिया। मैं स्टीयरिंग व्हील के नीचे झुक गया। गाड़ी में बैठे हुए, मेरे दाहिने पैर के ठीक नीचे, एक भारी फ्लैप के पीछे एक छिपा हुआ डिब्बा था। उसमें दो बंदूकें थीं। एक एडी मार्स के लड़के लैनी की थी और एक मेरी। मैंने लैनी की बंदूक ले ली। वह मेरी बंदूक से ज़्यादा इस्तेमाल हुई होगी। मैंने उसे नाक नीचे करके अपनी अंदरूनी जेब में रखा और गली में आगे बढ़ गया।

गैराज हाईवे से सौ गज दूर था। हाईवे की तरफ उसकी एक खाली दीवार दिख रही थी। मैंने जल्दी से उस पर फ्लैश चमकाया। "आर्ट हक—ऑटो रिपेयर्स एंड पेंटिंग।" मैं मुस्कुराया, तभी हैरी जोन्स का चेहरा मेरे सामने आ गया और मेरी हंसी रुक गई। गैराज के दरवाजे बंद थे, लेकिन उनके नीचे से हल्की रोशनी आ रही थी और जहां दरवाजे के दोनों हिस्से मिलते थे, वहां भी हल्की रोशनी थी। मैं आगे बढ़ गया। वहां लकड़ी का घर था, सामने की दो खिड़कियों से रोशनी

आ रही थी, पर्दे नीचे थे। वह सड़क से काफी पीछे, पेड़ों के एक पतले झुंड के पीछे बना हुआ था। सामने बजरी वाली सड़क पर एक कार खड़ी थी। वह धुंधली और अस्पष्ट दिख रही थी, लेकिन वह एक भूरे रंग की कूप कार होगी और मिस्टर कैनिनो की होगी। वह संकरे लकड़ी के बरामदे के सामने शांति से खड़ी थी।

वह कभी-कभार उसे गाड़ी चलाने देता और उसके बगल में बैठ जाता, शायद अपने पास एक बंदूक रखता। वही लड़की जिससे रस्टी रेगन को शादी कर लेनी चाहिए थी, जिसे एडी मार्स अपने पास नहीं रख पाया, वही लड़की जो रेगन के साथ भाग नहीं गई थी। वाह, मिस्टर कैनिनो!

मैं लड़खड़ाते हुए गैरेज में वापस गया और अपने फ्लैश के बट से लकड़ी के दरवाजे पर जोर से खटखटाया। एक पल के लिए सन्नाटा छा गया, मानो बिजली कड़क रही हो। अंदर की बत्ती बुझ गई। मैं वहीं खड़ा मुस्कुराता रहा और अपने होंठों से बारिश की बूँदें चाटता रहा। मैंने दरवाजे के बीचोंबीच वाले स्पॉट पर क्लिक किया। सफेद रंग के उस गोले को देखकर मैं मुस्कुरा उठा। मैं वहीं था जहाँ मैं होना चाहता था।

दरवाजे के पीछे से एक कर्कश आवाज आई: "तुम्हें क्या चाहिए?"

"दरवाजा खोलो। हाईवे पर मेरी गाड़ी के दो टायर पंचर हो गए हैं और मेरे पास सिर्फ एक स्पेयर टायर है। मुझे मदद चाहिए।"

"माफ़ कीजिए महोदय। हम बंद हैं। रियलिटो यहाँ से एक मील पश्चिम में है। बेहतर होगा कि आप वहाँ कोशिश करें।"

मुझे यह पसंद नहीं आया। मैंने दरवाज़े पर ज़ोर से लात मारी। मैं लात मारता ही रहा। तभी एक और आवाज़ सुनाई दी, एक धीमी, जैसे दीवार के पीछे कोई छोटा सा यंत्र चल रहा हो। मुझे यह आवाज़ अच्छी लगी। उसने कहा: "बड़े होशियार हो, है ना? दरवाज़ा खोलो, आर्ट।"

एक कुंडी चरमराई और दरवाज़े का आधा हिस्सा अंदर की ओर मुड़ गया। मेरी फ्लैश लाइट एक दुबले-पतले चेहरे पर पल भर के लिए चमकी। तभी कोई चमकती हुई चीज़ तेज़ी से नीचे आई और फ्लैश लाइट को मेरे हाथ पर गिरा दिया। किसी ने मुझ पर बंदूक तान दी थी। मैं गीली ज़मीन पर जहाँ फ्लैश लाइट जल रही थी, वहाँ नीचे झुक गया और फ्लैश लाइट को उठा लिया।

उस कर्कश आवाज ने कहा: "उस जगह को मार डालो, यार। उस तरह से लोगों को चोट लगती है।"

मैंने फ्लैश बंद किया और सीधा खड़ा हो गया। गैराज के अंदर रोशनी हुई और ओवरऑल पहने एक लंबे आदमी की आकृति दिखाई दी। वह खुले दरवाजे से पीछे हट गया और उसने बंदूक मेरी तरफ तान रखी थी।

"अंदर आ जाओ और दरवाजा बंद कर लो, अजनबी। हम देखेंगे कि हम क्या कर सकते हैं।"

मैं अंदर गया और अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया। मैंने उस दुबले-पतले आदमी को देखा, लेकिन उस दूसरे आदमी की तरफ नहीं देखा जो वर्कबेंच के पास चुपचाप, धुंधली सी हालत में खड़ा था। गैराज की हवा गर्म पायरोक्सिलिन पेंट की गंध से मीठी और रहस्यमयी थी।

"क्या तुम्हें अक्ल नहीं है?" उस दुबले-पतले आदमी ने मुझे ताना मारा। "आज दोपहर रियलिटो में एक बैंक लूट हुई है।"

"माफ़ कीजिए," मैंने कहा, मुझे बारिश में बैंक को घूरते हुए लोगों की याद आ गई। "मैंने इसे नहीं खींचा। मैं यहाँ अजनबी हूँ।"
"हाँ, ऐसा हुआ था," उसने उदास स्वर में कहा। "कुछ लोग कहते हैं कि कुछ बदमाश लड़के थे और उन्होंने उन्हें पहाड़ियों में घेर लिया था।"
मैंने कहा, "छिपने के लिए आज रात बढ़िया है। मुझे लगता है उन्होंने कुछ कीलें फेंकी होंगी। मैंने उनमें से कुछ उठा लीं। मुझे लगा कि तुम्हें बस काम की ज़रूरत है।"
"तुम्हें कभी मुँह पर घूंसा तो नहीं पड़ा, है ना?" उस दुबले-पतले आदमी ने मुझसे संक्षेप में पूछा।
"तुम्हारे वजन का कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता।"
अंधेरे में से आती हुई धीमी आवाज़ ने कहा: "आर्ट, इतना कड़ा रुख मत अपनाओ। ये आदमी मुसीबत में फंसा है। तुम गैरेज चलाते हो, है ना?"
"धन्यवाद," मैंने कहा और तब भी उसकी तरफ नहीं देखा।
"ठीक है, ठीक है," ओवरऑल पहने आदमी बड़बड़ाया। उसने अपनी बंदूक कपड़ों के एक फ्लैप में छिपा ली और उंगली चबाते हुए मेरी तरफ गुस्से से देखने लगा। पायरोक्सिलिन पेंट की गंध ईथर जितनी घिनौनी थी। कोने में, एक ड्रॉप लाइट के नीचे, एक बड़ी नई सी दिखने वाली सेडान कार खड़ी थी, जिसके फेंडर पर एक पेंट गन पड़ी थी।
अब मैंने वर्कबेंच के पास खड़े उस आदमी को देखा। वह कद में छोटा और गठीला था, उसके कंधे मजबूत थे। उसका चेहरा शांत था और उसकी गहरी आँखें भी शांत थीं। उसने कमरबंद वाला भूरे रंग का मखमली रेनकोट पहना हुआ था, जिस पर बारिश की बूँदें लगी हुई थीं। उसकी भूरी टोपी तिरछी थी। उसने अपनी पीठ वर्कबेंच से टिकाई और मुझे बिना किसी जल्दबाजी या रुचि के देखा, मानो वह ठंडे मांस के टुकड़े को देख रहा हो। शायद वह लोगों को इसी तरह देखता था।
उसने अपनी गहरी आँखों को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे घुमाया और फिर एक-एक करके अपने नाखूनों को देखा, उन्हें रोशनी में उठाकर ध्यान से उनका अध्ययन किया, जैसा कि हॉलीवुड ने सिखाया है। उसने सिगरेट पीते हुए बात की।
"दो टायर पंचर हो गए, है ना? ये तो बहुत बुरा हुआ। मुझे लगा था कि उन्होंने कीलें साफ कर दी होंगी।"
"मोड़ पर मेरी गाड़ी थोड़ी फिसल गई।"
"आपने कहा कि आप शहर में अजनबी हैं?"
मैं यहाँ से गुजर रहा हूँ। लॉस एंजिल्स जा रहा हूँ। यह कितनी दूर है?
"चालीस मील। इस मौसम में तो यह दूरी ज़्यादा लगती है। अजनबी, तुम कहाँ से आए हो?"
"सांता रोजा।"
"लंबा रास्ता तय करके आए हो, है ना? ताहो और लोन पाइन?"
"ताहो नहीं। रेनो और कार्सन सिटी।"
"अभी लंबा रास्ता तय करना है।" उनके होठों पर एक हल्की सी मुस्कान आई।
मैंने उससे पूछा, "क्या इसके खिलाफ कोई कानून है?"
"हं? नहीं, बिलकुल नहीं। लगता है आपको लगता है कि हम ताक-झांक कर रहे हैं। बस उस चोरी

की वजह से। आर्ट, एक जैक लो और उसके फ्लैट्स ले आओ।"
दुबले-पतले आदमी ने गुर्राते हुए कहा, "मैं व्यस्त हूँ। मुझे काम करना है। मुझे ये स्प्रे पेंटिंग का काम मिला है। और बारिश भी हो रही है, शायद आपने ध्यान दिया होगा।"
भूरे रंग के कपड़े पहने उस आदमी ने विनम्रता से कहा: "अच्छी तरह से स्प्रे करने के लिए बहुत नमी है, आर्ट। जल्दी करो।"
मैंने कहा: "ये आगे और पीछे, दाहिनी तरफ हैं। अगर आप व्यस्त हैं तो एक जगह के लिए स्पेयर टायर का इस्तेमाल कर सकते हैं।"
"आर्ट, दो जैक ले लो," उस भूरे रंग के आदमी ने कहा।
"अब सुनो—" आर्ट ने शेखी बघारना शुरू कर दिया।
उस सांवले आदमी ने अपनी आँखें घुमाईं, आर्ट को शांत और सौम्य निगाहों से देखा, फिर लगभग शरमाते हुए अपनी नज़रें नीचे कर लीं। उसने कुछ नहीं कहा। आर्ट ऐसे हिल गया जैसे उसे हवा का झोंका लगा हो। वह कोने की ओर बढ़ा और अपने ओवरऑल के ऊपर एक रबर का कोट पहन लिया, सिर पर एक साउथवेस्टर टोपी डाल ली। उसने एक सॉकेट रिंच और एक हैंड जैक उठाया और एक डॉली जैक को दरवाज़ों के पास ले आया।
वह चुपचाप बाहर चला गया, दरवाजा खुला छोड़ गया। बारिश तेज होकर अंदर आ गई। भूरे रंग के कपड़े पहने वह आदमी टहलते हुए आया, दरवाजा बंद किया और वापस वर्कबेंच पर जाकर अपनी कमर ठीक उसी जगह पर टिका दी जहाँ पहले थी। मैं उसे तब हरा सकता था। हम अकेले थे। वह नहीं जानता था कि मैं कौन हूँ। उसने मेरी तरफ हल्के से देखा और अपनी सिगरेट सीमेंट के फर्श पर फेंक दी और बिना नीचे देखे उस पर पैर रख दिया।
"मुझे लगता है तुम्हें एक ड्रिंक की ज़रूरत है," उसने कहा। "अंदर तक गीला कर लो और बराबर कर लो।" उसने अपने पीछे वर्कबेंच से एक बोतल उठाई और उसे किनारे पर रख दिया, और उसके बगल में दो गिलास रख दिए। उसने दोनों गिलासों में एक-एक घूंट डाला और एक गिलास आगे बढ़ाया।
मैं बेवकूफों की तरह चलते हुए गया और उसे उठा लिया। बारिश की यादें अभी भी मेरे चेहरे पर ताजा थीं। गर्म पेंट की गंध से गैराज की घुटन भरी हवा मदहोश हो रही थी।
"वो आर्ट," उस सांवले आदमी ने कहा। "वो तो सारे मैकेनिकों जैसा है। हमेशा किसी ऐसे काम में लगा रहता है जो उसे पिछले हफ्ते ही कर लेना चाहिए था। क्या कोई व्यावसायिक यात्रा है?"
मैंने अपने पेय को धीरे से सूंघा। उसकी गंध बिल्कुल सही थी। मैंने उसे अपना पेय पीते हुए देखा, फिर मैंने भी अपना पेय पी लिया। मैंने उसे अपनी जीभ पर घुमाया। उसमें साइनाइड नहीं था। मैंने छोटा गिलास खाली किया और उसके बगल में रख दिया और वहां से हट गया।
"कुछ हद तक," मैंने कहा। मैं आधी रंगी हुई सेडान कार के पास गया, जिसके फेंडर पर एक बड़ी धातु की पेंट गन पड़ी थी। बारिश की बूँदें सपाट छत पर ज़ोर से पड़ रही थीं। आर्ट कार में बैठा हुआ था और बड़बड़ा रहा था।
उस सांवले आदमी ने बड़ी कार को देखा। "शुरुआत में तो बस कुछ पैनल बदलने का काम था," उसने लापरवाही से कहा, शराब के नशे में उसकी आवाज़ अभी भी थोड़ी धीमी थी। "लेकिन उस

आदमी के पास बहुत पैसा था और उसके ड्राइवर को कुछ पैसों की ज़रूरत थी। आप जानते ही हैं ये सब धंधा।"

मैंने कहा: "सिर्फ़ एक ही है जो मुझसे बड़ा है।" मेरे होंठ सूख रहे थे। मैं बात नहीं करना चाहता था। मैंने एक सिगरेट जलाई। मुझे अपने टायर ठीक करवाने थे। मिनट दबे पांव बीतते गए। वह सांवला आदमी और मैं दो अजनबी थे जो इत्तेफ़ाक से मिले थे, एक छोटे से मरे हुए आदमी, हैरी जोन्स के सामने एक-दूसरे को देख रहे थे। बस उस सांवले आदमी को अभी तक यह पता नहीं था।

बाहर पैरों की आहट सुनाई दी और दरवाज़ा खुल गया। रोशनी बारिश की बूंदों पर पड़ी और उन्हें चांदी के तारों जैसा बना दिया। आर्ट दो कीचड़ से सने फ्लैटों को गुस्से से अंदर लाया, दरवाज़ा ज़ोर से बंद किया और एक फ्लैट को एक तरफ गिरा दिया। उसने मुझे गुस्से भरी नज़रों से देखा।

"तुम तो बड़े ही अजीबोगरीब जगहें चुनते हो," उसने गुस्से से कहा।

भूरे रंग के उस व्यक्ति ने हंसते हुए अपनी जेब से निकलों से बना एक लुढ़का हुआ सिलेंडर निकाला और उसे अपनी हथेली पर ऊपर-नीचे उछालने लगा।

"इतना गुस्सा मत करो," उसने रूखेपन से कहा। "उन पंचर को ठीक करो।"

मैं ही तो इन्हें ठीक कर रहा हूँ, है ना?

"अच्छा, इस पर गाना मत बनाओ।"

"याह!" आर्ट ने अपना रबर कोट और साउथवेस्टर उतारकर दूर फेंक दिया। उसने एक टायर को स्प्रेडर पर उठाया और रिम को ज़ोर से खींचकर अलग कर दिया। उसने ट्यूब को तुरंत बाहर निकाला और पैच लगा दिया। अब भी गुस्से से भरा हुआ, वह मेरे बगल वाली दीवार की ओर बढ़ा और एक एयर होज़ उठाया, ट्यूब में इतनी हवा भरी कि वह फूल जाए और एयर होज़ के नोजल को सफेदी की हुई दीवार पर ज़ोर से मारा।

मैं कैनीनो के हाथ में लिपटे सिक्कों के गट्ठे को नाचते हुए देखता रहा। मेरे भीतर का वह भावविभोर तनाव अब मिट चुका था। मैंने अपना सिर घुमाया और अपने बगल में खड़े दुबले-पतले मैकेनिक को हवा से सख्त हुई नली को ऊपर उछालते और दोनों हाथों से उसे पकड़ते हुए देखा। उसने नली को गुस्से से देखा, कोने में रखे गंदे पानी से भरे एक बड़े जस्ती टब पर नज़र डाली और घुरघुराया।

टीमवर्क बहुत बढ़िया रहा होगा। मुझे कोई संकेत नहीं दिखा, कोई अर्थपूर्ण नज़र नहीं आई, कोई ऐसा इशारा नहीं दिखा जिसका कोई विशेष महत्व हो। दुबला-पतला आदमी उस कड़क नली को हवा में ऊपर उठाए, उसे घूर रहा था। उसने अपना शरीर आधा घुमाया, एक लंबा और तेज़ कदम उठाया और उसे मेरे सिर और कंधों पर ज़ोर से पटक दिया, एकदम सटीक वार।

वह मेरे पीछे कूद गया और रबर पर ज़ोर से झुक गया। उसके वज़न से मेरी छाती पर दबाव पड़ा और मेरी बाहें मेरे बगल में कसकर चिपक गईं। मैं अपने हाथ हिला सकता था, लेकिन अपनी जेब में रखी बंदूक तक नहीं पहुँच पा रहा था।

वह सांवला आदमी लगभग नाचते हुए फर्श पर मेरी ओर आया। उसके हाथ में सिक्कों का बंडल और भी कस गया। वह बिना आवाज किए, बिना किसी भाव के मेरे पास आ गया। मैं आगे झुका

और आर्ट को उसके पैरों से उठाने की कोशिश की।
भारी नली से भरी मुट्ठी मेरे फैले हाथों के बीच से ऐसे गुज़री जैसे धूल के बादल में पत्थर। मैं सदमे से स्तब्ध रह गया, मानो रोशनी नाच रही हो और दिखाई देने वाली दुनिया धुंधली हो गई हो, लेकिन फिर भी मौजूद थी। उसने मुझे फिर मारा। मेरे सिर में कोई संवेदना नहीं थी। तेज़ रोशनी और तेज़ हो गई। चारों ओर सिर्फ़ कठोर, दर्द भरी सफ़ेद रोशनी थी। फिर अंधेरा छा गया जिसमें कुछ लाल रंग का, सूक्ष्मदर्शी के नीचे किसी रोगाणु की तरह रेंग रहा था। फिर कुछ भी चमकदार या रेंगता हुआ नहीं था, बस अंधेरा, खालीपन, तेज़ हवा और बड़े-बड़े पेड़ों के गिरने जैसी आवाज़ थी।

28

ऐसा लग रहा था कि एक महिला एक दीपक के पास बैठी है, जो उसकी सही जगह थी, अच्छी रोशनी में। एक और रोशनी मेरे चेहरे पर तेज़ पड़ रही थी, इसलिए मैंने अपनी आँखें फिर से बंद कर लीं और पलकों के बीच से उसे देखने की कोशिश की। उसका रंग इतना प्लैटिनम जैसा था कि उसके बाल चांदी के फलों के कटोरे की तरह चमक रहे थे। उसने हरे रंग की बुनी हुई पोशाक पहनी थी, जिसके ऊपर एक चौड़ा सफेद कॉलर था। उसके पैरों के पास एक नुकीला, चमकदार थैला रखा था। वह सिगरेट पी रही थी और उसकी कोहनी के पास एक लंबा, पीला, हल्के पीले रंग का गिलास रखा था।
मैंने अपना सिर थोड़ा सा हिलाया, सावधानी से। दर्द हुआ, लेकिन जितना मैंने सोचा था उससे ज़्यादा नहीं। मुझे ऐसे बांधा गया था जैसे ओवन में जाने के लिए तैयार टर्की को बांधा जाता है। हथकड़ियों ने मेरी कलाइयों को पीछे की ओर जकड़ रखा था और एक रस्सी उनसे मेरे टखनों तक जा रही थी और फिर उस भूरे रंग के सोफे के किनारे से गुज़र रही थी जिस पर मैं लेटा हुआ था। रस्सी सोफे के ऊपर से ओझल हो गई। मैंने थोड़ा हिलकर यह सुनिश्चित किया कि रस्सी ठीक से बंधी हुई है।
मैंने ये छिपकर की जाने वाली हरकतें रोक दीं और अपनी आँखें फिर से खोलकर कहा: "हैलो।"
महिला ने दूर स्थित किसी पर्वत शिखर से अपनी दृष्टि हटाई। उसकी छोटी, सुगठित ठुड्डी धीरे से घूमी। उसकी आँखें पर्वतीय झीलों के नीले रंग की थीं। ऊपर आसमान में बारिश अभी भी ज़ोर से बरस रही थी, एक दूर की सी आवाज़ के साथ, मानो किसी और की बारिश हो।
"कैसा महसूस कर रही हो?" आवाज़ मधुर और सुरीली थी, बिल्कुल उसके बालों की तरह। उसमें एक हल्की सी झंकार थी, जैसे गुड़ियाघर की घंटियाँ बजती हों। मुझे ये ख्याल आते ही बेवकूफी भरा लगा।
"वाह!" मैंने कहा। "किसी ने मेरे जबड़े पर पेट्रोल पंप बना दिया है।"
"आप क्या उम्मीद कर रहे थे, मिस्टर मार्लो—ऑर्किड की?"
मैंने कहा, "बस एक साधारण पाइन की पेटी। पीतल या चांदी के हैंडल लगाने की ज़रूरत नहीं है। और मेरी राख को नीले प्रशांत महासागर में मत बिखेरना। मुझे कीड़े-मकोड़े ज़्यादा पसंद हैं। क्या तुम्हें पता है कि कीड़े-मकोड़े नर और मादा दोनों होते हैं और कोई भी कीड़ा किसी दूसरे कीड़े से प्यार कर सकता है?"

"तुम्हें थोड़ा चक्कर आ रहा है," उसने गंभीर निगाहों से देखते हुए कहा।
"क्या आप इस लाइट को हटा सकते हैं?"
वह उठी और सोफे के पीछे चली गई। बत्ती बुझ गई। धुंधलापन एक आशीर्वाद जैसा था।
"मुझे नहीं लगता कि तुम इतने खतरनाक हो," उसने कहा। वह छोटी नहीं बल्कि लंबी थी, लेकिन दुबली-पतली नहीं थी। वह पतली थी, लेकिन सूखी और बेजान नहीं थी। वह अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गई।
"तो आपको मेरा नाम पता है।"
"तुम चैन से सोए। उनके पास तुम्हारी जेबें तलाशने का काफी समय था। उन्होंने तुम्हें संरक्षित करने के अलावा सब कुछ किया। तो तुम एक जासूस हो।"
"क्या मेरे खिलाफ उनके पास बस इतना ही सबूत है?"
वह चुप थी। सिगरेट से हल्का धुआँ निकल रहा था। उसने सिगरेट को हवा में घुमाया। उसका हाथ छोटा और सुडौल था, आजकल महिलाओं के हाथों में दिखने वाले पतले और बेजान हाथों जैसा नहीं।
मैंने पूछा, "कितने बजे हैं?"
उसने धुएं के गुबार के पार, लैंप की हल्की रोशनी के किनारे पर, अपनी कलाई की ओर तिरछी नज़र डाली। "दस बजकर सत्रह मिनट। क्या तुम्हारी कोई डेट है?"
मुझे आश्चर्य नहीं होगा। क्या यह वही घर है जो आर्ट हक के गैराज के बगल में है?
"हाँ।"
"ये लड़के क्या कर रहे हैं—क्या वे कब्र खोद रहे हैं?"
उन्हें कहीं तो जाना ही था।
"क्या आपका मतलब है कि वे आपको यहां अकेला छोड़कर चले गए?"
उसने धीरे से अपना सिर फिर घुमाया। वह मुस्कुराई। "तुम खतरनाक नहीं दिखते।"
मुझे लगा कि वे तुम्हें बंदी बनाकर रखे हुए हैं।
इससे वह चौंकी नहीं। बल्कि उसे थोड़ी हंसी भी आई। "तुम्हें ऐसा क्यों लगा?"
"मुझे पता है आप कौन हैं।"
उसकी नीली आँखें इतनी तेज़ी से चमक उठीं कि मैं मानो उनकी नज़र की गति को तलवार की तीक्ष्णता की तरह देख सकता था। उसके होंठ कस गए, लेकिन उसकी आवाज़ में कोई बदलाव नहीं आया।
"तो मुझे डर है कि आप मुश्किल में हैं। और मुझे हत्या करना पसंद नहीं है।"
"और तुम एडी मार्स की पत्नी हो? तुम्हें शर्म आनी चाहिए।"
उसे यह पसंद नहीं आया। उसने मुझे घूरकर देखा। मैं मुस्कुराया। "जब तक तुम इन कंगनों को नहीं खोल सकतीं, जो मैं तुम्हें न करने की सलाह दूंगा, तब तक कृपया मुझे उस पेय में से थोड़ा सा दे दो जिसे तुम नज़रअंदाज़ कर रही हो।"
वह गिलास लेकर आई। उसमें बुलबुले झूठी उम्मीदों की तरह उठ रहे थे। वह मेरे ऊपर झुकी। उसकी सांसें हिरण के बच्चे की आंखों की तरह कोमल थीं। मैंने गिलास से एक घूंट पिया। उसने

गिलास मेरे मुंह से हटा लिया और कुछ तरल पदार्थ को मेरी गर्दन से नीचे बहते हुए देखा।
वह फिर से मेरे ऊपर झुक गई। मेरे शरीर में खून ऐसे दौड़ने लगा, जैसे कोई संभावित किरायेदार घर का जायजा ले रहा हो।
"तुम्हारा चेहरा किसी टक्कर की चटाई जैसा दिखता है," उसने कहा।
इसका भरपूर फायदा उठाओ। इतना अच्छा होने के बावजूद भी यह ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा।
उसने अपना सिर तेज़ी से घुमाया और ध्यान से सुना। एक पल के लिए उसका चेहरा पीला पड़ गया। आवाज़ें केवल दीवारों पर पड़ती बारिश की बूंदों की थीं। वह कमरे के दूसरी ओर गई और मेरी तरफ पीठ करके खड़ी हो गई, थोड़ा आगे झुककर फर्श की ओर देखने लगी।
"तुम यहाँ क्यों आई और अपनी जान जोखिम में क्यों डाली?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा। "एडी तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचा रहा था। तुम अच्छी तरह जानती हो कि अगर मैं यहाँ नहीं छिपती, तो पुलिस को पूरा यकीन हो जाता कि एडी ने रस्टी रेगन का कत्ल किया है।"
मैंने कहा, "उसने किया।"
वह हिली तक नहीं, अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हिली। उसकी साँसें तेज़ और कर्कश आवाज़ कर रही थीं। मैंने कमरे में चारों ओर देखा। दो दरवाज़े, दोनों एक ही दीवार में, एक आधा खुला हुआ। लाल और हल्के भूरे रंग के चौकोर टुकड़ों वाला कालीन, खिड़कियों पर नीले पर्दे, और दीवारों पर चमकीले हरे चीड़ के पेड़ों वाला वॉलपेपर। फर्नीचर ऐसा लग रहा था मानो बस स्टॉप के किनारे विज्ञापन लगाने वाली दुकानों से आया हो। रंगीन, लेकिन प्रतिरोध से भरा हुआ।
उसने धीमी आवाज़ में कहा, "एडी ने उसके साथ कुछ नहीं किया। मैंने रस्टी को महीनों से नहीं देखा है। एडी उस तरह का आदमी नहीं है।"
"तुमने उसका बिस्तर और खाना छोड़ दिया था। तुम अकेले रह रही थी। जहाँ तुम रहती थी, वहाँ के लोगों ने रीगन की तस्वीर पहचान ली।"
"यह झूठ है," उसने ठंडे स्वर में कहा।
मैंने याद करने की कोशिश की कि क्या कैप्टन ग्रेगरी ने ऐसा कहा था या नहीं। मेरा दिमाग पूरी तरह से धुंधला था। मैं निश्चित नहीं हो सका।
"और इससे आपका कोई लेना-देना नहीं है," उसने आगे कहा।
"यह सारा मामला मेरा है। मुझे सच्चाई का पता लगाने के लिए नियुक्त किया गया है।"
एडी उस तरह का आदमी नहीं है।
"ओह, आपको तो बदमाश पसंद हैं।"
जब तक लोग जुआ खेलते रहेंगे, तब तक उनके जुआ खेलने के स्थान भी मौजूद रहेंगे।
"ये तो बस बचाव की सोच है। एक बार कानून की सीमा से बाहर हो गए तो पूरी तरह बाहर हो जाते हैं। आपको लगता है कि वो सिर्फ जुआरी है। मुझे लगता है कि वो अश्लील वीडियो बनाने वाला, ब्लैकमेलर, अवैध कारों का दलाल, रिमोट कंट्रोल से हत्या करने वाला और भ्रष्ट पुलिसवालों को रिश्वत देने वाला है। उसे जो भी अच्छा लगता है, वो वही बन जाता है, जिससे उसे पैसा मिलता है। मुझे किसी भी ऊँचे दर्जे के बदमाश के बारे में मत बताओ। ऐसे बदमाश नहीं

होते।"
"वह हत्यारा नहीं है।" उसकी नाक के नथुने फूल गए।
"व्यक्तिगत रूप से नहीं। उसके पास कैनिनो है। कैनिनो ने आज रात एक आदमी को मार डाला, एक सीधा-सादा आदमी जो किसी की मदद करने की कोशिश कर रहा था। मैंने लगभग उसे मरते हुए देखा।"
वह थकी हुई हंसी हंसी।
"ठीक है," मैंने गुस्से से कहा। "विश्वास मत करो। अगर एडी इतना अच्छा आदमी है, तो मैं उससे कैनिनो के बिना बात करना चाहूंगा। तुम जानते हो कैनिनो क्या करेगा—मेरे दांत तोड़ देगा और बड़बड़ाने पर मेरे पेट में लात मारेगा।"
उसने अपना सिर पीछे झुकाया और कुछ सोच-विचार करते हुए वहीं खड़ी रही।
"मुझे लगा था कि प्लैटिनम रंग के बाल फैशन से बाहर हो गए हैं," मैंने कमरे में आवाज बरकरार रखने के लिए, सुनने से बचने के लिए, अपनी बात दोहराई।
"ये तो विग है, बेवकूफ। जब तक मेरे बाल बढ़ न जाएं।" उसने हाथ बढ़ाकर उसे उतार दिया। उसके अपने बाल लड़कों जैसे छोटे-छोटे कटे हुए थे। उसने विग वापस पहन ली।
"यह तुम्हारे साथ किसने किया?"
वह हैरान दिखी। "मैंने तो करवाया था। क्यों?"
"हाँ। क्यों?"
"क्यों, एडी को यह दिखाने के लिए कि मैं वही करने को तैयार थी जो वह मुझसे करवाना चाहता था—छिप जाना। कि उसे मेरी सुरक्षा की ज़रूरत नहीं थी। मैं उसे निराश नहीं करूंगी। मैं उससे प्यार करती हूँ।"
"हे भगवान!" मैंने आह भरी। "और मैं यहीं कमरे में तुम्हारे साथ हूँ।"
उसने अपना हाथ पलटा और उसे घूरकर देखा। फिर अचानक वह कमरे से बाहर चली गई। वह रसोई का चाकू लेकर वापस आई। वह झुकी और मेरी रस्सी को काटने लगी।
"हथकड़ियों की चाबी कैनिनो के पास है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "मैं उनके बारे में कुछ नहीं कर सकती।"
वह तेजी से सांस लेते हुए पीछे हट गई। उसने रस्सी को हर गांठ से काट दिया था।
"तुम कमाल हो," उसने कहा। "हर सांस के साथ मजाक कर रहे हो—जिस स्थिति में तुम हो।"
मुझे लगा था कि एडी हत्यारा नहीं है।
वह झट से मुँह फेरकर लैंप के पास अपनी कुर्सी पर वापस चली गई और बैठ गई, फिर उसने अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। मैंने अपने पैर ज़मीन पर पटके और खड़ा हो गया। मैं लड़खड़ाते हुए, अकड़े हुए पैरों से इधर-उधर घूमने लगा। मेरे चेहरे के बाईं ओर की नसें फड़क रही थीं। मैंने एक कदम बढ़ाया। मैं अभी भी चल सकता था। ज़रूरत पड़ने पर मैं दौड़ भी सकता था।
मैंने कहा, "मुझे लगता है कि आप मुझे जाने के लिए कह रहे हैं।"
उसने सिर उठाए बिना ही सहमति में सिर हिलाया।

"अगर तुम जीना चाहते हो तो मेरे साथ चलना ही बेहतर होगा।"
समय बर्बाद मत करो। वह किसी भी मिनट वापस आ जाएगा।
"मेरे लिए एक सिगरेट जला दो।"
मैं उसके बगल में खड़ा था, उसके घुटनों को छू रहा था। वह अचानक झटके से खड़ी हो गई। हमारी आँखें बस कुछ इंच की दूरी पर थीं।
"हेलो, सिल्वर-विग," मैंने धीरे से कहा।
वह कुर्सी के चारों ओर पीछे हटी और मेज से सिगरेट का एक पैकेट उठाया। उसने एक सिगरेट निकाली और उसे ज़बरदस्ती मेरे मुँह में ठूँस दिया। उसका हाथ काँप रहा था। उसने एक छोटा सा हरे रंग का चमड़े का लाइटर झटकाकर सिगरेट पर लगाया। मैंने धुआँ अंदर खींचा और उसकी नीली आँखों में देखता रहा। जब वह अभी भी मेरे करीब थी, मैंने कहा:
"हैरी जोन्स नाम के एक छोटे से पक्षी ने मुझे तुम्हारे पास पहुँचाया। एक छोटा सा पक्षी जो कॉकटेल बार में आता-जाता रहता था और घोड़ों पर दांव लगाकर थोड़े-थोड़े पैसे कमाता था। जानकारी भी इकट्ठा करता था। इस छोटे से पक्षी को कैनिनो के बारे में एक जानकारी मिली। किसी न किसी तरह उसे और उसके दोस्तों को पता चल गया कि तुम कहाँ हो। वह मेरे पास यह जानकारी बेचने आया क्योंकि उसे पता था—उसे कैसे पता चला, यह एक लंबी कहानी है—कि मैं जनरल स्टर्नवुड के लिए काम कर रहा था। मुझे उसकी जानकारी मिल गई, लेकिन कैनिनो ने उस छोटे से पक्षी को मार डाला। अब वह मरा पड़ा है, उसके पंख बिखरे हुए हैं, गर्दन लटकी हुई है और चोंच पर खून की एक बूँद है। कैनिनो ने उसे मार डाला। लेकिन एडी मार्स ऐसा नहीं करेगा, है ना, सिल्वर-विग? उसने कभी किसी को नहीं मारा। वह तो बस काम करवाता है।"
"बाहर निकलो," उसने कठोर स्वर में कहा। "जल्दी से यहाँ से निकल जाओ।"
उसका हाथ हरे रंग के लाइटर को हवा में जकड़े हुए था। उंगलियां तनाव में थीं। उंगलियों के जोड़ बर्फ की तरह सफेद थे।
"लेकिन कैनिनो को नहीं पता कि मुझे यह बात पता है," मैंने कहा। "उस छोटी चिड़िया के बारे में। उसे बस इतना पता है कि मैं इधर-उधर ताक-झांक कर रहा हूँ।"
फिर वो हंस पड़ी। उसकी हंसी इतनी ज़ोरदार थी कि मानो दिल को झकझोर देने वाली थी। हवा के झोंके से पेड़ कांपने जैसा। मुझे लगा उसकी हंसी में उलझन थी, हैरानी तो नहीं, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे किसी जानी-मानी बात में कोई नया विचार जुड़ गया हो और वो सही न बैठ रहा हो। फिर मैंने सोचा कि हंसी से इतना कुछ निकल पाना बहुत बड़ी बात है।
"ये तो बहुत मज़ेदार है," उसने हांफते हुए कहा। "बहुत मज़ेदार, क्योंकि देखो—मैं अब भी उससे प्यार करती हूँ। औरतें—" वह फिर से हंसने लगी।
मैंने ध्यान से सुना, मेरा सिर दर्द कर रहा था। बस बारिश की आवाज आ रही थी। "चलो चलते हैं," मैंने कहा। "जल्दी।"
वह दो कदम पीछे हटी और उसका चेहरा सख्त हो गया। "निकल जाओ, तुम! निकल जाओ! तुम रीयालिटो तक पैदल जा सकते हो। तुम पहुँच सकते हो—और कम से कम एक-दो घंटे के लिए चुप रह सकते हो। तुम पर मेरा इतना एहसान है।"

मैंने कहा, "चलो चलते हैं। तुम्हारे पास बंदूक है, सिल्वर-विग?"
"तुम जानते हो कि मैं नहीं जा रहा हूँ। तुम यह बात जानते हो। कृपया, कृपया यहाँ से जल्दी निकल जाओ।"
मैं उसके करीब गया, लगभग उससे चिपक गया। "मुझे छोड़ने के बाद भी तुम यहीं रुकोगी? उस कातिल के वापस आने का इंतज़ार करोगी ताकि उससे माफ़ी मांग सको? एक ऐसा आदमी जो मक्खी मारने की तरह हत्या करता है। कुछ खास नहीं। तुम मेरे साथ चलोगी, सिल्वर-विग।"
"नहीं।"
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "मान लो, तुम्हारे सुंदर पति ने रीगन को मार डाला? या मान लो कि कैनिनो ने एडी को बिना बताए ऐसा किया। बस मान लो। मुझे आज़ाद करने के बाद तुम कब तक टिक पाओगी?"
"मुझे कैनिनो से डर नहीं लगता। मैं अब भी उसके बॉस की पत्नी हूं।"
"एडी तो बिल्कुल नाज़ुक है," मैंने गुस्से से कहा। "कैनिनो उसे चम्मच से ही पकड़ लेगा। वो उसे वैसे ही पकड़ेगा जैसे बिल्ली ने चिड़िया को पकड़ा था। बिल्कुल नाज़ुक। तुम्हारे जैसी लड़की किसी गलत लड़के को तभी पसंद करती है जब वो बिल्कुल नाज़ुक हो।"
"निकल जाओ!" उसने लगभग मुझ पर थूकते हुए कहा।
"ठीक है।" मैं उससे मुंह फेरकर आधे खुले दरवाजे से निकलकर एक अंधेरे गलियारे में चला गया। फिर वह मेरे पीछे दौड़ी और धक्का-मुक्की करते हुए सामने के दरवाजे तक पहुंची और उसे खोल दिया। उसने नम अंधेरे में झांका और सुनने लगी। उसने मुझे आगे आने का इशारा किया।
"अलविदा," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "सब चीज़ों में शुभकामनाएँ, बस एक बात को छोड़कर। एडी ने रस्टी रेगन को नहीं मारा। जब वह खुद मिलना चाहेगा, तो वह कहीं न कहीं ज़िंदा और ठीक-ठाक मिल जाएगा।"
मैं उसके सहारे झुक गया और अपने शरीर से उसे दीवार से सटा दिया। मैंने अपना मुंह उसके चेहरे से सटा दिया। मैंने उससे इसी तरह बात की।
"कोई जल्दी नहीं है। यह सब पहले से तय था, हर छोटी से छोटी बात का पूर्वाभ्यास किया गया था, पल-पल का हिसाब रखा गया था। बिल्कुल रेडियो कार्यक्रम की तरह। बिलकुल भी जल्दी नहीं है। मुझे चूम लो, सिल्वर-विग।"
मेरे होंठों के नीचे उसका चेहरा बर्फ जैसा ठंडा था। उसने अपने हाथ ऊपर उठाए और मेरा सिर पकड़कर मेरे होंठों पर ज़ोर से चुंबन किया। उसके होंठ भी बर्फ जैसे ठंडे थे।
मैं दरवाजे से बाहर निकला और वह मेरे पीछे बिना किसी आवाज के बंद हो गया, और बारिश बरामदे के नीचे से अंदर आ गई, जो उसके होंठों जितनी ठंडी नहीं थी।

29

बगल वाला गैराज अंधेरा था। मैंने बजरी वाली सड़क और गीले लॉन के एक हिस्से को पार किया। सड़क पर पानी की छोटी-छोटी धाराएँ बह रही थीं। वे दूर किनारे पर एक नाले में कलकल करती हुई गिर रही थीं। मेरे पास टोपी नहीं थी। वह गैराज में ही गिर गई होगी। कैनिनो ने मुझे वापस देने की ज़हमत नहीं उठाई। उसने सोचा ही नहीं होगा कि अब मुझे उसकी ज़रूरत पड़ेगी।

मैंने कल्पना की कि वह बारिश में अकेले ही बेफिक्र होकर वापस आ रहा होगा, उसने दुबले-पतले और उदास आर्ट और शायद चोरी की हुई सेडान को किसी सुरक्षित जगह पर छोड़ दिया होगा। वह एडी मार्स से प्यार करती थी और उसे बचाने के लिए छिपी हुई थी। इसलिए जब वह वापस आएगा तो उसे वह वहाँ मिलेगी, रोशनी के पास शांत बैठी, बिना पिए पेय के साथ, और मैं सोफे पर बंधा हुआ। वह उसका सामान कार तक ले जाएगा और घर की अच्छी तरह से तलाशी लेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी आपत्तिजनक चीज़ न रह जाए। वह उसे बाहर जाकर इंतज़ार करने को कहेगा। उसे गोली की आवाज़ भी नहीं सुनाई देगी। कम दूरी पर ब्लैकजैक भी उतना ही असरदार होता है। वह उसे बताएगा कि उसने मुझे बंधा हुआ छोड़ दिया है और मैं थोड़ी देर बाद खुद ही खुल जाऊँगा। उन्हें लगेगा कि वह इतनी बेवकूफ है। वाह, मिस्टर कैनिनो!

रेनकोट सामने से खुला था और हथकड़ी लगी होने के कारण मैं उसे बटन नहीं लगा पा रही थी। स्कर्ट मेरे पैरों से ऐसे फड़फड़ा रही थी जैसे किसी बड़े और थके हुए पक्षी के पंख हों। मैं राजमार्ग पर आ गई। गाड़ियाँ हेडलाइट्स की रोशनी में पानी के एक चौड़े भंवर की तरह तेज़ी से गुज़र रही थीं। उनके टायरों की तेज़ आवाज़ जल्द ही शांत हो गई। मुझे मेरी कन्वर्टिबल कार वहीं मिली जहाँ मैंने उसे छोड़ा था, दोनों टायर ठीक करके लगे हुए थे, ताकि ज़रूरत पड़ने पर उसे चलाया जा सके। उन्होंने हर छोटी-छोटी बात का ध्यान रखा था। मैं उसमें बैठी और स्टीयरिंग व्हील के नीचे झुककर जेब पर लगे चमड़े के फ्लैप को हटाया। मैंने दूसरी बंदूक निकाली, उसे अपने कोट के नीचे छिपाया और वापस चल पड़ी। दुनिया छोटी, बंद, काली थी। कैनिनो और मेरे लिए एक निजी दुनिया।

आधे रास्ते में ही गाड़ी की हेडलाइट्स ने मुझे लगभग पकड़ ही लिया था। वे तेज़ी से हाईवे से मुड़ गए और मैं ढलान से फिसलकर गीली खाई में जा गिरा और पानी में सांस लेते हुए वहीं लोटपोट हो गया। गाड़ी बिना धीमे हुए आगे निकल गई। मैंने अपना सिर उठाया, उसके टायरों की घिसटने की आवाज़ सुनी जब वह सड़क से उतरकर ड्राइववे की बजरी पर आ गई। इंजन बंद हो गया, बत्तियाँ बुझ गईं, एक दरवाज़ा ज़ोर से बंद हुआ। मुझे घर का दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ नहीं सुनाई दी, लेकिन पेड़ों के झुंड से हल्की रोशनी छनकर आई, मानो खिड़की से पर्दा हटा दिया गया हो या हॉल में बत्ती जला दी गई हो।

मैं गीली घास के मैदान में वापस आया और उस पर से होते हुए आगे बढ़ा। कार मेरे और घर के बीच में थी, बंदूक मेरी बगल में थी, मैंने उसे जितना हो सके घुमाकर रखा था, इस बात का ध्यान रखते हुए कि कहीं मेरी बाईं बांह जड़ों से न उलझ जाए। कार अंधेरी, खाली और गर्म थी। रेडिएटर में पानी की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी। मैंने दरवाजे से अंदर झाँका। चाबियाँ डैशबोर्ड पर लटकी हुई थीं। कैनिनो बहुत आत्मविश्वास से भरा हुआ था। मैं कार के चारों ओर घूमा और सावधानी से बजरी पर चलकर खिड़की तक गया और सुनने लगा। मुझे कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी, बारिश की बूंदों की तेज़ बूँद-बूँद की आवाज़ के अलावा कोई और आवाज़ नहीं आई, जो नालियों के नीचे लगे धातु के कोणों पर गिर रही थीं।

मैं सुनता रहा। कोई तेज़ आवाज़ नहीं, सब कुछ शांत और सौम्य था। वह उसके सामने प्यार से गुर्रा रहा होता और वह उसे बता रही होती कि उसने मुझे जाने दिया था और मैंने उन्हें भागने देने

का वादा किया था। वह मेरी बात पर विश्वास नहीं करता, जैसे मैं उस पर विश्वास नहीं करता। इसलिए वह ज़्यादा देर अंदर नहीं रहता। वह चला जाता और उसे अपने साथ ले जाता। मुझे बस उसके बाहर आने का इंतज़ार करना था।

मैं ऐसा नहीं कर सका। मैंने बंदूक को अपने बाएं हाथ में लिया और झुककर मुट्ठी भर कंकड़ उठाए। मैंने उन्हें खिड़की की जाली पर फेंका। यह एक कमजोर प्रयास था। बहुत कम कंकड़ जाली के ऊपर लगे शीशे तक पहुंचे, लेकिन उस थोड़े से कंकड़ की खड़खड़ाहट किसी बांध के टूटने जैसी थी।

मैं दौड़कर कार के पास वापस गया और उसके पीछे लगे रनिंग बोर्ड पर चढ़ गया। घर में अंधेरा हो चुका था। बस इतना ही। मैं चुपचाप रनिंग बोर्ड पर बैठ गया और इंतज़ार करने लगा। साबुन नहीं मिला। कैनिनो बहुत चालाक था।

मैं सीधा खड़ा हुआ और कार में पीछे की ओर बैठ गया, इग्निशन की चाबी ढूंढने के लिए हाथ-पैर मारे और उसे घुमाया। मैंने पैर से भी कोशिश की, लेकिन स्टार्टर बटन डैशबोर्ड पर होना चाहिए था। आखिरकार मुझे वह मिल ही गया, मैंने उसे खींचा और स्टार्टर को ग्राउंड कर दिया। गर्म इंजन तुरंत चालू हो गया। वह धीरे-धीरे, संतुष्टि से चलने लगा। मैं फिर से कार से बाहर निकला और पिछले पहियों के पास झुक गया।

अब मैं कांप रहा था, लेकिन मुझे पता था कि कैनिनो को यह आखिरी दृश्य पसंद नहीं आएगा। उसे उस कार की सख्त ज़रूरत थी। एक अंधेरी खिड़की धीरे-धीरे नीचे सरकती गई, शीशे पर हल्की रोशनी के हिलने से ही पता चल रहा था कि वह हिल रही है। अचानक उसमें से आग की लपटें निकलीं, तीन तेज़ गोलियों की मिली-जुली गर्जना। कार के शीशे बिखर गए। मैं दर्द से चीख उठा। चीख एक कराह में बदल गई। कराह खून से भरी एक गीली गड़गड़ाहट में बदल गई। मैंने उस गड़गड़ाहट को एक घुटती हुई सांस के साथ खत्म होने दिया। बढ़िया काम था। मुझे अच्छा लगा। कैनिनो को तो बहुत अच्छा लगा। मैंने उसे हंसते हुए सुना। यह एक ज़ोरदार, गूंजती हुई हंसी थी, उसकी बोलने की धीमी आवाज़ से बिल्कुल अलग।

फिर कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया, सिवाय बारिश की आवाज़ और कार के इंजन की धीमी-धीमी गड़गड़ाहट के। फिर घर का दरवाज़ा धीरे से खुला, काली रात में और भी गहरा अंधेरा छा गया। एक आकृति सावधानी से अंदर आई, गले में कुछ सफ़ेद सा लिपटा हुआ था। वह उसका कॉलर था। वह अकड़ी हुई सी बरामदे में आई, मानो लकड़ी की बनी कोई औरत हो। मैंने उसकी चांदी जैसी विग की हल्की चमक देखी। कैनिनो उसके पीछे सधे हुए अंदाज़ में दुबक कर आया। यह इतना खौफनाक था कि लगभग हास्यास्पद लग रहा था।

वह सीढ़ियों से नीचे उतरी। अब मुझे उसके चेहरे की सफ़ेद अकड़ साफ़ दिखाई दे रही थी। वह कार की ओर बढ़ने लगी। कैनिनो के लिए एक सुरक्षा कवच, ताकि अगर मैं अभी भी उसकी आँखों में थूक सकूँ तो मैं उसे बचा सकूँ। बारिश की आवाज़ में उसकी आवाज़ लड़खड़ा रही थी, धीरे-धीरे, बिना किसी भाव के: "मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा, लैश। खिड़कियाँ धुंधली हो गई हैं।" उसने कुछ बुदबुदाया और लड़की का शरीर ज़ोर से झटका, मानो उसने उसकी पीठ में बंदूक ठूंस दी हो। वह फिर से आगे बढ़ी और अंधेरी कार के पास पहुँच गई। अब मैं उसे उसके पीछे देख

सकता था, उसकी टोपी, उसके चेहरे का एक हिस्सा, उसके कंधे का भारीपन। लड़की एकदम रुक गई और चीख पड़ी। एक सुंदर, पतली, चीर देने वाली चीख जिसने मुझे एक जोरदार मुक्के की तरह हिला दिया।

"मैं उसे देख सकती हूँ!" वह चीखी। "खिड़की से। गाड़ी के पहिए के पीछे, लैश!"

वह मानो सीसे से भरी बाल्टी की तरह उस पर टूट पड़ा। उसने उसे ज़ोर से एक तरफ धकेल दिया और आगे की ओर कूदते हुए अपना हाथ ऊपर उठा दिया। आग की तीन और लपटें अंधेरे को चीरती हुई निकलीं। और भी कांच टूट गया। एक गोली आर-पार निकल गई और मेरे बगल वाले पेड़ से जा टकराई। एक गोली दूर जाकर छिटकती हुई आवाज़ करती हुई चली गई। लेकिन इंजन चुपचाप चलता रहा।

वह नीचे झुका हुआ था, अंधेरे में दुबका हुआ था, उसका चेहरा एक बेजान धूसर रंग का था जो गोलियों की चकाचौंध के बाद धीरे-धीरे लौटता हुआ प्रतीत हो रहा था। अगर उसके पास रिवाल्वर थी, तो शायद वह खाली हो। शायद न भी हो। उसने छह बार गोली चलाई थी, लेकिन हो सकता है उसने घर के अंदर ही उसे फिर से भर लिया हो। मुझे उम्मीद थी कि उसने ऐसा ही किया होगा। मैं नहीं चाहता था कि उसके पास खाली बंदूक हो। लेकिन यह एक स्वचालित बंदूक भी हो सकती है।

मैंने कहा: "समाप्त हो गया?"

वह मेरी ओर घूमा। शायद पुराने ज़माने के सज्जनों की तरह उसे एक-दो और गोली चलाने का मौका देना अच्छा होता। लेकिन उसकी बंदूक अभी भी ऊपर थी और मैं और इंतज़ार नहीं कर सकता था। पुराने ज़माने के सज्जन बनने के लिए इतना भी इंतज़ार नहीं। मैंने उसे चार बार गोली मारी, कोल्ट मेरी पसलियों से सटकर तनी हुई थी। बंदूक उसके हाथ से ऐसे उछल गई जैसे किसी ने उसे लात मारी हो। उसने अपने दोनों हाथ पेट पर रखे। मुझे उनके शरीर से ज़ोर से टकराने की आवाज़ सुनाई दी। वह उसी तरह सीधा गिर पड़ा, अपने चौड़े हाथों से खुद को संभाले हुए। वह गीली बजरी पर औंधा गिर पड़ा। और उसके बाद उसकी कोई आवाज़ नहीं आई।

सिल्वर-विग ने भी कोई आवाज़ नहीं निकाली। वह एकदम अकड़ी हुई खड़ी थी, बारिश की बूँदें उस पर पड़ रही थीं। मैं कैनिनो के चारों ओर घूमा और बिना किसी मकसद के उसकी बंदूक को लात मारी। फिर मैं उसके पीछे गया और झुककर उसे उठा लिया। इससे मैं उसके बिल्कुल पास आ गया। वह उदास स्वर में बोली, मानो खुद से बात कर रही हो।

मुझे डर था कि तुम वापस आ जाओगे।

मैंने कहा: "हमारी डेट थी। मैंने तुम्हें बताया था कि सब कुछ पहले से तय था।" मैं पागलों की तरह हंसने लगी।

फिर वह उसके ऊपर झुककर उसे छूने लगी। थोड़ी देर बाद वह एक पतली सी चेन में बंधी छोटी सी चाबी लेकर खड़ी हो गई।

उसने कड़वाहट से कहा, "क्या तुम्हें उसे मारना ही था?"

मैं जितनी अचानक हंसना शुरू किया था, उतनी ही अचानक हंसना बंद भी कर दिया। वह मेरे पीछे गई और हथकड़ी खोल दी।

"हां," उसने धीरे से कहा। "मुझे लगता है तुमने किया होगा।"

30

यह एक और दिन था और सूरज फिर से चमक रहा था।

लापता व्यक्तियों के ब्यूरो के कैप्टन ग्रेगरी ने अपने कार्यालय की खिड़की से न्याय भवन की सलाखों से घिरी ऊपरी मंजिल को देखा, जो बारिश के बाद सफेद और साफ-सुथरी लग रही थी। फिर वे अपनी घूमने वाली कुर्सी पर भारीपन से घूमे और गर्मी से झुलसे अंगूठे से अपनी पाइप को थपथपाते हुए मुझे उदास निगाहों से घूरने लगे।

"तो तुम एक और मुसीबत में फंस गए हो।"

"ओह, आपने इसके बारे में सुना होगा।"

भाई, मैं सारा दिन यहाँ आलस में बैठा रहता हूँ और देखने में तो ऐसा लगता ही नहीं कि मेरे दिमाग में अक्ल है। लेकिन जो बातें मैं सुनता हूँ, उन्हें सुनकर तुम हैरान रह जाओगे। इस कैनिनो को गोली मारना ठीक ही था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हत्या जांच करने वालों ने तुम्हें कोई मेडल दिया होगा।

मैंने कहा, "मेरे आस-पास बहुत हत्याएं हो रही हैं। मुझे उनमें से कुछ भी नहीं झेलना पड़ रहा है।"

वह धैर्यपूर्वक मुस्कुराया। "आपको किसने बताया कि बाहर खड़ी यह लड़की एडी मार्स की पत्नी है?"

मैंने उसे बताया। उसने ध्यान से सुना और जम्हाई ली। उसने सोने के जड़े हुए अपने मुंह पर हथेली से ऐसे थपथपाया जैसे कोई ट्रे हो। "मुझे लगता है कि तुम सोचते हो कि मुझे उसे ढूंढ लेना चाहिए था।"

"यह एक उचित कटौती है।"

"शायद मुझे पता था," उसने कहा। "शायद मैंने सोचा कि अगर एडी और उसकी औरत इस तरह का कोई खेल खेलना चाहते हैं, तो उन्हें यह सोचने देना समझदारी होगी—या मेरी समझदारी जितनी हो सकती है—कि वे बच निकल रहे हैं। और फिर शायद आपको लगता है कि मैं एडी को निजी कारणों से ऐसा करने दे रहा था।" उसने अपना बड़ा हाथ आगे बढ़ाया और अंगूठे को तर्जनी और मध्यमा उंगलियों के बीच घुमाया।

"नहीं," मैंने कहा। "मैंने ऐसा बिल्कुल नहीं सोचा था। यहां तक कि तब भी नहीं जब एडी को उस दिन हमारी बातचीत के बारे में सब कुछ पता लग रहा था।"

उसने अपनी भौहें ऐसे उठाईं मानो उन्हें उठाना उसके लिए कोई बड़ा प्रयास हो, कोई ऐसी कला जिसका उसे अभ्यास न रहा हो। इससे उसका पूरा माथा सिकुड़ गया और जब वह सीधा हुआ तो उस पर सफेद लकीरें थीं जो मेरी नज़र में लाल होती चली गईं।

“मैं एक पुलिसवाला हूँ,” उसने कहा। “बस एक साधारण पुलिसवाला। ईमानदारी काफ़ी हद तक सही। उतनी ही ईमानदारी जितनी आज की दुनिया में किसी आदमी से उम्मीद की जा सकती है, जहाँ ईमानदारी का चलन नहीं है। इसीलिए मैंने तुम्हें आज सुबह बुलाया था। मैं चाहता हूँ कि तुम यही मानो। पुलिसवाला होने के नाते मैं चाहता हूँ कि कानून की जीत हो। मैं चाहता हूँ कि एडी मार्स जैसे दिखावटी, सजे-धजे लोग फोल्सम की पत्थर की खदान में अपने मैनीक्योर खराब

करते हुए दिखें, उन बेचारे छोटे-मोटे बदमाशों के साथ जो अपने पहले ही कारनामे में नाकाम हो गए और फिर कभी चैन से नहीं रहे। बस यही मैं चाहता हूँ। हम दोनों ने इतना लंबा जीवन जी लिया है कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो पाएगा। न इस शहर में, न इससे आधे आकार के किसी शहर में, न ही इस विशाल, हरे-भरे और खूबसूरत अमेरिका के किसी हिस्से में। हम अपने देश को इस तरह नहीं चलाते।"

मैंने कुछ नहीं कहा। उसने सिर को पीछे की ओर झटका देते हुए धुआँ उड़ाया, अपनी पाइप के मुख की ओर देखा और आगे बोला:

"लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे लगता है कि एडी मार्स ने रीगन की हत्या की थी या उसके पास ऐसा करने का कोई कारण था या अगर होता तो वह ऐसा करता। मुझे बस इतना लगा कि शायद उसे इसके बारे में कुछ पता है, और शायद देर-सवेर कुछ न कुछ राज़ खुल ही जाएगा। अपनी पत्नी को रियलिटो में छिपाना बचकाना था, लेकिन यह उस तरह का बचकानापन है जिसे एक चालाक बंदर भी चालाकी समझता है। मैंने उसे कल रात यहाँ बुलाया था, जब डी.ए. ने उससे पूछताछ कर ली थी। उसने सब कुछ कबूल कर लिया। उसने कहा कि वह कैनिनो को एक भरोसेमंद सुरक्षाकर्मी के रूप में जानता था और इसीलिए उसने उसे रखा था। उसे उसके शौक के बारे में कुछ नहीं पता था और न ही वह जानना चाहता था। वह हैरी जोन्स को नहीं जानता था। वह जो ब्रोडी को नहीं जानता था। वह गीगर को जानता था, बेशक, लेकिन उसका दावा है कि उसे उसके रैकेट के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे लगता है कि आपने यह सब सुन लिया होगा।"

"हाँ।"

"तुमने रियलिटो में बड़ी चालाकी से काम लिया, भाई। कुछ छुपाने की कोशिश नहीं की। आजकल हम अज्ञात गोलियों का रिकॉर्ड रखते हैं। हो सकता है कभी तुम उस बंदूक का फिर से इस्तेमाल करो। तब तुम मुश्किल में पड़ जाओगे।"

मैंने कहा, "मैंने समझदारी से काम लिया," और उसे घूरकर देखा।

उसने अपना पाइप बुझा दिया और उदास निगाहों से उसे घूरने लगा। "उस लड़की को क्या हुआ?" उसने बिना ऊपर देखे पूछा।

"मुझे नहीं पता। उन्होंने उसे हिरासत में नहीं लिया। हमने तीन बयान दिए, तीन अलग-अलग समूहों में, वाइल्ड के लिए, शेरिफ कार्यालय के लिए, और हत्या ब्यूरो के लिए। उन्होंने उसे छोड़ दिया। मैंने उसे तब से नहीं देखा है। मुझे उम्मीद भी नहीं है कि मैं उसे देख पाऊँगी।"

"लोग कहते हैं कि वो काफी अच्छी लड़की है। गंदे खेल खेलने वाली नहीं होगी।"

मैंने कहा, "काफी अच्छी लड़की है।"

कैप्टन ग्रेगरी ने आह भरी और अपने भूरे बालों को सहलाया। "बस एक और बात है," उन्होंने लगभग नरमी से कहा। "तुम अच्छे इंसान लगते हो, लेकिन तुम्हारा व्यवहार बहुत कठोर है। अगर तुम सच में स्टर्नवुड परिवार की मदद करना चाहते हो, तो उन्हें अकेला छोड़ दो।"

"मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं, कैप्टन।"

"आपको कैसा लगता है?"

"शानदार," मैंने कहा। "मैं लगभग पूरी रात अलग-अलग कालीनों पर खड़ा रहा और खूब मार खाई। उससे पहले मैं पूरी तरह भीग गया था और बुरी तरह पिट गया था। मैं एकदम ठीक हूँ।"
"तुम आखिर उम्मीद क्या कर रहे थे, भाई?"
"और कुछ नहीं।" मैं खड़ी हुई और उसकी तरफ देखकर मुस्कुराई और दरवाजे की ओर बढ़ने लगी। जब मैं लगभग दरवाजे तक पहुँच ही गई थी, तो उसने अचानक गला साफ किया और कठोर स्वर में बोला: "मैं अपनी बात व्यर्थ ही कह रहा हूँ, है ना? तुम्हें अब भी लगता है कि तुम रीगन को ढूंढ लोगी?"
मैंने मुड़कर उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा, "नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैं रीगन को ढूंढ पाऊँगी। मैं कोशिश भी नहीं करने वाली। क्या यह आपको ठीक लगेगा?"
उसने धीरे से सिर हिलाया। फिर उसने कंधे उचका दिए। "मुझे नहीं पता मैंने ये सब किसलिए कहा। गुड लक, मार्लो। कभी भी आ जाना।"
"धन्यवाद, कप्तान।"
मैं सिटी हॉल से नीचे उतरा और पार्किंग से अपनी कार लेकर होबार्ट आर्म्स होटल चला गया। मैंने अपना कोट उतारकर बिस्तर पर लेट गया और छत को घूरता रहा, बाहर सड़क पर गाड़ियों की आवाज़ें सुनता रहा और सूरज को छत के एक कोने पर धीरे-धीरे चलते हुए देखता रहा। मैंने सोने की कोशिश की, लेकिन नींद नहीं आई। मैं उठा और एक घूंट पानी पिया, हालाँकि दिन का यह समय ठीक नहीं था, और फिर लेट गया। फिर भी मुझे नींद नहीं आई। मेरा दिमाग घड़ी की तरह चल रहा था। मैं बिस्तर के किनारे बैठ गया और एक पाइप में तंबाकू भरकर ज़ोर से बोला:
"उस बूढ़े गिद्ध को कुछ तो पता है।"
पाइप का स्वाद कास्टिक सोडा जैसा कड़वा था। मैंने उसे एक तरफ रख दिया और फिर लेट गया। मेरा मन झूठी यादों की लहरों में खो गया, जिनमें मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं बार-बार वही काम कर रहा हूँ, उन्हीं जगहों पर जा रहा हूँ, उन्हीं लोगों से मिल रहा हूँ, उनसे वही शब्द बार-बार दोहरा रहा हूँ, और फिर भी हर बार यह असली लग रहा था, जैसे कुछ सचमुच हो रहा हो, और पहली बार। मैं बारिश में हाईवे पर तेज़ी से गाड़ी चला रहा था, सिल्वर-विग कार के कोने में बैठी थी, कुछ नहीं बोल रही थी, इसलिए जब तक हम लॉस एंजिल्स पहुँचे, हम फिर से बिल्कुल अजनबी जैसे हो गए थे। मैं एक रात भर खुली रहने वाली दवा की दुकान पर उतरा और बर्नी ओहल्स को फोन किया कि मैंने रियलिटो में एक आदमी को मार डाला है और एडी मार्स की पत्नी के साथ वाइल्ड के घर जा रहा हूँ, जिसने मुझे ऐसा करते देखा था। मैं कार को शांत, बारिश से भीगी सड़कों पर लाफायेट पार्क तक ले जा रहा था और वाइल्ड के बड़े लकड़ी के घर के बरामदे के नीचे पहुँचा, और बरामदे की बत्ती पहले से ही जल रही थी, ओहल्स ने पहले ही फोन करके बता दिया था कि मैं आ रहा हूँ। मैं वाइल्ड के अध्ययन कक्ष में था और वह अपनी मेज के पीछे फूलों से सजे ड्रेसिंग गाउन में बैठा था, उसका चेहरा सख्त और तनावग्रस्त था, और उसकी उंगलियों में एक सिगार था जो उसके होठों पर फैली कड़वी मुस्कान तक जा रहा था। ओहल्स भी वहीं था, और शेरिफ कार्यालय का एक दुबला-पतला, पढ़ा-लिखा आदमी भी था जो देखने और बोलने में किसी पुलिसवाले से ज़्यादा अर्थशास्त्र के प्रोफेसर जैसा लग रहा था। मैं

कहानी सुना रहा था और वे चुपचाप सुन रहे थे, और सिल्वर-विग एक छाया में हाथ गोद में रखे बैठी थी, किसी की ओर नहीं देख रही थी। बहुत सारे फोन आ रहे थे। हत्या ब्यूरो के दो आदमी मुझे ऐसे देख रहे थे मानो मैं किसी सर्कस से भागा हुआ कोई अजीब जानवर हूँ। मैं फिर से गाड़ी चला रहा था, उनमें से एक मेरे बगल में बैठा था, फुलवाइडर बिल्डिंग की ओर। हम वहाँ उस कमरे में थे जहाँ हैरी जोन्स अभी भी मेज के पीछे कुर्सी पर बैठा था, उसके मृत चेहरे की अकड़ी हुई जकड़न और कमरे में खट्टी-मीठी गंध फैली हुई थी। वहाँ एक मेडिकल परीक्षक था, बहुत युवा और हट्टा-कट्टा, जिसकी गर्दन पर लाल बाल थे। वहाँ एक फिंगरप्रिंट लेने वाला व्यक्ति इधर-उधर हड़बड़ी कर रहा था और मैं उसे कह रहा था कि वह दरवाज़े की कुंडी को न भूले। (उसे उस पर कैनिनो का अंगूठे का निशान मिला, जो उस भूरे रंग के व्यक्ति द्वारा छोड़ा गया एकमात्र निशान था जिससे मेरी कहानी की पुष्टि हुई।)

मैं फिर से वाइल्ड के घर पर था, उनके सचिव द्वारा दूसरे कमरे में भेजे गए टाइप किए हुए बयान पर हस्ताक्षर कर रहा था। तभी दरवाजा खुला और एडी मार्स अंदर आए। सिल्वर-विग को देखते ही उनके चेहरे पर अचानक मुस्कान आ गई और उन्होंने कहा: "हेलो, शुगर," लेकिन उसने न तो उनकी तरफ देखा और न ही कोई जवाब दिया। एडी मार्स, तरोताजा और हंसमुख, गहरे रंग के बिजनेस सूट में, अपने ट्वीड ओवरकोट के बाहर एक झालरदार सफेद स्कार्फ लटकाए हुए थे। फिर वे चले गए, कमरे से सब चले गए, सिवाय मेरे और वाइल्ड के। वाइल्ड ठंडी, गुस्से वाली आवाज में कह रहे थे: "यह आखिरी बार है, मार्लो। अगली बार अगर तुमने कोई चाल चली तो मैं तुम्हें शेरों के सामने फेंक दूंगा, चाहे इससे किसी का भी दिल टूट जाए।"

ऐसा ही बार-बार होता रहा, बिस्तर पर लेटे-लेटे दीवार के कोने से सूरज की किरणें नीचे आती हुई देखते रहना। तभी फोन की घंटी बजी और वो स्टर्नवुड का बटलर नॉरिस था, अपनी जानी-पहचानी बेजोड़ आवाज़ में।

"श्री मार्लो? मैंने आपके कार्यालय में फोन किया लेकिन सफलता नहीं मिली, इसलिए मैंने घर पर आपसे संपर्क करने का प्रयास करने का साहस किया।"

मैंने कहा, "मैं लगभग पूरी रात बाहर था। मैं नीचे नहीं आया था।"

"जी हाँ, महोदय। जनरल आज सुबह आपसे मिलना चाहेंगे, श्री मार्लो, यदि यह सुविधाजनक हो।"

मैंने कहा, "लगभग आधा घंटा।" "वह कैसा है?"

"वह बिस्तर पर हैं, महोदय, लेकिन उनकी हालत गंभीर नहीं है।"

"जब वो मुझे देखेगा तब देखना," मैंने कहा और फोन काट दिया।

मैंने दाढ़ी बनाई, कपड़े बदले और दरवाजे की ओर चल पड़ा। फिर मैं वापस गया और कारमेन की छोटी मोती की मूठ वाली रिवॉल्वर निकालकर अपनी जेब में रख ली। सूरज की रोशनी इतनी तेज थी कि वह झिलमिला रही थी। मैं बीस मिनट में स्टर्नवुड के घर पहुँच गया और बगल वाले दरवाजे के मेहराब के नीचे गाड़ी खड़ी कर दी। ग्यारह बजकर पंद्रह मिनट हो रहे थे। बारिश के बाद सजावटी पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे, सीढ़ीदार लॉन आयरिश झंडे की तरह हरे थे, और पूरी जागीर ऐसी लग रही थी मानो दस मिनट पहले ही बनी हो। मैंने घंटी बजाई। पाँच दिन हो गए थे

जब मैंने पहली बार घंटी बजाई थी। ऐसा लगा जैसे एक साल बीत गया हो।
एक नौकरानी ने दरवाजा खोला और मुझे एक बगल के गलियारे से होते हुए मुख्य गलियारे में ले गई और मुझे वहीं छोड़कर कहा कि श्री नॉरिस थोड़ी देर में नीचे आ जाएंगे। मुख्य गलियारा बिलकुल वैसा ही दिख रहा था। मेंटलपीस के ऊपर लगे चित्र की आंखें पहले जैसी ही काली और तीखी थीं और रंगीन कांच की खिड़की में बना शूरवीर अभी भी पेड़ से बंधी नग्न युवती को खोलने में नाकाम था।
कुछ ही मिनटों में नॉरिस प्रकट हुआ, और उसमें भी कोई बदलाव नहीं आया था। उसकी नीली आँखें पहले की तरह ही भावहीन थीं, उसकी गुलाबी-भूरी त्वचा स्वस्थ और तरोताज़ा दिख रही थी, और वह ऐसे चल रहा था मानो अपनी वास्तविक उम्र से बीस साल छोटा हो। वर्षों का बोझ तो मुझे ही महसूस हो रहा था।
हम टाइलों वाली सीढ़ियों से ऊपर चढ़े और विवियन के कमरे से विपरीत दिशा में मुड़ गए। हर कदम के साथ घर और बड़ा और शांत होता जा रहा था। हम एक विशाल पुराने दरवाजे पर पहुँचे जो किसी गिरजाघर से आया हुआ प्रतीत हो रहा था। नॉरिस ने उसे धीरे से खोला और अंदर देखा। फिर वह एक तरफ हट गया और मैं उसके पीछे से होते हुए लगभग एक चौथाई मील लंबे कालीन पर चलकर एक विशाल चंदोवे वाले पलंग तक पहुँच गया, जो बिल्कुल वैसा ही था जैसा हेनरी अष्टम के निधन के समय था।
जनरल स्टर्नवुड तकियों के सहारे लेटे हुए थे। उनके रक्तहीन हाथ चादर के ऊपर आपस में जुड़े हुए थे। चादर के ऊपर उनके हाथ धूसर रंग के दिख रहे थे। उनकी काली आँखों में अभी भी लड़ने की ललक थी और उनका बाकी चेहरा अभी भी एक लाश जैसा लग रहा था।
"बैठ जाइए, श्रीमान मार्लो।" उनकी आवाज थकी हुई और थोड़ी सख्त लग रही थी।
मैंने उसके पास एक कुर्सी खींची और बैठ गई। सभी खिड़कियाँ कसकर बंद थीं। उस समय कमरे में सूरज की रोशनी नहीं थी। शामियानों ने आसमान से आने वाली किसी भी चकाचौंध को रोक रखा था। हवा में बुढ़ापे की हल्की-सी मीठी सी महक थी।
वह एक मिनट तक चुपचाप मुझे घूरता रहा। उसने अपना एक हाथ हिलाया, मानो खुद को यह साबित करना चाहता हो कि वह अभी भी उसे हिला सकता है, फिर उसे दूसरे हाथ पर मोड़ लिया। उसने बेजान स्वर में कहा:
"मैंने आपको अपने दामाद को ढूंढने के लिए नहीं कहा था, श्री मार्लो।"
"लेकिन तुम यही तो चाहते थे।"
"मैंने तुमसे ऐसा करने को नहीं कहा था। तुम बहुत ज्यादा अनुमान लगा लेते हो। मैं आमतौर पर जो चाहती हूं, वही मांगती हूं।" मैंने कुछ नहीं कहा।
“तुम्हें भुगतान मिल चुका है,” उसने ठंडे स्वर में कहा। “पैसा किसी भी तरह से मायने नहीं रखता। मुझे बस इतना लगता है कि तुमने, निस्संदेह अनजाने में, विश्वासघात किया है।”
इस पर उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। मैंने कहा: "क्या तुम मुझसे सिर्फ इसी बात के लिए मिलना चाहते थे?"
उसने अपनी आँखें फिर से खोलीं, बहुत धीरे-धीरे, मानो पलकें सीसे की बनी हों। "मुझे लगता है

कि तुम उस टिप्पणी से नाराज़ हो," उसने कहा।
मैंने सिर हिलाया। "जनरल, आपके पास मुझसे ज़्यादा फ़ायदा है। यह ऐसा फ़ायदा है जिसे मैं आपसे ज़रा भी छीनना नहीं चाहूँगा। आपकी परेशानियों को देखते हुए यह फ़ायदा मामूली है। आप मुझसे जो चाहें कह सकते हैं, मुझे गुस्सा आने की कोई ज़रूरत नहीं। मैं आपको आपके पैसे वापस देना चाहता हूँ। शायद आपके लिए इसका कोई मतलब न हो। लेकिन मेरे लिए इसका बहुत मतलब हो सकता है।"
"आपके लिए इसका क्या मतलब है?"
"इसका मतलब है कि मैंने असंतोषजनक काम के लिए भुगतान लेने से इनकार कर दिया है। बस इतना ही।"
"क्या आप कई असंतोषजनक काम करते हैं?"
"कुछ लोग। हर कोई करता है।"
"आप कैप्टन ग्रेगरी से मिलने क्यों गए थे?"
मैं पीछे की ओर झुक गया और कुर्सी की पीठ पर एक हाथ रख दिया। मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा। उसके चेहरे पर कुछ भी भाव नहीं था। मुझे उसके सवाल का जवाब नहीं पता था—कोई संतोषजनक जवाब नहीं।
मैंने कहा: "मुझे पूरा यकीन था कि आपने वे गाइगर नोट्स मुझे मुख्य रूप से एक परीक्षण के तौर पर दिखाए थे, और आपको थोड़ा डर था कि रीगन किसी तरह आपको ब्लैकमेल करने की कोशिश में शामिल हो सकता है। तब मैं रीगन के बारे में कुछ नहीं जानता था। कैप्टन ग्रेगरी से बात करने के बाद ही मुझे एहसास हुआ कि रीगन शायद उस तरह का आदमी नहीं था।"
"यह मेरे प्रश्न का उचित उत्तर नहीं है।"
मेंने सिर हिलाया। नहीं। यह आपके सवाल का सही जवाब नहीं है। मुझे लगता है कि मैं यह स्वीकार नहीं करना चाहता कि मैंने अपने अंदाजे पर भरोसा किया। जिस सुबह मैं यहाँ था, आपको ऑर्किड हाउस में छोड़ने के बाद, श्रीमती रेगन ने मुझे बुलवाया। उन्हें लगा कि मुझे उनके पति को ढूंढने के लिए बुलाया गया है और उन्हें यह पसंद नहीं आया। उन्होंने बताया कि 'उन्होंने' उनकी कार एक खास गैरेज में पाई है। 'वे' पुलिस ही हो सकते हैं। इसलिए पुलिस को इसके बारे में कुछ न कुछ जरूर पता होगा। अगर उन्हें पता था, तो गुमशुदा व्यक्तियों के ब्यूरो के पास यह मामला होगा। मुझे नहीं पता था कि आपने इसकी रिपोर्ट की थी या किसी और ने, या किसी ने गैरेज में कार लावारिस हालत में होने की रिपोर्ट की थी और उसी के जरिए उन्हें कार मिली थी। लेकिन मैं पुलिस को जानता हूँ, और मुझे पता था कि अगर उन्हें इतनी जानकारी मिली है, तो उन्हें कुछ और भी मिलेगा—खासकर इसलिए क्योंकि आपके ड्राइवर का पुलिस रिकॉर्ड था। मुझे नहीं पता था कि उन्हें कितनी और जानकारी मिलेगी। इसी बात ने मुझे गुमशुदा व्यक्तियों के ब्यूरो के बारे में सोचने पर मजबूर किया। मुझे यकीन दिलाने वाली बात मिस्टर वाइल्ड का व्यवहार था, जिस रात हमने उनके यहाँ कॉन्फ्रेंस की थी। गीगर वगैरह के बारे में घर की बातें। हम एक मिनट के लिए अकेले थे और उसने मुझसे पूछा कि क्या तुमने मुझे बताया था कि तुम रीगन को ढूंढ रहे हो। मैंने कहा कि तुमने मुझे बताया था कि तुम जानना चाहते हो कि वह कहाँ है और वह ठीक है।

वाइल्ड ने अपने होंठ अंदर खींच लिए और अजीब सा चेहरा बनाया। मैं उतनी ही स्पष्ट रूप से जानता था जैसे उसने खुद कहा हो कि 'रीगन को ढूंढने' से उसका मतलब कानून की मदद से उसे ढूंढना था। फिर भी मैंने कैप्टन ग्रेगरी से इस तरह बात करने की कोशिश की कि मैं उसे कुछ भी ऐसा न बताऊं जो उसे पहले से पता न हो।

"और आपने कैप्टन ग्रेगरी को यह सोचने दिया कि मैंने आपको रस्टी को ढूंढने के लिए नियुक्त किया था?"

"हां। मुझे लगता है मैंने ऐसा किया था - जब मुझे यकीन हो गया था कि उसके पास मामला है।" उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। वे थोड़ी फड़क उठीं। उसने आँखें बंद करके ही बात की। "और क्या आप इसे नैतिक मानते हैं?"

"हां," मैंने कहा। "मैं करता/करती हूं।"

आँखें फिर से खुल गईं। उन आँखों का भेदक कालापन उस निर्जीव चेहरे से अचानक बाहर निकलते ही चौंक गया। "शायद मैं समझ नहीं पा रहा हूँ," उसने कहा।

"शायद आप नहीं जानते। गुमशुदा व्यक्तियों के ब्यूरो का प्रमुख कम बोलता है। अगर वह ज्यादा बोलता तो उस पद पर नहीं होता। यह आदमी बहुत चालाक और धूर्त है, जो शुरू में काफी हद तक सफल होकर यह जताने की कोशिश करता है कि वह अपने काम से तंग आ चुका एक अधेड़ उम्र का पुलिसवाला है। मेरा खेल कोई आसान नहीं है। इसमें हमेशा चालाकी का बड़ा हिस्सा शामिल होता है। मैं किसी पुलिसवाले से कुछ भी कहूँ, वह उसे नज़रअंदाज़ कर देगा। और उस पुलिसवाले के लिए मेरी बातों से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। जब आप मेरे जैसे काम के लिए किसी लड़के को रखते हैं, तो यह किसी खिड़की साफ करने वाले को आठ खिड़कियाँ दिखाकर यह कहने जैसा नहीं है: 'इन्हें साफ करो और तुम्हारा काम हो गया।' आपको नहीं पता कि आपका काम करने के लिए मुझे कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मैं अपना काम अपने तरीके से करता हूँ। मैं आपकी सुरक्षा के लिए पूरी कोशिश करता हूँ और हो सकता है कि मैं कुछ नियम तोड़ूँ, लेकिन मैं उन्हें आपके हित में तोड़ता हूँ। ग्राहक सबसे पहले आता है, जब तक कि वह बेईमान न हो। और अगर वह बेईमान भी हो, तो मैं बस काम उसे वापस सौंप देता हूँ।" और मुझे चुप रहना चाहिए। आखिर तुमने मुझे कैप्टन ग्रेगरी के पास जाने से मना तो नहीं किया था।

"यह काफी मुश्किल होता," उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

"अच्छा, मैंने क्या गलत किया है? आपके आदमी नॉरिस को लगा था कि जब गीगर को हटा दिया गया तो मामला खत्म हो गया। मैं इसे इस तरह नहीं देखता। गीगर का तरीका मुझे उलझन में डालता था और अब भी डालता है। मैं शर्लक होम्स या फिलो वैंस नहीं हूँ। मैं पुलिस द्वारा पहले से छानबीन किए गए मामले को फिर से खोदकर, टूटी हुई कलम की नोक उठाकर उससे मामला खड़ा करने की उम्मीद नहीं करता। अगर आपको लगता है कि जासूसी के धंधे में कोई इस तरह का काम करके अपना जीवन यापन करता है, तो आप पुलिस के बारे में ज्यादा नहीं जानते। वे ऐसी चीजों को नजरअंदाज नहीं करते, अगर वे कुछ नजरअंदाज करते भी हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि जब उन्हें वास्तव में काम करने की इजाजत होती है तो वे अक्सर कुछ नजरअंदाज करते हैं।

लेकिन अगर वे ऐसा करते भी हैं, तो यह कुछ अस्पष्ट और अनिश्चित बात होती है, जैसे गीगर जैसे आदमी का आपको अपने कर्ज का सबूत भेजना और एक सज्जन की तरह भुगतान करने के लिए कहना - गीगर, एक संदिग्ध गिरोह का आदमी, एक कमजोर स्थिति में, एक गिरोह के सरगना द्वारा संरक्षित और कम से कम कुछ हद तक पुलिस से नकारात्मक सुरक्षा प्राप्त। उसने ऐसा क्यों किया?" क्या? क्योंकि वह यह पता लगाना चाहता था कि क्या आप पर कोई दबाव है। अगर होता, तो आप उसे पैसे दे देतीं। अगर नहीं होता, तो आप उसे नज़रअंदाज़ करके उसके अगले कदम का इंतज़ार करतीं। लेकिन आप पर दबाव तो था ही। रीगन। आपको डर था कि वह वैसा नहीं है जैसा दिख रहा है, कि वह आपके आस-पास रुका रहा और आपके साथ अच्छा व्यवहार करता रहा, बस इसलिए कि वह आपके बैंक खाते से खिलवाड़ करना सीख सके।

उन्होंने कुछ कहना शुरू किया, लेकिन मैंने उन्हें बीच में ही रोक दिया। "तब भी आपको अपने पैसे की परवाह नहीं थी। अपनी बेटियों की भी नहीं। आपने तो उन्हें लगभग भुला ही दिया था। बात यह है कि आप अब भी इतने स्वाभिमानी हैं कि किसी के बहकावे में नहीं आना चाहते—और आपको रीगन बहुत पसंद थी।"

कुछ देर सन्नाटा छा गया। फिर जनरल ने धीमी आवाज़ में कहा: "तुम बहुत ज़्यादा बोलते हो, मार्लो। क्या मुझे यह समझना चाहिए कि तुम अभी भी उस पहेली को सुलझाने की कोशिश कर रहे हो?"

"नहीं। मैंने छोड़ दिया है। मुझे चेतावनी दी गई है। लड़कों को लगता है कि मैं बहुत सख्ती से खेलता हूँ। इसलिए मैंने सोचा कि मुझे आपको आपके पैसे वापस कर देने चाहिए—क्योंकि मेरे मानकों के अनुसार यह काम पूरा नहीं हुआ है।"

वह मुस्कुराया। "छोड़ो, कुछ नहीं," उसने कहा। "रस्टी को ढूंढने के लिए मैं तुम्हें एक हज़ार डॉलर और दूंगा। उसे वापस आने की ज़रूरत नहीं है। मुझे यह जानने की भी ज़रूरत नहीं है कि वह कहाँ है। हर इंसान को अपनी ज़िंदगी जीने का अधिकार है। मेरी बेटी को छोड़कर जाने के लिए मैं उसे दोष नहीं देता, न ही अचानक चले जाने के लिए। शायद यह अचानक लिया गया फैसला था। मैं यह जानना चाहता हूँ कि वह जहाँ भी है, ठीक है। मैं यह सीधे उससे सुनना चाहता हूँ, और अगर उसे पैसों की ज़रूरत हो, तो मैं चाहूँगा कि उसे वह भी मिले। क्या मेरी बात समझ में आई?"

मैंने कहा: "जी हां, जनरल।"

वह थोड़ी देर आराम करता रहा, बिस्तर पर ढीला पड़ा हुआ, आँखें बंद और काली पलकों वाली, मुँह कसा हुआ और भावहीन। वह पूरी तरह थक चुका था। लगभग हार मान चुका था। उसने फिर से आँखें खोलीं और मेरी तरफ देखकर मुस्कुराने की कोशिश की।

"मुझे लगता है मैं एक भावुक बूढ़ा आदमी हूँ," उसने कहा। "और बिल्कुल भी सिपाही नहीं हूँ। मुझे वो लड़का पसंद आ गया। वो मुझे काफी साफ-सुथरा लगा। लगता है मैं चरित्र के मामले में थोड़ा ज्यादा ही घमंडी हूँ। मार्लो, उसे मेरे लिए ढूंढो। बस उसे ढूंढो।"

मैंने कहा, "मैं कोशिश करूंगा। अब आपको आराम करना चाहिए। मैंने आपसे बहुत बातें कर ली हैं।"

मैं जल्दी से उठा और चौड़े फर्श को पार करके बाहर निकल गया। मेरे दरवाजा खोलने से पहले

ही उसकी आँखें फिर से बंद हो चुकी थीं। उसके हाथ चादर पर बेजान पड़े थे। वह बाकी मरे हुए लोगों से कहीं ज़्यादा एक मृत व्यक्ति जैसा दिख रहा था। मैंने चुपचाप दरवाजा बंद किया और ऊपर वाले गलियारे से होते हुए सीढ़ियों से नीचे उतर गया।

31

नौकर मेरी टोपी लेकर आया। मैंने उसे पहन लिया और कहा: "आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?"

"वह उतना कमजोर नहीं है जितना दिखता है, महोदय।"

"अगर वो ऐसा होता, तो अब तक दफनाने के लिए तैयार होता। इस रीगन नाम के आदमी में ऐसा क्या था जो उसे इतना परेशान कर रहा था?"

बटलर ने मेरी ओर सीधी नज़र से देखा, लेकिन उसके चेहरे पर एक अजीब सी भावहीनता थी।

"युवा, महोदय," उसने कहा। "और एक सैनिक की नज़र।"

"बिल्कुल तुम्हारे जैसा," मैंने कहा।

"अगर मैं कहूँ तो, महोदय, यह आपके जैसा ही है।"

"धन्यवाद। आज सुबह महिलाएं कैसी हैं?"

उसने विनम्रतापूर्वक कंधे उचका दिए।

"बिल्कुल वही जो मैंने सोचा था," मैंने कहा, और उसने मेरे लिए दरवाजा खोल दिया।

मैं सीढ़ी पर खड़ा होकर नीचे घास के मैदानों, छंटे हुए पेड़ों और फूलों की क्यारियों के नज़ारों को देख रहा था, जो बगीचों के अंत में लगी ऊँची धातु की रेलिंग तक फैले हुए थे। मैंने कारमेन को लगभग आधे रास्ते में एक पत्थर की बेंच पर बैठे देखा, उसका सिर उसके हाथों के बीच था, वह उदास और अकेली लग रही थी।

मैं लाल ईंटों से बनी सीढ़ियों से नीचे उतरा जो एक छत से दूसरी छत तक जाती थीं। उसके आने से पहले ही मैं उसके काफी करीब पहुँच गया था। वह उछल पड़ी और बिल्ली की तरह घूम गई। उसने वही हल्के नीले रंग की पैंट पहनी हुई थी जो उसने मुझे पहली बार देखने पर पहनी थी। उसके सुनहरे बाल पहले जैसे ही लहराते हुए थे। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। मेरी तरफ देखते ही उसके गालों पर लाल धब्बे उभर आए। उसकी आँखें स्लेटी रंग की थीं।

"ऊब गए हो?" मैंने कहा।

वह धीरे से मुस्कुराई, थोड़ी शरमाते हुए, फिर जल्दी से सिर हिलाया। फिर उसने फुसफुसाते हुए कहा: "क्या तुम मुझसे नाराज़ हो?"

"मुझे लगा आप मुझ पर गुस्सा थे।"

उसने अंगूठा ऊपर किया और खिलखिलाकर हंस पड़ी। "मैं नहीं हूँ।" उसकी खिलखिलाहट सुनकर मुझे वो बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। मैंने चारों ओर देखा। लगभग तीस फीट दूर एक पेड़ पर एक निशाना टंगा हुआ था, जिस पर कुछ तीर चिपके हुए थे। जिस पत्थर की बेंच पर वो बैठी थी, उस पर भी तीन-चार और तीर चिपके हुए थे।

मैंने कहा, "पैसा होने के बावजूद तुम और तुम्हारी बहन को ज्यादा मजा नहीं आता।"

उसने अपनी लंबी पलकों के नीचे से मेरी ओर देखा। यही वो नज़र थी जिससे मुझे करवट बदल

लेनी चाहिए थी। मैंने कहा: "तुम्हें डार्ट्स फेंकना पसंद है?"
"अहां।"
"यह मुझे कुछ याद दिलाता है।" मैंने घर की ओर देखा। लगभग तीन कदम आगे बढ़कर मैंने खुद को एक पेड़ के पीछे छिपा लिया। मैंने उसकी छोटी मोती की मूठ वाली बंदूक अपनी जेब से निकाली। "मैं तुम्हारी बंदूक वापस ले आई हूँ। मैंने इसे साफ करके इसमें गोलियां भर दी हैं। मेरी सलाह मानो—इसे लोगों पर मत चलाना, जब तक कि तुम बेहतर निशानेबाज न बन जाओ। याद है?"
उसका चेहरा पीला पड़ गया और उसका पतला अंगूठा नीचे लटक गया। उसने मेरी तरफ देखा, फिर मेरे हाथ में पकड़ी बंदूक की तरफ। उसकी आँखों में एक अजीब सी जिज्ञासा थी। "हाँ," उसने कहा और सिर हिलाया। फिर अचानक बोली: "मुझे गोली चलाना सिखाओ।"
"हं?"
मुझे शूटिंग करना सिखाओ। मुझे यह अच्छा लगेगा।
"यहाँ? यह कानून के खिलाफ है।"
वह मेरे पास आई और मेरे हाथ से बंदूक छीनकर, उसके बट को अपने हाथ से थाम लिया। फिर उसने बड़ी फुर्ती से, लगभग चोरी-छिपे, उसे अपनी पैंट के अंदर रख लिया और चारों ओर देखने लगी।
"मुझे पता है कहाँ," उसने दबी आवाज़ में कहा। "कुछ पुराने कुओं के पास।" उसने पहाड़ी की ओर इशारा किया। "मुझे सिखाओगे?"
मैंने उसकी स्लेटी नीली आँखों में देखा। मानो मैं बोतल के ढक्कनों को देख रहा था। "ठीक है। जब तक मैं यह न देख लूँ कि जगह ठीक है या नहीं, तब तक मुझे बंदूक वापस दे दो।"
वह मुस्कुराई और मुंह बनाया, फिर शरारती अंदाज़ में चाबी वापस देते हुए बोली, मानो मुझे अपने कमरे की चाबी दे रही हो। हम सीढ़ियाँ चढ़कर मेरी कार तक पहुँचे। बगीचा सुनसान लग रहा था। धूप भी किसी वेटर की मुस्कान की तरह बेजान थी। हम कार में बैठे और मैंने नीचे बने रास्ते से गाड़ी चलाते हुए गेट से बाहर निकल गया।
मैंने पूछा, "विवियन कहाँ है?"
"अभी तक नहीं उठी।" वह खिलखिलाकर हंस पड़ी।
मैं बारिश से भीगी हुई शांत और आलीशान गलियों से होते हुए पहाड़ी से नीचे उतरा, फिर ला ब्रेआ की ओर पूरब की दिशा में मुड़ा, और उसके बाद दक्षिण की ओर। हम लगभग दस मिनट में उस जगह पहुँच गए जहाँ वह जाना चाहती थी।
"अंदर।" वह खिड़की से बाहर झुकी और इशारा किया।
यह एक संकरी कच्ची सड़क थी, किसी पहाड़ी खेत के प्रवेश द्वार जैसी, बस एक पगडंडी जैसी। एक चौड़ा पाँच सलाखों वाला फाटक एक ठूंठ से टिका हुआ था और ऐसा लग रहा था मानो सालों से बंद ही न हुआ हो। सड़क के किनारे ऊँचे यूकेलिप्टस के पेड़ थे और उसमें गहरे गड्ढे थे। ट्रकों ने इसका इस्तेमाल किया था। अब यह खाली और धूप से भरी थी, लेकिन अभी तक धूल नहीं थी। बारिश बहुत तेज़ और हाल ही में हुई थी। मैं गड्ढों के साथ-साथ चलता रहा और शहर के

यातायात का शोर अजीब तरह से और तेज़ी से कम होता गया, मानो यह शहर में हो ही न कि किसी दूर स्वप्नलोक में। फिर तेल से सना हुआ, स्थिर एक लकड़ी के डेरिक का वॉकिंग बीम एक शाखा के ऊपर उठा हुआ दिखाई दिया। मैं जंग लगे पुराने स्टील के तार को देख सकता था जो इस वॉकिंग बीम को बाकी आधा दर्जन बीमों से जोड़ता था। बीम हिल नहीं रहे थे, शायद एक साल से नहीं हिले थे। कुओं से अब पानी नहीं निकल रहा था। वहाँ जंग लगे पाइपों का ढेर था, एक लोडिंग प्लेटफॉर्म था जो एक सिरे से झुका हुआ था, और आधे दर्जन खाली तेल के ड्रम अस्त-व्यस्त ढेर में पड़े थे। वहाँ एक पुराने टैंक का ठहरा हुआ, तेल से सना हुआ पानी था जो सूरज की रोशनी में चमक रहा था।

मैंने पूछा, "क्या वे इन सब चीजों से एक पार्क बनाने जा रहे हैं?"

उसने अपनी ठुड्डी नीचे झुकाई और मेरी ओर देखकर उसकी आँखों में चमक आ गई।

"आखिरकार हो ही गया। उस नाले की बदबू से बकरियों का पूरा झुंड ज़हरीला हो जाएगा। क्या यही वो जगह थी जिसके बारे में आप सोच रहे थे?"

"हम्म। पसंद आया?"

"यह कितना सुंदर है।" मैंने लोडिंग प्लेटफॉर्म के पास गाड़ी रोकी। हम बाहर निकले। मैंने ध्यान से सुना। वाहनों की धीमी आवाज़ दूर से आती हुई मधुमक्खियों की भिनभिनाहट जैसी लग रही थी। वह जगह किसी कब्रिस्तान की तरह सुनसान थी। बारिश के बाद भी ऊंचे यूकेलिप्टस के पेड़ धूल से ढके हुए दिख रहे थे। वे हमेशा धूल से ढके ही रहते हैं। हवा से टूटकर एक शाखा नाले के किनारे पर गिर गई थी और उसके चपटे, चमड़े जैसे पत्ते पानी में लटक रहे थे।

मैं नाले के चारों ओर घूमा और पंपहाउस में झाँका। उसमें कुछ कबाड़ पड़ा था, हाल ही में वहाँ कुछ होने का कोई संकेत नहीं था। बाहर एक बड़ा लकड़ी का बुल व्हील दीवार से टिका हुआ था। कुल मिलाकर वह जगह अच्छी लग रही थी।

मैं वापस कार के पास गया। लड़की कार के बगल में खड़ी अपने बालों को संवार रही थी और उन्हें धूप में फैलाए हुए थी। "मुझे दो," उसने कहा और अपना हाथ आगे बढ़ाया।

मैंने बंदूक निकाली और उसके हाथ में रख दी। मैं नीचे झुका और एक जंग लगा डिब्बा उठाया।

"अब आराम से," मैंने कहा। "पांचों डिब्बे भरे हुए हैं। मैं जाकर इस डिब्बे को उस बड़े लकड़ी के पहिये के बीच में बने चौकोर छेद में रख देता हूँ। देखा?" मैंने इशारा किया। वह खुशी से सिर झुकाकर बोली, "यह लगभग तीस फीट है। जब तक मैं तुम्हारे पास वापस न आ जाऊँ, तब तक गोली चलाना शुरू मत करना। ठीक है?"

"ठीक है," वह खिलखिलाकर हंस पड़ी।

मैं वापस नाली के चारों ओर गया और डिब्बे को बुल व्हील के बीचोंबीच रख दिया। यह एक बढ़िया निशाना बन गया। अगर वह डिब्बे को चूक जाती, जो कि निश्चित था, तो शायद वह व्हील से टकराती। इससे एक छोटी गोली पूरी तरह रुक जाती। हालाँकि, वह उससे भी नहीं टकराने वाली थी।

मैं नाले के चारों ओर घूमकर उसकी ओर वापस गया। जब मैं उससे लगभग दस फीट की दूरी पर, नाले के किनारे पर था, तो उसने मुझे अपने सारे नुकीले छोटे दांत दिखाए और बंदूक ऊपर

उठाकर फुफकारने लगी।
मैं एकदम रुक गया, मेरे पीछे नाले का पानी ठहरा हुआ और बदबूदार था।
"वहीं खड़े रहो, कमीने," उसने कहा।
बंदूक मेरी छाती पर तनी हुई थी। उसका हाथ बिल्कुल स्थिर लग रहा था। फुफकार की आवाज़ तेज़ होती गई और उसका चेहरा खुरदरी हड्डियों जैसा दिखने लगा। बूढ़ी, जर्जर, जानवर जैसी, और कोई अच्छा जानवर नहीं।
मैं उस पर हँस पड़ा। मैं उसकी ओर चलने लगा। मैंने देखा कि उसकी छोटी उंगली ट्रिगर पर कस गई और उसका सिरा सफेद पड़ गया। मैं उससे लगभग छह फीट दूर था जब उसने गोली चलाना शुरू कर दिया।
बंदूक की आवाज तेज थप्पड़ जैसी थी, बिना किसी धमक के, सूरज की रोशनी में एक हल्की सी दरार जैसी। मुझे कोई धुआं नहीं दिखा। मैं फिर रुक गया और उसकी तरफ देखकर मुस्कुराया।
उसने बहुत जल्दी-जल्दी दो बार और गोली चलाई। मुझे नहीं लगता कि कोई भी गोली चूकती। छोटी सी बंदूक में पाँच गोलियाँ थीं। उसने चार गोलियाँ चलाई थीं। मैं उसकी ओर दौड़ा।
मैं नहीं चाहता था कि आखिरी वाला मेरे चेहरे पर लगे, इसलिए मैं एक तरफ हट गया। उसने मुझे बड़ी सावधानी से दिया, बिल्कुल भी चिंतित नहीं थी। मुझे लगता है कि मैंने बारूद के धमाके की गर्म हवा को थोड़ा महसूस किया।
मैं सीधा खड़ा हो गया। "अरे वाह, तुम तो बहुत प्यारे हो," मैंने कहा।
खाली बंदूक पकड़े उसका हाथ बुरी तरह कांपने लगा। बंदूक उसके हाथ से गिर गई। उसका मुंह कांपने लगा। उसका पूरा चेहरा बेजान सा हो गया। फिर उसका सिर बाईं ओर कान की तरफ मुड़ गया और उसके होंठों पर झाग दिखने लगा। उसकी सांसों से कर्कश आवाज आ रही थी। वह लड़खड़ाने लगी।
जब वह गिरी तो मैंने उसे पकड़ लिया। वह पहले से ही बेहोश थी। मैंने दोनों हाथों से उसके दांत खोले और उनके बीच एक रुमाल ठूंस दिया। ऐसा करने में मेरी पूरी ताकत लग गई। मैंने उसे उठाया और कार में बिठाया, फिर बंदूक लेने वापस गया और उसे अपनी जेब में रख लिया। मैं गाड़ी के पहिए के नीचे घुस गया, कार को पीछे किया और उसी उबड़-खाबड़ सड़क से वापस उसी रास्ते पर चल पड़ा, गेटवे से बाहर निकला, पहाड़ी पर चढ़ा और घर पहुँच गया।
कारमेन कार के कोने में बेसुध पड़ी थी। घर की ओर जाने वाली सड़क पर मैं आधा रास्ता ही तय कर पाया था कि वह हिली-डुली। फिर अचानक उसकी आँखें चौड़ी और बेतहाशा खुल गईं। वह उठ बैठी।
"क्या हुआ?" उसने हांफते हुए पूछा।
"कुछ नहीं क्यों?"
"ओह, हाँ, ऐसा ही हुआ," वह हंसते हुए बोली। "मैंने पेशाब कर दिया था।"
मैंने कहा, "वे हमेशा ऐसा करते हैं।"
उसने अचानक एक अस्वस्थ संदेह भरी निगाह से मेरी ओर देखा और कराहने लगी।

कोमल आँखों वाली, घोड़े जैसे चेहरे वाली नौकरानी ने मुझे ऊपर के लंबे, धूसर और सफेद रंग के बैठक कक्ष में प्रवेश कराया, जहाँ हाथीदांत के रंग के पर्दे फर्श पर बेतरतीब ढंग से फैले हुए थे और सफेद कालीन दीवार से दीवार तक बिछी हुई थी। किसी फिल्मी सितारे का शयनकक्ष, आकर्षण और मोहक अदाओं से भरा, मानो लकड़ी के पैर की तरह बनावटी हो। उस समय वह खाली था। मेरे पीछे दरवाजा अस्पताल के दरवाजे की तरह अप्राकृतिक कोमलता से बंद हो गया। सोफे के पास पहियों वाली नाश्ते की मेज रखी थी। उसकी चांदी चमक रही थी। कॉफी के कप में सिगरेट की राख थी। मैं बैठ गया और इंतजार करने लगा।

काफी देर बाद दरवाजा दोबारा खुला और विवियन अंदर आई। उसने सफेद फर से सजे सीप जैसे सफेद रंग के आरामदायक पजामा पहने हुए थे, जो किसी छोटे और खास द्वीप के समुद्र तट पर गर्मियों के मौसम में उमड़ते झाग की तरह लहरा रहे थे।

वह लंबे-लंबे कदमों से मेरे पास से गुजरी और सोफे के किनारे पर बैठ गई। उसके होठों के कोने पर एक सिगरेट थी। आज उसके नाखून जड़ से सिरे तक तांबे जैसे लाल थे, उन पर अर्धचंद्राकार निशान नहीं थे।

"तो तुम आखिरकार एक दरिंदे ही हो," उसने मेरी ओर घूरते हुए धीमी आवाज़ में कहा। "एकदम निर्दयी दरिंदा। तुमने कल रात एक आदमी को मार डाला। मैंने कैसे सुना, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैंने सुना है। और अब तुम्हें यहाँ आकर मेरी छोटी बहन को डराकर पागल करना है।"

मैंने एक शब्द भी नहीं कहा। वह बेचैन होने लगी। वह चप्पल वाली कुर्सी पर जाकर बैठ गई और दीवार से लगी कुर्सी की पीठ पर रखे सफेद तकिये पर अपना सिर टिका लिया। उसने हल्के भूरे रंग का धुआं ऊपर की ओर उड़ाया और उसे छत की ओर तैरते हुए देखा, जो कुछ पल के लिए हवा में दिखाई दिया और फिर गायब हो गया। फिर धीरे से उसने अपनी नज़रें नीचे कीं और मुझे एक ठंडी, कठोर निगाह से देखा।

"मुझे तुम्हारी बात समझ नहीं आ रही," उसने कहा। "मैं बहुत शुक्रगुजार हूँ कि परसों रात हममें से किसी ने अपना आपा नहीं खोया। मेरे अतीत में शराब तस्कर का होना ही काफी बुरा है। भगवान के लिए, तुम कुछ बोलो ना?"

वह कैसी है?

"ओह, मुझे लगता है वो ठीक है। गहरी नींद में सो रही है। वो हमेशा सो जाती है। तुमने उसके साथ क्या किया?"

"कुछ नहीं। तुम्हारे पिता को देखने के बाद मैं घर से बाहर आया तो वो सामने खड़ी थी। वो पेड़ पर लगे निशाने पर डार्ट्स फेंक रही थी। मैं उससे बात करने नीचे गया क्योंकि मेरे पास उसकी कोई चीज़ थी। एक छोटी रिवॉल्वर जो ओवेन टेलर ने उसे एक बार दी थी। वो उसे पिछली शाम, जिस शाम ब्रॉडी की हत्या हुई थी, उसके घर ले गई थी। मुझे वहीं उससे वो रिवॉल्वर वापस लेनी पड़ी। मैंने इस बारे में कुछ नहीं कहा, इसलिए शायद तुम्हें पता नहीं चला।"

स्टर्नवुड की काली आँखें बड़ी और खाली हो गईं। अब चुप रहने की बारी उसकी थी।

"उसे अपनी छोटी बंदूक वापस पाकर बहुत खुशी हुई और वह चाहती थी कि मैं उसे बंदूक चलाना सिखाऊं और वह मुझे पहाड़ी के नीचे पुराने तेल के कुएं दिखाना चाहती थी, जहां से आपके

परिवार ने अपनी कुछ कमाई की थी। तो हम वहां गए और वह जगह काफी डरावनी थी, चारों तरफ जंग लगा धातु, पुरानी लकड़ी, शांत कुएं और चिकने, गंदे गड्ढे थे। शायद इसी वजह से वह परेशान हो गई। मुझे लगता है आप भी वहां गए होंगे। वह जगह वाकई डरावनी थी।"

"हाँ—यही है।" अब उसकी आवाज़ धीमी और कांपती हुई थी।

"तो हम अंदर गए और मैंने उसके लिए एक बुल व्हील में एक कैन रख दिया ताकि वह उसे फोड़ सके। उसने जोर से फूंक मारी। मुझे तो यह हल्के मिर्गी के दौरे जैसा लगा।"

"हाँ।" वही धीमी आवाज़ में। "उसे कभी-कभार ऐसा होता है। क्या आप मुझसे सिर्फ इसी बारे में बात करने आए थे?"

"मुझे लगता है कि तुम अब भी मुझे यह नहीं बताओगे कि एडी मार्स के पास तुम्हारे बारे में क्या जानकारी है।"

"बिल्कुल कुछ नहीं। और मैं इस सवाल से थोड़ी ऊब चुकी हूँ," उसने ठंडे लहजे में कहा।

"क्या आप कैनिनो नाम के किसी व्यक्ति को जानते हैं?"

सोच में डूबी हुई उसने अपनी सुंदर काली भौहें सिकोड़ लीं। "धुंधला-धुंधला। मुझे नाम याद आ रहा है।"

"एडी मार्स का शूटर। लोग कहते थे कि वो एक सख्त मिजाज आदमी था। शायद वो था भी। अगर उस औरत की मदद न मिलती तो मैं भी वहीं होता जहाँ वो है—मुर्दाघर में।"

"महिलाओं को तो लगता है—" वह एकदम रुक गई और उसका चेहरा पीला पड़ गया। "मैं इस बारे में मजाक नहीं कर सकती," उसने सरल शब्दों में कहा।

मैं मजाक नहीं कर रहा हूँ, और अगर मेरी बातें गोलमोल लग रही हैं, तो बस ऐसा लग रहा है। सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है—सब कुछ। गीगर और उसकी चालाकी भरी ब्लैकमेल की तरकीबें, ब्रॉडी और उसकी तस्वीरें, एडी मार्स और उसके रूलेट टेबल, कैनिनो और वो लड़की जिसके साथ रस्टी रेगन भाग नहीं पाया। सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है।

मुझे अफसोस है कि मुझे समझ ही नहीं आ रहा कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।

मान लीजिए कि आपने ऐसा किया—तो कुछ इस तरह होता। गीगर ने आपकी बहन को अपने जाल में फंसा लिया, जो कि बहुत मुश्किल नहीं है, और उससे कुछ नोट लेकर आपके पिता को ब्लैकमेल करने की कोशिश की, वो भी बड़े ही अच्छे तरीके से। एडी मार्स गीगर के पीछे था, उसकी रक्षा कर रहा था और उसे मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहा था। आपके पिता ने पैसे देने के बजाय मुझे बुलवाया, जिससे पता चलता है कि उन्हें किसी बात का डर नहीं था। एडी मार्स यही जानना चाहता था। उसके पास आपके बारे में कुछ जानकारी थी और वह यह भी जानना चाहता था कि क्या उसके पास जनरल के बारे में भी कोई जानकारी है। अगर होती, तो वह जल्दी से बहुत सारा पैसा इकट्ठा कर सकता था। अगर नहीं, तो उसे तब तक इंतजार करना पड़ता जब तक आपको पारिवारिक संपत्ति में आपका हिस्सा नहीं मिल जाता, और इस बीच वह रूलेट टेबल पर आपसे जो भी अतिरिक्त पैसा छीन सकता था, उसी से संतुष्ट रहता। गीगर को ओवेन टेलर ने मार डाला, जो आपकी भोली-भाली छोटी बहन से प्यार करता था और गीगर के उसके साथ खेले जाने वाले खेल उसे पसंद नहीं थे। एडी के लिए इसका कोई मतलब नहीं था।

वह गीगर या ब्रॉडी से कहीं ज्यादा गहरी चाल चल रहा था। या फिर आप और एडी और कैनिनो नाम के एक दबंग आदमी के अलावा किसी और को नहीं। आपका पति गायब हो गया और एडी, यह जानते हुए कि हर कोई जानता है कि उसके और रीगन के बीच दुश्मनी थी, ने अपनी पत्नी को रियलिटो में छिपा दिया और कैनिनो को उसकी रखवाली के लिए लगा दिया, ताकि ऐसा लगे कि वह रीगन के साथ भाग गई है। उसने रीगन की कार को उस जगह के गैरेज में भी पार्क करवा दिया जहाँ मोना मार्स रहती थी। लेकिन इसे केवल इस प्रयास के रूप में देखना थोड़ा बेतुका लगता है कि एडी ने आपके पति की हत्या की थी या करवाई थी। असल में यह इतना बेतुका नहीं है। उसका एक और मकसद था। वह लगभग दस लाख डॉलर का खेल खेल रहा था। वह जानता था कि रीगन कहाँ गई थी और क्यों, और वह नहीं चाहता था कि पुलिस को इसका पता चले। वह चाहता था कि पुलिस को गायब होने का ऐसा स्पष्टीकरण मिल जाए जिससे वे संतुष्ट हो जाएँ। क्या मैं आपको बोर कर रहा हूँ?

"तुम मुझे थका देते हो," उसने एक बेजान, थकी हुई आवाज़ में कहा। "हे भगवान, तुम मुझे कितना थका देते हो!"

"मुझे माफ करना। मैं सिर्फ चालाकी दिखाने के लिए मजाक नहीं कर रहा हूँ। आज सुबह तुम्हारे पिता ने मुझे रीगन को ढूंढने के लिए एक हजार डॉलर देने की पेशकश की। यह मेरे लिए बहुत बड़ी रकम है, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता।"

उसका मुंह खुला रह गया। उसकी सांसें अचानक तेज और कर्कश हो गईं। "मुझे एक सिगरेट दो," उसने भारी आवाज में कहा। "क्यों?" उसके गले की नसें फड़कने लगी थीं।

मैंने उसे एक सिगरेट दी और माचिस जलाकर उसके लिए पकड़ ली। उसने एक कश लिया और बेतरतीब ढंग से धुआँ छोड़ा, फिर जैसे सिगरेट उसकी उंगलियों के बीच ही रह गई। उसने फिर कभी सिगरेट नहीं पी।

मैंने कहा, "खैर, गुमशुदा व्यक्तियों का ब्यूरो उसे नहीं ढूंढ पा रहा है। यह इतना आसान नहीं है। जो वे नहीं कर सकते, वह शायद मैं भी नहीं कर पाऊंगा।"

"ओह।" उसकी आवाज़ में राहत का भाव था।

"यही एक कारण है। गुमशुदा व्यक्तियों की जांच करने वाले लोगों का मानना है कि वह जानबूझकर गायब हो गया, मानो उसने खुद को गायब कर लिया हो। उन्हें नहीं लगता कि एडी मार्स ने उसे मार डाला।"

"किसने कहा कि किसी ने उसे मार डाला?"

मैंने कहा, "हम उस ओर बढ़ रहे हैं।"

एक पल के लिए उसका चेहरा मानो बिखर गया, मानो आकार और नियंत्रण के बिना सिर्फ़ भावों का एक समूह बन गया हो। उसका मुँह चीखने की तैयारी जैसा लग रहा था। लेकिन सिर्फ़ एक पल के लिए। स्टर्नवुड का खून उसकी काली आँखों और उसकी बेपरवाही से कहीं ज़्यादा कुछ तो अच्छा होना ही चाहिए।

मैं खड़ा हुआ और उसकी उंगलियों के बीच से जलती हुई सिगरेट लेकर उसे ऐशट्रे में बुझा दिया। फिर मैंने कारमेन की छोटी सी बंदूक अपनी जेब से निकाली और उसे बड़ी सावधानी से,

दिखावटी ढंग से, उसके सफेद साटन के घुटने पर रख दिया। मैंने उसे वहीं संतुलित किया और एक तरफ सिर झुकाकर पीछे हट गया, जैसे कोई दुकानदार किसी पुतले की गर्दन के चारों ओर स्कार्फ को नए ढंग से लपेटकर प्रभाव पैदा कर रहा हो।

मैं फिर से बैठ गया। वह हिली नहीं। उसकी आँखें धीरे-धीरे नीचे आईं और बंदूक को देखने लगीं।

मैंने कहा, "इसमें कोई नुकसान नहीं है। पांचों चैंबर खाली हैं। उसने सारी गोलियां चलाईं। उसने सारी गोलियां मुझ पर चलाईं।"

उसकी नब्ज़ तेज़ी से धड़कने लगी। उसकी आवाज़ कुछ कहना चाहती थी, पर कह नहीं पाई। उसने निगलने की कोशिश की।

"पांच-छह फीट की दूरी से," मैंने कहा। "प्यारी सी बच्ची है ना? अफसोस की बात है कि मैंने बंदूक में खाली गोलियां भर दी थीं।" मैं शरारती मुस्कान के साथ बोला, "मुझे पहले से ही अंदाजा था कि मौका मिलने पर वह क्या करेगी।"

उसने बहुत दूर से अपनी आवाज़ को वापस लाते हुए कहा, "तुम एक भयानक आदमी हो। भयानक।"

"हाँ। तुम उसकी बड़ी बहन हो। तुम इसके बारे में क्या करने वाली हो?"

आप इसका एक भी शब्द साबित नहीं कर सकते।

"क्या साबित नहीं कर सकते?"

"उसने तुम पर गोली चलाई। तुमने कहा कि तुम उसके साथ अकेले कुओं के पास थे। तुम अपनी बात का एक शब्द भी साबित नहीं कर सकते।"

"ओह, वह बात," मैंने कहा। "मैं कोशिश करने के बारे में नहीं सोच रहा था। मैं किसी और समय के बारे में सोच रहा था—जब छोटी बंदूक के खोलों में गोलियां भरी हुई थीं।"

उसकी आंखें अंधकार के कुंडों जैसी थीं, अंधकार से भी कहीं अधिक खाली।

मैंने कहा, "मैं उस दिन के बारे में सोच रहा था जब रीगन गायब हो गई थी। दोपहर ढलने के बाद का समय था। जब वह उसे उन पुराने कुओं के पास ले गया था, उसे निशाना लगाना सिखाने के लिए, और कहीं एक डिब्बा रखकर उसे उस पर गोली चलाने को कहा था, और जब वह गोली चला रही थी तो वह उसके पास खड़ा रहा। लेकिन उसने डिब्बे पर गोली नहीं चलाई। उसने बंदूक घुमाई और उसे गोली मार दी, ठीक वैसे ही जैसे उसने आज मुझे गोली मारने की कोशिश की, और उसी कारण से।"

वह थोड़ी हिली और बंदूक उसके घुटने से फिसलकर ज़मीन पर गिर गई। मैंने अब तक जितनी भी आवाज़ें सुनी थीं, उनमें से यह सबसे तेज़ आवाज़ थी। उसकी आँखें मेरे चेहरे पर टिकी हुई थीं। उसकी आवाज़ दर्द से भरी फुसफुसाहट थी। "कारमेन! हे दयालु ईश्वर, कारमेन! ... क्यों?"

"क्या मुझे वाकई आपको यह बताने की ज़रूरत है कि उसने मुझ पर गोली क्यों चलाई?"

"हाँ।" उसकी आँखें अब भी भयानक थीं। "मुझे—मुझे डर है कि आप ऐसा करते हैं।"

"परसों रात जब मैं घर लौटा तो वो मेरे अपार्टमेंट में थी। उसने मैनेजर को बहला-फुसलाकर अंदर आने दिया था ताकि वो मेरा इंतज़ार कर सके। वो मेरे बिस्तर पर नग्न अवस्था में थी। मैंने उसे घूंसा मारकर बाहर निकाल दिया। शायद रीगन ने भी कभी उसके साथ ऐसा ही किया होगा।

लेकिन आप कारमेन के साथ ऐसा नहीं कर सकते।"
उसने अपने होंठ पीछे खींचे और उन्हें चाटने की बेमन से कोशिश की। पल भर के लिए वह एक डरे हुए बच्चे जैसी लग रही थी। उसके गालों की रेखाएं और भी तीखी हो गईं और उसका हाथ धीरे-धीरे ऊपर उठा, मानो तारों से चलने वाला कोई कृत्रिम हाथ हो, और उसकी उंगलियां धीरे-धीरे और सख्ती से उसके गले पर लगे सफेद फर पर बंद हो गईं। उन्होंने फर को उसके गले से कसकर चिपका दिया। उसके बाद वह बस देखती ही रह गई।
"पैसा," उसने कर्कश आवाज में कहा। "मुझे लगता है कि तुम्हें पैसा चाहिए।"
"कितने पैसे?" मैंने व्यंग्य न करने की कोशिश की।
"पंद्रह हजार डॉलर?"
मैंने सिर हिलाया। "लगभग यही सही होगा। यही तयशुदा फीस होगी। जब उसने उसे गोली मारी थी, तब उसकी जेब में यही रकम थी। यही रकम मिस्टर कैनिनो को लाश ठिकाने लगाने के लिए मिली थी, जब आप एडी मार्स से मदद मांगने गए थे। लेकिन एडी को जो मिलने वाला है, उसके मुकाबले यह तो कुछ भी नहीं है, है ना?"
"तू कमीना है!" उसने कहा।
"हाँ। मैं बहुत चालाक आदमी हूँ। दुनिया में मेरे अंदर कोई भावना या नैतिकता नहीं है। मुझे बस पैसे की भूख है। मैं इतना लालची हूँ कि पच्चीस डॉलर प्रतिदिन और खर्चों, जिनमें ज़्यादातर पेट्रोल और शराब शामिल हैं, के लिए मैं खुद ही सोचता हूँ, जितना भी सोच सकता हूँ; मैं अपना पूरा भविष्य दांव पर लगा देता हूँ, पुलिस और एडी मार्स और उसके दोस्तों की नफरत को भी। मैं गोलियों से बचता हूँ और बेवकूफों को खाता हूँ, और कहता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद, अगर आपको कोई और परेशानी हो, तो मुझे उम्मीद है कि आप मुझे याद करेंगे, मैं अपना एक कार्ड छोड़ जाऊँगा, अगर कुछ हो जाए तो। मैं यह सब पच्चीस डॉलर प्रतिदिन के लिए करता हूँ—और शायद थोड़ा-बहुत उस थोड़ी सी स्वाभिमान की रक्षा के लिए जो एक टूटे-फूटे और बीमार बूढ़े आदमी के खून में बची है, इस सोच में कि उसका खून ज़हर नहीं है, और हालाँकि उसकी दो छोटी बेटियाँ थोड़ी शरारती हैं, जैसा कि आजकल कई अच्छी लड़कियाँ होती हैं, वे विकृत या हत्यारी नहीं हैं। और यही मुझे कमीना बनाता है। ठीक है। मुझे किसी बात की परवाह नहीं है।" उस बारे में। मुझे हर तरह के लोगों ने, यहाँ तक कि तुम्हारी छोटी बहन ने भी, ये नाम दिए हैं। उसने तो मेरे साथ बिस्तर पर न जाने पर मुझे इससे भी बदतर नाम दिए। मुझे तुम्हारे पिता से पाँच सौ डॉलर मिले, जो मैंने माँगे नहीं थे, लेकिन वो मुझे दे सकते हैं। अगर मैं मिस्टर रस्टी रेगन को ढूँढ़ सकूँ, तो मुझे एक हज़ार डॉलर और मिल सकते हैं। अब तुम मुझे पंद्रह हज़ार डॉलर दे रहे हो। इससे मैं बड़ा आदमी बन जाऊँगा। पंद्रह हज़ार डॉलर से मैं एक घर, एक नई कार और चार जोड़ी कपड़े खरीद सकता हूँ। मैं बिना किसी केस के हारने की चिंता किए छुट्टी पर भी जा सकता हूँ। ठीक है। तुम मुझे ये सब किसलिए दे रहे हो? क्या मैं ऐसे ही बदतमीज़ बना रहूँ, या मुझे उस शराबी की तरह एक सज्जन बनना होगा जो पिछली रात अपनी कार में बेहोश हो गया था?
वह पत्थर की तरह खामोश थी।
"ठीक है," मैंने भारी स्वर में कहा। "क्या आप उसे यहाँ से कहीं दूर ले जाएँगे? ऐसी जगह जहाँ

उसके जैसे लोगों को संभाला जा सके, जहाँ बंदूकें, चाकू और शराब उससे दूर रखी जाएँ? अरे हाँ, हो सकता है वह ठीक भी हो जाए, आपको पता है। ऐसा पहले भी हो चुका है।"

वह उठी और धीरे-धीरे खिड़कियों की ओर चली। उसके पैरों के पास भारी हाथीदांत रंग के पर्दे तहों में पड़े थे। वह तहों के बीच खड़ी होकर बाहर, शांत, धुंधली पहाड़ियों की ओर देखने लगी। वह स्थिर खड़ी रही, मानो पर्दों में ही समा गई हो। उसके हाथ उसके बगल में लटके हुए थे। बिल्कुल गतिहीन हाथ। वह मुड़ी और कमरे में वापस आई और मुझे अनदेखा करते हुए आगे बढ़ गई। जब वह मेरे पीछे पहुँची तो उसने गहरी साँस ली और बोली।

“वो नाले में पड़ा है,” उसने कहा। “एक भयानक सड़ी-गली चीज़। मैंने किया। मैंने वही किया जो तुमने कहा था। मैं एडी मार्स के पास गई। वो घर आई और मुझे सब कुछ बताया, बिल्कुल एक बच्चे की तरह। वो सामान्य नहीं है। मुझे पता था कि पुलिस उससे सब कुछ उगलवा लेगी। थोड़ी देर में वो इस बारे में शेखी भी बघारेगी। और अगर पिताजी को पता चलता, तो वो तुरंत पुलिस को फोन करके पूरी कहानी बता देते। और उसी रात किसी समय उनकी मृत्यु हो जाती। ये उनकी मृत्यु नहीं है—ये वो बातें हैं जो वो मरने से ठीक पहले सोच रहे होंगे। रस्टी बुरा आदमी नहीं था। मैं उससे प्यार नहीं करती थी। वो ठीक-ठाक था, मुझे लगता है। बस पिताजी से ये बात छुपाने के मुकाबले, चाहे वो ज़िंदा हो या मरा हुआ, उसका मेरे लिए कोई महत्व नहीं था।”

मैंने कहा, "तो तुम उसे यूं ही बेफिक्र घूमने देते हो, ताकि वह दूसरी मुसीबतों में फंस जाए।"

मैं समय बिताने के लिए खेल रहा था। बस समय के लिए। ज़ाहिर है, मैंने गलत तरीके से खेला। मुझे लगा कि शायद वह खुद भी भूल जाए। मैंने सुना है कि ऐसे दौरों में लोग भूल जाते हैं कि क्या हुआ था। शायद वह भूल गई हो। मुझे पता था कि एडी मार्स मुझे पूरी तरह से मदहोश कर देगा, लेकिन मुझे परवाह नहीं थी। मुझे मदद चाहिए थी और वह मुझे सिर्फ उसी जैसे किसी से मिल सकती थी। ...कई बार ऐसा हुआ जब मुझे खुद भी यकीन नहीं हुआ। और कई बार मुझे जल्दी से शराब पीनी पड़ी - चाहे दिन का कोई भी समय हो। बहुत ही जल्दी।"

मैंने कहा, "तुम उसे यहाँ से ले जाओगे। और यह काम बहुत जल्दी करोगे।"

वह अब भी मेरी तरफ पीठ करके खड़ी थी। उसने अब धीमी आवाज़ में कहा: "तुम्हारा क्या हाल है?"

"मेरे बारे में कुछ नहीं। मैं जा रहा हूँ। मैं तुम्हें तीन दिन का समय देता हूँ। अगर तुम तब तक चले गए तो ठीक है। अगर नहीं गए तो फिर सब कुछ सामने आ जाएगा। और यह मत सोचना कि मैं यह बात हल्के में ले रहा हूँ।"

वह अचानक मुड़ी। "मुझे नहीं पता कि आपसे क्या कहूँ। मुझे नहीं पता कि शुरुआत कैसे करूँ।"

"हाँ। उसे यहाँ से बाहर निकालो और यह सुनिश्चित करो कि उस पर हर मिनट नज़र रखी जाए। वादा?"

मैं वादा करता हूँ। एडी—"

"एडी को भूल जाओ। थोड़ा आराम करने के बाद मैं उससे मिलने जाऊंगा। एडी से मैं निपट लूंगा।"

वह तुम्हें जान से मारने की कोशिश करेगा।

"हाँ," मैंने कहा। "उसका सबसे अच्छा लड़का नहीं कर सका। मैं बाकी लोगों पर भरोसा करूँगा। क्या नॉरिस को पता है?"

वह कभी नहीं बताएगा।

मुझे लगा कि उसे पता था।

मैं उससे दूर कमरे से बाहर निकलकर टाइलों वाली सीढ़ियों से होते हुए सामने वाले हॉल में चला गया। जाते समय मुझे कोई नहीं दिखा। इस बार मुझे मेरी टोपी अकेली मिली। बाहर, चमकीले बगीचों में एक अजीब सा सन्नाटा पसरा हुआ था, मानो झाड़ियों के पीछे से छोटी-छोटी जंगली आँखें मुझे देख रही हों, मानो सूरज की रोशनी में भी कोई रहस्यमयी बात छिपी हो। मैं अपनी कार में बैठा और पहाड़ी से नीचे चला गया।

मरने के बाद आप कहाँ लेटते हैं, इससे क्या फर्क पड़ता है? किसी गंदे गड्ढे में या किसी ऊँची पहाड़ी पर बने संगमरमर के टावर में? आप मर चुके थे, गहरी नींद सो रहे थे, आपको ऐसी बातों की कोई परवाह नहीं थी। तेल और पानी आपके लिए हवा और वायु के समान थे। आप बस गहरी नींद सो रहे थे, इस बात की परवाह किए बिना कि आपकी मृत्यु कितनी घिनौनी थी या आप कहाँ गिरे। मैं, अब उस घिनौनी स्थिति का हिस्सा था। रस्टी रेगन से कहीं ज़्यादा। लेकिन उस बूढ़े को ऐसा होने की ज़रूरत नहीं थी। वह अपने चंदोवे वाले पलंग पर चुपचाप लेटा रह सकता था, अपने खूनहीन हाथों को चादर पर मोड़े, इंतज़ार करता हुआ। उसका दिल एक हल्की, अनिश्चित धड़कन की तरह धड़क रहा था। उसके विचार राख की तरह धूसर थे। और थोड़ी देर में वह भी, रस्टी रेगन की तरह, गहरी नींद सो रहा होगा।

शहर जाते समय मैं एक बार में रुका और दो-चार डबल स्कॉच पी लीं। उनसे मुझे कोई फायदा नहीं हुआ। उनसे बस मुझे सिल्वर-विग की याद आ गई और मैंने उसे फिर कभी नहीं देखा।

***** समाप्त *****

लेखक के बारे में

रेमंड चैंडलर का जन्म *23* जुलाई, *1888* को शिकागो, इलिनोइस में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश बचपन और युवावस्था इंग्लैंड में बिताई, जहाँ उन्होंने डुलविच कॉलेज में पढ़ाई की और बाद में द वेस्टमिंस्टर गजेट और द स्पेक्टेटर के लिए स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम किया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, उन्होंने कनाडाई अभियान बल की प्रथम डिवीजन के साथ फ्रांस में सेवा की, और बाद में रॉयल फ्लाइंग कॉर्प्स *(*आर.ए.एफ.*)* में स्थानांतरित हो गए। *1919* में वे संयुक्त राज्य अमेरिका लौट आए और कैलिफोर्निया में बस गए, जहाँ वे अंततः कई स्वतंत्र तेल कंपनियों के निदेशक बने। महामंदी ने उनके व्यावसायिक करियर को समाप्त कर दिया, और *1933* में, पैंतालीस वर्ष की आयु में, उन्होंने लेखन की ओर रुख किया और ब्लैक मास्क में अपनी पहली कहानियाँ प्रकाशित कीं। उनका पहला उपन्यास, द बिग स्लीप, *1939* में प्रकाशित हुआ। एक विपुल लेखक न होते हुए भी, उन्होंने अपने जीवनकाल में केवल एक कहानी संग्रह और सात उपन्यास प्रकाशित किए। अपने जीवन के अंतिम वर्ष में, उन्हें मिस्ट्री राइटर्स ऑफ अमेरिका का अध्यक्ष चुना गया। उनका निधन *26* मार्च, *1959* को ला जोला, कैलिफोर्निया में हुआ।